



भारत का राजस्वी The Gazette of India

प्राप्तिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 12]

नई विल्ली, शनिवार, मार्च 20, 1993/फाल्गुन 29, 1914

No. 12]

NEW DELHI, SATURDAY, MARCH 20, 1993/PHALGUNA 29, 1914

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या वी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

भाग II—वर्ग 3—उप-वर्ग (ii)
PART II—Section 3—Sub-Section (ii)

भारत सरकार के मंत्रालयों (एक मंत्रालय को छोटकर) द्वारा जारी किए गए सार्विक जावेश भीर अधिनियमों
Statutory Orders and notifications issued by the Ministries of the Government of India (other than
Ministry of the Defence)

रियो श्री न्याय अधिकारी
(विधि कार्य विभाग)
(न्यायिक अनुभाग)

सूचना
नई विल्ली, 25 जनवरी, 1993

का. न्या. 514—नोटरीज नियम, 1956 के नियम 6 के अनुसरण में
सकाम प्राधिकारी द्वारा यह सूचना दी जाती है कि श्री जनकराज शर्मा,
एडवोकेट ने उक्त प्राधिकारी को उक्त नियम के नियम 4 के प्रधीन
एक आवेदन इस बात के लिए दिया है कि उसे अस्थाया जिला (हरयाणा)
में व्यवसाय करने के लिए नोटरी के रूप में नियुक्ति पर किसी भी प्रकार
वा. आपेक्षा इस सूचना के प्रकाशन के बीच द्वितीय नियम भूप
में मेरे पास भेजा जाए।

[नं. 5(12)/93-न्यायिक]
पी.सी. कण्णन, सकाम प्राधिकारी

MINISTRY OF LAW, JUSTICE & COMPANY AFFAIRS
(Department of Legal Affairs)
(Judicial Section)
NOTICE

New Delhi, the 25th January, 1993

S.O. 514.—Notice is hereby given by the Competent Authority in pursuance of Rule 6 of the Notaries Act, 1956

that application has been made to the said Authority, under rule 4 of the said Rules, by Shri Janak Rai Sharma, Advocate for appointment as a Notary to practices in Ambala Distt. (Haryana).

2. Any objection to the appointment of the said person as a Notary may be submitted in writing to the undersigned within fourteen days of the publication for this notice.

[No. F. 5(12)/93-Judl]
P. C. KANNAN, Competent Authority

सूचना

नई विल्ली, 25 जनवरी, 1993

का. न्या. 515—नोटरीज नियम, 1956 के नियम 6 के अनुसरण में
सकाम प्राधिकारी द्वारा यह सूचना दी जाती है कि श्री सुभाष बन्द्र सक्सेना,
एडवोकेट ने उक्त प्राधिकारी को उक्त नियम के नियम 4 के प्रधीन
एक आवेदन इस बात के लिए दिया है कि उसे एटा जिला (उत्तर प्रदेश)
व्यवसाय करने के लिए नोटरी के रूप में नियुक्ति पर किसी भी प्रकार का
आपेक्षा इस सूचना के प्रकाशन के बीच द्वितीय नियम भूप
में मेरे पास भेजा जाए।

[नं. 5(13)/93-न्यायिक]
पी.सी. कण्णन, सकाम प्राधिकारी

NOTICE

New Delhi, the 25th January, 1993

S.O. 515.—Notice is hereby given by the Competent Authority in pursuance of Rule 6 of the Notaries Act, 1956 that application has been made to the said Authority, under Rule 4 of the said Rules, by Sri Subhash Chandra Saxena, Advocate for appointment as a Notary to practise in Etah Distt. (U.P.).

2. Any objection to the appointment of the said person as a Notary may be submitted in writing to the undersigned within fourteen days of the publication for this notice.

[No. F. 5(13)/93-Judl]

P. C. KANNAN, Competent Authority

सूचना

मई विल्सनी, 25 जनवरी, 1993

का.पा. 516.—नोटरीज नियम, 1956 के नियम 6 के अनुसरण में सक्षम प्राधिकारी द्वारा यह सूचना दी जाती है कि श्री पी.वी. बालाकृष्ण, एडब्ल्यूकेट ने उक्त प्राधिकारी को उक्त नियम के नियम 4 के अधीन एक आवेदन इस बात के लिए दिया है कि उसे मैसूर सिटी (कर्नाटक राज्य) में अवसाय करने के लिए नोटरी के रूप में नियुक्ति पर किसी भी प्रकार का आपेक्ष इस सूचना के प्रकाशन के चौदह दिन के भीतर लिखित रूप से मेरे पास भेजा जाए।

[सं. 5(14)/93-न्यायिक]

पी.सी. कण्णन, सक्षम प्राधिकारी

NOTICE

New Delhi, the 25th January, 1993

S.O. 516.—Notice is hereby given by the Competent Authority in pursuance of Rule 6 of the Notaries Act, 1956 that application has been made to the said Authority, under Rule 4 of the said Rules, by Shri P. V. Balakrishna, Advocate for appointment as a Notary to practise in Mysore City (Karnataka).

2. Any objection to the appointment of the said person as a Notary may be submitted in writing to the undersigned within fourteen days of the publication for this notice.

[No. F. 5(14)/93-Judl]

P. C. KANNAN, Competent Authority

सूचना

मई विल्सनी, 1 फरवरी, 1993

का.पा. 517.—नोटरीज नियम, 1956 के नियम 6 के अनुसरण में सक्षम प्राधिकारी द्वारा यह सूचना दी जाती है कि श्री मुकेश अम्बद शर्मा, एडब्ल्यूकेट ने उक्त प्राधिकारी को उक्त नियम के नियम 4 के अधीन एक आवेदन इस बात के लिए दिया है कि उसे तहसील गढ़ मुक्तेश्वर (उ. प.) में अवसाय करने के लिए नोटरी के रूप में नियुक्ति पर किसी भी प्रकार का आपेक्ष इस सूचना के प्रकाशन के चौदह दिन के भीतर लिखित रूप से मेरे पास भेजा जाए।

[सं. 5(16)/93-न्यायिक]

पी.सी. कण्णन, सक्षम प्राधिकारी

NOTICE

New Delhi, the 1st February, 1993

S.O. 517.—Notice is hereby given by the Competent Authority in pursuance of Rule 6 of the Notaries Act, 1956 that application has been made to the said Authority, under

Rule 4 of the said Rules, by Shri Mukesh Chand Sharma, Advocate for appointment as a Notary to practise in Teh. Garh-Mukteshwar (U.P.).

2. Any objection to the appointment of the said person as a Notary may be submitted in writing to the undersigned within fourteen days of the publication for this notice.

[No. F. 5(16)/93-Judl]

P. C. KANNAN, Competent Authority

सूचना

मई विल्सनी, 3 फरवरी, 1993

का.पा. 518.—नोटरीज नियम, 1956 के नियम 6 के अनुसरण में सक्षम प्राधिकारी द्वारा यह सूचना दी जाती है कि श्री बी.सी. मालायुर एडब्ल्यूकेट ने उक्त प्राधिकारी को उक्त नियम के नियम 4 के अधीन एक आवेदन इस बात के लिए दिया है कि उसे बनहटी, जिला बीगापुर (कर्नाटक) में अवसाय करने के लिए नोटरी के रूप नियुक्ति पर किसी भी प्रकार का आपेक्ष इस सूचना के प्रकाशन के चौदह दिन के भीतर लिखित रूप से मेरे पास भेजा जाए।

[सं. 5(17)/93-न्यायिक]

पी.सी. कण्णन, सक्षम प्राधिकारी

NOTICE

New Delhi, the 3rd February, 1993

S.O. 518.—Notice is hereby given by the Competent Authority in pursuance of Rule 6 of the Notaries Act, 1956 that application has been made to the said Authority, under Rule 4 of the said Rules, by Shri P. V. Balakrishna, Advocate for appointment as a Notary to practise in Banihatti Distt. Bijapur (Karnataka).

2. Any objection to the appointment of the said person as a Notary may be submitted in writing to the undersigned within fourteen days of the publication for this notice.

[No. F. 5(17)/93-Judl]

P. C. KANNAN, Competent Authority

सूचना

मई विल्सनी, 3 फरवरी, 1993

का.पा. 519.—नोटरीज नियम, 1956 के नियम 6 के अनुसरण में सक्षम प्राधिकारी द्वारा यह सूचना दी जाती है कि श्री जी.पी. तिवारी, एडब्ल्यूकेट ने उक्त प्राधिकारी को उक्त नियम के नियम 4 के अधीन एक आवेदन इस बात के लिए दिया है कि उसे जांसी (उत्तर प्रदेश राज्य) में अवसाय करने के लिए नोटरी के रूप नियुक्ति पर किसी भी प्रकार का आपेक्ष इस सूचना के प्रकाशन के चौदह दिन के भीतर लिखित रूप से मेरे पास भेजा जाए।

[सं. 5(18)/93-न्यायिक]

पी.सी. कण्णन, सक्षम प्राधिकारी

NOTICE

New Delhi, the 3rd February, 1993

S.O. 519.—Notice is hereby given by the Competent Authority in pursuance of Rule 6 of the Notaries Act, 1956 that application has been made to the said Authority, under Rule 4 of the said Rules, by Shri G. P. Tewari, Advocate for appointment as a Notary to practise in Jhansi (U.P.).

2. Any objection to the appointment of the said person as a Notary may be submitted in writing to the undersigned within fourteen days of the publication for this notice.

[No. F. 5(18)/93-Judl]

P. C. KANNAN, Competent Authority

सूचना

नई दिल्ली, 8 फरवरी, 1993

का. घा. 520.—नोटरीज नियम, 1956 के नियम 6 के अनुसरण में सक्षम प्राधिकारी द्वारा यह सूचना दी जाती है कि श्री सर्वद इनदर जमीला, एडवोकेट ने उक्त प्राधिकारी को उक्त नियम के नियम 4 के अधीन एक आवेदन इस बात के लिए दिया है कि उसे चित्रमातृ, फन्क्शनाल (उत्तर प्रदेश) में व्यवसाय करने के लिए नोटरी के रूप में नियुक्ति पर किसी भी प्रकार का प्राक्षेप इस सूचना के प्रकाशन के चौदह दिन के भीतर लिखित रूप से मेरे पास भेजा जाए।

[सं. 5(19)/93-न्यायिक]

पी.सी. कण्णन, सक्षम प्राधिकारी

NOTICE

New Delhi, the 8th February, 1993

S.O. 520.—Notice is hereby given by the Competent Authority in pursuance of Rule 6 of the Notaries Act, 1956 that application has been made to the said Authority, under Rule 4 of the said Rules, by Shri Syed Anwar Jamil, Advocate for appointment as a Notary to practise in Chhobra-
maun, Farukhabad (U.P.).

2. Any objection to the appointment of the said person as a Notary may be submitted in writing to the undersigned within fourteen days of the publication for this notice.

[No. F. 5(19)/93-Judl]

P. C. KANNAN, Competent Authority

सूचना

नई दिल्ली, 9 फरवरी, 1993

का. घा. 521.—नोटरीज नियम, 1956 के नियम 6 के अनुसरण में सक्षम प्राधिकारी द्वारा यह सूचना दी जाती है कि श्रीमती प्रमिला फारक्या, एडवोकेट ने उक्त प्राधिकारी को उक्त नियम के नियम 4 के अधीन एक आवेदन इस बात के लिए दिया है कि उसे देवास (मध्य प्रदेश) में व्यवसाय करने के लिए नोटरी के रूप में नियुक्ति पर किसी भी प्रकार का प्राक्षेप इस सूचना के प्रकाशन के चौदह दिन के भीतर लिखित रूप से मेरे पास भेजा जाए।

[सं. 5(20)/93-न्यायिक]

पी.सी. कण्णन, सक्षम प्राधिकारी

NOTICE

New Delhi, the 9th February, 1993

S.O. 521.—Notice is hereby given by the Competent Authority in pursuance of Rule 6 of the Notaries Act, 1956 that application has been made to the said Authority, under Rule 4 of the said Rules, by Shrimati Promila Farkya, Advocate for appointment as a Notary to practise in Dewas (Madhya Pradesh).

2. Any objection to the appointment of the said person as a Notary may be submitted in writing to the undersigned within fourteen days of the publication for this notice.

[No. F. 5(20)/93-Judl]

P. C. KANNAN, Competent Authority

सूचना

नई दिल्ली, 10 फरवरी, 1993

का. घा. 522.—नोटरीज नियम, 1956 के नियम 6 के अनुसरण में सक्षम प्राधिकारी द्वारा यह सूचना दी जाती है कि श्री वमन प्रकाश वीकासन में उक्त प्राधिकारी को उक्त नियम के नियम 4 के अधीन

एक आवेदन इस बात के लिए दिया है कि उसे फैजाबाद जिला (उत्तर प्रदेश राज्य) में व्यवसाय करने के लिए नोटरी के रूप में नियुक्ति पर किसी भी प्रकार का प्राक्षेप इस सूचना के प्रकाशन के चौदह दिन के भीतर लिखित रूप से मेरे पास भेजा जाए।

[सं. 5(21)/93-न्यायिक]

पी.सी. कण्णन, सक्षम प्राधिकारी

NOTICE

New Delhi, the 10th February, 1993

S.O. 522.—Notice is hereby given by the Competent Authority in pursuance of Rule 6 of the Notaries Act, 1956 that application has been made to the said Authority, under Rule 4 of the said Rules, by Sri Chaman Prakash Srivastava for appointment as a Notary to practise in Distt. Faizabad (U.P.).

2. Any objection to the appointment of the said person as a Notary may be submitted in writing to the undersigned within fourteen days of the publication for this notice.

P. C. KANNAN, Competent Authority
[No. F. 5(21)/Judl]

सूचना

नई दिल्ली, 11 फरवरी, 1993

का. घा. 523.—नोटरीज नियम, 1956 के नियम 6 के अनुसरण में सक्षम प्राधिकारी द्वारा यह सूचना दी जाती है कि श्री परीमल दास, एडवोकेट ने उक्त प्राधिकारी को उक्त नियम के नियम 4 के अधीन एक आवेदन इस बात के लिए दिया है कि उसे बैरकुर, 24-परगाना जिला (प. बंगल) में व्यवसाय करने के लिए नोटरी के रूप में नियुक्ति पर किसी भी प्रकार का प्राक्षेप इस सूचना के प्रकाशन के चौदह दिन के भीतर लिखित रूप से मेरे पास भेजा जाए।

[सं. 5(22)/93-न्यायिक]

पी.सी. कण्णन, सक्षम प्राधिकारी

NOTICE

New Delhi, the 11th February, 1993

S.O. 523.—Notice is hereby given by the Competent Authority in pursuance of Rule 6 of the Notaries Act, 1956 that application has been made to the said Authority, under Rule 4 of the said Rules by Shri Parimal Das, Advocate for appointment as a Notary to practise in Barrackpur, Distt. 24-Paragana, West Bengal.

2. Any objection to the appointment of the said person as a Notary may be submitted in writing to the undersigned within fourteen days of the publication for this notice.

[No. F. 5(23)/Judl]

P. C. KANNAN, Competent Authority

सितं संवालय

(राजस्व विभाग)

प्रावेश

नई दिल्ली, 9 फरवरी, 1993

स्वाम्प

का. घा. 524.—भारतीय स्वाम्प अधिनियम, 1899 (1899 का 2) की धारा 9 की उपधारा (1) के अंडे (क) द्वारा प्रवत शक्तियों का प्रयोग करने तुल, केन्द्रीय सरकार एनद्वारा उस शुल्क को माफ करती है जो भावात तथा शहरी विकास नियम लिमिटेड, नई दिल्ली द्वारा जारी किये जाने वाले केवल तीस करोड़ स्पष्ट रूप के मूल्य के अध्यपत्र वर्तुल के अधिकार यावरणित “एक्सएलप्राइड हूडको गवर्नरमेंट गार्लीड अूणपत्र शूलक 2007” वालों पर उक्त अधिनियम के अन्तर्गत प्रभावी है।

[सं. 5/93-स्टाम्प-पत्र सं. 33/2/93-बि.क.]

मातमा राम, धर्म अधिकारी

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue)

ORDER

New Delhi, the 9th February, 1993

STAMPS

S.O. 524.—In exercise of the powers conferred by clause a) of sub-section (1) of section 9 of the Indian Stamp Act, 1899 (2 of 1899), the Central Government hereby remits the duty with which the bonds in the nature of debentures described as "XLI Series of HUDCO Government guaranteed Debentures 2007" of the value of rupees thirty crores only to be issued by Housing and Urban Development Corporation Limited, New Delhi are chargeable under the said Act.

[No. 5/93-Stamp-F. No. 33/2/93-ST]

ATMA RAM, Under Secy.

आदेश

नई दिल्ली, 9 फरवरी, 1993

स्टाम्प

S.O. 525.—भारतीय स्टाम्प अधिनियम, 1899 (1899 अ. 2) की घारा 9 की उपधारा (1) के खण्ड (ख) द्वारा प्रवत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, ऐन्ड्रिय सरकार एतद्वारा गुजरात औद्योगिक विकास निगम, गृहमधाराद को मात्र साठ हजार रुपये के समेकित स्टाम्प घुल्क घादा करने की अनुमति प्रदान करता है जो कि उक्त नियम द्वारा अद्यपत्र के हप्त में जारी किये जाने वाले मात्र अस्ती लाख रुपये भूल्य के ए 25/1 से ए 25/80 तक की संक्षण वाले अद्यपत्रों के हप्त में 11% जी आई डी बांड-2002-1 पर प्रभाये है।

[सं. 4/93-स्टाम्प का. सं. 33/1/93-वि. क.]

आदेश राम, मंत्री सचिव

ORDER

New Delhi, the 9th February, 1993

STAMPS

S.O. 525.—In exercise of the powers conferred by clause b) of sub-section (1) of section 9 of the Indian Stamp Act, 1899 (2 of 1899), the Central Government hereby permits the Gujarat Industrial Development Corporation Ahmedabad to pay consolidated stamp duty of rupees sixty thousand only, chargeable on account of the stamp duty on 11% GID Bonds 2002-I bearing distinctive numbers A 25/1 to A25/80 in the form of debentures of the aggregate value of rupees eighty lakhs only to be issued by the said corporation.

[No. 4/93-Stamp F. No. 33/1/93-ST]

ATMA RAM, Under Secy.

महानिदेशक (आयकर छूट) का कार्यालय

कलकत्ता, 2 मार्च, 1992

(आयकर)

का. आ. 526.—सर्वसाधारण की सूचना के लिए एतद्वारा यह अधिसूचना जारी किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को, आयकर अधिनियम, 1961 की घारा 35 (पैतीस एक/दो) की उपधारा (i) के खण्ड (ii) के लिए, सचिव वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग की सहमति से, आयकर नियम 1962 के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी अर्थात् महानिदेशक (आयकर छूट) द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर "संघ" प्रकर्ष के अधीन अनुमोदित किया गया है।

(1) संगठन वैज्ञानिक अनुसंधान के लिए प्राप्त धन के लिए एक श्रलग लेखा रखेगा।

(2) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान संबंधी कार्यकलापों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए, प्रत्येक वर्ष की 31 मई तक, सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, औद्योगिक भवन, न्यू भेहरोली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा।

(3) यह प्रत्येक वर्ष की 30 जून तक, लेखा-परीक्षित वार्षिक लेखों की एक प्रति अपने व्यय, आस्तियों एवं देनदारियों के विवरण सहित, (क) महानिदेशक (आयकर छूट), (ख) सचिव वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में पड़ता है, को प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम

निम्वकर ऐप्रिकल्चर रिमर्च इन्स्टिट्यूट
(एन. ए. मार. आई.)

पो. बाबस नं.-44 फ्लट-415523

जिला—सतारा, महाराष्ट्र।

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-1991 से 31-3-1992 तक की अवधि के लिए प्रभावी है।

टिप्पणी—संगठन को अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए अनुमोदन की समाप्ति तीन माह पूर्व आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन पड़ता है, के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता को तीन प्रतियों में आवेदन करने के लिए सुनाय दिया जाता है। विशेष मामलों में, जहां अनुमोदित आदेश उपर्युक्त तीन माह की समाप्ति पर अथवा उक्त अवधि की समाप्ति के ठीक पूर्व प्राप्त हुआ हो, संगठन अनुमोदित आदेश प्राप्त करने के पश्चात् यथार्थी अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आवेदन करें। अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किए आवेदन-पत्र की 6 प्रतियां सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करना है।

[सं. 599/फा. सं. दी. जी. एम-16/कल./35/
(i) (ii) 89 आ. कर (छूट)]

ए.के. विश्वास, उपनिवेशक

Office of the Director General of Income Tax (Exemptions)

Calcutta, the 2nd March, 1992

(INCOME-TAX)

S.O. 526.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, 1962, i.e., the Director General of Income-tax (Exemptions) in concurrence with the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of Section 35 (Thirty Five/one/two) of the Income-tax Act, 1961 under the category "Association" subject to the following conditions:

(i) The organisation will maintain a separate account of the sums received by it for Scientific Research;

(ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, "Technology Bhawan", New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year;

(iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, by the 30th June each year a copy of its audited annual accounts showing its income, expenditure and its assets and liabilities.

NAME OF THE ORGANISATION

Nimbkar Agricultural Research Institute (NARI),
P.O. Box 44, Phaltan-415523,
District Satara,
Maharashtra.

This Notification is effective for the period from 1-4-1991 to 31-3-1992.

NOTE.—The organisation is advised to apply (in triplicate) for further extention of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, three months before the expiry of the approval. In exceptional cases where the order granting approval is received after the expiry of the period of three months aforesaid or shortly before the expiry of the said period, the organisation may make an application for extention of approval as soon as possible after the receipt of the order of approval. Six copies of the application for extention of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research.

[No. 599 /F. No. DG/M-16/Cal/35(1)(ii)/89-JT(E)]
A. K. BISWAS, Dy. Director

कलाकाश २ मार्च १९९२

(आयकर)

का. आ. ५२७.—सर्वसाधारण की सूचना के एिए प्रत्यक्षारा यह अधिसूचना जारी किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को आयकर अधिनियम, १९६१ की धारा ३५ (पंतीस एक/दो) की उपधारा (1) खण्ड (ii) के लिए सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग की सहमति से, आयकर नियम, १९६२ के नियम ६ के अधीन विहित प्राधिकारी प्रथम महानिदेशक (आयकर छूट) द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर "संघ" प्रवर्ग के अधीन अनुमोदित किया गया है।

- (1) संगठन वैज्ञानिक अनुसंधान के लिए प्राप्त धन के लिए एक अलग खेत्र रखेगा।
- (2) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान संबंधी कार्यकलापों का एक व्यापिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए, प्रत्येक वर्ष की ३१ मई तक, सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग, औद्योगिक भवन, न्यू भेहरौली रोड, नई दिल्ली-११००१६ को भेजेगा।
- (3) यह प्रत्येक वर्ष की ३० जून तक, लोका-परीक्षित वैज्ञानिक शिक्षों की एक प्रति अपनी—व्यव, आस्तिमो एवं देवदारियों के विवरण सहित, (क) महानिदेशक (आयकर छूट), (ब) सचिव वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग और (ग) आयकर प्रायुक्त आयकर निवेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में पड़ता है को प्रस्तुत करेगा।

निवेशक (आयकर छूट), (ब) सचिव वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग और (ग) आयकर प्रायुक्त आयकर निवेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में पड़ता है को प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम

सोसाइटी आफ न्यूकलीयर मेडिसीन, इण्डिया, मार्फत, रेडिएशन मेडिसीन सेंटर, टाटा मेडोरियल सेंटर, एनेक्स जराई वादिया रोड, परेल, बम्बई-४०००१२

यह अधिसूचना दिनांक १-४-१९९० से ३१-३-१९९२ तक की अवधि के लिए प्रभावी है।

टिप्पणी:—संगठन को अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए अनुमोदन की समाप्ति के तीन माह पूर्व आयकर प्रायुक्त/आयकर निवेशक (छूट), जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन पड़ता है के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट) कलकत्ता को तीन प्रतियों में आवेदन करने के लिए मुद्रावाचिया जाता है। विशेष मामलों में, जहाँ अनुमोदित आवेदन उपर्युक्त तीन माह की समाप्ति पर अवधि उक्त प्रतिविधि की समाप्ति के ठीक पूर्व प्राप्त हुआ हो, संगठन अनुमोदित आवेदन प्राप्त करने के पश्चात यथावधि अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आवेदन करें। अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किए आवेदन-पत्र की ६ प्रतियो सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करना है।

[सं. ६०० (फा. सं. डी. ओ./एम-२८/कल./३५ (१) (ii) /८९ आ. कर (छूट)]

ए. के. विश्वास, उप निवेशक

Calcutta, the 2nd March, 1992

(INCOME-TAX)

S.O. 527.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, 1962, i.e., the Director General of Income-tax (Exemptions) in concurrence with the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of Section 35 (Thirty Five/one/two) of the Income-tax Act, 1961 under the category "Association" subject to the following conditions.

- (i) The organisation will maintain a separate account of the sums received by it for Scientific Research;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, "Technology Bhawan", New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year;
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, by the 30th June each year a copy of its audited annual accounts showing its income, expenditure and its assets and liabilities.

NAME OF THE ORGANISATION

Society of Nuclear Medicine, India,
C/o Radiation Medicine Centre,
Tata Memorial Centre, Annex,
Jerbai Wadia Road, Parel,
Bombay-400012.

This Notification is effective for the period from 1-4-1991 to 31-3-1992.

NOTE.—The organisation is advised to apply (in triplicate) for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, three months before the expiry of the approval. In exceptional cases where the order granting approval is received after the expiry of the period of three months aforesaid or shortly before the expiry of the said period, the organisation may make an application for extension of approval as soon as possible after the receipt of the order of approval. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research.

[No. 600/F. No. DG/M-26/Cal./35(1)(ii)/89-IT(E)]

A. K. BISWAS, Dy. Director

कलकत्ता 2 मार्च 1992

(आयकर)

का. आ. ५२८.—सर्वसाधारण की सूचना के लिए प्रत्यक्षारा यह अधिसूचना जारी किया जाता है कि मिस्न-निवित संगठन को, आयकर अधिनियम 1961 की आरा 35 (पैतीस, एक/तीन) की उपचारा (1) के बाण्ड (iii) के लिए, सचिव वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग की सहमति से आयकर नियम, 1962 के नियम 6 के अधीन किहित प्राधिकारी आयकर महानिदेशक (आयकर छूट) द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर “संस्थान” प्रवर्ग के अधीन अनुमोदित किया गया है।

- (1) संगठन वैज्ञानिक अनुसंधान के लिए प्राप्त धन के लिए एक अलग लेखा रखेगा।
- (2) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान संबंधी कार्यकलापों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए, प्रत्येक वर्ष की 31 मई तक सचिव वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, औद्योगिक भवन न्यू महरौली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा।
- (3) यह प्रत्येक वर्ष की 30 जून तक सेखा परीक्षित वार्षिक लेखों की एक प्रति घण्टे व्यय प्राप्तियों एवं देनदारियों के विवरण सहित, (क) महानिदेशक (आयकर छूट) (ख) सचिव वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में पड़ता है को प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम

इन्स्टिट्यूट आप रुरल मैनेजमेंट,
पोस्ट बायस नं.-60
आनंद-388001,
ગुजरात।

संगठन की अधिसूचना दिनांक 1-4-1991 से 31-3-1992 तक की अवधि के लिए प्रभावी है।

टिप्पणी—संगठन को अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए अनुमोदन की समाप्ति के तीन माह पूर्व आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन पड़ता है के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता को तीन प्रतियों में आवेदन करने के लिए सुनाव दिया जाता है। विशेष सामलों में जहां अनुमोदित आदेश उपर्युक्त तीन माह की समाप्ति पर अथवा उक्त अवधि की समाप्ति के ठीक पूर्व प्राप्त हुआ हो, संगठन अनुमोदित आदेश प्राप्त करने के पश्चात पथाशीघ्र अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आवेदन करे। अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किए आवेदन-पत्र की 6 प्रतियां सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करना है।

[स. 601 (फा. सं. बी. जी./बी-6/कल./35/(1)(iii)/89 आ. कर (छूट)]

ए. के. बिस्वास, छूप निदेशक

Calcutta, the 2nd March, 1992

(INCOME-TAX)

S.O. 528.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, 1962, i.e., the Director General of Income-tax (Exemptions) in concurrence with the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research for the purposes of clause (iii) of sub-section (1) of Section 35 (Thirty Five/one/three) of the Income-tax Act, 1961 under the category "Institution" subject to the following conditions :

- (i) The organisation will maintain a separate account of the sums received by it for Scientific Research;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, "Technology Bhawan", New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year; and
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, by the 30th June each year a copy of its audited annual accounts showing its income, expenditure and its assets and liabilities.

NAME OF THE ORGANISATION

Institute of Rural Management,
Post Box No. 60,
Anand-388001,
Gujarat.

This Notification is effective for the period from 1-4-1991 to 31-3-1992.

NOTE.—The organisation is advised to apply (in triplicate) for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, three months before the expiry of the approval. In exceptional cases where the order granting approval is received after the expiry of the period of three months aforesaid or shortly before the expiry of the said period, the organisation may make an application

for extension of approval as soon as possible after the receipt of the order of approval. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research.

[601/F. No. DG/G-6/Cal./35(1)(ii)/89-IT(E)]
A. K. BISWAS, Dy. Director

कलकत्ता 6 मार्च, 1992

प्रायकर

का. आ. 529.—सर्वसाधारण की सूचना के लिए एतद्वारा यह अधिसूचना जारी की जाती है कि निम्नलिखित संगठन को आयकर अधिनियम 1961 की धारा 35 (पैतीस/एक/दो) की उपधारा (1) के खण्ड (ii) के लिए सचिव वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग की सहमति से आयकर नियम, 1962 के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी अथवा महानिदेशक (आयकर छूट) द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर “संस्थान” प्रधान के अधीन अनुमोदित किया गया है।

- (1) संगठन वैज्ञानिक अनुसंधान के लिए प्राप्त धन के लिए एक अलग लेखा रखेगा।
- (2) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान संबंधी कार्यकलापों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए, प्रत्येक वर्ष की 31 मई तक, सचिव वैज्ञानिक औद्योगिक अनुसंधान विभाग, औद्योगिक भवन न्यू मेहरोली रोड नई दिल्ली-110016 को भेजेगा।
- (3) यह प्रत्येक वर्ष की 30 जून तक, लेखा-परीक्षित वार्षिक लेखों की एक प्रति अपने-अथवा अस्तियों एवं देनकारियों के विवरण सहित (क) महानिदेशक (आयकर छूट) (ख) सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में पड़ता है को प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम

दि. बिला इम्सिटट्यूट ऑफ साइंटिफिक रिसर्च
78, सेयब अमीर अवेन्य
कलकत्ता-700019

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-1991 से 31-3-1992 तक की अवधि के लिए प्रभावी है।

टिप्पणी:—संगठन को अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए अनुमोदन की समाप्ति के तीन माह पूर्व आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन में पड़ता है के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता को तीन प्रतियों में आवेदन करने के लिए सुनाव दिया जाता है। विशेष मामलों में जहाँ अनुमोदित आवेदन उपर्युक्त तीन माह की समाप्ति पर प्रथम उक्त अवधि की समाप्ति के ठीक पूर्व प्राप्त हुश्रा हो संगठन अनुमोदित आवेदन

प्राप्त करते हैं परंतु यथावृत्त अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आवेदन करें। अनुमोदन भी अवधि बढ़ाने के संबंध में किए गए आवेदन-पत्र की 6 प्रतियाँ सचिव वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करना है।

[स. 608 (फा. म. डी. जी. इस्ट्यू. वी.-II/कल.
35 (1)(ii)/89 आ. कर (छूट)]

प. के. विभाग उप निदेशक

Calcutta, the 6th March, 1992

(INCOME-TAX)

S.O. 529.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, 1962, i.e., the Director General of Income-tax (Exemptions) in concurrence with the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of Section 35 (Thirty Five/one/two) of the Income-tax Act, 1961 under the category “Institution” subject to the following conditions :

- (i) The organisation will maintain a separate account of the sums received by it for Scientific Research;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, “Technology Bhawan”, New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year; and
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, by the 30th June each year a copy of its audited annual accounts showing its income, expenditure and its assets and liabilities.

NAME OF THE ORGANISATION

The Birla Institute of Scientific Research,
78, Syed Amir Ali Avenue,
Calcutta-700019.

This Notification is effective for the period from 1-4-1991 to 31-3-1992.

NOTE.—The organisation is advised to apply (in triplicate) for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, three months before the expiry of the approval. In exceptional cases where the order granting approval is received after the expiry of the period of three months aforesaid or shortly before the expiry of the said period, the organisation may make an application for extension of approval as soon as possible after the receipt of the order of approval. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research.

[No. 602/F. No. DG/WB-II/Cal./35(1)(ii)/89-IT(E)]

A. K. BISWAS, Dy. Director

कलकत्ता, 6 मार्च, 1992

(प्रायकर)

का. आ. 530.—सर्वसाधारण की सूचना के लिए एतद्वारा यह अधिसूचना जारी की जाती है कि निम्नलिखित संगठन को, आयकर अधिनियम 1961 की धारा

३५—(पैरीस/एक/दो) भी उपचारा (1) के छण्ड (ii) के लिये, सचिव, वैज्ञानिक प्रायोगिक अनुसंधान विभाग की सम्मति से, आयकर नियम, 1962 के नियम ६ के अधीन विहित प्राधिकारी अग्रस्ति महानिदेशक (आयकर छूट) द्वारा निम्नलिखित गतों पर “संघ” प्रवर्ग के अधीन अनुमोदित किया गया है।

- (1) संगठन वैज्ञानिक अनुसंधान के लिये प्राप्त धन के लिये एक अलग लेखा रखेगा।
- (2) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान संबंधी कार्यकलापों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिये, प्रत्येक वर्ष की ३१ मई तक, सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, औद्योगिक भवन, न्यू मेहराली रोड नई दिल्ली ११००१६ को भेजेगा।
- (3) प्रत्येक वर्ष की ३० जून तक, लेखा परंपराधित वार्षिक लेखों की एक प्रति अपनी—अग्र, आस्तियोगांश देनदारियों के विवरण सहित, (क) महानिदेशक (आयकर छूट) (ख) सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में पड़ता है, को प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम

विवेकानन्द मेडिकल रिसर्च सोसाइटी,
लातूर, महाराष्ट्र।

यह अधिसूचना दिनांक १-४-१९९१ से ३१-३-१९९२ तक की अवधि के लिए प्रभावी है।

टिप्पणी: संगठन को अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए अनुमोदन की समाप्ति के तीन माह पूर्व आयकर अग्रस्ति/आयकर निदेशक (छूट), जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन में पड़ता है, के भाष्यम से आयकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता को तीन प्रतियों में आवेदन करने के लिए सुझाव दिया जाता है। विशेष म.मलों में जहां अनुमोदित आवेदन उपर्युक्त तीन माह की समाप्ति पर अधिक उक्त अवधि की समाप्ति के ठंडे पूर्व आप्त हुआ है, संगठन अनुमोदित आदेश प्राप्त करने के पश्चात् यथागत्र अनुमोदन दों अवधि बढ़ाने के लिए आवेदन करें। अनुसोदन को अवधि बढ़ाने के संबंध में किए आवेदन वत की ६ प्रतियां सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करता है।

[म. ६०३ (फा सं. डी. जी./एम-१५ कल. ३५ (१)(ii)]

८९ आ. कर (छूट)

ए. के. विश्वास, उप सचिव

Calcutta, the 6th March, 1992

(INCOME-TAX)

S.O. 530.—It is hereby notified that general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, 1962, i.e., the Director General of Income-tax (Exemptions), in concurrence with the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of Section 35 (Thirty Five/one/two) of the Income-tax Act, 1961 under the category "Association" subject to the following conditions :

- (i) The organisation will maintain a separate account of the sums received by it for Scientific Research;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, "Technology Bhawan", New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year;
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, by the 30th June each year a copy of its audited annual accounts showing its income, expenditure and its assets and liabilities.

NAME OF THE ORGANISATION

Vivekanand Medical Research Society,
Latur, Maharashtra.

This Notification is effective for the period from 1-4-1991 to 31-3-1992.

NOTE.—The organisation is advised to apply (in triplicate) for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, three months before the expiry of the approval. In exceptional cases where the order granting approval is received after the expiry of the period of three months aforesaid or shortly before the expiry of the said period, the organisation may make an application for extension of approval as soon as possible after the receipt of the order of approval. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research.

[No. 603/F. No. DG/M-15/Cal/35(1)(ii)589-IT(E)]
A. K. BISWAS, Dy. Director

कलकत्ता, १७ मार्च, १९९२

(आयकर)

का. नं. ५३१.—मर्माधारण की सूचना के लिये एतद्वारा यह अधिसूचना जारी की जाती है कि निम्नलिखित संगठन को, आयकर अधिनियम 1961 की धारा ३५ (पैरीस/एक/दो) की उपलेख (1) के छण्ड (ii) के लिये सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग की सम्मति से, आयकर नियम, 1962 के नियम ६ के अधीन विहित प्राधिकारी अग्रस्ति महानिदेशक (आयकर छूट) द्वारा निम्नलिखित गतों पर “संघ” प्रवर्ग के अधीन अनुमोदित किया गया है।

- (1) संगठन वैज्ञानिक अनुसंधान के लिये प्राप्त धन के लिये एक अलग लेखा रखेगा।

(2) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान संबंधी कार्यक्रमार्थी वा एक वार्षिक विवरण प्रश्ने के विर्त्तिय वर्ष के लिये, प्रत्येक वर्ष की 31 मई तक, सचिव, वैज्ञानिक बहु औद्योगिक अनुसंधान विभाग, औद्योगिक भवन, न्यू मेहरौली रोड, नई दिल्ली 110016 को भेजेगा।

(3) यह प्रत्येक वर्ष की 30 जून तक, निवाय परिवहन वार्षिक लेखों की एक प्रति अपवाहनीय, अस्तियोगी एवं देनदारियों के विवरण सहित, (क) महानिवेशक (आयकर छूट); (ख) सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में पड़ता है, को प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम

फाई विंच इंस्टीट्यूट,
गंगानगर, पो. अ. इंचानकरणजी,
पिन 411416, महाराष्ट्र

यह अधिसूचिता दिनांक 1-1-1991 से 31-3-1992 तक की अनुमति के लिये प्रभावी है।

टिप्पणी : संगठन को अनुमोदन की अनुधि वहाँ के लिए अनुमोदन की समाप्ति के तीन गाह पूर्व आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट), जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन पड़ता है, के माध्यम से आयकर महानिवेशक (छूट), कलकत्ता को तीन प्रतियों में आवेदन करने के लिए मुक्ताव दिया जाता है। विजेता भास्तवों में, जहाँ अनुमोदित जादेश उत्पत्ति का तीन माह की समाप्ति पर अप्रत्यक्ष उक्त अवधि को समाप्ति के रूप से प्राप्त हुआ हो, संगठन अनुमोदन प्रदेश प्राप्त करने के पश्चात् यथार्थवाद अनुमोदित को अवधि वहाँ के लिए आवेदन करे। अनुमोदन का अवधि वहाँ के गवंधे में किए आवेदन-पत्र का 6 प्रतियोगी सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करना है।

[S. O. 1 (प्रा. वि. डि. जी. /प्र०-74/कन./35/(1)
(ii)/89 प्रा. कर. (छूट)]

प. के. विजेता, डा. निदेशक

Calcutta, the 17th March, 1992

(INCOME-TAX)

S.O. 531.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, 1962, i.e. the Director General of Income-tax (Exemptions) in concurrence with the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of Section 35 (Thirty Five one/two) of the Income-tax Act, 1961 under the category "Association" subject to the following conditions:

(i) The Organisation will maintain a separate account of the sums received by it for Scientific Research;

(ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, "Technology Bhawan", New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year and

(iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, by the 30th June each year a copy of its audited annual accounts showing its income expenditure and its assets and liabilities.

NAME OF THE ORGANISATION

File Research Institute,
Ganganagar, P.O. Ichalkaranji,
Pin-416116, Maharashtra.

This Notification is effective for the period from 1-4-1991 to 31-3-1992.

NOTE.—The organisation is advised to apply (in triplicate) for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemption), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, three months before the expiry of the approval. In exceptional cases where the order granting approval is received after the expiry of the period of three months aforesaid or shortly before the expiry of the said period, the organisation may make an application for extension of approval as soon as possible after the receipt of the order of approval. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research

[No. 604/F. No. DG/M-74/Cal/35(1)(ii)/89-JT(E)]

A. K. BISWAS, Dy. Director

कलकत्ता, 17 मार्च, 1992

(आयकर)

का.प्रा. 532.—सर्वसाधारण की सूचना के लिये एतद्वारा यह अधिसूचना जारी किया जाता कि निम्नलिखित संगठन को, आयकर अधिनियम, 1961 की प्राप्त 35 (पैतीस/एक/दो) की उपधारा (1) के खण्ड (ii) के लिये, सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग की महानिल से, आयकर नियम, 1962 के नियम 6 के प्रधीन विहित प्राप्तिकारी अर्थात् महानिवेशक (आयकर छूट) द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर "संघ" प्रवर्ग के अधीन अनुमोदित किया गया है।

(1) संगठन वैज्ञानिक अनुसंधान के लिये प्राप्त धन के लिये एक अलग लेखा रखेगा।

(2) यह अर्थों वैज्ञानिक अनुसंधान संबंधी कार्यक्रमार्थी का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिये, प्रत्येक वर्ष की 31 मई तक, सचिव, देशी... व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, औद्योगिक सचिव, न्यू मेहरौली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा।

(3) यह प्रत्येक वर्ष की 30 जून तक, निवाय-परिवहन वार्षिक लेखों की एक प्रति अपनी-वर्ष, आयिकारों एवं देनदारियों के विवरण सहित, (क) महानिवेशक (आयकर छूट); (ख) वैज्ञानिक व औद्योगिक

अनुसंधान विभाग, और (ग) आयकर आयुक्तः
आयकर निदेशक (छूट) जिनके भौताधिकार में
पड़ता है, को प्रस्तुत करेगा।

by the 30th June each year a copy of its audited annual account showing its income expenditure and its assets and liabilities.

संगठन का नाम

अनम साइंटिफिक एण्ड टेक्नोलॉजिकल
अप्लाइड रिसर्च फाउन्डेशन,
फल्याण-633126,
इस्ट गोदावरी ज़िला
(ए.पी.)

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-1991 से 31-3-1992 तक
की अवधि के लिये प्रभावी है।

टिप्पणी : संगठन को अनुमोदन की अवधि

अनुमोदन की समाप्ति के तीन माह पूर्व आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट), जिनके भौताधिकार में संगठन पड़ता है, के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता को तीन प्रतियो में आवेदन करने के लिए सुझाव दिया जाता है। विशेष मामलों में, जहां अनुमादित आदेश उपर्युक्त तीन माह की समाप्ति पर अथवा उक्त अवधि की समाप्ति के ठीक पूर्व प्राप्त हुआ हो, संगठन अनुमोदित आदेश प्राप्त करने के पश्चात् यथाशीघ्र अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आवेदन करें। अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किए आवेदन-पत्र की 6 प्रतियां सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करना है।

[म. 605/फा. सं. डी. जी./ए. पी.-6/कल./35/
(1) (ii) 89 आ. कर (छूट)]

ए. के. विश्वास, उप निदेशक

Calcutta, the 17th March, 1992

(INCOME-TAX)

S.O. 532.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, 1962, i.e. the Director General of Income-tax (Exemptions) in concurrence with the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research for the purposes of clause (i) of sub-section (1) of Section 35 (Thirty Five/one/two) of the Income-tax Act, 1961 under the category "Association" subject to the following conditions:

- (i) The organisation will maintain a separate account of the sums received by it for Scientific Research;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, "Technology Bhawan", New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year; and
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation.

NAME OF THE ORGANISATION

Anam Scientific and Technological
Applied Research Foundation,
Kadiyam-533126,
East Godavari District (A.P.).

This Notification is effective for the period from 1-4-1991 to 31-3-1992.

NOTE.—The organisation is advised to apply (in triplicate) for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, three months before the expiry of the approval. In exceptional cases where the order granting approval is received after the expiry of the period of three months aforesaid or shortly before the expiry of the said period, the organisation may make an application for extension of approval as soon as possible after the receipt of the order of approval. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research.

[No. 605/F. No. DG/AP-6/Cal/35(1)(ii)/89-IT(E)]

A. K. BISWAS, Dy. Director

कलकत्ता, 17 मार्च, 1992

(आयकर)

का. आ. 533.—सर्वसाधारण की सूचना के लिये एतद्वारा यह अधिसूचना जारी किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को, आयकर अधिनियम 1961 की धारा 35 (पैसीस/एक/दो) की उपधारा (1) के खण्ड (ii) के लिये, सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग की महमति से, आयकर नियम, 1962 के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी अर्थात् महानिदेशक (आयकर छूट) द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर "संस्थान" प्रबंग के प्रधीन अनुमोदित किया गया है।

- (1) संगठन वैज्ञानिक अनुसंधान के लिये प्राप्त धन के लिये एक अलग लेखा रखेगा।
- (2) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान संबंधी कार्यक्रमापों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक विशेष वर्ष के लिये, प्रत्येक वर्ष की 31 मई तक, सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, औद्योगिक भवन, न्य महाराजी रोड नई दिल्ली-110016 को भेजेगा।
- (3) यह प्रत्येक वर्ष की 30 जन तक, नेहरा-परीक्षित वार्षिक लेखों की एक प्रति अपने-व्याय, आव्यायों एवं डेनारियों के किवरण सहित, (क) महानिदेशक (आयकर छूट) (ख) सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट) जिनके भौताधिकार में पड़ता है, को प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम

टेक्नोलॉजिकल नर्सरी आपटिकल
रिसर्च एण्ड डिव्हनपमेन्ट (टी.एन.ओ.आर.डी.)
15/17 बहुमंजिल भवन
एन. पी. एल. कालोनी, नई दिल्ली-110060

यह अधिसूचना दिनांक 1/4/1992 से 31/3/1993 की
अवधि के लिये प्रभावी है।

टिप्पणी : संगठन को अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए अनुमोदन की समाप्ति के तीन माह पूर्व आयकर आयुक्त/आयकर निवेशक (छूट), जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन पड़ता है, के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता को तीन प्रतियों में आवेदन करने के लिए सूचाव दिया जाता है। विशेष मामलों में, जहां अनुमोदित आदेश उपर्युक्त तीन माह की समाप्ति पर अधिवा उक्त अवधि की समाप्ति के ठाक पूर्व प्राप्त हुआ हो, संगठन अनुमोदित आदेश प्राप्त करने के पश्चात् यथाशीघ्र अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आवेदन करें। अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किए आवेदन-पत्र की 6 प्रतियां सचिव, वैज्ञानिक और श्रीदोषिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करता है।

[सं 606/(फा. सं. डी. जी./एन. डी. 100/कल./35/
(1)/(ii) 92/मा. कार (छूट)]

ए. के. विश्वास, उप निदेशक

Calcutta, the 17th March, 1992

(INCOME-TAX)

S.O. 533.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, 1962, i.e. the Director General of Income-tax (Exemptions) in concurrence with the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of Section 35 (Thirty Five/one two) of the Income-tax Act, 1961 under the category "Institution" subject to the following conditions:

- The organisation will maintain a separate account of the sums received by it for Scientific Research;
- It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, "Technology Bhawan", New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year;
- It will submit to the (a) Director General of Income tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, by the 30th June each year a copy of its audited annual account, showing its income expenditure and its assets and liabilities.

NAME OF THE ORGANISATION

Technological Nursery Optics
Research and Development (TNORD),
15/17, Multistoreyed Building,
NPL Colony, New Delhi-110060.

This Notification is effective for the period from 1-4-1992 to 31-3-1993.

NOTE.—The organisation is advised to apply (in triplicate) for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, three months before the expiry of the approval. In exceptional cases where the order granting approval is received after the expiry of the period of three months aforesaid or shortly before the expiry of the said period, the organisation may make an application for extension of approval as soon as possible after the receipt of the order of approval. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research.

[No. 606/F. No. DG/ND-100/Cal/35(1)(ii)/92-IT(E)]

A. K. BISWAS, Dy. Director

कलकत्ता, 17 मार्च, 1992

(आयकर)

का. आ. 534—सर्वसाधारण की सूचना के लिये एतद्वारा यह अधिसूचना जारी की जाती है कि निम्नलिखित संगठन को, आयकर अधिनियम 1961 की धारा 35 (पैंतीस एक/तीन) की उपधारा (1) के छान्ड (iii) के लिये, सचिव, वैज्ञानिक और श्रीदोषिक अनुसंधान विभाग की सहमति से, आयकर नियम, 1962 के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी अर्थात् महानिदेशक (आयकर छूट) द्वारा निम्नलिखित मात्रों पर "संस्थान" प्रवर्ग के अधीन अनुमोदित किया गया है।

(1) संगठन वैज्ञानिक अनुसंधान के लिये प्राप्त धन के लिये एक अलग लेखा रखेगा।

(2) यह प्रत्यने वैज्ञानिक अनुसंधान संबंधी कार्यकलापों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक विस्तीर्ण वर्ष के लिये, प्रत्येक वर्ष की 31 मई तक, सचिव, वैज्ञानिक व श्रीदोषिक अनुसंधान विभाग, श्रीदोषिक भवन, न्यू मेहराली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा।

(3) यह प्रत्येक वर्ष की 30 जून तक, लेख-परीक्षित वार्षिक लेखों की एक प्रति अपने-ध्यय, आस्तियों एवं देनदारियों के विवरण सहित, (क) महानिदेशक (आयकर छूट), (ख) सचिव, वैज्ञानिक व श्रीदोषिक अनुसंधान विभाग, श्रीर (ग) आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में पड़ता है, को प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम

पैन एशियन मैनेजमेन्ट एण्ड रसरल रिसर्च
आरामाइजेशन

3 सी/22, रोहतक रोड, नई दिल्ली-110005

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-1991 से 31-3-1992 तक की अवधि के लिये प्रभावी है।

टिप्पणी : संगठन को अनुमोदन जी अवधि बढ़ाने के लिए अनुमोदन की समाप्ति के तीन माह पूर्व आयकर अयुक्त/आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्रा

धिकार में संगठन में पड़ता है, के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता को तीन प्रतियों में आवेदन करने के लिए सुझाव दिया जाता है। विशेष मामलों में, जहां अनुमोदित आदेश उपर्युक्त तीन माह की समाप्ति पर अथवा उक्त अवधि की समाप्ति के ठीक पूर्व प्राप्त हुआ हो, संगठन अनुमोदित आदेश प्राप्त करने के पश्चात् यथाशीघ्र अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आवेदन करें। अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किए आवेदन-पत्र की 6 प्रतियां सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करता है।

[सं. 607/फा. सं. डी. जी./एम. डी-65/कल. /35/
(1) (iii) 90/आ. कर (छूट)]

ए. के. विश्वास, उप निदेशक ।

Calcutta, the 17th March, 1992

(INCOME-TAX)

S.O. 534.—It is hereby notified that the general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, 1962, i.e. the Director General of Income-tax (Exemptions) in concurrence with the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research for the purposes of clause (iii) of sub-section (1) of Section 35 (Thirty Five/one/three) of the Income-tax Act, 1961 under the category "Institution" subject to the following conditions :

- (i) The organisation will maintain a separate account of the sums received by it for Scientific Research;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, "Technology Bhawan", New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year; and
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, by the 30th June each year a copy of its audited annual accounts showing its income expenditure and its assets and liabilities.

NAME OF THE ORGANISATION

Pen Ashin Management and Rural Research Organisation,
3C/22, Rohitak Road,
New Delhi-110005.

This Notification is effective for the period from 1-4-1991 to 31-3-1992.

NOTE.—The organisation is advised to apply (in triplicate) for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, three months before the expiry of the approval. In exceptional cases where the order granting approval is received after the expiry of the period of three months aforesaid or shortly before the expiry of the said period, the organisation may make an application of extension of approval as soon as possible after

the receipt of the order of approval. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research.

[No. 607/F. No. DG/ND-65/Cal/35(1)(iii)/90-IT(E)]

A. K. BISWAS, Dy. Director

कलकत्ता, 17 मार्च, 1992

(आयकर)

का.आ. 535—सर्वसाधारण की सूचना के लिये एतद्वारा यह अधिसूचना जारी किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को, आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 (पैरीस/एक/तीन) की उपधारा (1) के खंड (iii) के लिये, सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग की महसिल में, आयकर नियम, 1962 के नियम 6 के अधीन विद्वित प्राधिकारी अथवा महानिदेशक (आयकर छूट) द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर "संस्थान" प्रबंग के अधीन अनुमोदित किया गया है।

- (1) संगठन वैज्ञानिक अनुसंधान के लिये प्राप्त धन के लिये एक अलग लेखा रखेगा।
- (2) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान संबंधी कार्यकलापों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक कित्तीय वर्ष के लिये, प्रत्येक वर्ष की 31 मई तक, सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, औद्योगिक भवन, न्यू मेरहोली गोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा।
- (3) यह प्रत्येक वर्ष की 30 जून तक, लेखा-परीक्षित वार्षिक लेखों की एक प्रति अपनी-व्यय, आस्तियों एवं देनदारियों के विवरण सहित, (क) महानिदेशक आयकर (छूट) (ख) सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, और (ग) आयकर आयुक्त निदेशक (छूट) जिनके धोनाधिकार में पड़ता है, को प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम

सेन्टर फार पालिसी रिसर्च
धर्मा भार्ग
चाणकापूरी
नई दिल्ली-110021

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-1991 से 31-3-1993 तक को अवधि के लिये प्रभावी है।

टिप्पणी : संगठन को अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिये अनुमोदन की समाप्ति के तीन माह पूर्व आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट), जिनके धोनाधिकार में संगठन में पड़ता है, के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता को तीन प्रतियों में आवेदन करो के लिए सुझाव दिया जाता है। विशेष मामलों में, जहां अनुमोदित आदेश उपर्युक्त

तीन माह की समाप्ति पर अधिकार उक्त प्रबंधि की समाप्ति के ठीक पूर्व प्राप्त हुआ है, संगठन अनुमोदित आदेश प्राप्त करने के पश्चात् यथार्थीन्द्र अनुमोदन वर्त अवधि बढ़ाने के लिए आवेदन करें अनुमोदन का अवधि बढ़ाने के संबंध में कि आवेदन-पत्र की 6 प्रतियां सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग द्वारा प्रस्तुत करता है।

[मं. 608 /फा.सं.डा.जी./एम.डा.-60/कल./35/
(1) (iii) /90/भा. कर (छूट)]

ए.के. बिश्वास, उत्तर निदेशक

Calcutta, the 17th March, 1992

(INCOME-TAX)

S.O. 535.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, 1962, i.e. the Director General of Income-tax (Exemptions) in concurrence with the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research for the purposes of clause (iii) of sub-section (1) of Section 35 (Thirty Five/one/two) of the Income-tax Act, 1961 under the category "institution" subject to the following conditions:

- (i) The organisation will maintain a separate account of the sums received by it for Scientific Research;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, "Technology Bhawan", New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year; and
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation by the 30th June each year a copy of its audited annual accounts showing its income expenditure and its assets and liabilities.

NAME OF THE ORGANISATION

Centre for Policy Research,
Dharma Marg,
Chanakyapuri,
New Delhi-110021.

This Notification is effective for the period from 1-4-1991 to 31-3-1993.

NOTE.—The organisation is advised to apply (in triplicate) for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, three months before the expiry of the approval. In exceptional cases where the order granting approval is received after the expiry of the period of three months aforesaid or shortly before the expiry of the said period, the organisation may make an application for extension of approval as soon as possible after the receipt of the order of approval. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research

[No. 608/F. No. DG/ND-60/Cal/35(1)(iii)/90-IT(E)]

A. K. BISWAS, Dy. Director

कलकत्ता, 19 मार्च, 1992

(आयकर)

का.ग्रा. 536—सर्वसाधारण की सूचना के लिये प्रत्येक वर्ष अधिसूचना जारी किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को, आयकर नियम 1961 की धारा 35 (पैरीस/एक्स/दो) की उपधारा (1) के बाणी (ii) के लिये, सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग की सहमति से, आयकर नियम, 1962 के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी अर्थात् महानिदेशक (आयकर छूट) द्वारा निम्नलिखित गतीय पर "संबंध" प्रवर्ग के अंतर्गत अनुमोदित किया गया है।

(1) संगठन वैज्ञानिक अनुसंधान के लिये प्राप्त धन के लिये एक अलग लेखा रखेगा।

(2) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान संबंधी कार्यकलापों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिये प्रत्येक वर्ष की 31 मई तक, सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, औद्योगिक भवन, न्यू महरौली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा।

(3) यह प्रत्येक वर्ष की 30 जून तक, लेखा-नियंत्रित वार्षिक लेखी की एक पति आर्टी-व्यय, आस्तियों एवं देनदारियों के विवरण सहित, (क) महानिदेशक (आयकर छूट) (ब्र) सचिव, वैज्ञानिक व अनुसंधान विभाग, और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में पड़ता है, को प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम

जय रिसर्च फाउनडेशन
आफ नेशनल हाईवे नं.-8
पी.ओ.-वलधा-396108
तल-अमरगढ़, डिल्ली-वलसद
गुजरात, भारत

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-1991 से 31-3-1992 तक की अवधि के लिये प्रभावी है।

टिप्पणी: संगठन को अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिये अनुमोदन की समाप्ति के तीन माह पूर्व आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट), जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन में पड़ता है, के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता को तीन प्रतियों में आवेदन करने के लिए सुन्नाव दिया जाता है। विशेष मामलों में, जहां अनुमोदित आदेश उपर्युक्त तीन माह की समाप्ति पर अधिकार उपर्युक्त समाप्ति के ठीक पूर्व प्राप्त हुआ हो, संगठन अनुमोदित आदेश प्राप्त करने के पश्चात् यथार्थीन्द्र अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आवेदन करें।

अनुमोदन को अधिकारी बदलने के संबंध में किए आवेदन-पत्र की 6 प्रतियां सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करता है।

[सं. 609/फा.सं.डॉ.जी-3/कन./35/(1) ii
(89)/आ. कर (छूट)]

ए.के. बिश्वास, उप निदेशक

Calcutta, the 19th March, 1992

(INCOME-TAX)

S.O. 536.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, 1962, i.e. the Director General of Income-tax (Exemptions) in concurrence with the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of Section 35 (Thirty Five/one/three) of the Income-tax Act, 1961 under the category "Association" subject to the following conditions :

- (i) The organisation will maintain a separate account of the sums received by it for Scientific Research;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, "Technology Bhawan", New Mehruli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year;
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, by the 30th June each year a copy of its audited annual accounts showing its income expenditure and its assets and liabilities.

NAME OF THE ORGANISATION

Jai Research Foundation,
Off National Highway No. 8,
P.O. Valvada-396108,
Tal. Umargaon, District Valasad,
Gujarat, India.

This Notification is effective for the period from 1-4-1991 to 31-3-1992.

NOTE.—The organisation is advised to apply (in triplicate) for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, three months before the expiry of the approval. In exceptional cases where the order granting approval is received after the expiry of the period of three months aforesaid or shortly before the expiry of the said period, the organisation may make an application for extension of approval as soon as possible after the receipt of the order of approval. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research.

[No. 609/F. No. DG/G-3/Cal/35(1)(ii)/89-IT(E)]

A. K. BISWAS Dy. Director

कलकत्ता, 19 मार्च, 1992

(आयकर)

पा.गा. 537—सर्वोच्चारण, की सूचना के लिये एन्ड्रेश्वारा यह अधिसूचना जारी किया जाता है जिसे निम्नलिखित संगठन को, आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35

(पैतीस/एक/दो) की उपधारा (i) के अप्प (ii) के लिये, सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग की सहमति से, आयकर नियम, 1962 के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी भर्ता महानिदेशक (आयकर छूट) द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर "संघ" प्रवर्ग के अधीन अनुमोदित किया गया है।

(1) संगठन वैज्ञानिक अनुसंधान के लिये प्राप्त धन के लिये एक अलग सेवा रखेगा।

(2) यह अपके वैज्ञानिक अनुसंधान संबंधी कार्यकलापों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिये, प्रत्येक वर्ष की 31 मई तक, सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, औद्योगिक भवन, न्यू मेहरौली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा।

(3) यह प्रत्येक वर्ष की 30 जून तक, लेखा-परीक्षित वार्षिक लेखों की एक प्रति अपने-व्यय, अस्तियों एवं देनदारियों के विवरण सहित, (क) महानिदेशक (आयकर छूट), (ख) सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में पड़ता है, को प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम

सीरम इनस्टिट्यूट ऑफ इंडिया रिसर्च फाउन्डेशन,
सरोष भवन, 16-बी/1, डा. अम्बेदकर रोड,
पूर्ण-411001

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-1991 से 31-3-1992 तक की अवधि के लिये प्रभावी है।

टिप्पणी: संगठन को अनुमोदन की अधिकारी बदलने के लिये अनुमोदन की समाप्ति के तीन माह पूर्व आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट), जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन पड़ता है, के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता को तीन प्रतियों में आवेदन करने के लिए सुनाव दिया जाता है। विशेष मामलों में, जहां अनुमोदित आदेश उपयुक्त तीन माह की समाप्ति पर अथवा उक्त अवधि की समाप्ति के ठीक पूर्व प्राप्त दृग्मा हो, संगठन अनुमोदित आदेश प्राप्त करने के पश्चात् यथाशीघ्र अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आवेदन करें। अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किए आवेदन-पत्र की 6 प्रतियां सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करता है।

[सं. 610/फा.सं.डॉ.जी./एम-41/कल./35/(1)
(ii) /89 आ. कर (छूट)]

ए.के. बिश्वास, उप निदेशक

Calcutta, the 19th March, 1992
(INCOM-E-TAX)

S.O. 537.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, 1962, i.e., the Director General of Income-tax (Exemptions) in concurrence with the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of Section 35 (Thirty Five/one/two) of the Income-tax Act, 1961 under the category "Association" subject to the following conditions :

- (i) The organisation will maintain a separate account of the sums received by it for Scientific Research;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, "Technology Bhawan", New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year and
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research; and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, by the 30th June each year a copy of its audited annual accounts showing its income expenditure and its assets and liabilities.

NAME OF THE ORGANISATION

Serum Institute of India Research Foundation,
Sarosh Bhawan, 16-B/1, Dr. Ambedkar Road,
Pune-411001.

This Notification is effective for the period from 1-4-1991 to 31-3-1992.

NOTE.—The organisation is advised to apply (in triplicate) for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, three months before the expiry of the approval. In exceptional cases where the order granting approval is received after the expiry of the period of three months aforesaid or shortly before the expiry of the said period, the organisation may make an application for extension of approval as soon as possible after the receipt of the order of approval. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research.

[No. 610/F. No. DG/M-41/Cal/35(1)(ii)/89-IT(E)]
A. K. BISWAS, Dy. Director

कलकत्ता, 19 मार्च, 1992

(आयकर)

का.आ. 538—मर्वसाधारण की सूचना के लिये एतदद्वारा यह अधिसूचना जारी किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को, आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 (पैसेस/एक/तीन) की उपधारा (1) के अन्तर्गत (iii) के लिये, सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग की महमति से, आयकर नियम, 1962 के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी अर्थात् महानिदेशक (आयकर छट) द्वारा निम्ननिषित शर्तों पर "संस्थान" प्रवर्ग के अधीन अनुमोदित किया गया है।

(1) संगठन वैज्ञानिक अनुसंधान के लिये प्राप्त धन के लिये एक अन्तर्गत लेवा रखेगा।

- (2) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान संबंधी लार्जल-ओं का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिये, प्राप्तकर वर्ष की 31 मई तक, सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, वैज्ञानिक भवन, न्यू मेन्हराली गेट नं० 110-116 को भेजेगा।
- (3) यह प्रत्येक वर्ष की 30 जून तक, लेवा-परोक्षित वार्षिक लेवों की एक प्री-अपनी-व्यव्याप्ति आस्तियों एवं देनदारियों के विवरण लहित, (क) महानिदेशक (आयकर छट) (ख) सचिव: वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, और (ग) आयकर आयकर/आयकर निदेश क (छट) जिनके अधिकारियों में पड़ता है, को प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम

कुण्डमुर्ति कार्यालय
उडिया, वसन्ना विहार,
64-65, ग्रीनवेज रोड,
सद्रास-८०००२८

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-89 से 31-3-92 तक वैज्ञानिक की लिये प्रभावी है।

टिप्पणी: संगठन को अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए अनुमोदन की समाप्ति के तीन माह पूर्व आयकर आयकर/आयकर निदेशक (छट), जिनके क्षेत्रधिकार में संगठन पड़ता है, के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छट), कलकत्ता को तीन प्रतियों में आदेदन करने के लिए सुझाव दिया जाता है। विशेष मामलों में, जहां अनुमोदित आदेश उपर्युक्त तीन माह की समाप्ति पर अथवा उक्त अवधि की ममानि के ठीक पूर्व प्राप्त हुआ है, संगठन अनुमोदित आदेश प्राप्त करने के पश्चात् यथाजीव अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आवेदन करें। अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किए आवेदन-पत्र की 6 प्रतियां मध्यिक, वैज्ञानिक और वैज्ञानिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करना है।

[सं. 611/फा. सं. डी. जी. /टी. एन. 7/कल. /35/(1)
(iii) /89 आ.कर (छट)]

प. के. विश्वास, उपनिदेशक

Calcutta, the 19th March, 1992

(INCOME-TAX)

S.O. 538.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, 1962, i.e., the Director General of Income-tax (Exemptions) in concurrence with the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of Section 35 (Thirty Five/one/three) of the Income-tax Act, 1961 under the category "Institution" subject to the following conditions :

- (i) The organisation will maintain a separate account of the sums received by it for Scientific Research;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, "Technology

Bhawan", New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year; and

(iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research; and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, by the 30th June each year a copy of its audited annual accounts showing its income expenditure and its assets and liabilities.

NAME OF THE ORGANISATION

Krishnamurti Foundation India,
Vasanta Vihar,
64-65 Greenways Road,
Madras-600028.

This Notification is effective for the period from 1-4-89 to 31-3-92.

NOTE.—The organisation is advised to apply (in triplicate) for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, three months before the expiry of the approval. In exceptional cases where the order granting approval is received after the expiry of the period of three months aforesaid or shortly before the expiry of the said period, the organisation may make an application for extension of approval as soon as possible after the receipt of the order of approval. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research.

[No. 611/F. No. DG/TN-7/Cal/35(1)(iii)/89-IT(E)]
A. K. BISWAS, Dy. Director

कलकत्ता, 20 मार्च, 1992

(आयकर)

का. आ. 539.—सर्वसाधारण की सूचना के लिए एतद्वारा यह अधिसूचना जारी किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को, आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 (पैतीताएकतीन) की उपधारा (1) के खण्ड (iii) के लिए, सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग की समर्पण में, आयकर नियम, 1962 के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी अधीन, गङ्गानिदेशक (आयकर छूट) द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर "संस्थान" प्रवर्ता के अधीन अनुमोदित किया गया है।

- (1) संगठन वैज्ञानिक अनुसंधान के लिए प्राप्त धन के लिए एक अत्यन्त नेतृत्व रखेगा।
- (2) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान संबंधी कार्यकारों का एक वाणिज्यिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए, प्रत्येक वर्ष की 31 मई तक, सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग, वैज्ञानिक भवन, न्यू मेहराली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा।
- (3) प्रत्येक वर्ष की 30 जून तक, वैज्ञानिक विवरण लेखों की एक प्रति अपरेंटमेंट, आविष्यों एवं देनदारियों के विवरण महित, (क) सदृ-

निदेशक (आयकर छूट) (ग) सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, और (ग) आयकर आयकर/आयकर निदेशक (छूट) जिनके धेनाधिकार में पड़ता है, को प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम

शंकर विद्या केन्द्र,
पश्चिम मार्ग
वसन्त विहार
नई दिल्ली-110057

यह अधिसूचना विनांक 1-4-1990 से 31-3-1992 तक की अवधि के लिए प्रभावी है।

टिप्पणी:—संगठन को अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए अनुमोदन की समाप्ति के तीन माह पूर्व आयकर आयकर/आयकर निदेशक (छूट), धेनाधिकार में संगठन पड़ता है के माध्यम से आयकर भवानिदेशक (छूट), कलकत्ता को तीन प्रतियों में आवेदन करने के लिए मुकाबला दिया जाता है। विशेष मामलों में, जहां अनुमोदित आदेश उपर्युक्त तीन माह की समाप्ति पर अथवा उक्त अवधि की समाप्ति के ठीक पूर्व प्राप्त हुआ हो, संगठन अनुमोदित आदेश प्राप्त करने के पश्चात यथाशीघ्र अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आवेदन करें। अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किए आवेदन-पत्र की 6 प्रतियां सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करना है।

[स. 612/फा. सं. डी. जी. /एन. डी. 24/कल. /35/(1)
(iii) / 89 आ. कर (छूट)]

प. के. विश्वास, उप निदेशक

Calcutta, the 20th March, 1992

(INCOME-TAX)

S.O. 539.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, 1962, i.e., the Director General of Income-tax (Exemptions) in concurrence with the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research for the purposes of clause (iii) of sub-section (1) of Section 35 (Thirty Five/one/three) of the Income-tax Act, 1961 under the category "Institution" subject to the following conditions :

- (i) The organisation will maintain a separate account of the sums received by it for Scientific Research;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, "Technology Bhawan", New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year; and
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, by the 30th June each year a copy of its audited annual accounts showing its income expenditure and its assets and liabilities.

निदेशक (छट), कलकत्ता को तीन प्रतियों में आवेदन करने के लिए सुझाव दिया जाता है। विशेष मामलों में, जहाँ अनुमोदित आदेश उपर्युक्त तीन माह की समाप्ति पर अथवा उक्त अवधि की समाप्ति के ठीक पूर्व आप्त हुआ हो, संगठन अनुमोदित आदेश प्राप्त करने के पश्चात् यथाशीघ्र अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आवेदन करें। अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किए आवेदन-पत्र की 6 प्रतियां सचिव, वैज्ञानिक और आंशिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करना है।

[सं. 630/फा.सं.डी.जी./जी-55/कल./35/(1)
(ii)/91-आ. कर (छट)]

ए.के. बिश्वास, उप निदेशक

Calcutta, the 26th March, 1992

(INCOME-TAX)

S.O. 557.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, 1962, i.e., the Director General of Income-tax (Exemptions) in concurrence with the Secretary, Deptt. of Scientific and Industrial Research for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of Section 35 (Thirty Five/one/two) of the Income-tax Act, 1961 under the category "Association" subject to the following conditions :

- (i) The organisation will maintain a separate account of the sums received by it for Scientific Research ;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research, "Technology Bhawan", New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year ; and
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific and Industrial Research and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, by the 10th June each year a copy of its audited annual account showing its income, expenditure and its assets and liabilities.

NAME OF THE ORGANISATION

GISI C Science Foundation,
P.O. Fertilizernagar-391750,
Dist.-Baroda.

This Notification is effective for the period from 22-1-1992 to 31-3-1993.

NOTE.—The organisation is advised to apply (in triplicate) for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, three months before the expiry of the approval. In exceptional cases where the order granting approval is received after the expiry of the period of three months aforesaid or shortly before the expiry of the said period, the organisation may make an application for extension of approval as soon as possible after the receipt of the order of approval. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research.

[No. 630/F. No. DG/G-55/Cal/35(1)(ii)/91-JT(E)]
A. K. BISWAS, Dy. Director

कलकत्ता, 30 मार्च, 1992

(आयकर)

का. आ. 559.—सर्वसाधारण की सूचना के लिये एनवडारा यह अधिसूचना जारी की जाती है कि निम्नलिखित संगठन को आयकर अधिनियम 1961 की धारा 35 (पैंतीस/एक/दो) की उपधारा (1) के खण्ड (ii) के लिये सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग की सहमति से आयकर नियम, 1962 के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी अर्थात् महानिदेशक (आयकर छूट) द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर "संस्थान" प्रबंग के अधीन अनुमोदित किया गया है।

- (1) संगठन वैज्ञानिक अनुसंधान के लिये प्राप्त धन के लिये एक अलग लेखा रखेगा।
- (2) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान संबंधी कार्यकलापों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिये प्रत्येक वर्ष की 31 मई तक सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, औद्योगिक भवन, न्यू मेरहाली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा।
- (3) यह प्रत्येक वर्ष की 30 जून तक सेखा-परीक्षित वार्षिक लेखों की एक प्रति अपने-स्थिय आस्तियों एवं देनदारियों के विवरण सहित (क) महानिदेशक (आयकर छूट) (ख) सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में पड़ता है को प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम

भगवान महावीर मेडिकल रिसर्च सेंटर,
10-1-1, महावीर मार्ग,
हैदराबाद-500004 (ए.पी.)

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-1991 से 31-3-1992 की अवधि के लिये प्रभावी है।

टिप्पणी : संगठन को अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए अनुमोदन की समाप्ति के तीन माह पूर्व आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन पड़ता है के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता को तीन प्रतियों में आवेदन करने के लिए सुझाव दिया जाता है। विशेष मामलों में जहाँ अनुमोदित आदेश उपर्युक्त तीन माह की समाप्ति पर अथवा उक्त अवधि की समाप्ति के ठीक पूर्व प्राप्त हुआ हो संगठन अनुमोदित आदेश प्राप्त करने के पश्चात् यथाशीघ्र अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आवेदन

करें। अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किए आवेदन-पत्र की 6 प्रतियां सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करना है।

[सं. 631 (फा. सं. झी. जी. /ए. पी. 4/कल. /35/(1) (ii)/89-भा. कर (छूट)]

ए. के. बिश्वास, उप निदेशक

Calcutta, the 30th March, 1992

(INCOME-TAX)

S.O. 558.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, 1962, i.e., the Director General of Income-tax (Exemptions), in concurrence with the Secretary, Deptt. of Scientific and Industrial Research for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of Section 35 (Thirty Five/one/two) of the Income-tax Act, 1961 under the category "Institution" subject to the following conditions :

- (i) The organisation will maintain a separate account of the sums received by it for Scientific Research;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research, "Technology Bhawan", New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year;
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific and Industrial Research and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, by the 30th June each year a copy of its audited annual accounts showing its income, expenditure and its assets and liabilities.

NAME OF THE ORGANISATION

Bhagwan Mahavir Medical Research Centre,
10-1-1, Mahavir Marg,
Hyderabad-500004 (A.P.).

This Notification is effective for the period from 1-4-1991 to 31-3-1992.

NOTE.—The organisation is advised to apply (in triplicate) for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, three months before the expiry of the approval. In exceptional cases where the order granting approval is received after the expiry of the period of three months aforesaid or shortly before the expiry of the said period, the organisation may make an application for extension of approval as soon as possible after the receipt of the order of approval. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research.

[No. 631/F. No. DG/AP-4/Cal[35(1)(ii)]89-IT(E)]

A. K. BISWAS, Dy. Director

फलकस्ता, 30 मार्च, 1992
(प्रायकर)

का. आ. 559.—सर्वसाधारण की सूचना के लिये एतद्वारा यह अधिसूचना जारी किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को आयकर अधिनियम 1961 की धारा 35 (पैरीस/एक/दो) की उपधारा (1) के अन्तर्गत (ii) के लिये सचिव वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग की सहमति से आयकर नियम 1962 के अधीन

विहित प्राधिकारी अर्थात् महानिदेशक (आयकर छूट) द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर "संघ" प्रबर्ग के अधीन अनुमोदित किया गया है।

- (1) संगठन वैज्ञानिक अनुसंधान के लिये प्राप्त धन के लिये एक अलग लेखा रखेगा।
- (2) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान संबंधी कार्यकलापों का एक आधिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिये प्रत्येक वर्ष की 31 मई तक सचिव वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, औद्योगिक भवन, न्यू मेरहोली रोड नई दिल्ली-110016 को भेजेगा।
- (3) यह प्रत्येक वर्ष की 30 जून, तक लेखा-परीक्षित आधिक लेखों की एक प्रति अपनी-व्यय आस्तियों एवं देनदारियों के विवरण सहित (क) महानिदेशक (आयकर छूट) (ख) सचिव वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में पड़ता है को प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम

पेट्रोलियम कानसेंकेशन रिसर्च एसोसिएशन,
1008, न्यू दिल्ली हाउस,
27, नरखम्बा रोड,
नई दिल्ली-110001

यह अधिसूचना दिनांक 1/4/1991 से 31/3/1994 तक की अवधि के लिये प्रभावी है।

टिप्पणी : संगठन को अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए अनुमोदन की समाप्ति के तीन माह पूर्व आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन में पड़ता है, के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट) कलकत्ता को तीन प्रतियों में आवेदन करने के लिए सुझाव दिया जाता है। विषेष मामलों में जहां अनुमोदित आदेश उपर्युक्त तीन माह की समाप्ति पर अथवा उक्त अवधि की समाप्ति के ठीक पूर्व प्राप्त हुआ हो संगठन अनुमोदित आवेदन प्राप्त करने के पश्चात् यथाणीज्ञ अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आवेदन करें। अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किए आवेदन-पत्र की 6 प्रतियां सचिव वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करना है

[सं. 632/फा. सं. ०३. झी. जी. /एन. झी. 30/कल. /35(1)(ii)/89 आ. कर (छूट)]

ए. के. बिश्वास, उप निदेशक
Calcutta, the 30th March, 1992
(INCOME-TAX)

S.O. 559.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax

Rules, 1962, i.e., the Director General of Income-tax (Exemptions) in concurrence with the Secretary, Deptt. of Scientific and Industrial Research for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of Section 35 (Thirty Five/one/two) of the Income-tax Act, 1961 under the category "Association" subject to the following conditions :

- (i) The organisation will maintain a separate account of the sums received by it for Scientific Research ;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research, "Technology Bhawan", New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year ;
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific and Industrial Research and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, by the 30th June each year a copy of its audited annual amounts showing its income, expenditure and its assets and liabilities.

NAME OF THE ORGANISATION

Petroleum Conservation Research Association,
1008, New Delhi House,
27, Barakhamba Road,
New Delhi-110001.

This Notification is effective for the period from 1-4-1991 to 31-3-1994.

NOTE.—The organisation is advised to apply (in triplicate) for further extention of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, three months before the expiry of the approval. In exceptional cases where the order granting approval is received after the expiry of the period of three months aforesaid or shortly before the expiry of the said period, the organisation may make an application for extension of approval as soon as possible after the receipt of the order of approval. Six copies of the application for extention of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research.

[No. 632/F. No. DG/ND-30/Cal/35(1)(ii)/89-JT(E)]

A. K. BISWAS, Dy. Director

कलकत्ता, 30 मार्च, 1992

(आयकर)

का. आ. 560.—संवर्साधारण की सूचना के लिये एतद्वारा यह अधिसूचना जारी किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को आयकर अधिनियम 1961 की धारा 35 (पैरीस/एक/दो) की उपधारा (1) के खण्ड (ii) के लिये सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग की सहमति से आयकर नियम, 1962 के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी अर्थात् महानिदेशक (आयकर छूट) द्वारा निम्नलिखित गतीय पर "संब" प्रवर्ग के अधीन अनुमोदित किया गया है।

- (1) संगठन वैज्ञानिक अनुसंधान के लिये प्राप्त धन लिये एक अलग लेखा रखेगा।
- (2) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान संबंधी कार्यकलापों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिये प्रत्येक वर्ष की 31 मई तक सचिव,

वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, औद्योगिक भवन, न्यू मेराहौली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा।

(3) यह प्रत्येक वर्ष की 30 जून तक लेखा-परीक्षित वार्षिक लेखों की एक प्रति अपने-अथवा आस्तियों एवं देनवारियों के विवरण सहित, (क) महानिदेशक (आयकर छूट) (ख) सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट) जिनके लेजाधिकार में पड़ता है को प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम

पटाश रिसर्च इनसिटट्यूट ऑफ हिंदिया,
सेक्टर-19, बनदेहरा,
दिल्ली—गुडगांव रोड,
गुडगांव-122001—(हरियाणा)

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-1992 से 31-3-1993 तक की अवधि के लिये प्रभावी है।

टिप्पणी : संगठन को अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए अनुमोदन की समाप्ति के तीन माह पूर्व आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट) जिनके लेजाधिकार में संगठन में पड़ता है के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट) कलकत्ता को तीन प्रतियों में आवेदन करने के लिए सुनाव दिया जाता है। विशेष मामलों में जहां अनुमोदित आदेश उपर्युक्त तीन माह की समाप्ति पर अथवा उक्त अवधि की समाप्ति के ठीक पूर्व प्राप्त हुआ हो, संगठन अनुमोदित आदेश प्राप्त करने के पश्चात् यथाशीघ्र अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आवेदन करें। अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किए आवेदन-पत्र की 6 प्रतियां सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करना है।

[स. 633/फा. स. डी. जी. /एच-1/कल./35/(1) (ii)
89-आ. कर (छूट)]

ए. के. विश्वास, उप निदेशक

Calcutta, the 30th March, 1992

(INCOME-TAX)

S.O. 560.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, 1962, i.e., the Director General of Income-tax (Exemptions) in concurrence with the Secretary, Deptt. of Scientific and Industrial Research for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of Section 35 (Thirty Five/one/two) of the Income-tax Act, 1961 under the category "Association" subject to the following conditions :

- (i) The organisation will maintain a separate account of the sums received by it for Scientific Research ;

(ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research, "Technology Bhawan", New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year, and

(iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific and Industrial Research and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, by the 30th June each year a copy of its audited annual accounts showing its income, expenditure and its assets and liabilities.

NAME OF THE ORGANISATION

Potash Research Institute of India,
Sector-19, Dundehra,
Delhi Gurgaon Road,
Gurgaon-122001 (Haryana).

This Notification is effective for the period from 1-4-1991 to 31-3-1992.

NOTE.—The organisation is advised to apply (in triplicate) for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, three months before the expiry of the approval. In exceptional cases where the order granting approval is received after the expiry of the period of three months aforesaid or shortly before the expiry of the said period, the organisation may make an application for extension of approval as soon as possible after the receipt of the order of approval. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research.

[No. 633/F. No. DG/H-1/Cal/35(1)(ii)/89-IT(E)]

A. K. BISWAS, Dy. Director

कलकत्ता, 30 मार्च, 1992

(प्रायकर)

का. ना. 561.—सर्वसाधारण भी सूचना के लिये एतद्वारा यह अधिसूचना जारी की जाती है कि निम्नलिखित संगठन को प्रायकर अधिनियम 1961 की धारा 35 (पैसीस/एक/दो) की उपधारा (1) के खण्ड (ii) के लिये, सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग की सहमति से प्रायकर नियम, 1962 के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी अधिकृत महानिदेशक (प्रायकर छूट) द्वारा निम्नलिखित गतों पर "संस्थान" प्रबंग के अधीन अनुमोदित किया गया है।

- (1) संगठन वैज्ञानिक अनुसंधान के लिये प्राप्त धन के लिए एक अलग लेखा रखेगा।
- (2) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान संबंधी कार्यकलापों का एक वार्षिक विवरण-प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिये प्रत्येक वर्ष की 31 मई तक, सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, औद्योगिक भवन, न्यू मेहरौली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा।
- (3) यह प्रत्येक वर्ष की 30 जून तक, लेखा-परीक्षित वार्षिक लेखों की एक प्रति अपने-व्यय आस्तियों एवं देनशारियों के विवरण सहित (क) महा-

निदेशक (प्रायकर छूट) (ख) सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, और (ग) प्रायकर अनुसंधान/प्रायकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में पड़ता है को प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम

इन्डियन एण्ड डिवलपमेन्ट लैबरेटरी,
47, डिवलप्ट प्लाट्स फॉर इलेक्ट्रिकल,
एण्ड इलेक्ट्रिकल्स इण्डस्ट्रीज, सेवाराम विलेज,
पेर्सनगुडी पोस्ट, महाराष्ट्र-600096

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-1992 से 31-3-1993 की अवधि के लिये प्रभावी है।

टिप्पणी : संगठन को अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए अनुमोदन की समाप्ति के तीन माह पूर्व प्रायकर अनुमोदन/प्रायकर निदेशक (छूट), जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन पड़ता है के माध्यम में प्रायकर महानिदेशक (छूट) कलकत्ता को तीन प्रतियों में आवेदन करने के लिए सुझाव दिया जाता है। विशेष मामलों में, जहां अनुमोदित आदेश उपर्युक्त तीन माह की समाप्ति पर अथवा उक्त अवधि की समाप्ति के ठीक पूर्व प्राप्त हुआ हो, संगठन अनुमोदित आदेश प्राप्त करने के पश्चात् यथापीद्ध अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आवेदन करें। अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किए आवेदन-पत्र की 6 प्रतियो सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करना है।

[स. 634(फा. सै. डी. जी. एन. 15/फस. /35/(1)
(ii)/89-प्रा. कर (छूट)]

ए. के. विश्वास, उप निदेशक

Calcutta, the 30th March, 1992

(INCOME-TAX)

S.O. 561.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, 1962, i.e., the Director General of Income-tax (Exemptions) in concurrence with the Secretary, Deptt. of Scientific and Industrial Research for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of Section 35 (Thirty Five/one/two) of the Income-tax Act, 1961 under the category "Association" subject to the following conditions :

- (i) The organisation will maintain a separate account of the sums received by it for Scientific Research ;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research, "Technology Bhawan", New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year ; and
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific and Industrial Research and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, by the 30th June each year a copy of its audited annual accounts showing its income, expenditure and its assets and liabilities.

NAME OF THE ORGANISATION

Indcom Research and Development Laboratory,
47, Developed Plots for Electrical and
Electronics Industries, Sevaram Village,
Perungudi Post, Madras-600006.

This Notification is effective for the period from 1-4-1991
to 31-3-1992.

NOTE.—The organisation is advised to apply (in triplicate) for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, three months before the expiry of the approval. In exceptional cases where the order granting approval is received after the expiry of the period of three months aforesaid or shortly before the expiry of the said period, the organisation may make an application for extension of approval as soon as possible after the receipt of the order of approval. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research

[No. 634/F. No. DG/TN-15/Cal/35(1)(ii)/89-IT(E)]

A. K. BISWAS, Dy. Director

कलकत्ता, 30 मार्च, 1992

(आयकर)

का.आ. 562 :—सर्वसाधारण की सूचना के लिये एस-द्वारा यह अधिसूचना जारी किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को, आयकर अधिनियम 1961 की धारा 35 (पैरीस एक/तीन) की उपधारा (1) के खण्ड (iii) के लिये, सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग की सहमति से, आयकर नियम, 1962 के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी प्रथम महानिदेशक (आयकर छूट) द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर “संस्थान” प्रबंध के अधीन अनुमोदित किया गया है।

(1) संगठन वैज्ञानिक अनुसंधान के लिये प्राप्त धन के लिये एक अलग लेखा रखेगा।

(2) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान संबंधी कार्यक्रमों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वर्ष के लिये, 31 मई, तक, सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, औद्योगिक भवन, न्यू मेहरौली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा।

(3) यह प्रत्येक वर्ष की 30 जून तक, लेखा परीक्षित वार्षिक लेखों की एक प्रति अपनी व्यव्य, अस्तियों एवं देनशारियों के विवरण सहित, (क) महानिदेशक (आयकर छूट) (ख) सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, और (ग) आयकर आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में पड़ता है, को प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम

मद्रास इंस्टिट्यूट ऑफ डिवलपमेन्ट स्टडिज,
79, सेकंड मैन रोड,
गांधी नगर, अद्यार,
मद्रास-600020

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-1991 से 31-3-1992
तक की अवधि के लिये प्रभावी है।

टिप्पणी : संगठन को अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए अनुमोदन की समाप्ति के तीन माह पूर्व आयकर आयकर निदेशक (छूट), जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन में पड़ता है, के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता की तीन प्रतियों में आवेदन करते के लिए सुमाक दिया जाता है। विशेष मामलों में, जहां अनुमोदित आवेदन उक्त समाप्ति के ठीक पूर्व प्राप्त हुआ हो, संगठन अनुमोदित आवेदन करने के परवात यथार्थ अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आवेदन करें। अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किये आवेदन-पत्र की 6 प्रतियां सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करना है।

[सं. 635 (फा.सं.डी.जी./टी.एन. 27/कल./35/ (1) (iii) 89-आ. कर (छूट)]

ए.के. विश्वास, उपनिदेशक

Cuttack, the 30th March, 1992

(INCOME-TAX)

S.O. 562.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, 1962, i.e., the Director General of Income-tax (Exemptions) in concurrence with the Secretary, Deptt. of Scientific & Industrial Research for the purposes of clause (iii) of sub-section (1) of Section 35 (Thirty Five/one/three) of the Income-tax Act, 1961 under the category 'Institution' subject to the following conditions :

- (i) The organisation will maintain a separate account of the sums received by it for Scientific Research ;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research, "Technology Bhawan", New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year ; and
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific and Industrial Research and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, by the 30th June each year a copy of its audited annual accounts showing its income, expenditure and its assets and liabilities.

NAME OF THE ORGANISATION
Madras Institute of Development Studies,
70, Second Main Road,
Gandhi Nagar, Adyar,
Madras-600020.

This Notification is effective for the period from 1-4-1991
to 31-3-1992.

NOTE.—The organisation is advised to apply (in triplicate) for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, three months before the expiry of the approval. In exceptional cases where the order granting approval is received after the expiry of the period of three months aforesaid or shortly before the expiry of the said period, the organisation may make an application for extension of approval as soon as possible after the receipt of the order of approval. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research.

[No. 635/F. No. DG/TN-27/Cal/35(1)(iii)/89-IT(E)]
A. K. BISWAS, Dy. Director

कलकत्ता, 30 मार्च, 1992

(आयकर)

का. आ. 563 :—सर्वसाधारण की सूचना के लिए एतद्वारा यह अधिसूचना जारी किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को, आयकर अधिनियम 1961 की धारा 35 (पैतीस/एक/तीन) की उपधारा (1) के खण्ड (iii) के लिए, सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग की सहमति से, आयकर नियम, 1962 के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी अधिकारी महानिदेशक (आयकर छूट) द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर “संस्थान” प्रवर्ग के अधीन अनुमोदित किया गया है।

(1) संगठन वैज्ञानिक अनुसंधान के लिये प्राप्त धन के लिये एक अलग लेखा रखेगा।

(2) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान संबंधी कार्यकलापों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिये, प्रत्येक वर्ष की 31 मई तक, सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, औद्योगिक भवन, न्यू महरीली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा।

(3) यह प्रत्येक वर्ष को 30 जून तक, लेखा परीक्षित वार्षिक लेखों को एक प्रति अपने व्यय आस्तियों एवं वेनदारियों के विवरण सहित, (क) महानिदेशक (आयकर छूट) (ख) सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में पड़ता है, को प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम

द मर्स सर्विस सोसाइटी,
प्लाट-4, बैंकट नगर एक्सटेंशन,
पांडिचेरी-605011

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-1990 से 31-3-1992 तक की अवधि के लिये प्रभावी है।

टिप्पणी: संगठन को अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए अनुमोदन की समाप्ति के तीन माह पूर्व आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट), जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन पड़ता है, के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता को तीन प्रतियों में आवेदन करने के लिए सुनाव दिया जाता है। विशेष मामलों में जहां अनुमोदित आदेश उपर्युक्त तीन माह की समाप्ति पर अथवा उक्त अवधि की समाप्ति के छोटे पूर्व प्राप्त हुआ हो, संगठन अनुमोदन आदेश प्राप्त करने के पश्चात् यथाशीघ्र अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आवेदन करें। अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किए

आवेदन-पत्र की 6 प्रतियां सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करना है।

[स. 636 (फा. सं. डी. जी./पोन-4/कल/35/(1)
(iii)/89-आ. कर (छूट)]

ए.क. विश्वास, उप निदेशक

Calcutta, the 30th March, 1992

(INCOME-TAX)

S.O. 563.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, 1962, i.e., the Director General of Income-tax (Exemption) in concurrence with the Secretary, Deptt. of Scientific and Industrial Research for the purposes of clause (iii) of sub-section (1) of Section 35 (Thirty Five/one/three) of the Income-tax Act, 1961 under the category “Institution” subject to the following conditions :

- (i) The organisation will maintain a separate account of the sums received by it for Scientific Research;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research, “Technology Bhawan”, New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year; and
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific and Industrial Research and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, by the 30th June each year a copy of its audited annual accounts showing its income, expenditure and its assets and liabilities.

NAME OF THE ORGANISATION

The Mother's Service Society,

Plot 4, Venkata Nagar Extension,
Pondicherry-605011.

This Notification is effective for the period from 1-4-1990 to 31-3-1992.

NOTE.—The organisation is advised to apply (in triplicate) for further extension of the approval to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, three months before the expiry of the approval. In exceptional cases where the order granting approval is received after the expiry of the period of three months aforesaid or shortly before the expiry of the said period, the organisation may make an application for extension of approval as soon as possible after the receipt of the order of approval. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research.

[No. 636/F. No. DG/Pon-4/Cal/35/(1)(iii)/89-IT(E)]
A. K. BISWAS, Dy. Director

कलकत्ता, 30 मार्च, 1992

(आयकर)

का. आ. 564 :—सर्वसाधारण की सूचना के लिये एतद्वारा यह अधिसूचना जारी किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को, आयकर अधिनियम 1961 की धारा 35 (पैतीस/एक/दो) की उपधारा (i) के खण्ड (ii) के लिये, सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग की

सहमति से, आयकर नियम, 1962 के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी अर्थात् महानिदेशक (आयकर छूट) द्वारा निम्नलिखित गतों पर "संस्थान" प्रबंध के अधीन अनुमोदित किया गया है।

- (1) संगठन वैज्ञानिक अनुसंधान के लिए प्राप्त धन के लिए एक अलग लेखा रखेगा।
- (2) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान संबंधी कार्यकलापों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए, प्रत्येक वर्ष की 31 मई तक, सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, औद्योगिक भवन, न्यू महरौली रोड नई दिल्ली-110016 को भेजेगा।
- (3) यह प्रत्येक वर्ष की 30 जून तक, लेखा-परीक्षित वार्षिक लेखों की एक प्रति अपने व्यय, आस्तियों एवं देनदारियों के विवरण सहित, (क) महानिदेशक (आयकर छूट), (ख) सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में पड़ता है, को प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम

सीताराम भारतीय इंस्टिट्यूट ऑफ साइंसेस एंड रिसर्च, प्लैट नं.-1-ई
216, ए. जे. सी. बोस रोड,
कलकत्ता-700017

यह अधिसूचना विनांक 1-4-1991 से 31-3-1992 तक की अवधि के लिए प्रभावी है।

टिप्पणी : संगठन को अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए अनुमोदन की समाप्ति के तीन माह पूर्व आ कर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट), जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन में पड़ता है, के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता को तीन प्राप्तियों में अवेदन करने के लिए सुन्नाव दिया जाता है। विशेष मामलों में, जहां अनुमति आदेश उपर्युक्त तीन माह की समाप्ति पर अवधि उक्त अवधि की समाप्ति के ठीक पूर्व प्राप्त हुआ हो, संगठन अनुमोदित आदेश प्राप्त करने के पश्चात् यथाशीघ्र अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए अवेदन करें। अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किए आवैदन-पत्र की 6 प्रतियां सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करना है।

[सं. 637/फा. सं. डी. जी. /उड्ड्यू. बी. -38/कल. /35/ (1) (ii)/90-प्रा. कर (छूट)]

ए. के. विश्वास, उप निदेशक

Calcutta, the 31st March, 1992

(INCOME-TAX)

S.O. 564.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, 1962, i.e., the Director General of Income-tax (Exemption) in concurrence with the Secretary, Deptt. of Scientific and Industrial Research for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of Section 35 (Thirty Five/one/two) of the Income-tax Act, 1961 under the category "Institution" subject to the following conditions :

- (i) The organisation will maintain a separate account of the sums received by it for Scientific Research;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research, "Technology Bhawan", New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year ; and
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific and Industrial Research and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, by the 30th June each year a copy of its audited annual accounts showing its income expenditure and its assets and liabilities.

NAME OF THE ORGANISATION

Sitaram Bhartia Institute of Science and Research,
Flat No. 1-E,
216, A. J. C. Bose Road,
Calcutta-700017.

This Notification is effective for the period from 1-4-1991 to 31-3-1992.

NOTE.—The organisation is advised to apply (in triplicate) for further extention of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, three months before the expiry of the approval. In exceptional cases where the order granting approval is received after the expiry of the period of three months aforesaid or shortly before the expiry of the said period, the organisation may make an application for extension of approval as soon as possible after the receipt of the order of approval. Six copies of the application for extention of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research.

[No. 637/F. No. DG/WB-38/Cal/35(1)(ii)|90-IT(E)]

A. K. BISWAS, Dy. Director

कलकत्ता, 31 मार्च 1992

(आयकर)

का.आ. 565.—सर्वेसाधारण की सूचना के लिए एतद्वारा यह अधिसूचना जारी किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को, आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 (प्रतीस/एक/दो) की उपधारा (1) के खंड (ii) के लिए सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग की सहमति से, आयकर नियम, 1962 के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी अर्थात् महानिदेशक (आयकर छूट) द्वारा निम्नलिखित गतों पर "संस्थान" प्रबंध के अधीन अनुमोदित किया गया है।

- (1) संगठन वैज्ञानिक अनुसंधान के लिए प्राप्त धन के लिए एक अलग लेखा रखेगा।

(2) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान संबंधी कार्यकलापों का एक वापिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिये, प्रत्येक वर्ष की 31 मई तक, सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, औद्योगिक भवन न्यू महरीली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा।

(3) यह प्रत्येक वर्ष की 30 जून तक, लेखा-परीक्षित वापिक लेखों की एक प्रति अपने व्यय आस्तियों एवं देनदारियों के विवरण भर्हित, (क) महानिदेशक (आयकर छूट), (ख) सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में पड़ता है, को प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम

असपी रिसर्च इनस्टिट्यूट,
प्लाट नं.-1, आदर्श हाउसिंग सोसाइटी,
आस रोड नं. 2-मलाद (वेस्ट)
बम्बई-400064

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-1991 से 31-3-1992 तक की अवधि के लिये प्रभावी है।

टिप्पणी: संगठन को अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए, अनुमोदन की समाप्ति के तीन माह पूर्व आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट), जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन में पड़ता है, के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता को तीन प्रतियों में अधिसूचना करने के लिए सुझाव दिया जाता है। विशेष मामलों में जहां अनुमादित आवेश उपर्युक्त तीन माह की समाप्ति पर अत्यधा उक्त अवधि की समाप्ति के ठीक पूर्व प्राप्त हुआ हो, संगठन अनुमोदन आवेश प्राप्त करने के पश्चात् यथाशीघ्र अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आवेदन करें। अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किए आवेदन-पत्र की 6 प्रतियां सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करना है।

[सं. 638 /का.सं.डी.जी./एम.-6/कल./35/(1)
(ii)/89-प्रा. कर (छूट)]

ए.के. विष्वास, उप निदेशक

Calcutta, the 31st March, 1992.

(INCOME-TAX)

S.O. 565.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, 1962, i.e., the Director General of Income-tax (Exemption) in concurrence with the Secretary, Deptt. of Scientific and Industrial Research for the purposes of clause (ii) of

sub-section (1) of Section 35 (Thirty Five/one/two) of the Income tax Act, 1961 under the category "Institute" subject to the following conditions :

- (i) The organisation will maintain a separate account of the sums received by it for Scientific Research;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research, "Technology Bhawan", New Mehtatali Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year ; and
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific and Industrial Research and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, by the 30th June each year a copy of its audited annual accounts showing its income expenditure and the assets and liabilities.

NAME OF THE ORGANISATION

Aspee Research Institute,
Plot No. 1, Adarsh Housing Society,
Cross Road No. 2, Malad (West),
Bombay-400064.

This Notification is effective for the period from 1-4-1991 to 31-3-1992.

NOTE.—The organisation is advised to apply (in triplicate) for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, three months before the expiry of the approval. In exceptional cases where the order granting approval is received after the expiry of the period of three months aforesaid or shortly before the expiry of the said period, the organisation may make an application for extension of approval as soon as possible after the receipt of the order of approval. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research.

[No. 638/F. No. DG/M-6/Cal/35(1)(ii)/89-IT(E)]
A. K. BISWAS, Dy. Director

कलकत्ता, 31 मार्च, 1992

(आयकर)

का.आ. 566 :—मर्वसाधारण की सूचना के लिए एतद्रवारा यह अधिसूचना जारी किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को, आयकर अधिनियम 1961 की धारा 35 (पैसीम/एक/दो) की उपायाग (i) के व्यष्टि (ii) के लिये, सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग की महानीति में, आयकर नियम, 1962 के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी अवधि, महानिदेशक (आयकर छूट) द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर "विश्वविद्यावस्थ" प्रवर्ग के अधीन अनुमोदित किया गया है।

- (1) संगठन वैज्ञानिक अनुसंधान के लिये प्राप्त धन के लिये एक अवधि देखा रखेगा।
- (2) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान संबंधी कार्यकलापों का एक वापिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिये, प्रत्येक वर्ष की 31 मई तक, सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, औद्योगिक भवन, न्यू महरीली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा।

(ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, "Technology Bhawan", New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year; and

(iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific and Industrial Research and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, by the 30th June each year a copy of its audited annual accounts showing its income expenditure and its assets and liabilities.

NAME OF THE ORGANISATION

Institute of Management in Government,
Barton Hill,
Trivandrum-695037.

This Notification is effective for the period from 1-4-1991 to 31-3-1992.

NOTE : The organisation is advised to apply (in triplicate) for further extension of the approval to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, three months before the expiry of the approval. In exceptional cases where the order granting approval is received after the expiry of the period of three months aforesaid or shortly before the expiry of the said period, the organisation may make an application for extension of approval as soon as possible after the receipt of the order of approval. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research.

[No. 621/F. No. DG/K-3/Cal/35(1)iii/89-IT(E)]

A. K. BISWAS, Dy. Director

कलकत्ता, 25 मार्च, 1992 ॥

(आयकर) ॥

का.प्रा 549 :—मर्शमाधारण की सूचना के लिये प्रत्यक्षारा यह अधिसूचना जारी किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को आयकर अधिनियम 1961 की वर्ग 35 (तीनीम/एवं तीन) की उम्मीदारा (1) ने वर्ष (iii) के लिये, सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग की महमति से, आयकर नियम, 1962 के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी अथवा महानिदेशक (आयकर छट) द्वारा निम्नलिखित गति पर "मंस्थान" प्रवर्ग के अधीन अनुमोदित किया गया है।

- (1) संगठन वैज्ञानिक अनुसंधान एवं लिये प्राप्त धन के लिये एक अलग लेखा रखेगा।
- (2) यह अस्ते वैज्ञानिक अनुसंधान संबंधी कार्यकालापों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष दे लिये, प्रत्येक वर्ष की 31 मई तक, सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, औद्योगिक भवन, न्यू मेहराली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा।
- (3) यह प्रत्येक वर्ष की 30 जून तक, वैज्ञानिक व औद्योगिक लेखों की एक प्रति अंतिम अप्प, अस्तियों ॥

देखानीर्पों के विषय-स्थिति; (क) अद्याविदेशक (आयकर छट) (ख) सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छट) जिनमें क्षेत्राधिकार में पड़ता है, को प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम

संशल पानिसी रिसर्च इन्स्टिट्यूट
न. 5-टी, इन्स्टिट्यूशनल प्रिया,
आनन्द-डूंगरी मिटी प्रक्षेत्रनाल म्हीम,
तेव्र आर.टी.ओ. वार्लिय,
जवाहर-302004 (राजस्थान)

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-1991 से 31-3-1992 तक की अवधि के लिये प्रभावी है।

टिप्पणी: संगठन को अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए अनुमोदन की मानापि के तान माह पूर्व आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छट), जिनमें क्षेत्राधिकार में संगठन में पड़ता है, नाम्यत में आयकर महानिदेशक (छट), कलकत्ता की तीन प्रतियों में आवेदन करने के लिए मुकाबल दिया जाता है। विषेष ग्रामों में, जहाँ अनुमोदित आदेश उपर्युक्त तीन माह की समाप्ति पर आवादा उक्त अवधि की समाप्ति एवं एक पूर्व प्राप्त हुआ हो, संगठन अनुमोदित आदेश प्राप्त करने के पश्चात् यथागीत्र अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आवेदन करें। अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के मध्य में किए आवेदन-पत्र को 6 प्रतियो सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग की प्रस्तुत करना है।

[ग. 622/का. स.टी.जी./आर.-2/कल./35/(1)
(iii)/९९-आ. कर (छट)]
प. ज. विवाद, उत्तिवेशक

Calcutta, the 25th March, 1992

INCOME TAX

S.O. 549.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, 1962 i.e., the Director General of Income-tax (Exemption) in concurrence with the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research for the purposes of clause (iii) of sub-section (1) of Section 35 (Thirty Five/one/three) of the Income-tax Act, 1961 under the category "Institution" subject to the following conditions :

- (i) The organisation will maintain a separate account of the sums received by it for Scientific Research;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, "Technology Bhawan", New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year; and
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific and Industrial Research and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions)

having jurisdiction over the organisation, by the 30th June each year a copy of its audited annual accounts showing its income expenditure and its assets and liabilities.

NAME OF THE ORGANISATION

Social Policy Research Institute,
No. 5-D, Institutional Area,
Jhalana-Doongri City Extension Scheme,
Near R.T.O. Office,
Jaipur-302004 (Rajasthan).

This Notification is effective for the period from 1-4-1991 to 31-3-1992.

NOTE : The organisation is advised to apply (in triplicate) for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, three months before the expiry of the approval. In exceptional cases where the order granting approval is received after the expiry of the period of three months aforesaid or shortly before the expiry of the said period, the organisation may make an application for extension of approval as soon as possible after the receipt of the order of approval. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research.

[No. 622/F. No. DG/R-2/Cal/35(1)(ii)/89-IT(I)]

A. K. BISWAS, Dy. Director

कलकत्ता, 25 मार्च, 1992

(आयकर)

का.आ. 550—पर्वताधारण की सूचना के लिए एतददधारा यह अधिसूचना जारी किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को, आयकर अधिनियम 1961 की धारा 35 (पैतीस/एक/दो) की उपधारा (i) के खंड (ii) के लिए सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग की महमति से, आयकर नियम, 1962 के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी प्रथम् महानिदेशक (आयकर छूट) द्वारा निम्नलिखित गतिशील पर "विश्वविद्यालय" प्रवर्ग के अधीन अनुमोदित किया गया है।

- (1) संगठन वैज्ञानिक अनुसंधान के लिए प्राप्त धन के लिए एक अलग लेखा रखेगा।
- (2) यह अन्ते वैज्ञानिक अनुसंधान संबंधी कार्यकलापों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए, प्रत्येक वर्ष की 31 मई तक, मन्त्रिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, औद्योगिक धन, न्यू महरौली रोड, नं. 110-16 को भेजेगा।
- (3) यह प्रत्येक वर्ष की 30 जून तक, लेखा-परीक्षित वार्षिक लेखों की एक प्रति अन्ते घय, आमन्तरों एवं देनदारियों के विवरण महिने, (क) महानिदेशक (आयकर छूट) (ख) मन्त्रिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, और (ग) आयकर आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में पड़ता है, को प्रस्तुत करेगा।

प्राप्ति का नाम

गुजरात एग्रिकल्चरल यूनिवर्सिटी
सरदार कुशिनगर—385506
जिला—बानसकन्था (गुजरात)

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-1991 से 31-3-1993 तक की अवधि के लिये प्रभावी है।

टिप्पणी : संगठन को अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए अनुमोदन की समाप्ति के तीन माह पूर्व आयकर आयकर निदेशक (छूट), जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन में पड़ता है, अ माध्यम से प्राप्तकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता को तीन प्रतियों में आवेदन करने के लिए सुनाव दिया जाता है। विशेष मामलों में, जहां अनुमोदित आदेश उपर्युक्त तीन माह की समाप्ति पर अवधि उत्तराधिकार की समाप्ति के ठीक पूर्व प्राप्त हुया हो, संगठन अनुमोदित आदेश प्राप्त करने के पश्चात् यथाग्राम अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आवेदन करें। अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किए आवेदन-पत्र की 6 प्रतियां मन्त्रिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करता है।

[सं. 623/फा.सं.छी.जी./जी.-40/कल./35/(1)
(ii)/90-प्रा. कर (छूट)]

ए.के. विश्वास, उप निदेशक

Calcutta, the 25th March, 1992

(INCOME-TAX)

S.O. 550.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, 1962, i.e., the Director General of Income-tax (Exemption) in concurrence with the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of Section 35 (Thirty Five/one/two) of the Income-tax Act, 1961 under the category "University" subject to the following conditions :

- (i) The organisation will maintain a separate account of the sums received by it for Scientific Research;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research, "Technology Bhawan", New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year;
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific and Industrial Research and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, by the 30th June each year a copy of its audited annual accounts showing its income expenditure and the assets and liabilities.

NAME OF THE ORGANISATION

Gujarat Agricultural University,
Sardar Krushinagar-385506,
District Banaskantha (Gujar)

This Notification is effective for the period from 1-4-1991 to 31-3-1993.

NOTE.—The organisation is advised to apply (in triplicate) for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemption), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction, over the organisation, three months before the expiry of the approval, in exceptional cases where the order granting approval is received after the expiry of the period of three months aforesaid or shortly before the expiry of the said period the organisation may make an application for extension of approval as soon as possible after the receipt of the order of approval. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research.

[No. 623/F. No. DG/G-40/Cal/35(1)(ii)/90-IT(E)]
A. K. BISWAS, Dy. Director

कलकत्ता, 25 मार्च, 1992

(आयकर)

का. आ. 551.—सर्वसाधारण की सूचना के लिये एकद्वारा यह अधिसूचना जारी किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को, आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 (पैतीस/एक/दो) की उपधारा (1) के खण्ड (ii) के लिये, सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग की महसूति में, आयकर नियम, 1962 के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी अर्थात् महानिदेशक (आयकर छूट) द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर "संबंध" प्रबंग के अधीन अनुमोदित किया गया है।

- (1) संगठन वैज्ञानिक अनुसंधान के लिये प्राप्त धन के लिये एक अलग लेखा रखेगा।
- (2) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान संबंधी कार्यकलापों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिये, प्रत्येक वर्ष की 31 मई तक, सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, औद्योगिक भवन, न्यू मेहरौली गोड नई दिल्ली-110016 को भेजेगा।
- (3) यह प्रत्येक वर्ष की 30 जून तक, लेखा-परीक्षित वार्षिक लेखों की एक प्रति अपने-व्यय, ज्ञास्तियों एवं देनदारियों के विवरण सहित, (क) महानिदेशक (आयकर छूट), (ख) सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, और (ग) आयकर आयकर/आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में पड़ता है, को प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम

माइट्रोटेक सेन्टर
131, कापिडब्ल्यू इन्डस्ट्रियल इस्टेट,
कण्ठेश्वर वेस्ट,
बम्बई-400067

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-1991 से 31-3-1992 की अवधि के लिये प्रभावी है।

टिप्पणी : संगठन को अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए अनुमोदन की समाप्ति के तीन माह पूर्व आयकर अधिकर/आयकर निदेशक (छूट), जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन में पड़ता है, के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता को तीन प्रतियों में आवेदन करने के लिए सुमात्र दिया जाता है। विशेष मामलों में, जहाँ अनुमोदित आदेश उपर्युक्त तीन माह की समाप्ति पर अवधा उस अवधि की समाप्ति के ठीक पूर्व प्राप्त हुआ हो, संगठन अनुमोदित आदेश प्राप्त करने के पश्चात् यथार्थवाक् अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किए आवेदन-न्तर की 6 प्रतियां सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करना है।

[स. 624 फा. स. डी. जी. एम.-98/कल. 35/
(1) (ii)/90 आ. कर(छूट)]
ए. के. विश्वास, उप निदेशक

Calcutta, the 25th March, 1992

(INCOME-TAX)

S.O. 551.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, 1962, i.e., the Director General of Income-tax (Exemptions) in concurrence with the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of Section 35 (Thirty Five/one/two) of the Income-tax Act, 1961 under the category "Association" subject to the following conditions :

- (i) The organisation will maintain a separate account of the sums received by it for Scientific Research;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research, "Technology Bhawan", New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year; and
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific and Industrial Research and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, by the 30th June each year a copy of its audited annual accounts showing its income, expenditure and the assets and liabilities.

NAME OF THE ORGANISATION

Sci-Tech Centre,
131, Kandivli Industrial Estate,
Kandivli West,
Bombay-400067.

This Notification is effective for the period from 1-4-1991 to 31-3-1992.

NOTE.—The organisation is advised to apply (in triplicate) for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, three months before the expiry of the approval, in exceptional cases where the order granting approval is received after the expiry of the period of three months aforesaid or shortly before the expiry of the said period, the organisation may

make an application for extension of approval as soon as possible after the receipt of the order of approval. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research.

[No. 624/F. No. DG/M-98/Cal/35(1)(ii)/90-IT(E)]

A. K. BISWAS, Dy. Director

कलकत्ता, 26 मार्च, 1992

(आयकर)

का.आ. 552—सर्वसाधारण की सूचना के लिये एन-द्वारा यह अधिसूचना जारी किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को, आयकर अधिनियम 1961 की धारा 35 (पैनीम/एक/दो/तीन वी उपधारा (1) के खण्ड (ii) के लिये, सचिव, वैज्ञानिक और श्रीद्योगिक अनुसंधान विभाग की सहमित्र में, आयकर नियम, 1962 के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी अर्थात् महानिदेशक (आयकर छूट) द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर "संस्थान" प्रवर्ग के अधीन अनुमोदित किया गया है।

(1) संगठन वैज्ञानिक अनुसंधान के लिये प्राप्त धन के लिये एक अलग लेखा रखेगा।

(2) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान संबंधी कार्यकलापों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक विनीय वर्ष के लिये, प्रत्येक वर्ष की 31 मई, तक, सचिव, वैज्ञानिक व श्रीद्योगिक अनुसंधान विभाग, श्रीद्योगिक भवन, न्यू मेहरौली गोड, नई दिल्ली 110016 को भेजेगा।

(3) यह प्रत्येक वर्ष की 30 जून तक, लेखा परीक्षित वार्षिक लेखों की एक प्रति अपनी यथा, अन्तियों व्यवं देन-द्वारियों के विवरण सहित, (क) महानिदेशक (आयकर छूट) (ख) सचिव, वैज्ञानिक व श्रीद्योगिक अनुसंधान विभाग, और (ग) आयकर आयुष्ट आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में पड़ता है, को प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम

मंगलोर विश्वविद्यालय
मंगलाणगोत्री-574199,
कर्नाटक।

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-1991 से 31-3-1992 तक की अवधि के लिये प्रभावी है।

टिप्पणी : संगठन को अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए अनुमोदन की समाप्ति के तीन माह पूर्व आयकर आयुष्ट/आयकर निदेशक (छूट), जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन में पड़ता है, के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता को तीन प्रतियों में आयेदेन करने के लिए सुझाव दिया जाता है। विशेष मामलों में, जहां अनुमोदित आदेश उपर्युक्त तीन माह की समाप्ति पर अथवा उक्त अवधि की

समाप्ति के ठीक पूर्व प्राप्त हुआ हो, संगठन अनुमोदित आदेश प्राप्त करने के पश्चात् यथाशीघ्र अनुमोदन की अवधि बढ़ायने के लिए आयेदेन का। अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किए आयेदेन-पत्र की 6 प्रतियां सचिव, वैज्ञानिक और श्रीद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करता है।

[सं. 625 (का, सं. डी. जी. /के. टी. 25/कल./35 (1) (ii)/90-आ. कर (छूट)]

ए.के. विष्वास),
उप निदेशक

Calcutta, the 26th March, 1992

(INCOME-TAX)

S.O. 552.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, 1962, i.e., the Director General of Income-tax (Exemptions) in concurrence with the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of Section 35 (Thirty Five/one/two) of the Income-tax Act, 1961 under the category "University" subject to the following conditions:

- (i) The organisation will maintain a separate account of the sums received by it for Scientific Research;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research, "Technology Bhawan", New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year; and
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific and Industrial Research and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, by the 30th June each year a copy of its audited annual accounts showing its income/expenditure and the assets and liabilities.

NAME OF THE ORGANISATION

Mangalore University,
Mangalagangotri-574199,
Karnataka.

This Notification is effective for the period from 1-4-1991 to 31-3-1992.

NOTE.—The organisation is advised to apply (in triplicate) for further extension of the approval to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, three months before the expiry of the approval, in exceptional cases where the order granting approval is received after the expiry of the period of three months aforesaid or shortly before the expiry of the said period, the organisation may make an application for extension of approval as soon as possible after the receipt of the order of approval. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research.

[No. 625/F. No. DG/KT-25/Cal/35(1)(ii)/90-IT(E)]

A. K. BISWAS, Dy. Director

कलकत्ता, 26 मार्च, 92

(आयकर)

का.आ. 553.—सर्वसाधारण की सूचना के लिये एन-द्वारा यह अधिसूचना जारी किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को, आयकर अधिनियम, 1961 की आरा

35 (पैतीम/ए/दो) की उपधारा (1) के खण्ड (ii) के लिये मध्यिव, वैज्ञानिक और श्रोतोगिक अनुसंधान विभाग की सहमति से, आयकर नियम, 1962 के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी अर्थात् महानिदेशक (आयकर छूट) द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर "संस्थान" प्रबंग के अधीन अनुमोदित किया गया है।

(1) संगठन वैज्ञानिक अनुसंधान के लिये प्राप्त धन के लिये एक अलग लेखा रखेगा।

(2) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान संबंधी कार्यकलायों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिये, प्रत्येक वर्ष की 31 मई तक, मध्यिव, वैज्ञानिक व श्रोतोगिक अनुसंधान विभाग, श्रोतोगिक भवन, न्यू मेहरौली गोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा।

(3) यह प्रत्येक वर्ष की 30 जून तक, लेखा-परीक्षित वार्षिक लेखों की एक प्रति अपने वर्ष, आमतियों पांच देनदारियों के विवरण महित, (क) महानिदेशक (आयकर छूट) (ख) सचिव, वैज्ञानिक व श्रोतोगिक अनुसंधान विभाग, और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में पड़ता है, को प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम

कल्याणी गोरक्षण दस्ट
240ए, शानिवर पथ,
कल्याणी विलिंगंग,
कराड—415110 जिला—सतारा

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-1991 से 31-3-1992 तक की अवधि के लिये प्रभावी है।

टिप्पणी: संगठन को अनुमोदित की अवधि बढ़ाने के लिए अनुमोदित की समाप्ति के तीन माह पूर्व आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट), जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन में पड़ता है, के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता को तीन प्रतियों में भावेदन करने के लिए सुनिश्चित दिया जाता है। विशेष मामलों में, जहां अनुमोदित आदेश उपर्युक्त तीन माह की समाप्ति पर अवधि उक्त अवधि की समाप्ति के ठीक पूर्व प्राप्त हुआ हो, संगठन अनुमोदित आदेश प्राप्त करने के पश्चात् यथापीत्र अनुमोदित की अवधि बढ़ाने के लिए आवेदन करें। अनुमोदित की अवधि बढ़ाने के संबंध में किए आवेदन-पत्र की 6 प्रतियां सचिव, वैज्ञानिक और श्रोतोगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करना है।

[सं. 626 (फा.सं.डी.जी./एम-125/कल./35/(1)(ii)/90/आ.कर (छूट)]

गोपें विश्वाम,
उप निदेशक

Calcutta, the 26th March, 1992

(INCOME-TAX)

S.O. 553.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, 1962, i.e., the Director General of Income-tax (Exemptions) in concurrence with the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research for the purposes of clause (ii) of subsection (1) of Section 35 (Thirty Five/one/two) of the Income-tax Act, 1961 under the category "Institution" subject to the following conditions:

- (i) The organisation will maintain a separate account of the sums received by it for Scientific Research;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research, "Technology Bhawan", New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year;
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific and Industrial Research and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, by the 30th June each year a copy of its audited annual accounts showing its income expenditure and the assets and liabilities.

NAME OF THE ORGANISATION

Kalyani Gorakshan Trust,
240F, Shaniwar Peth,
Kalyani Building,
Karad-415110,
District Satara.

This Notification is effective for the period from 1-4-1991 to 31-3-1992.

NOTE.—The organisation is advised to apply (in triplicate) for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, three months before the expiry of the approval, in exceptional cases where the order granting approval is received after the expiry of the period of three months aforesaid or shortly before the expiry of the said period, the organisation may make an application for extension of approval as soon as possible after the receipt of the order of approval. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research.

[No. 626/F. No. DG/M-125/Cal/35(1)(ii)/90-IT(E)]

A. K. BISWAS, Dy. Director

कलकत्ता, 26 मार्च, 1992

(आयकर)

का.आ. 554.—सर्वमाध्यारण की सूचना के लिये प्रतिवर्ष यह अधिसूचना जारी किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को, आयकर अधिनियम 1961 की धारा 35 (पैतीम/एक/दो) की उपधारा (1) के खण्ड (ii) के लिये, मध्यिव, वैज्ञानिक और श्रोतोगिक अनुसंधान विभाग की सहमति से, आयकर नियम, 1962 के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी अर्थात् महानिदेशक (आयकर छूट) द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर "संघ" प्रबंग के अधीन अनुमोदित किया गया है।

(1) संगठन वैज्ञानिक अनुसंधान के लिये प्राप्त धन के लिये एक अलग लेखा रखेगा।

(2) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान संबंधी कार्यकलापों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिये, प्रत्येक वर्ष की 31 मई तक, सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, औद्योगिक भवन, न्यू मेहराली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा।

(3) यह प्रत्येक वर्ष की 30 जून तक, न्या परीक्षित वार्षिक लेखों की एक प्रति अपने व्यय, आस्तियों एवं देसाइरियों के विवरण सहित, (क) महानिदेशक (आयकर छूट) (ख) सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट) जिनमें खेत्राधिकार में पड़ता है, को प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम
अल्केमाई रिसर्च सेटर,
प्रेसेंट हाउस,
19, बालकांड हीराचांद-मार्ग
बर्लंड हस्टेट, बम्बई-400038

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-1991 से 31-3-1992 तक की अवधि के लिये प्रभावी है।

टिप्पणी: संगठन को अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए अनुमोदन की समाप्ति के तीन माह पूर्व आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट), जिनमें खेत्राधिकार में संगठन में पड़ता है, के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता को तीन प्राप्तियों में आवेदन करने के लिए सूचाव दिया जाता है। विशेष मामलों में, जहाँ अनुमोदित आवेदन उपर्युक्त तीन माह की समाप्ति पर अथवा उक्त अवधि की समाप्ति के ठीक पूर्व प्राप्त हुआ हो, संगठन अनुमोदित आवेदन प्राप्त करने के पश्चात् यथासीध अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आवेदन करें। अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किए आवेदन-पत्र की 6 प्रतियां सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करना है।

[सं. 627/फा. सं. डी.जी./एम-88/कल./35/(1)
(ii)/90-आ. कर (छूट)]

प.के. विश्वाम उप, निदेशक

Calcutta, the 26th March, 1992

(INCOME-TAX)

S.O. 554.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, 1962, i.e., the Director General of Income-tax (Exemptions) in concurrence with the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of Section 35 (Thirty Five/one/two) of the

Income-tax Act, 1961 under the category "Association" subject to the following conditions :

- (i) The organisation will maintain a separate account of the sums received by it for Scientific Research;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research, "Technology Bhawan", New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year; and
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific and Industrial Research and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, by the 30th June each year a copy of its audited annual accounts showing its income expenditure and the assets and liabilities.

NAME OF THE ORGANISATION

Alchemie Research Centre,
Crescent House,
19, Walchand Hirachand Marg,
Ballard Estate, Bombay-400038.

This Notification is effective for the period from 1-4-1991 to 31-3-1992.

NOTE.—The organisation is advised to apply (in triplicate) for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, three months before the expiry of the approval, in exceptional cases where the order granting approval is received after the expiry of the period of three months aforesaid or shortly before the expiry of the said period, the organisation may make an application for extension of approval as soon as possible after the receipt of the order of approval. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research.

[No. 627/F. No. DG/M-88/Cal/35(1)(ii)/90-IT(E)]

A. K. BISWAS, Dy. Director

कलकत्ता, 26 मार्च 1992

(आयकर)

का.आ. 555.—सर्वसाधारण की सूचना के लिये एतदादारा यह अधिसूचना जारी किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को, आयकर अधिनियम 1961 की धारा 35 (पैतीस/एक/दा) की उपधारा (1) के अन्तर्गत (ii) के लिए सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग की सहमति से, आयकर नियम, 1962 के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी अधिकृत महानिदेशक (आयकर छूट) द्वारा निम्नलिखित भारी पर "संस्थान" प्रवर्ग में अधीन अनुमोदित किया गया है।

- (1) संगठन वैज्ञानिक अनुसंधान के लिये प्राप्त धन के लिये एक अमाग लेखा रखेगा।
- (2) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान में बंधी कार्यकलापों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिये, प्रत्येक वर्ष की 31 मई तक, सचिव, वैज्ञानिक

ब्रौंचोगिक अनुसंधान विभाग, औद्योगिक अनुसंधान, न्यू महरौली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा।

(3) यह प्रत्येक वर्ष की 30 जून तक, लेखा-परीक्षित वार्षिक लेखों की एक प्रति अन्ते व्यव्य, आस्तियों एवं देनदारियों के विवरण सहित, (क) महानिदेशक (आयकर छूट) (ख) सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट) जिनमें सेवाधिकार में पड़ता है, को प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम

आई.एन.बाई.एस. मेडिकल रिमर्च सोसाइटी,
16बा के.एम. टम्सन रोड,
बैंगलुर—560073

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-1991 से 31-3-1994 तक की अवधि के लिये प्रभावी है।

टिप्पणी: संगठन को अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए अनुमोदन की समाप्ति के तीन माह पूर्व आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट), जिनमें सेवाधिकार में संगठन में पड़ता है, के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता को तीन प्रतियों में प्रावेदन करने के लिए सुनाव दिया जाता है। विशेष मामलों में, जहाँ अनुमोदन आदेश उपर्युक्त तीन माह की समाप्ति पर अथवा उक्त अवधि की समाप्ति के ठीक पूर्व प्राप्त हुआ हो, संगठन अनुमोदित आदेश प्राप्त करने के पश्चात यथाशीघ्र अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किए आवेदन-पत्र की 6 प्रतियों सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करता है।

[म. 628/पा.सं.डी.जी./क.टी. 12/कल./35/(1)
(ii)/89—प्रा. कर (छूट)]

ए.के. विष्वाम, उप निदेशक

Calcutta, the 26th March, 1992

(INCOME-TAX)

S.O. 555.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, 1962, i.e., the Director General of Income-tax (Exemptions) in concurrence with the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of Section 35 (Thirty Five/one/two) of the Income-tax Act, 1961 under the category "Institution" subject to the following conditions:

- The organisation will maintain a separate account of the sums received by it for Scientific Research;
- It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research, "Technology

Bhawan", New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year; and

(iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific and Industrial Research and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, by the 30th June each year a copy of its audited annual accounts showing its income expenditure and the assets and liabilities.

NAME OF THE ORGANISATION

INYS Medical Research Society,
16th K. M. Tumkur Road,
Bangalore-560073.

This Notification is effective for the period from 1-4-1991 to 31-3-1994.

NOTE.—The organisation is advised to apply (in triplicate) for further extension of the approval to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, three months before the expiry of the approval, in exceptional cases where the order granting approval is received after the expiry of the period of three months aforesaid or shortly before the expiry of the said period, the organisation may make an application for extension of approval as soon as possible after the receipt of the order of approval. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research.

[No. 628/F. No. DG/KT-12/Cal/35(1)(ii)89-II(E)]
A. K. BISWAS, Dy. Director

कलकत्ता, 25 मार्च, 1992

(आयकर)

का.आ. 556.—सर्वसाधारण की सूचना के लिये एक-द्वारा यह अधिसूचना जारी किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को, आयकर अधिनियम 1961 की धारा 35 (पैतीस/एक/दो) की उपधारा (1) के खण्ड (ii) के लिये, सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग की महमित में, आयकर नियम, 1962 के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी अर्थात् महानिदेशक (आयकर छूट) द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर "मन्त्यान" प्रबंग के अधीन अनुमोदित किया गया है।

(1) संगठन वैज्ञानिक अनुसंधान के लिये प्राप्त धन के लिये एक अलग नेखा रखेगा।

(2) यह श्रप्ते वैज्ञानिक अनुसंधान संबंधी कार्यकलापों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिये, प्रत्येक वर्ष की 31 मई, तक, सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, औद्योगिक भवन, न्यू मेहरौली रोड, नई दिल्ली 110016 को भेजेगा।

(3) यह प्रत्येक वर्ष की 30 जून तक, लेखा परीक्षित वार्षिक लेखों की एक प्रति अन्ते यथा, आस्तियों पूर्व देनदारियों के विवरण सहित, (क) महानिदेशक (आयकर छूट), (ख) सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान

विभाग, और (ग) मायकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छट), जिनके अधिकार में पड़ता है, को प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम
टाटा एन्जी रिसर्च इन्स्टिट्यूट
7, जोरबाज, नई दिल्ली-110003

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-1991 से 31-3-1992 तक की अवधि के लिये प्रभावी है।

टिप्पणी: संगठन को अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए अनुमोदन की समाप्ति के तीन माह पूर्व आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छट), जिनके अधिकार में संगठन में पड़ता है, के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छट, कलकत्ता वी) [तीन प्रतियों में आवेदन करने के लिए सुझाव दिया जाता है। विशेष मामलों में, जहाँ अनुमोदित आदेश उपर्युक्त तीन माह की समाप्ति पर अधिकार उक्त अवधि की समाप्ति के ठीक पूर्व प्राप्त हुमा हो, संगठन अनुमोदित आदेश प्राप्त करने के पश्चात् यथागत अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आवेदन करें। अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किए आवेदन-पत्र की 6 प्रतियां सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करना है।

[स. 629/फा.मे.डी.जी.एन.डी.-82.कल. 35(1) (ii), (90) आ. कर (छट)

ए. के. विश्वास, उप निदेशक

Calcutta, the 26th March, 1992
(INCOME-TAX)

S.O. 556.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, 1962, i.e., the Director General of Income-tax (Exemptions) in concurrence with the Secretary, Deptt. of Scientific and Industrial Research for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of Section 35 (Thirty five/one/two) of the Income-tax Act, 1961 under the category "Institution" subject to the following conditions :

- (i) The organisation will maintain a separate account of the sums received by it for Scientific Research ,
- (ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research, "Technology Bhawan", New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year ;
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific and Industrial Research and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, by the 30th June each year a copy of its audited annual accounts showing its income, expenditure and its assets and liabilities.

NAME OF THE ORGANISATION
Tata Energy Research Institute,
7, Jorbagh,
New Delhi-110003.

This Notification is effective for the period from 1-4-1991 to 31-3-1992.

NOTE.—The organisation is advised to apply (in triplicate) for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, three months before the expiry of the approval. In exceptional cases where the order granting approval is received after the expiry of the period of three months aforesaid or shortly before the expiry of the said period, the organisation may make an application for extension of approval as soon as possible after the receipt of the order of approval. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research.

[No. 629/F. No. DG. ND-82/Cal/35(1)(ii)/90-IT(E)]

A. K. BISWAS, Dy. Director

कलकत्ता, 26 मार्च, 1992

(आयकर)

का.आ. 557.—सर्वसाधारण की सूचना के लिये एहत-द्वारा यह अधिसूचना जारी की जाती है [कि निम्नलिखित संगठन को, आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 (पैर्टीम/एक/दो) की उपधारा (1) के खण्ड (ii) के लिये सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग की महमति में, आयकर नियम, 1962 के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी अर्थात् महानिदेशक (आयकर छट) द्वारा निम्नलिखित गति पर "संघठन" प्रदर्श के अधीन अनुमोदित किया गया है।

(1) संगठन वैज्ञानिक अनुसंधान के लिये प्राप्त धन के लिये एक ग्रलग लेखा रखेगा।

(2) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान संबंधी कार्यकलापों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक विनीय वर्ष के लिये, प्रत्येक वर्ष की 31 मई तक, सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, औद्योगिक भवन, न्यू मेराहीली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा।

(3) यह प्रत्येक वर्ष की 30 जून तक, लेखा-परीक्षित वार्षिक लेखों की एक प्रति अपने व्यय, आमतियों एवं देनदारियों के विवरण सहित, (क) महानिदेशक (आयकर छट), (ख) सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छट), जिनके अधिकार में पड़ता है, को प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम

जी.एस.एफ.सी. माइक्स फाउण्डेशन,
पो.आ.—फॉटोलाइजर नगर, 391750
जिला—बरोदा।

यह अधिसूचना दिनांक 22-1-1992 से 31-3-1993 तक की अवधि के लिये प्रभावी है।

टिप्पणी: संगठन को अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए अनुमोदन की समाप्ति के तीन माह पूर्व आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छट), जिनके अधिकार में संगठन में पड़ता है, के माध्यम से आयकर महा

NAME OF THE ORGANISATION

Shanikara Vidy Kendra,
Paschim Marg,
Vasant Vihar,
New Delhi-110057.

This Notification is effective for the period from 1-4-1990 to 31-3-1992.

NOTE.—The organisation is advised to apply (in triplicate) for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, three months before the expiry of the approval. In exceptional cases where the order granting approval is received after the expiry of the period of three months aforesaid or shortly before the expiry of the said period, the organisation may make an application for extension of approval as soon as possible after the receipt of the order of approval. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research.

[No. 612/F. No. DG/ND-24/Cal/35(1)(ii)/89-IT(E)]
A. K. BISWAS, Dy. Director

कलकत्ता, 24 मार्च, 1992

आयकर

का. आ. 540.—सर्वसाधारण की सचना के लिए एतव्याग्र यह अधिमूचना जारी किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को, आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 (पैन्टीस/एकदो) की उपधारा (1) के खण्ड (II) के लिए, सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग की सहभाति से, आयकर नियम, 1962 के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी अथवा महानिदेशक (आयकर छट्ट) द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर "संस्थान" प्रवर्ग के अधीन अनुमोदित किया गया है।

- 1) संगठन वैज्ञानिक अनुसंधान के लिए प्राप्त धन के लिए एक अलग खेत्र रखेगा।
- 2) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान संबंधी कार्यकलापों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए, प्रत्येक वर्ष की 31 मई तक, सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, औद्योगिक भवन, न्यू मेहराली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजे।
- 3) यह प्रत्येक वर्ष की 30 जून तक, लेखा-परीक्षित वार्षिक लेखों की एक प्रति अपने व्यय, आस्तियां एवं देनदारियों के विवरण महित, (क) महानिदेशक (आयकर छट्ट), (ख) सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, और (ग) आयकर आयकर/आयकर निदेशक (छट्ट) फ़िल्म के धोकाधिकार में पड़ता है, को प्रस्तुत करेत।

संगठन का नाम

टाटा एंजिं इंसर्च इन्स्टिट्यूट,

7, जोरबाग,

नई दिल्ली-110003

561 GI/93-5

यह अधिमूचना दिनांक 1-4-1989 से 31-3-1990 तक की अवधि के लिए प्रभावी है।

टिप्पणी—संगठन को अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए अनुमोदन की समाप्ति के तीन माह पूर्व आयकर आयकर/आयकर निदेशक (छट्ट), जिनके धोकाधिकार में संगठन पड़ता है, के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छट्ट), कलकत्ता को तीन प्रतियों में आवेदन करने के लिए सुनाव दिया जाता है। यिन्हें मामलों में, जहां अनुमोदित आदेश उपर्युक्त तीन माह की समाप्ति पर अथवा उक्त अवधि की समाप्ति के ठीक पूर्व प्राप्त हुआ हो, संगठन अनुमोदित आदेश प्राप्त करने के पश्चात् यथाशीघ्र अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आवेदन करें। अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किए आवेदन-पत्र की 6 प्रतियां सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करना है।

[स. 613/पा.सं.डी.जी./प.न.डी.—82/कल./35
(1) (ii)/90-आ. कर (छट्ट)]

प. के. विश्वास, उप निदेशक

Calcutta, the 24th March, 1992

(INCOME-TAX)

S.O. 540.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, 1962, i.e., the Director General of Income-tax (Exemptions) in concurrence with the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of Section 35 (Thirty Five/one/two) of the Income-tax Act, 1961 under the category "Institution" subject to the following conditions :

- (i) The organisation will maintain a separate account of the sums received by it for Scientific Research;
- (ii) It will furnish the annual Return of its Scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, "Technology Bhawan", New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year, and
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation by the 30th June each year a copy of its audited annual accounts showing its income expenditure and its assets and liabilities.

NAME OF THE ORGANISATION

Tata Energy Research Institute,
7, Jorbagh,
New Delhi-110003.

This Notification is effective for the period from 1-4-1989 to 31-3-1990.

NOTE.—The organisation is advised to apply (in triplicate) for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, three months before the expiry of the approval. In exceptional cases where the order granting approval is received after the expiry of the period of three months aforesaid or shortly before the expiry of the said period, the organisation may make an application for extension of approval as soon as possible after the receipt of the order of approval. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research.

[No. 613/F. No. DG/ND-82/Cal/35(1)(ii)/90-IT(E)]
A. K. BISWAS, Dy. Director

कलकत्ता, 24 मार्च, 1992

(आधिकार)

का.आ. 541.—सर्वसाधारण को मूलना के लिये एतद्वारा यह अधिसूचना जारी किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को, आयकर अधिनियम 1961 की धारा 35 (पर्याम/पक्कतान) का उपचारा (1) के खंड (ii) के लिये, सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग की सहमति से, आयकर नियम, 1962 के नियम 6 के अंतर्गत विहित प्राप्तिकर्ता अर्थात् महानिदेशक (आयकर छट) द्वारा निम्नलिखित भावों पर "नस्यात" प्रवर्ग के अंतर्गत अनुमोदित किया गया है।

- (1) संगठन वैज्ञानिक अनुसंधान के लिये प्राप्त धन के लिये एक अन्याय लेखा रखेगा।
- (2) यह अर्थात् वैज्ञानिक अनुसंधान संबंधी कार्यक्रमों का एक वार्तिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिये प्रत्येक वर्ष की 31 मई तक, सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, औद्योगिक भवन, न्यू मैहरौली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा।
- (3) यह प्रत्येक वर्ष की 30 जून तक, लेखा-वर्तिकान शास्त्रीय लेखों की एक प्रति अपर्याप्यता, आस्तियों एवं देनदारियों के विवरण माहेत, (क) महानिदेशक (आयकर छट) (ख) सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छट) जिनके क्षेत्राधिकार में पड़ता है, को प्रदर्शित करेगा।

संगठन का नाम

कौवल्यधाम श्रीमन माधव,
योग मन्दिर समिति,
लोतावाला-410403,
महाराष्ट्र।

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-1989 से 31-3-1992 तक की अवधि के लिये प्रभावी है।

टिप्पणी: संगठन को अनुमोदित की अवधि बढ़ाने के लिये अनुमोदित की माननि के तीन साहू पूर्व आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छट), जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन पड़ता है, के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छट), कानूनाता को तीन प्रतिनियों में आवेदन करने के लिए सुन्नाव दिया जाता है। विशेष मामलों में, जहाँ अनुमोदित आदेश उत्तम अवधि की तीन माह की समाप्ति पर अवधा उत्तम अवधि को मानाप्ति के ठीक पूर्व प्राप्त हुआ हो, संगठन अनुमोदित आदेश प्राप्त करने के पश्चात् यथार्थव्य अनुमोदित को अवधि बढ़ाने के लिए आवेदा करें।

अनुमोदित की अवधि बढ़ाने के संबंध में किए आवेदन-पत्र की 6 प्रतियों मत्तिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करना है।

[स. 614/पा.स.डी.जी./एम.-19/कल./35/(1)
(ii)/89-आ. कर (छट)]

प.के. विश्वास, उप निदेशक

Calcutta, the 24th March, 1992

(INCOME-TAX)

S.O. 541.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, 1962, i.e., the Director General of Income-tax (Exemptions) in concurrence with the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of Section 35 (Thirty Five/one/two) of the Income-tax Act, 1961 under the category "Institution" subject to the following conditions :

- (i) The organisation will maintain a separate account of the sums received by it for Scientific Research;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, "Technology Bhawan", New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year; and
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, by the 30th June each year a copy of its audited annual accounts showing its income, expenditure and its assets and liabilities.

NAME OF THE ORGANISATION

Kaivalyadham Shriman Madhava,
Yoga Mandir Samiti,
Lonavala-410403,
Maharashtra.

This Notification is effective for the period from 1-4-1989 to 31-3-1992.

NOTE.—The organisation is advised to apply (in triplicate) for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, three months before the expiry of the approval. In exceptional cases where the order granting approval is received after the expiry of the period of three months aforesaid or shortly before the expiry of the said period, the organisation may make an application for extension of approval as soon as possible after the receipt of the order of approval. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research.

[No. 614/F. No. DG/M-19/Cal/35(1)(ii)/89-IT(F)]
A. K. BISWAS, Dy. Director

कलकत्ता, 24 मार्च, 1992

(आयकर)

का.आ. 542.—सर्वसाधारण की गृहगां के लिये एतद्वारा यह अधिसूचना जारी किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को, आयकर अधिनियम 1961 की धारा 35 (पर्याम/पक्कतीन) का उपचारा (1) के खंड (iii) के

निये, सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग की सहमति से, आयकर नियम, 1962 के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी अर्थात् महानिदेशक (आयकर छूट) द्वारा निम्नलिखित गतों पर "मस्थान" प्रबंग के अधीन अनुमोदित किया गया है।

- (1) संघठन वैज्ञानिक अनुसंधान के लिये प्राप्त धन के लिये एक अलग लेखा रखेगा।
- (2) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान संबंधी कार्यकलापों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए, प्रत्येक वर्ष की 31 मई तक, सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, औद्योगिक भवन, न्यू मैहरीली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा।
- (3) यह प्रत्येक वर्ष की 30 जून तक, लेखा-परीक्षित वार्षिक लेखों को एक प्रति अपने-व्यय, आस्तियों एवं देनदारियों के विवरण सहित, (क) महानिदेशक (आयकर छूट), (ख) सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, और (ग) आयकर आयकृत/आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में पड़ता है, को प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम

इंडियन इन्स्टिट्यूट ऑफ मैनेजमेंट,
बन्नारधाटा रोड,
बैंगलुर-560076

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-1991 से 31-3-1992 तक की अवधि के लिए प्रभावी है।

टिप्पणी: संगठन को अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए अनुमोदन की समाप्ति के तीन माह पूर्व आयकर आयकृत/आयकर निदेशक (छूट), जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन पड़ता है, के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता की तीन प्रतियों में आवेदन करने के लिए सुकाव दिया जाता है। विशेष मामलों में, जहाँ अनुमोदित आवेदन उपर्युक्त तीन माह की समाप्ति पर अवधि उक्त अवधि की समाप्ति के ठीक पूर्व प्राप्त हुआ हो, संगठन अनुमोदित आवेदन प्राप्त करने के पश्चात् यथार्थी अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आवेदन करेगा। अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किए गए आवेदन पत्र की 6 प्रतियों मध्यिक, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करना है।

[म. 615(फा.सं.डी.जी./के.टी. 39/कल./35/(1)
(iii)/91-आ. कर (छूट)]

ए. के. विश्वास, उप निदेशक

Calcutta, the 24th March, 1992
(INCOME-TAX)

S.O. 542.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, 1962, i.e., the Director General of Income-tax (Exemptions) in concurrence with the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research for the purposes of clause (iii) of sub-section (1) of Section 35 (Thirty Five|One|three) of the Income-tax Act, 1961 under the category "Institution" subject to the following conditions :

- (i) The organisation will maintain a separate account of the sums received by it for Scientific Research;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, "Technology Bhawan", New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year; and
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, by the 30th June each year a copy of its audited annual accounts showing its income expenditure and its assets and liabilities.

NAME OF THE ORGANISATION

Indian Institute of Management,
Bannerghatta Road,
Bangalore-560076.

This Notification is effective for the period from 1-1-1991 to 31-3-1992.

NOTE.—The organisation is advised to apply (in triplicate) for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, three months before the expiry of the approval. In exceptional cases where the order granting approval is received after the expiry of the period of three months aforesaid or shortly before the expiry of the said period, the organisation may make an application for extension of approval as soon as possible after the receipt of the order of approval. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research.

[No. 615/F. No. DG/KT-39/Cat|35(1)(iii)|91-IT(E)]
A. K. BISWAS, Dy. Director

कलकत्ता, 25 मार्च, 1992

(आयकर)

का.आ. 543—सर्वसाधारण की सूचना के लिये एतद्वारा यह अधिसूचना जारी किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को, आयकर अधिनियम 1961 की धारा 35 (वीतीस/एक/तीन) की उपधारा (1) के खंड (iii) के लिये, सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग की सहमति से, आयकर नियम, 1962 के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी अर्थात् महानिदेशक (आयकर छूट) द्वारा निम्नलिखित गतों पर "मस्थान" प्रबंग के अधीन अनुमोदित किया गया है।

- (1) संगठन वैज्ञानिक अनुसंधान के लिये प्राप्त धन के लिये एक अलग लेखा रखेगा।

(2) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान संबंधी कार्यकलापों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिये, प्रत्येक वर्ष की 31 मई तक, सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, औद्योगिक भवन, न्यू मैट्रोपॉली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा।

(3) यह प्रत्येक वर्ष की 30 जून तक, लेखा-परीक्षित वार्षिक लेखों की एक प्रति आसनी-व्यय, आस्तियों एवं देनदारियों के विवरण सहित, (क) महानिदेशक (आयकर छूट) (ख) सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में पड़ता है, को प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम

द इंस्टिट्यूट आफ पॉल रिसर्च एण्ड एक्शन,
वी-4/22, आजाद प्रापार्टमेन्ट,
नई दिल्ली-110016

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-1991 से 31-3-1992 तक की अवधि के लिये प्रभावी है।

टिप्पणी: संगठन को अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिये अनुमोदन की समाप्ति के तीन माह पूर्व आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट), जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन में पड़ता है, के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता को तीन प्रतियों में आवेदन करने के लिए सुझाव दिया जाता है। विशेष मामलों में, जहां अनुमोदित आदेश उपर्युक्त तीन माह की समाप्ति पर अथवा उक्त अवधि की समाप्ति के ठीक पूर्व ग्राप्त हुआ हो, संगठन अनुमोदित आदेश प्राप्त करने के पश्चात् यथार्थव्य अनुमोदन वी अवधि बढ़ाने के लिए आवेदन करें। अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किए अत्रिवदन पत्र का 6 प्रतियां सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करना है।

[सं. 616/फा.सं. डी जी./एन.डी. 10/कल./35 (1)
(iii)/89-आ. कर (छूट)]

ए.के. विश्वास, उप निदेशक
आयकर (छूट)

Calcutta, the 25th March, 1992

(INCOME-TAX)

S.O. 543.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, 1962, i.e., the Director General of Income-tax (Exemptions) in concurrence with the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research for the purposes of clause (iii) of sub-section (1) of Section 35 (Thirty Five|One|three) of the Income tax Act, 1961 under the category "Institution" subject to the following conditions:

- (i) The organisation will maintain a separate account of the sums received by it for Scientific Research;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, "Technology Bhawan", New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year; and
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, by the 30th June each year a copy of its audited annual accounts showing its income expenditure and its assets and liabilities.

NAME OF THE ORGANISATION

The Institute of Peace Research and Action,
B-4/22, Azad Apartments,
New Delhi-110016.

This Notification is effective for the period from 1-4-1991 to 31-3-1992.

NOTE.—The organisation is advised to apply (in triplicate) for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, three months before the expiry of the approval. In exceptional cases where the order granting approval is received after the expiry of the period of three months aforesaid or shortly before the expiry of the said period, the organisation may make an application for extension of approval as soon as possible after the receipt of the order of approval. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research.

[No. 616/F. No. DG/ND-10/Cal/35(1)(iii)/89-IT(E)]

A. K. BISWAS, Dy. Director
Income Tax (Exemptions)

कलकत्ता, 25 मार्च, 1992

(आयकर)

का.आ. 544 —संवाधारण की सूचना के लिये एन्ड्रेवार यह अधिसूचना जारी किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को, आयकर अधिनियम 1961 की धारा 35 (पैतीम/एक/तीन) की उआधारा (1) के खण्ड (iii) के लिये, सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग की महमति सं, आयकर नियम, 1962 के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी अर्थात् महानिदेशक (आयकर छूट) द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर "संस्थान" प्रवर्ग के अधीन अनुमोदित किया गया है।

- (1) संगठन वैज्ञानिक अनुसंधान के लिये प्राप्त धन के लिये एक यलग लेखा रखेगा।
- (2) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान संबंधी कार्यकलापों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिये, प्रत्येक वर्ष की 31 मई तक, सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, औद्योगिक भवन, न्यू मैट्रोपॉली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा।
- (3) यह प्रत्येक वर्ष की 30 जून तक, लेखा-परीक्षित वार्षिक लेखों की एक प्रति अपनी-व्यय, आस्तियों एवं देनदारियों के विवरण भर्हित, (क) महानिदेशक (आयकर छूट) (ख) सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक

अनुसंधान विभाग, और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में पड़ता है, को प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम

इण्डिपन स्टेटिस्टिकल इन्स्टिट्यूट
203 बी.टी. रोड
कलकत्ता—700035

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-1991 से 31-3-1992 तक की अवधि के लिये प्रभावी है।

टिप्पणी: संगठन को अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिये अनुमोदन की समाप्ति के तीन माह पूर्व आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट), जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन पड़ता है, के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता को तीन प्रतियों में आवेदन करने के लिए मुक्ताव दिया जाता है। विशेष मामलों में, जहां अनुमोदित आदेश उपर्युक्त तीन माह की समाप्ति पर अथवा उक्त अवधि की समाप्ति के ठीक पूर्व प्राप्त हुआ हो, संगठन अनुमोदित आदेश प्राप्त करने के पश्चात् यथापीच अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आवेदन करें। अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किए आवेदन-पत्र को 6 प्रतियां सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक। अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करना है।

[सं. 617 (फा. सं. डी. जी./डब्ल्यू. बी.-40/कल./35]
(1) (iii)/90-आ. कर (छूट)]

ए. के. बिश्वास, उप निदेशक

Calcutta, the 25th March, 1992

(INCOME-TAX)

S.O. 544.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, 1962, i.e., the Director General of Income-tax (Exemptions) in concurrence with the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research for the purposes of clause (iii) of sub-section (1) of Section 35 (Thirty Five/One/three) of the Income-tax Act, 1961 under the category "Institution" subject to the following conditions :

- The organisation will maintain a separate account of the sums received by it for Scientific Research;
- It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, "Technology Bhawan", New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year; and
- It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, by the 30th June each year a copy of its audited annual accounts showing its income expenditure and its assets and liabilities.

NAME OF THE ORGANISATION

Indian Statistical Institute,
203, B. T. Road,
Calcutta-700035.

This Notification is effective for the period from 1-4-1991 to 31-3-1992.

NOTE.—The organisation is advised to apply (in triplicate) for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, three months before the expiry of the approval. In exceptional cases where the order granting approval is received after the expiry of the period of three months aforesaid or shortly before the expiry of the said period, the organisation may make an application for extension of approval should be sent directly to the Secretary of the order of approval. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research.

[No. 617/F. No. DG/WB-40/Cal/35(1)(iii)/90-IT(E)]

A. K. BISWAS, Dy. Director

कलकत्ता, 25 मार्च, 1992

(आयकर)

का. आ. 545.—मर्वसाधारण की सूचना के लिये पत्रद्वारा यह अधिसूचना जारी की जानी है कि निम्नलिखित संगठन को आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 (पैतीस/एक/दो) की उपधारा (1) के खण्ड (ii) के लिये सचिव वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग वी महसूति से आयकर नियम 1962 के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी अवधि महानिदेशक (आयकर छूट) द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर "संस्थान" प्रत्यर्ग के अधीन अनुमोदित किया गया है।

- संगठन वैज्ञानिक अनुसंधान के लिये प्राप्त धन के लिये एक अमाल लेखा रखेगा।
- यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान संबंधी कार्यकलापों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिये, प्रत्येक वर्ष की 31 मई तक सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, औद्योगिक भवन, न्यू मेहराली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा।
- यह प्रत्येक वर्ष की 30 जून तक, लेखा-परीक्षित वार्षिक लेखों की एक प्रति अपने व्यय आस्तियों एवं देनशारियों के विवरण महित (क) महानिदेशक (आयकर छूट) (ख) सचिव वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में पड़ता है को प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम

चारूतर आगोध एण्डल मेडिकल
रिसर्च संसाश्वी,
बलभ विद्यानगर-388120
पो. बाबम नं.-7 जिला-ग्वेदा,
गुजरात

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-1991 से 31-3-1992 की अवधि के लिये प्रभावी है।

टिप्पणी : संगठन को अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए अनुमोदन की समाप्ति के तीन माह पूर्व आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन में पड़ता है के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट) कलकत्ता को तीन प्रतियों में आवेदन करने के लिए सुमाव दिया जाता है। विशेष मामलों में जहां अनुमोदित आदेश उपर्युक्त तीन माह की समाप्ति पर अथवा उक्त अवधि की समाप्ति के ठीक पूर्व प्राप्त हुआ हो संगठन अनुमोदित आदेश प्राप्त करने के पश्चात् यथाशीघ्र अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आवेदन करें। अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किए आवेदन-पत्र की 6 प्रतियों सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करता है।

[सं. 618 (फा. सं. शि. जी. /जी-13/कल./35/(1) (ii)/89 आ. कर (छूट)]

ए. फे. विश्वास, उप निदेशक

Calcutta, the 25th March, 1992

(INCOME-TAX)

S.O. 545.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, 1962, i.e., the Director General of Income-tax (Exemptions) in concurrence with the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of Section 35 (Thirty Five/one/two) of the Income-tax Act, 1961 under the category "Institution" subject to the following conditions :

- (i) The organisation will maintain a separate account of the sums received by it for Scientific Research;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, "Technology Bhawan", New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year; and
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, by the 30th June each year a copy of its audited annual accounts showing its income expenditure and its assets and liabilities.

NAME OF THE ORGANISATION

Charutar Arogya Mandal Medical Research Society,
Vallabh Vidyanagar-388120,
P.B. No. 7,
District Kheda,
Gujarat.

This Notification is effective for the period from 1-4-1991 to 31-3-1992.

NOTE.—The organisation is advised to apply (in triplicate) for further extension of the approval to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, three months before the expiry of the approval. In exceptional cases where the order granting approval is received after the expiry of the period of three months aforesaid or shortly before the expiry of the said period, the organisation may make an application

for extension of approval as soon as possible after the receipt of the order of approval. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research.

[No. 618/F. No. DG/G-13/Cal/35(1)(ii)/89-IT(E)]

A. K. BISWAS, Dy. Director

कलकत्ता, 26 मार्च, 1992

(आयकर)

का.आ. 546.—सर्वसाधारण की मूच्छा के लिये एतद्वारा यह अधिसूचना जारी की जाती कि निम्नलिखित संगठन को आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 (पैतीस/एक/दो) की उपधारा (1) के खण्ड (ii) के लिये, सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग की सहमति के, आयकर नियम, 1962 के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी अर्थात् महानिदेशक (आयकर छूट) द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर "संस्थान" प्रबंग के अधीन अनुमोदित किया गया है।

(1) संगठन वैज्ञानिक अनुसंधान के लिये प्राप्त धन के लिये एक अलग लेखा रखेगा।

(2) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान संबंधी कार्यकलापों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक विस्तीर्ण वर्ष के लिये प्रत्येक वर्ष की 31 मई तक, सचिव वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, औद्योगिक भवन, न्यू मेहराली रोड, नई, दिल्ली-110016 को भेजेगा।

(3) यह प्रत्येक वर्ष को 30 जून तक लेखा-परीक्षण वार्षिक लेखों की एक प्रति अपने-व्यय आस्तियों एवं देनदारियों के विवरण सहित, (क) महानिदेशक (आयकर छूट) (ख) सचिव वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में पड़ता है, को प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम

न्यूट्रीशन सोसाइटी ऑफ इंडिया,
नेशनल इन्स्टिट्यूट ऑफ न्यूट्रीशन,
पो. आ. -जमाई ओसमानिया,
हैदराबाद—500007 (ए.पी.)

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-1991 से 31-3-1992 तक की अवधि के लिये प्रभावी है।

टिप्पणी : संगठन को अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए अनुमोदन की समाप्ति के तीन माह पूर्व आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन में पड़ता है के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता को तीन प्रतियों में आवेदन करने के लिए सुमाव दिया जाता है। विशेष मामलों में, जहां अनुमोदित आदेश उपर्युक्त तीन माह की समाप्ति पर अथवा उक्त अवधि

की समाप्ति के ठीक पूर्व प्राप्त हुआ हो, संगठन अनुमोदित आदेश प्राप्त करने के पश्चात् यथाशीघ्र अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आवेदन करें। अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किए प्रतिवेदन-पत्र को 6 प्रतियां सचिव वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करना है।

[म. 619 (फा. सं. डी. जी. /प. पी. 13/कल./35/(1) (ii) / 90-प्रा. कर (छूट)]

प. के. विश्वास, उप निदेशक

Calcutta, the 23th March, 1992

INCOME-TAX

S.O. 546.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, 1952, i.e., the Director General of Income-tax (Exemption) in concurrence with the Secretary, Deptt. of Scientific & Industrial Research for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of Section 35 (Thirty Five/one/two) of the Income-tax Act, 1961 under the category "Institution" subject to the following conditions :

- (i) The organisation will maintain a separate account of the sums received by it for Scientific Research.
- (ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, "Technology Bhawan", New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year; and
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific and Industrial Research and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, by the 30th June each year a copy of its audited annual accounts showing its income and expenditure its assets and liabilities.

NAMES OF THE ORGANISATION

Nutrition Society of India,
National Institute of Nutrition,
P.O.-Jamai Osmania,
Hyderabad-500007 (A.P.).

This Notification is effective for the period from 1-4-1991 to 31-3-1992.

NOTE : The organisation is advised to apply (in triplicate) for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, three months before the expiry of the approval. In exceptional cases where the order granting approval is received after the expiry of the period of three months aforesaid or shortly before the expiry of the said period, the organisation may make an application for extension of approval as soon as possible after the receipt of the order of approval. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research.

[No. 619/E. No. DG/AP-13/Cal/35(1)(ii)90-IT(E)]

A. K. BISWAS, Dy. Director

कलकत्ता, 25 मार्च, 1992

(आयकर)

का.ग्र. 517—मर्वभाष्यार्थ की सूचना के लिये एतद्वारा यह अधिसूचना जारी किया जाता है कि निम्न-निष्ठित संगठन को, आयकर अधिनियम 1961 की धारा 35 (पैसील/एक/तीन) की उपधारा (1) के खंड (iii) के लिये, सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग की सहमति में, आयकर नियम, 1962 के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी अथवा महानिदेशक (आयकर छूट) द्वारा निम्ननिष्ठित गति पर "संस्थान" प्रदर्श के अधीन अनुमोदित किया गया है।

- (1) संगठन वैज्ञानिक अनुसंधान के लिये प्राप्त धन के लिये एक अलग लेखा रखेगा।
- (2) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान संबंधी कार्यकलापों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिये, प्रत्येक वर्ष की 31 मई तक, सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, औद्योगिक भवन, न्यु मेहरानी रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा।
- (3) यह प्रत्येक वर्ष की 30 जून तक, लेखा-परीक्षित वार्षिक लेखों की एक प्रति अपनी व्यय, आमतियों एवं देनदारियों के विवरण महित, (क) महानिदेशक (आयकर छूट) (ख) सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में पड़ता है, को प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम
गांधी लेवर इन्स्टिट्यूट
धालटेज रोड,
ग्रहमदाबाद-380052

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-1991 से 31-3-1992 तक की अवधि के लिये प्रभावी है।

टिप्पणी : संगठन को अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिये अनुमोदन की समाप्ति के तीन माह पूर्व आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट), जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन पड़ता है, के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट) कलकत्ता की तीन प्रतियों में आवेदन करने के लिए मुझाव दिया जाता है। विशेष मामलों में, जहां अनुमोदित आदेश उपर्युक्त तीन माह की दूरानि पर अवधि उत्त अवधि की समाप्ति के ठीक पूर्व प्राप्त हुआ हो, संगठन अनुमोदित आदेश प्राप्त करने के पश्चात् यथाशीघ्र अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आवेदन करें। अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किए आवेदन-पत्र की 6 प्रतियां सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करना है।

[म. 620 (फा. सं. डी. जी. /जी-5/कल/35/(1) (iii)/89-प्रा. कर (छूट)]

प. के. विश्वास, उप निदेशक

Calcutta the 25th March, 1992

INCOME-TAX

S.O. 547.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, 1962 i.e., the Director General of Income-tax (Exemption) in concurrence with the Secretary, Deptt. of Scientific Industrial Research for the purposes of clause (iii) of sub-section (1) of Section 35 (Thirty Five/one/three) of the Income-tax Act, 1961 under the category "Institution" subject to the following conditions:

- (i) The organisation will maintain a separate account of the sums received by it for Scientific Research;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, "Technology Bhawan", New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year; and
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific and Industrial Research and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, by the 30th June each year a copy of its audited annual accounts showing its income and expenditure and its assets and liabilities.

NAME OF THE ORGANISATION

Gandhi Labour Institute,
Thaltej Road,
Ahmedabad-380052.

This Notification is effective for the period from 1-4-1991 to 31-3-1992.

NOTE : The organisation is advised to apply (in triplicate) for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/ Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, three months before the expiry of the approval. In exceptional cases where the order granting approval is received after the expiry of the period of three months aforesaid or shortly before the expiry of the said period, the organisation may make an application for extension of approval as soon as possible after the receipt of the order of approval. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research.

[No. 620/F. No. DG/G-5/Cal/35(1)(iii)/89-JT(E)]
A. K. BISWAS, Dy. Director

कलकत्ता 25 मार्च 1992

(आपकर)

का.ग्रा. 548—मर्वमधारण की सूचना के लिये एतद्वारा यह अधिसंघनी जारी किया जाता है कि निम्नलिखित मंगठन को, आपकर अधिनियम 1961 की धारा 35 (पैनीम/एक/तीन) की उपधारा (1) के छण्ड (iii) के लिये, सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग की महमति में, आपकर नियम, 1962 के निपस 6 के अधीन विहित प्राधिकारी अर्थात् महानिदेशक (आपकर छूट) द्वारा निम्नलिखित जगहों पर "मंस्थान" प्रवर्ग के अधीन अनुमोदित किया गया है।

(1) मंगठन वैज्ञानिक अनुसंधान के लिये प्राप्त धन के लिये एक अलग लेखा रखेगा।

(2) यह आपने वैज्ञानिक अनुसंधान संबंधी कार्यक्रमों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिये, प्रत्येक वर्ष की 31 मई तक, सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, औद्योगिक भवन, न्यू मैर्गरीटा रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा।

(3) यह प्रत्येक वर्ष की 30 जून तक, नेत्रापरीक्षित वार्षिक लेखों की एक प्रति आपनी व्यय, आस्तियों एवं देनदारियों के विवरण सहित, (क) महानिदेशक (आपकर छूट) (ख) सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, और (ग) आपकर आयुक्त/आपकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में पड़ता है, को प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम

इनसिट्यूट ऑफ मैनेजमेंट इन गवर्नमेंट

बारठन हिल

विवानधाम-695037

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-1991 से 31-3-1992 तक की अवधि के लिये प्रभावी है।

टिप्पणी : मंगठन को अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए अनुमोदन की समाप्ति के तीन माह पूर्व आपकर आयुक्त/आपकर निदेशक (छूट), जिनके क्षेत्राधिकार में मंगठन पड़ता है के माध्यम से आपकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता को तीन प्रतियों में आवेदन करने के लिए सुझाव दिया जाता है। विषेष मामलों में, जहां अनुमोदित आदेश उपर्युक्त तीन माह की समाप्ति पर अर्थवा उक्त अवधि की समाप्ति के ठीक पूर्व प्राप्त हुआ हो/संगठन अनुमोदित आदेश प्राप्त करने के पश्चात् यथाक्षी अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आवेदन करें। अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किए आवेदन पत्र की 6 प्रतियां सचिव वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करता है।

[सं. 621(फा. सं. डी. जी. /के.-3/कल./35(1)(iii)/89-ग्रा. कर (छूट)]

प.के. विश्वास, उप निदेशक

Calcutta the 25th March, 1992

INCOME-TAX

S.O. 548.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, 1962, i.e., the Director General of Income-tax (Exemption) in concurrence with the Secretary, Deptt. of Scientific & Industrial Research for the purposes of clause (iii) of sub-section (1) of Section 35 (Thirty Five/one/three) of the Income-tax Act, 1961 under the category "Institution" subject to the following conditions :

- (i) The organisation will maintain a separate account of the sums received by it for Scientific Research;

(3) यह प्रत्येक वर्ष को 30 जून तक, लेखा-परीक्षित कार्यालय सेवीं की एवं प्रति अपने व्यय, आस्तियों एवं देनदारियों के विवरण सहित, (क) महानिवेशक (आयकर छूट), (ख) सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, और (ग) आयकर आयुक्त आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में पड़ता है, को प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम

बिरला इनस्टिट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी,
मेसरा-835215
रांची, बिहार।

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-1991 से 31-3-1992 तक की अवधि के लिए प्रभावी है।

टिप्पणी: संगठन को अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए अनुमोदन की नमापित के तीन माह पूर्व आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट), जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन में पड़ता है, न माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता को तीन प्राप्तियों में आवेदन करने के लिए सुनाव दिया जाता है। विशेष मामलों में, जहां अनुमोदित आदेश उपर्युक्त तीन माह की समाप्ति पर अथवा उक्त अवधि की समाप्ति के ठीक पूर्व प्राप्त हुआ हो, संगठन अनुमोदित आदेश प्राप्त करने के पश्चात् यथानीज्ञ अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आवेदन करें। अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किए आवेदन-पत्र की 6 प्रतियां सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करना है।

[सं. 639/का.नं.डी.जी./बी-1/कल./35/(1) (ii)
89-प्रा. कर (छूट)]

ए.के. विष्वास, उप निदेशक

Calcutta, the 31st March, 1992

(INCOME-TAX)

S.O. 566.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, 1961, i.e., the Director General of Income-tax (Exemption) in concurrence with the Secretary, Deptt. of Scientific and Industrial Research for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of Section 35 (Thirty Five/one/two) of the Income-tax Act, 1961 under the category "University" subject to the following conditions :

- The organisation will maintain a separate account of the sum received by it for Scientific Research;
- It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research, "Technology Bhawan" New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year.

(iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific and Industrial Research and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, by the 30th June each year a copy of its audited annual accounts showing its income expenditure and its assets and liabilities.

NAME OF THE ORGANISATION

Birla Institute of Technology,
Mesra-835215,
Ranchi, Bihar.

This Notification is effective for the period from 1-4-1991 to 31-3-1992.

NOTE.—The organisation is advised to apply (in triplicate) for further extention of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, three months before the expiry of the approval. In exceptional cases where the order granting approval is received after the expiry of the period of three months aforesaid or shortly before the expiry of the said period, the organisation may make an application for extension of approval as soon as possible after the receipt of the order of approval. Six copies of the application for extention of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research.

[No. 639/F. No. DG/B-1/Call35(1)(ii)89-IT(E)]

A. K. BISWAS, Dy. Director

कलकत्ता, 31 मार्च, 1992

(आयकर)

का.प्रा. 567.—संवेदाधारण की सूचना के लिये एतद्वारा यह अधिसूचना जारी किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को, आयकर अधिनियम 1961 की धारा 35 (प्रतीस/एक/दो) की उपधारा (1) के खंड (ii) के लिये, सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग की सहमति से, आयकर नियम, 1962 के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी अर्थात् महानिदेशक (आयकर छूट) द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर "संस्थान" प्रवर्ग के अधीन अनुमोदित किया गया है।

- संगठन वैज्ञानिक अनुसंधान के लिये प्राप्त धन के लिये एक अलग लेखा रखेगा।
- यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान संबंधी कार्यकलापों का एक धार्यक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिये, प्रत्येक वर्ष की 31 मई तक, सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, औद्योगिक भवन, न्यू मेहराली रोड, नई विल्ली-110016 को भेजेगा।
- यह प्रत्येक वर्ष की 30 जून तक, लेखा-परीक्षित कार्यालय सेवीं की एक प्रति अपनी-व्यय, आस्तियों एवं देनदारियों के विवरण सहित, (क) महानिदेशक (आयकर छूट), (ख) सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, और (ग) आयकर आयुक्त आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में पड़ता है, और प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम

नागरी आई रिसर्च फाउण्डेशन ट्रस्ट,
मार्फत, सी. ए.च. नागरी मूनि. आई. अस्पताल,
इलिसबोर्ज, अहमदाबाद-380061
भारत।

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-1991 से 31-3-1993 तक का अवधि के लिये प्रभावी है।

टिप्पणी: संगठन को अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिये अनुमोदन की समाप्ति के तीन माह पूर्व आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट), जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन में पड़ता है, के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट), कलबाता को तीन प्रतियों में आवेदन करने के लिए मुक्ताव दिया जाता है। विशेष मामलों में, जहाँ अनुमोदित आदेश उपर्युक्त तीन माह की समाप्ति पर अथवा उक्त अवधि की समाप्ति के ठीक पूर्व प्राप्त हुया हो, संगठन अनुमोदित आदेश प्राप्त करने के पश्चात् यथाशीघ्र अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आवेदन करें। अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किए आवेदन-पत्र की 6 प्रतियां सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करता है।

[सं. 640(फा. सं.डी.जी./जी. -46/कल./35/(1)
(ii)/91-आ. कर (छूट)]

ए.के. विष्वास, उप निदेशक

Calcutta, the 31st March, 1992

(INCOME-TAX)

S.O. 567.—It is hereby certified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, 1962, i.e., the Director General of Income-tax (Exemption) in concurrence with the Secretary, Deptt. of Scientific and Industrial Research for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of Section 35 (Thirty Five/one/two) of the Income-tax Act, 1961 under the category "Institution" subject to the following conditions :

- (i) The organisation will maintain a separate account of the sums received by it for Scientific Research;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research, "Technology Bhawan", New Mewsul, Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year ; and
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific and Industrial Research and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, by the 30th June each year a copy of its audited annual accounts showing its income expenditure and its assets and liabilities.

NAME OF THE ORGANISATION

Nagri Eye Research Foundation Trust,
C/o, C.H. Nagri Muni. Eye Hospital,
Ellisbridge, Ahmedabad-380061,
India.

This Notification is effective for the period from 9-12-1991 to 31-3-1993.

NOTE.—The organisation is advised to apply (in triplicate) for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, three months before the expiry of the approval. In exceptional cases where the order granting approval is received after the expiry of the period of three months aforesaid or shortly before the expiry of the said period the organisation may make an application for extension of approval as soon as possible after the receipt of the order of approval. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research.

[No. 640/F. No. DG/G-46/Cal/35(1)(ii)/91-IT(E)]

A. K. BISWAS, Dy. Director

कलकत्ता, 31 मार्च, 1992

(आयकर)

का.आ. 568 —सर्वसाधारण की सूचना के लिये एतद् द्वारा संगठन को, आयकर अधिनियम 1961 की धारा 35 (पैतीम/एक/दो) की उपधारा (i) के खण्ड (ii) के लिये, सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग की सहमति से, आयकर नियम, 1962 के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी अर्थात् महानिदेशक (आयकर छूट) द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर "संघ" प्रबंग के अधीन अनुमोदित किया गया है।

- (1) संगठन वैज्ञानिक अनुसंधान के लिये प्राप्त धन के लिये एक अलग लेखा रखेगा।
- (2) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान संबंधी कार्यकलापों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिये प्रत्येक वर्ष की 31 मई तक, सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, औद्योगिक भवन, न्यू मैहरीली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा।
- (3) यह प्रत्येक वर्ष की 30 जून तक, लेखा-परीक्षित वार्षिक लेखी की एक प्रति अपनी-व्यय, आस्तिवारों एवं देनदारियों के विवरण सहित, (क) महानिदेशक (आयकर छूट) (ख) सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में पड़ता है, को प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम

गुलबर्गा विश्वविद्यालय,
"ज्ञान गंगा"
गुलबर्गा-585106

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-1991 से 31-3-1992 तक की अवधि के लिये प्रभावी है।

टिप्पणी: संगठन को अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिये अनुमोदन की समाप्ति के तीन माह पूर्व आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट), जिनके क्षेत्राधि-

कार में संगठन में पड़ता है, के माध्यम से आयकर महानिवेशक (छूट), कलकत्ता, को तीन प्रतियों में आवेदन करने के लिए सुनाव दिया जाता है। विशेष मामलों में, जहां अनुमोदित आदेश उपर्युक्त तीन माह की समाप्ति पर अथवा उक्त अवधिकी समाप्ति के ठीक पूर्व प्राप्त हुआ हो, संगठन अनुमोदित आदेश प्राप्त करने के पश्चात् यथार्थी अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आवेदन करें। अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किए आवेदन-पत्र की 6 प्रतियां सत्त्विव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करना है।

[सं. 641 (फा. सं. डी. जी./के.टी. 29/कल./35/(1)
(ii)/90-आ. कर (छूट)]

ए.के. विश्वास, उप निदेशक

Calcutta, the 31st March, 1992

(INCOME-TAX)

S.O. 568.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, 1962, i.e., the Director General of Income-tax (Exemption) in concurrence with the Secretary, Deptt. of Scientific and Industrial Research for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of Section 35 (Thirty Five/one/two) of the Income-tax Act, 1961 under the category "University" subject to the following conditions :

- (i) The organisation will maintain a separate account of the sums received by it for Scientific Research;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research, "Technology Bhawan", New Nehru Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year;
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific and Industrial Research and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, by the 30th June each year a copy of its audited annual accounts showing its income expenditure and its assets and liabilities.

NAME OF THE ORGANISATION

Gulbarga University,
"Jnana Ganga"
Bulbarga-585106.

This Notification is effective for the period from 9-12-1991 to 31-3-1993.

NOTE.—The organisation is advised to apply (in triplicate) for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, three months before the expiry of the approval. In exceptional cases where the order granting approval is received after the expiry of the period of three months aforesaid or shortly before the expiry of the said period the organisation may make an application for extension of approval as soon as possible after the receipt of the order of approval. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research.

[No. 641/F. No. DG/KT-29/Cal/35(1)(ii)/90 IT(E)]
A. K. BISWAS, Dy. Director

कलकत्ता, 31 मार्च, 1992

(आयकर)

का.आ. 569:—सर्वमाधारण की सूचना के लिये एतद्वारा यह अधिसूचना जारी किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को, आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 (पैरीस/एक/दो) की उपधारा (1) के तीन खण्ड (iii) के लिये, सत्त्विव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग की सहमति से, आयकर नियम, 1962 के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी अर्थात् महानिवेशक (आयकर छूट) द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर "संस्थान" प्रवर्ग के अधीन अनुमोदित किया गया है।

(1) संगठन वैज्ञानिक अनुसंधान के लिये प्राप्त धन के लिये एक अलग लेखा रखेगा।

(2) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान संबंधी कार्यकलापों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिये, प्रत्येक वर्ष की 31 मई तक, राजिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, औद्योगिक भवन, न्यू मेहरौली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा।

(3) यह प्रत्येक वर्ष की 30 जून तक, लेखा-परीक्षित वार्षिक लेखों की एक प्रति अपनी-यय, आस्तियों एवं देनाखारियों के विवरण महिल, (क) महानिवेशक (आयकर छूट) (ख) सत्त्विव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर निवेशक (छूट) जिनके खेत्राधिकार में पड़ता है, को प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम

विड्ला इकनोमिक रिसर्च फाउन्डेशन,
9/1, आर.एन. मुखर्जी रोड,
कलकत्ता-700001

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-1991 से 31-3-1992 तक की अवधि के लिये प्रभावी है।

टिप्पणी : संगठन को अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिये अनुमोदन की समाप्ति के तीन माह पूर्व आयकर आयुक्त/आयकर निवेशक (छूट), जिनके खेत्राधिकार में संगठन पड़ता है, के माध्यम से आयकर महानिवेशक (छूट), कलकत्ता को तीन प्रतियों में आवेदन करने के लिए गुमाव दिया जाता है। विशेष मामलों में, जहां अनुमादित आदेश उपर्युक्त तीन माह की समाप्ति पर अवधि अवधि की समाप्ति के ठीक पूर्व प्राप्त हुआ हो, संगठन प्रस्तुति अनुमोदित आदेश प्राप्त करने के पश्चात् यथार्थी अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आवेदन करें। अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किए आवेदन-पत्र की 6 प्रतियां सत्त्विव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करना है।

[सं. 642 (फा. सं. डी. बी./डब्ल्यू. बी.-६/कल./35/(1)(iii)/89-आ. कर (छूट)]

ए.के. विश्वास, उप निदेशक

Calcutta, the 31st March, 1992

(INCOME-TAX)

S.O. 569.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, 1962, i.e., the Director General of Income-tax (Exemptions) in concurrence with the Secretary, Deptt. of Scientific and Industrial Research for the purposes of clause (iii) of sub-section (1) of Section 35 (Thirty Five/one/three) of the Income-tax Act, 1961 under the category "Institution" subject to the following conditions :

- (i) The organisation will maintain a separate account of the sums received by it for Scientific Research;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its Scientific Research activities to the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research, "Technology Bhawan", New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year; and
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific and Industrial Research and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, by the 30th June each year a copy of its audited annual accounts showing its income expenditure and its assets and liabilities.

NAME OF THE ORGANISATION

Birla Economic Research Foundation,
9/1, R. N. Mukherjee Road,
Calcutta-700001.

This Notification is effective for the period from 1-4-1991 to 31-3-1992.

NOTE.—The organisation is advised to apply (in triplicate) for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, three months before the expiry of the approval. In exceptional cases where the order granting approval is received after the expiry of the period of three months aforesaid or shortly before the expiry of the said period, the organisation may make an application for extension of approval as soon as possible after the receipt of the order of approval. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research.

[No. 642/F. No. DG/WB-8/Cal/35(1)(iii)/89-IT(E)]
A. K. BISWAS, Dy. Director

कलकत्ता, 20 अप्रैल, 1992

आयकर

का.प्रा. 570 :—सर्वसाधारण की सूचना के लिये एतद् द्वारा यह अधिसूचना जारी किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 (पैसों/एक/दो) की उपधारा (1) के खण्ड (ii) के लिये सचिव वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग की महमति से, आयकर नियम, 1962 के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी अधिकृत महानिदेशक (आयकर छूट) द्वारा निम्नलिखित गतों पर "संघ" प्रबंग के अधीन अनुमोदित किया गया है।

(1) संगठन वैज्ञानिक अनुसंधान के लिये प्राप्त धन के लिये एक अलग लेखा रखेगा।

(2) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान संबंधी कार्यकलापों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक विस्तीर्ण वर्ष के लिये प्रत्येक वर्ष का 31 मई तक, सचिव, वैज्ञानिक औद्योगिक अनुसंधान विभाग, ऑर्डोरिक शब्द, न्यू मेहराली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा।

(3) यह प्रत्येक वर्ष की 30 जून तक लेखा-नरीक्षित वार्षिक लेखों की एक प्रति अपनी-व्यय आस्तियों एवं देनदारियों के विवरण सहित (क) महानिदेशक (आयकर छूट) (ख) सचिव वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, और (ग) आयकर आयुक्त/आयुक्त आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में पड़ता है, को प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम

एसोशिएटेड इलेक्ट्रोनिक्स रिसर्च फाउन्डेशन,
5ए/1, 2 व 3, अन्सारी रोड, दिल्ली-110002

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-92 से 31-3-95 तक की अधिकृति के लिये प्रभावी है।

टिप्पणी: संगठन को अनुमोदन की अधिकृति के लिए अनुमोदन की समाप्ति के तीन माह पूर्व आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन में पड़ता है, के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट) कलकत्ता को तीन प्रसियों में आवेदन करने के लिए सुझाव दिया जाता है। विशेष मामलों में जहां अनुमोदित आदेश उपर्युक्त तीन माह की समाप्ति पर अवश्य उक्त अधिकृति की समाप्ति के ठीक पूर्व प्राप्त हुआ हो, संगठन अनुमोदित आदेश प्राप्त करने के पश्चात् यथार्थी अनुमोदन की अधिकृति बढ़ाने के लिए आवेदन करें। अनुमोदन की अधिकृति बढ़ाने के संबंध में किए आवेदन-पत्र की 6 प्रतियोगिता, सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करना।

[सं. 643 /फा.सं.डी.जी./एन. डी. 2/कल./35/(1)(ii)/89 आ.कर. (छूट)]

ए. के. विश्वास, उपनिवेशक

Calcutta, the 20th April, 1992

(INCOME-TAX)

S.O. 570.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, 1962, i.e., the Director General of Income-tax (Exemptions) in concurrence with the Secretary of Deptt. of Scientific and Industrial Research for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of Section 35 (Thirty Five/one/two) of the Income-tax Act, 1961 under the category Association subject to the following conditions :

(i) The organisation will maintain a separate account of the sums received by it for Scientific Research;

(ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research, "Technology Bhawan", New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year; and

(iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific and Industrial Research and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, by the 30th June each year a copy of its audited annual accounts showing its income expenditure and its assets and liabilities.

NAME OF THE ORGANISATION

Associated Electronics Research Foundation
5-A/1, 2 and 3, Ansari Road, Darya Ganj,
New Delhi-110002.

This Notification is effective for the period from 1-4-92 to 31-3-95.

NOTE.—The organisation is advised to apply (in triplicate) for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, three months before the expiry of the approval. In exceptional cases where the order granting approval is received after the expiry of the period of three months aforesaid or shortly before the expiry of the said period, the organisation may make an application for extension of approval as soon as possible after the receipt of the order of approval. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research.

[No. 643/F. No. DG/ND-2/Cal/35(1)(ii)/89-IT(E)]

A. K. BISWAS, Dy. Director

कलकत्ता, 22 अप्रैल, 1992

आयकर

का.आ. 571.—सर्वसाधारण की सूचना के लिये एतदद्वारा यह अधिसूचना जारी किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 (पैनीस/एक/दो) की उपधारा (1) के बाण्ड (ii) के लिये सचिव वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग की सहमति से, आयकर नियम, 1962 के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी महानिवेशक (आयकर छूट) द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर "संबंध" प्रबंग के अधीन अनुमोदित किया गया है।

(1) संगठन वैज्ञानिक अनुसंधान के लिये प्राप्त धन के लिये एक अलग लेखा रखेगा।

(2) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान संबंधी कार्यकलापों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिये प्रत्येक वर्ष का 31 मई तक सचिव, वैज्ञानिक औद्योगिक अनुसंधान विभाग, औद्योगिक भवन न्यू मेहरौली रोड, नई दिल्ली-110016 द्वारा भेजेगा।

(3) यह प्रत्येक वर्ष की 30 जून तक लेखा-परीक्षित वार्षिक लेखों की एक प्रति अपनी-च्याय आस्तियों एवं देनवारियों के विवरण सहित (क) महानिवेशक

(आयकर छूट) (ख) सचिव, वैज्ञानिक औद्योगिक अनुसंधान विभाग और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में पड़ता है को प्रस्तूत करेगा।

संगठन का नाम

इलेक्ट्रॉनिक रिसर्च एण्ड डिवलपमेंट सेंटर,
225ई, आचार्य जे.सी. बोस रोड,
कलकत्ता-700020

यह अधिसूचना विनाक 1-4-92 से 31-3-95 तक की अवधि के लिये प्रभावी है।

टिप्पणी: संगठन को अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए अनुमोदन की समाप्ति के तीन माह पूर्व आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन में पड़ता है के माध्यम से आयकर महानिवेशक (छूट) कलकत्ता को तीन प्रतियों में आवेदन करने के लिए सुझाव दिया जाता है। यिन्हें मामलों में जहां अनुमोदित आदेश उपर्युक्त तीन माह की समाप्ति पर अथवा उक्त अवधि की समाप्ति के ठीक पूर्व प्राप्त हुआ हो संगठन अनुमोदित आवेदन प्राप्त करने के पश्चात यथागीत्र अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आवेदन करें। अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध के किए आवेदन-पत्र की 6 प्रतियां सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तूत करना है।

[सं. 644 /फा.सं. डी.जी.डब्ल्यू.वी. 46/कल./35/
(1) (ii)/91-आ. कर (छूट)]

ए. के. विवास, उप सचिव

Calcutta, the 22nd April, 1992

(INCOME-TAX)

S.O. 571.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, 1962, i.e. the Director General of Income-tax (Exemptions) in concurrence with the Secretary, Deptt. of Scientific and Industrial Research for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of Section 35 (Thirty Five/one/two) of the Income tax Act, 1961 under the category "Association" subject to the following conditions :

- The organisation will maintain a separate account of the sums received by it for Scientific Research ;
- It will furnish that Annual Return of its Scientific Research activities to the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research, "Technology Bhawan", New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year;
- It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific and Industrial Research and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, by the 30th June each year a copy of its audited annual accounts showing its income expenditure and its assets and liabilities.

NAME OF THE ORGANISATION

Electronics Research and Development Centre,
225-P, Acharya J. C. Bose Road,
Calcutta-700020.

This Notification is effective for the period from 1-4-1992 to 31-3-1994.

NOTE.—The organisation is advised to apply (in triplicate) for further extention of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, three months before the expiry of the approval. In exceptional cases where the order granting approval is received after the expiry of the period of three months aforesaid or shortly before the expiry of the said period, the organisation may make an application for extension of approval as soon as possible after the receipt of the order of approval. Six copies of the application for extention of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research.

[No. 644/F. No. DG/WB-46/Cal/35(1)(ii) | 91-IT(E)]

A. K. BISWAS, Dy. Director

कलकत्ता, 22 अप्रैल, 1992

(आयकर)

का.आ. 572 :—सर्वसाधारण की सूचना के लिये एतद्वारा यह अधिसूचना जारी किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को, आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 (पैंतीस/एक/दो) की उपधारा (1) के खण्ड (ii) के लिये, सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग की सहमति में, आयकर नियम, 1962 के नियम 6 के अधीन विभिन्न प्राधिकारी अवृत्ति, महानिदेशक (आयकर छूट) द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर “संस्थान” प्रवर्ग के अधीन प्रनुभोदित किया गया है।

(1) संगठन वैज्ञानिक अनुसंधान के लिये प्राप्त धन के लिये एक अलग लेखा रखेगा।

(2) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान संबंधी कार्यकलापों का एक वार्षिक वितरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिये, प्रत्येक वर्ष की 31 मई तक, सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, औद्योगिक भवन, न्यू मेरहोली रोड, नई बिल्ली-110016 को भेजेगा।

(3) यह प्रत्येक वर्ष की 30 जून तक, लेखा परीक्षित वार्षिक लेखों की एक प्रति अपनी-व्यव्य आस्तियों एवं देनदारियों के विवरण सहित, (क) महानिदेशक (आयकर छूट), (ख) सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में पड़ता है, को प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम

सन्टरफार रिमेंड इन मेन्टेल रिटार्डेशन (किमिंज)

खुशलदास दगाड़ा हाउस,
ऑफ कस्तूरबा रोड, मालाद (वेस्ट),
बम्बई-400064।

यह अधिसूचना अन्तिम 1-4-1992 से 31-3-1994 तक की अवधि के लिये प्रभावी है।

टिप्पणी: संगठन को प्रनुभोदन की अवधि बढ़ाने के लिए अनुमोदन की समाप्ति के तीन माह पूर्व आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट), जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन में पड़ता है, के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता को तीन प्रतियों में आवेदन करने के लिए सुझाव दिया जाता है। विशेष भास्मलों में, जहां अनुभोदित आदेश उपर्युक्त तीन माह की समाप्ति पर अवधि उक्त अवधि की समाप्ति के ठीक पूर्व प्राप्त हुआ हो, संगठन अनुभोदित आदेश प्राप्त करने के पश्चात् यथाशीघ्र अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आवेदन करें। अनुभोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किए आवेदन-पत्र की 6 प्रतियां सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करना है।

[सं. 645/फा. सं.डी.जी./एम.-21/कल./35/(1)
(ii)/89-आ. कर (छूट)]

ए.के. बिश्वास, उप-निदेशक

Calcutta, the 22nd April, 1992

(INCOME-TAX)

S.O. 572.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, 1962, i.e. the Director General of Income-tax (Exemptions) in concurrence with the Secretary, Deptt. of Scientific and Industrial Research for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of Section 35 (Thirty Five/one/two) of the Income-tax Act, 1961 under the category “Institution” subject to the following conditions :

- (i) The organisation will maintain a separate account of the sums received by it for Scientific Research ;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its Scientific Research activities to the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research, “Technology Bhawan”, New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year; and
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific and Industrial Research and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, by the 30th June each year a copy of its audited annual accounts showing its income expenditure and its assets and liabilities.

NAME OF THE ORGANISATION

Centre for Research in Mental Retardation (Cremere),
Khusaldas Dagara House,
Off. Kasturba Road, Malad (West),
Bombay-400064.

This Notification is effective for the period from 1-4-1992 to 31-3-1994.

NOTE.—The organisation is advised to apply (in triplicate) for further extention of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, three months before the expiry of the approval. In exceptional cases where the order granting approval is received after the expiry of the period of three months aforesaid or shortly before the expiry of the said period, the organisation may make an application

for extension of approval as soon as possible after the receipt of the order of approval. Six copies of the application for extention of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research.

[No. 645/F. No. DG/M-21/Cal/35(1)(ii)/89-IT(E)]

A. K. BISWAS, Dy. Director

कलकत्ता, 22 अप्रैल, 1992

आयकर

का.आ. 573—सर्वेसाधारण की सूचना के लिये एतद्वारा यह अधिसूचना जारी किया जाता है कि निम्न-लिखित संगठन को, आयकर अधिनियम 1961 की धारा 35 (पंतीस/एक/दो) की उपधारा (1) के खंड (ii) के लिए सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग की सहमति से, आयकर नियम, 1962 के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी प्रथम् महानिदेशक (आयकर छूट) द्वारा निम्नसिखित शर्तों पर “मंस्थान” प्रबन्ध के अधीन अनुमोदित किया जाया है।

- (1) संगठन वैज्ञानिक अनुसंधान के लिये प्राप्त धन के लिये एक अलग लेखा रखेगा।
- (2) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान संबंधी कार्यकलापों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिये, प्रत्येक वर्ष की 31 मई तक, सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, औद्योगिक भवन न्यू मेहराली रोड, नई दिल्ली-110016 को, भेजेगा।
- (3) यह प्रत्येक वर्ष की 30 जून तक, लेखा-परीक्षित वार्षिक लेखों की एक प्रति अपनी—व्यय आस्तियों एवं देनदारियों के विवरण सहित, (क) महानिदेशक (आयकर छूट) (ख) सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, और (ग) आयकर आयकर/आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में पड़ता है, को प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम

ट्यूबर क्यूलोसिस रिसर्च सेन्टर,

आमड़गड़-364210

गुजरात—इंडिया

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-1992 से 31-3-1993 तक की प्रवधि के लिये प्रभावी है।

टिप्पणी: संगठन को अनुमोदन की प्रधिधि बढ़ाने के लिए अनुमोदन की समाप्ति के तीन माह पूर्व आयकर आयकर/आयकर निदेशक (छूट), जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन में पड़ता है, के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता को तीन प्रतियों में आवेदन करने के लिए सुझाव दिया जाता है।

विशेष मामलों में जहां अनुमोदित आदेश उपर्युक्त तीन माह की समाप्ति पर अथवा उक्त अवधि की समाप्ति के ठीक पूर्व प्राप्त हुआ हो, संगठन अनुमोदित आदेश प्राप्त करने के पश्चात् यथाशीघ्र अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आवेदन करें। अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किसी आवेदन-पत्र की 6 प्रतियां सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करना है।

[स. 646/फा.सं.डी.जी.-2/कल./35/(1)
(ii)/89-आ. कर (छट)]

ए.के. बिश्वास, उप-मिनिस्टर

Calcutta, the 22nd April, 1992

(INCOME-TAX)

S.O. 573.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, 1962, i.e. the Director General of Income-tax (Exemptions) in concurrence with the Secretary, Deptt. of Scientific and Industrial Research for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of Section 35 (Thirty Five/one/two) of the Income-tax Act, 1961 under the category "Institution" subject to the following conditions :

- (i) The organisation will maintain a separate account of the sums received by it for Scientific Research :
- (ii) It will furnish the Annual Return of its Scientific Research activities to the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research, "Technology Bhawan", New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year; and
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific and Industrial Research and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemption) having jurisdiction over the organisation, by the 30th June each year a copy of its audited annual accounts showing its income expenditure and its assets and liabilities.

NAME OF THE ORGANISATION

Tuberculosis Research Centre,
Amaraghadi-364210.
Gujarat-India.

This Notification is effective for the period from 1-4-1992 to 31-3-1993.

NOTE.—The organisation is advised to apply (in triplicate) for further extention of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, three months before the expiry of the approval. In exceptional cases where the order granting approval is received after the expiry of the period of three months aforesaid or shortly before the expiry of the said period, the organisation may make an application for extention of approval as soon as possible after the receipt of the order of approval. Six copies of the application for extention of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research.

[No. 646/F. No. DG/G-2/Cal/35(1)(ii)/89-IT(E)]

A. K. BISWAS, Dy. Director

कलकत्ता, 24 अप्रैल, 1992

आयकर

का.ग्र. 574:—सर्वसाधारण की सूचना के लिये एतद्वारा यह अधिसूचना जारी किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को, आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 (पैतीस/एक/दो) की उपधारा (1) के खण्ड (ii) के लिये, सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग की सहमति से, आयकर नियम, 1962 के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी प्रर्थात् महानिदेशक (आयकर छूट) द्वारा निम्नलिखित गतों पर “संघ” प्रवर्ग के अधीन अनुमोदित किया गया है:

- (1) संगठन वैज्ञानिक अनुसंधान के लिये प्राप्त धन के लिये एक अलग लेखा रखेगा।
- (2) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान संबंधी कार्यकलापों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिये, प्रत्येक वर्ष की 31 मई तक, सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, औद्योगिक भवन, न्यू मेहरौली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा।
- (3) यह प्रत्येक वर्ष की 30 जून तक, लेखा-परीक्षित वार्षिक लेखों की एक प्रति अपनी-व्यय आस्तियों एवं देनदारियों के विवरण सहित, (क) महानिदेशक (आयकर छूट), (ख) सचिव वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में पड़ता है, को प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम

विजेन्द्र रिसर्च फाउन्डेशन,
18, कालेज रोड, मद्रास; 600006।

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-92 से 31-3-1994 तक अवधि के लिये प्रभावी है।

टिप्पणी: संगठन को अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए अनुमोदन को ममाप्ति के तीन माह पूर्व आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट), जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन पड़ता है, के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता को तीन प्रतियों में आवेदन करने के लिए सुझाव दिया जाता है। विशेष मामलों में, जहां अनुमोदित आदेश उपर्युक्त तीन माह की सामाप्ति पर अथवा उक्त अवधि की समाप्ति के ठीक पूर्व प्राप्त हुआ हो, संगठन अनुमोदित आदेश प्राप्त करने के पश्चात् यथाशीघ्र अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आवेदन करे। अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किए

आवेदन-पत्र की 6 प्रतियां सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करना है।

[सं. 647/फा.सं.डी.जी./टी.एन. 3/कल./35/(1)
(ii)/89-आ. कर (छूट)]

ए. के. बिश्वास, उपनिदेशक

Calcutta, the 24th April, 1992

(INCOME-TAX)

S.O. 574.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, 1962, i.e. the Director General of Income-tax (Exemptions) in concurrence with the Secretary, Deptt. of Scientific and Industrial Research for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of Section 35 (Thirty Five/one/two) of the Income-tax Act, 1961 under the category “Association” subject to the following conditions :

- (i) The organisation will maintain a separate account of the sums received by it for Scientific Research;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its Scientific Research activities to the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research, “Technology Bhawan”, New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year; and
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific and Industrial Research and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, by the 30th June each year a copy of its audited annual accounts showing its income expenditure and its assets and liabilities;

NAME OF THE ORGANISATION

Vision Research Foundation
18, College Road, Madras-600006.

This Notification is effective for the period from 1-4-1992 to 31-3-1994.

NOTE.—The organisation is advised to apply (in triplicate) for further extention of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, three months before the expiry of the approval. In exceptional cases where the order granting approval is received after the expiry of the said period, the organisation may make an application for extension of approval as soon as possible after the receipt of the order of approval. Six copies of the application for extention of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research.

[No. 647/F. No. DG/TN-3/Cal/35(1)(ii)/89-IT(E)]

A. K. BISWAS, Dv. Director

कलकत्ता, 24 अप्रैल, 1992

आयकर

का.ग्र. 575:— सर्वसाधारण की सूचना के लिये एतद्वारा यह अधिसूचना जारी किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को आयकर अधिनियम 1961 की धारा 35 (पैतीस/एक/दो) की उपधारा (1) के खण्ड (ii) के लिये सचिव वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग की सहमति से,

ग्रामकर नियम 1962 के नियम 6 के अधीन विहित अधिकारी अर्थात् महानिवेशक (ग्रामकर छूट) द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर "संस्थान" प्रबंध के अधीन अनुमोदित किया गया है।

- (1) संगठन वैज्ञानिक अनुसंधान के लिये प्राप्त धन के लिये एक अक्षय लेखा रखेगा।
- (2) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान संबंधी कार्यकलापों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक विस्तीर्ण वर्ष के लिये प्रत्येक वर्ष की 31 मई तक, सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग औद्योगिक भवन न्यू मेहरोली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा।
- (3) यह प्रत्येक वर्ष की 30 जून तक शेखावापरीक्षित वार्षिक लेखों की एक प्रति अपनी व्यय, भारितयों एवं देनदारियों के विवरण सहित (क) महानिवेशक (ग्रामकर छूट) (ख) सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग और (ग) ग्रामकर ग्राम्यकर्ता/ग्रामकर निवेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में पड़ता है को प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम

विहित सोसाइटी ऑफ एग्रिकल्चरल ईक्नामिक्स,
46/48, एस्टलानेड, एम.जी. रोड, बम्बई-400001

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-92 से 31-3-93 तक की अवधि के लिये प्रभावी है।

टिप्पणी: संगठन को अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए अनुमोदन की समाप्ति के तीन माह पूर्व ग्रामकर ग्राम्यकर्ता/ग्रामकर निवेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन में पड़ता है के माध्यम से ग्रामकर महानिवेशक (छूट) कलकत्ता को तीन प्रतियों में आवेदन करने के लिए सुझाव दिया जाता है। विशेष मामलों में जहाँ अनुमोदित शादेश उपयुक्त तीन माह की समाप्ति पर अथवा उक्त अवधि की समाप्ति के ठीक पूर्व प्राप्त दृश्या हो संगठन अनुमोदित शादेश प्राप्त करने के पश्चात यात्राशील अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आवेदन करें। अनुमोदन की अवधि बढ़ाने का संबंध ने किए आवेदन-पत्र की 6 प्रतियों भवित्व, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करता है।

[सं. 648 (फा. सं.डी.जी./एम.-33/कल./35/(1)
(ii)/89-आ. कर (छूट)]

ए० को० विश्वास, उपनिवेशक

Calcutta, the 24th April, 1992

(INCOME-TAX)

S.O. 575.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, 1962, i.e. the Director General of Income-tax (Exemptions) in concurrence with the Secretary, Deptt. of Scientific and Industrial Research for the purposes of clause (ii) of

561 GI/93—7

sub-section (1) of Section 35 (Thirty Five/one/two) of the Income-tax Act, 1961 under the category "Institution" subject to the following conditions :

- (i) The organisation will maintain a separate account of the sums received by it for Scientific Research;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its Scientific Research activities to the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research, "Technology Bhawan", New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year;
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific and Industrial Research and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, by the 30th June each year a copy of its audited annual accounts showing its income expenditure and net assets and liabilities.

NAME OF THE ORGANISATION

The Indian Society of Agricultural Economics,
46/48, Esplanade, M.G. Road, Bombay-400001.

This Notification is effective for the period from 1-4-1992 to 31-3-1993.

NOTE.—The organisation is advised to apply (in triplicate) for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, three months before the expiry of the approval. In exceptional cases where the order granting approval is received after the expiry of the period of three months aforesaid or shortly before the expiry of the said period, the organisation may make an application for extension of approval as soon as possible after the receipt of the order of approval. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research.

[No. 648/F. No. DG/M-33/Cal/35(1)(ii)/89-IT(E)]
A. K. BISWAS, Dy. Director

कलकत्ता, 29 अप्रैल, 1992

(ग्रामकर)

का०ग्रा० 576.—सर्वसाधारण की सूचना के लिये प्रत्यक्षारा यह अधिसूचना जारी किया जाता है कि निम्न-लिखित संगठन को, ग्रामकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 (पैंतीस/एक/दो) की उपधारा (1) के खण्ड (ii) के लिये सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग की सहमति से, ग्रामकर नियम, 1962 के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी अर्थात् महानिवेशक (ग्रामकर छूट) द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर "संस्थान" प्रबंध के अधीन अनुमोदित किया गया है।

(1) संगठन वैज्ञानिक अनुसंधान के लिये प्राप्त धन के लिये एक अक्षय लेखा रखेगा।

(2) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान संबंधी कार्यकलापों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक विस्तीर्ण वर्ष के लिये, प्रत्येक वर्ष की 31 गई तक, सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, औद्योगिक भवन, न्यू मेहरोली रोड, नई दिल्ली 110016 को भेजेगा।

(3) यह प्रत्येक वर्ष की 30 जून तक, लेखा-परीक्षित वार्षिक लेखों की एक प्रति अपनी-व्यय, आस्तियों एवं देन-दारियों के विवरण सहित, (क) महानिदेशक (आयकर छूट) (ख) सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर निवेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में पड़ता है, को प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम

वॉलन्टरी हेल्थ सर्विसेस,
मद्रायर, मद्रास-600113.

यह अधिसूचना विनांक 1-4-1992 से 31-3-1994 तक की अवधि के लिये प्रभावी है।

टिप्पणी : संगठन को अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिये अनुमोदन की समाप्ति के तीन माह पूर्व आयकर आयुक्त/आयकर निवेशक (छूट), जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन में पड़ता है, के भाष्यम से आयकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता को तीन प्रतियों में प्रावेदन करने के लिए सुनाय दिया जाता है। विशेष मामलों में, जहाँ अनुमोदित आदेश उपर्युक्त तीन माह की समाप्ति पर अथवा उक्त अवधि की समाप्ति के ठीक पूर्व ग्राप्त हुआ हो, संगठन अनुमोदित आदेश ग्राप्त करने के पश्चात् यथाशीघ्र अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आवेदन करें। अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किए आवेदन-पत्र की 6 प्रतियां सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करना है।

[सं. 649 (फा.सं.डी.जी./टी.एन.-17/कल./35/1(ii)/89-प्रा. कर (छूट)]

ए०क० विश्वास, उप निवेशक

Calcutta, the 29th April, 1992

(INCOME-TAX)

S.O. 576.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, 1962, i.e., the Director General of Income-tax (Exemptions) in concurrence with the Secretary, Deptt. of Scientific and Industrial Research for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of Section 35 (Thirty Five/one/two) of the Income-tax Act, 1961 under the category Institution subject to the following conditions :

- The organisation will maintain a separate account of the sums received by it for Scientific Research;
- It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research, "Technology Bhawan" New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year ; and
- It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of

Scientific and Industrial Research and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, by the 30th June each year a copy of its audited annual accounts showing its income, expenditure and its assets and liabilities.

NAME OF THE ORGANISATION

Voluntary Health Services,
Adyar, Madras-600113.

This Notification is effective for the period from 1-4-1992 to 31-3-1994.

NOTE.—The organisation is advised to apply (in triplicate) for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, three months before the expiry of the approval. In exceptional cases where the order granting approval is received after the expiry of the period of three months aforesaid or shortly before the expiry of the said period, the organisation may make an application for extension of approval as soon as possible after the receipt of the order of approval. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research.

[No. 649/F. No. DG/TN-17/Cal/35(1)(ii)89-IT(E)]

A. K. BISWAS, Dy. Director

कलकत्ता, 29 अप्रैल, 1992

(आयकर)

का०ग्रा० 577.—सर्वसाधारण की सूचना के लिये एतद्वारा यह अधिसूचना जारी किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को, आयकर अधिनियम 1961 की धारा 35 (पैतीस/एक/दो) की उपधारा (1) के खण्ड (ii) के लिये, सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग की सहमति से, आयकर नियम, 1962 के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी अथवा महानिदेशक (आयकर छूट) द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर "संस्थान" प्रबंग के अधीन अनुमोदित किया गया है।

(1) संगठन वैज्ञानिक अनुसंधान के लिये प्राप्त धन के लिये एक अलग लेखा रखेगा।

(2) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान संबंधी कार्यकलापों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिये, प्रत्येक वर्ष की 31 मई, तक, सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, औद्योगिक भवन, न्यू महरौली रोड, नई दिल्ली 110016 को भेजेगा।

(3) यह प्रत्येक वर्ष की 30 जून तक, लेखा परीक्षित वार्षिक लेखों की एक प्रति अपनी व्यय, आस्तियों पूर्व देन-दारियों के विवरण सहित, (क) महानिदेशक (आयकर छूट) (ख) सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर निवेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में पड़ता है, को प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम

कामायनी उद्योग केन्द्र सोसाइटी,
1187/64, शिवाजी नगर,
पूर्ण-411005

यह अधिसूचना विनांक 1-4-1992 से 31-3-1992 तक की प्रवधि के लिये प्रभावी है।

टिप्पणी: संगठन को अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए अनुमोदन को समाप्ति के तीन माह पूर्व आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट), जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन में पड़ता है, के माध्यम से आयकर महानिदेशक छूट कलकत्ता को तीन प्रतियों में भावेदा वर्तने के लिए सुझाव दिया जाता है। विशेष मामलों में, जहां अनुमोदित आदेश उपर्युक्त तीन माह की समाप्ति पर अवधि उक्त अवधि की समाप्ति के ठीक पूर्व प्राप्त हुआ हो, संगठन अनुमोदित आदेश प्राप्त करने के पश्चात् यथाशीघ्र अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किए आवेदन पत्र की 6 प्रतिया सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करना है।

[सं. 650 (फा. सं. डी. जी. /एम. -45)कल./35/(1) (ii)/89-आ. कार (छूट)]

ए०के० बिश्वास,
उप निदेशक

Calcutta, the 29th April, 1992
(INCOME-TAX)

S.O. 577.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, 1962, i.e., the Director General of Income-tax (Exemptions) in concurrence with the Secretary, Deptt. of Scientific and Industrial Research for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of Section 35 (Thirty Five/one/two) of the Income-tax Act, 1961 under the category Institution subject to the following conditions :

- The organisation will maintain a separate account of the sums received by it for Scientific Research;
- It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research, "Technology Bhawan", New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year ; and
- It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific and Industrial Research and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, by the 30th June each year a copy of its audited annual accounts showing its income expenditure and its assets and liabilities.

NAME OF THE ORGANISATION

Kamayani Udyog Kendra Society,
1187/64, Shivaji Nagar,
Pune-411005.

This Notification is effective for the period from 1-4-1992 to 31-3-1995.

NOTE.—The organisation is advised to apply (in triplicate) for further extension of the approval to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, three months before the expiry of the approval. In exceptional cases where the order granting approval is received after the expiry of the period of three months aforesaid or shortly before the expiry of the said period, the organisation may make an application for extension of approval as soon as possible for the receipt of the order of approval. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research.

[No. 'F. No. DG/M-45/Cal/35(1)(ii)/89-IT(E)]
A. K. BISWAS, Dy. Director

कलकत्ता, 29 अप्रैल, 1992

(आपकर)

का. आ. 578.—सर्वसाधारण की सूचना के लिये एतद्वारा यह अधिसूचना जारी किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को, आयकर अधिनियम 1961 की धारा 35 (पैतीस/एक/दो) की उपधारा (1) के खण्ड (ii) के लिये, सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग की सहमति से, आयकर नियम, 1962 के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी अर्थात् महानिदेशक (आयकर छूट) द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर "संस्थान"/संघ प्रबर्ग के अधीन अनुमोदित किया गया है।

(1) संगठन वैज्ञानिक अनुसंधान के लिये प्राप्त धन के लिये एक अलग लेखा रखेगा।

(2) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान संबंधी कार्यकलापों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिये, प्रत्येक वर्ष की 31 मई तक, सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, औद्योगिक भवन, न्यू महरौली रोड नई दिल्ली-110016 को भेजेगा।

(3) यह प्रत्येक वर्ष की 30 जून तक, लेखा-परीक्षित वार्षिक लेखों की एक प्रति अपने-व्यय, आस्तियों एवं बेनवारियों के विवरण सहित, (क) महानिदेशक (आयकर छूट) (ख) सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में पड़ता है, को प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम

आइआईटीज रिसर्च सेंटर फाउनडेशन,
नं. -4, मैन रोड, रवापुरम,
मद्रास-600013

यह अधिसूचना विनांक 1-4-1992 से 31-3-1993 की प्रवधि के लिये प्रभावी है।

टिप्पणी : संगठन को अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए अनुमोदन की समाप्ति के तीन माह पूर्व आयकर आयुक्त/आयकर/निदेशक (छूट), जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन में पड़ता है, के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता को तीन प्रतियों में आवेदन करने के लिए सुझाव दिया जाता है। विशेष मामलों में, जहां अनुमोदित आदेश उपर्युक्त तीन माह की समाप्ति पर अवधि उक्त अवधि की समाप्ति के ठीक पूर्व प्राप्त हुआ हो, संगठन अनुमोदित आदेश प्राप्त करने के पश्चात् यथाशीघ्र अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आवेदन करें। अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किए

ग्रावेदन-पत्र की 6 प्रतियाँ सचिव, वैज्ञानिक और
प्रौद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करना है।

[सं. 651/का.सं.डी.जी./टी.एन. 18/फल. 35/
(1)(ii)/89-आ. कर (छूट)]

ए० न० विवारां, उप निदेशक

Calcutta, the 29th April, 1992

(INCOME-TAX)

S.O. 578.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, 1962, i.e., the Director General of Income-tax (Exemptions) in concurrence with the Secretary, Dep'tt. of Scientific and Industrial Research for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of Section 35 (Thirty Five/one/two) of the Income-tax Act, 1961 under the category Institution/Organisation subject to the following conditions :

- (i) The organisation will maintain a separate account of the sums received by it for Scientific Research ;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research, "Technology Bhavan", New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year ; and
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific and Industrial Research, and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, by the 30th June each year a copy of its audited annual accounts showing its income expenditure and its assets and liabilities.

NAME OF THE ORGANISATION

Diabetes Research Centre Foundation
No. 4, Main Road, Royapuram,
Madras-600013.

This Notification is effective for the period from 1-4-1992
to 31-3-1993.

NOTE.—The organisation is advised to apply (in triplicate) for further extention of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, three months before the expiry the approval. In exceptional cases where the order granting approval is received after the expiry of the period of three months aforesaid or shortly before the expiry of the said period, the organisation may make an application for extention of approval as soon as possible for the receipt of the order of approval. Six copies of the application for extention of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research.

[No. 651/F. No. DG/TN-18/Cat/35(1)(ii)/89-IT(E)]

A. K. BISWAS, Dy. Director

(आर्थिक कार्य विभाग)

नई दिल्ली, 2 मार्च, 1993

का आ 579.—केन्द्रीय सरकार, राजभाषा (संघ के शासकीय प्रयोजनों के लिए प्रयोग) नियमावली, 1976 के नियम-10 के उप-नियम (4) के अनुसरण में वित्त मंत्रालय (आर्थिक कार्य विभाग) के प्रशासनिक नियंत्रण में स्थित मार्तीय साम्बारण बीमा निगम के निम्नलिखित कार्यालयों

को, जिनके 80 प्रतिशत से अधिक कर्मचारीवृद्धि ने हिन्दी का बार्यसाधक ज्ञान प्राप्त कर लिया है, अधिसूचित करती है :

कार्यालय का नाम :

नेशनल इंश्योरेंस कं. लि.

1. मंडल कार्यालय, नासिक
2. मंडल कार्यालय, औरंगाबाद
3. मंडल कार्यालय-2, नाशपुर
4. शाखा कार्यालय, कोपरगांव
5. शाखा कार्यालय, किशन गंज
6. शाखा कार्यालय-1 रांची
7. शाखा कार्यालय, फुसरो
8. शाखा कार्यालय, बोकारो स्टील सिटी
9. शाखा कार्यालय, डिहरी आन सोन

वि न्यू इंडिया इंश्योरेंस कं. लि.

1. मण्डल कार्यालय-1, बड़ौदा
2. मण्डल कार्यालय-III, बड़ौदा
3. मण्डल कार्यालय, भूल्ल
4. शाखा कार्यालय, राजपिपला
5. शाखा कार्यालय, भूल्ल
6. शाखा कार्यालय, आनन्द सिटी
7. शाखा कार्यालय, नधसारी
8. शाखा कार्यालय, बारडोली
9. शाखा कार्यालय, बलसाड़
10. शाखा कार्यालय, बिलीमोरिया
11. शाखा कार्यालय, प्रह्वा

[फा.सं. 13011/1/92-हि०का०क०]

प्रदीप पुरी, उप सचिव

(Department of Economic Affairs,
New Delhi, the 2nd March, 1993

S.O. 579.—In pursuance of Sub-Rule (4) of Rule 10 of the Official Language (use for official purposes of the Union) Rules 1976, the Central Government hereby notifies the following offices of the General Insurance Corporation of India (under the Administrative control of Ministry of Finance, Department of Economic Affairs) where of more than 80 per cent of staff have acquired working knowledge of Hindi.

Name of the Company : National Insurance Co. Ltd.

1. Divisional Office, Nasik
2. Divisional Office, Aurangabad
3. Divisional Office-2, Nagpur
4. Branch Office, Copergaon
5. Branch Office, Kishan Ganj
6. Branch Office 1, Ranchi
7. Branch Office, Phusro
8. Branch Office, Bokaro Steel City
9. Branch Office, Dihri On Sone

The New India Assurance Co. Ltd.,

1. Divisional Office-I, Baroda
2. Divisional Office-II, Baroda
3. Divisional Office, Bharuch
4. Branch Office, Rajpipli
5. Branch Office, Bharuch
6. Branch Office, Anand City
7. Branch Office, Navsari
8. Branch Office, Bardauli
9. Branch Office, Balbar
10. Branch Office, Bilmoriya
11. Branch Officer, Ahva.

[F. No. 13011/1/92-HIC]

PRADEEP PURI, Dy. Secy.

(बैंकिंग प्रभाग)

नई दिल्ली, 4 मार्च, 1993

का.आ. 580 :—बैंकिंग प्रभाग ने 1949 (1949 का 10) की धारा 56 के साथ पठित, धारा 53 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार, भारतीय रिजर्व बैंक की सिफारिश पर, एतद्वारा घोषणा करती है कि उक्त अधिनियम की धारा 11 की उप-धारा 1 के उपबंध डिस्ट्रिक्ट सेन्ट्रल कोप्रापरेटिव बैंक लिं., भरतपुर पर सरकारी राजपत्र में इस अधिसूचना के प्रकाशन की तारीख से 31-3-94 तक की अवधि के वास्ते लागू नहीं होगे।

[संख्या 6/1/93-ए०सी०]

पी० के० तेजयान, अवर सचिव

(Banking Division)

New Delhi, the 4th March, 1993

S.O. 580.—In exercise of the powers conferred by section 53 read with Section 56 of the Banking Regulation Act, 1949 (10 of 1949) the Central Government on the recommendations of the Reserve Bank of India declares that the provisions of sub-section 1 of Section 11 of the said Act shall not apply to District Central Cooperative Bank Ltd., Bharatpur from the date of publication of this notification in the official Gazette upto 31 March 1994.

[F. No. 6(1)/93-AC]
P. K. TEJYAN, Under Secy.

वाणिज्य मंत्रालय

(मुख्य नियंत्रक, भारत का कार्यालय)

आदेश

नई दिल्ली, 28 जनवरी, 1993

का.आ. 581.—मैसर्स मुमीम एपरल्स एक्सपोर्टर्स, तिरुपुर को ई पी सी जी स्मीम के अन्तर्गत मलान सूची के अनुसार सौ 4 के आधात के लिये, 1,57,421 रुपये (एक लाख सात सौ चार सौ छहवीं रुपये मात्र) का एक आयात लाइसेंस रु. पी/सी जी/2101137 दिनांक 8-11-92 दिया गया था;

फर्म ने उपर्युक्त लाइसेंस को सीमाशुल्क और विनियम नियंत्रण प्रतियों की अनुलिपि प्रतियों के लिये इस आधार पर आवेदन किया है कि उक्त लाइसेंस की मूल सीमाशुल्क और नियंत्रण प्रतियों द्वारा गई है। यांत्रे यह भी कहा गया है कि लाइसेंस की सीमाशुल्क और विनियम नियंत्रण प्रतियों किसी भी सीमाशुल्क प्राविकारी के पास पंजीकृत नहीं कराई गई थी और इस प्रकार सीमाशुल्क प्रयोजन प्रति के मूल्य का गिरफ्तारी भी उपयोग नहीं किया गया है।

2. प्रपत्र भर्त के सम्बन्ध में यहाँ ने जोटी पश्चिम, तिरुपुर के सम्बन्धित फर्म ने 2-11-92 के द्वारा धारा 56 का अधिनियम किया है। तज्ज्ञान में भग्नात्रु के फर्म से आयात लाइसेंस रु. पी/सी जी/2101137 दिनांक 6-11-92 की मूल सीमाशुल्क और विनियम नियंत्रण प्रयोजन प्रतियों द्वारा गई है मध्यम गुम हो गई है। यात्राशोधित भारत (नियंत्रण) भारत, 1955 की उपधारा 9(ग) के प्रत्यावर्ती वर्तमान अधिकारों का प्रयोग करने के लिये मैत्री गुम्फा एक्सप्रोटोर्स, तिरुपुर की जारी की गई उक्त मूल सीमाशुल्क और विनियम नियंत्रण प्रयोजन प्रति रु. पी/सी जी/2101137 दिनांक 6-11-92 को प्रदर्शित किया जाता है।

3. पार्टी को उक्त लाइसेंस की सीमाशुल्क और विनियम नियंत्रण प्रयोजन प्रतियों की अनुलिपि प्रतिशोधन से जारी की जा रही है।

[एफ. सं. 18/एएम 93/940/ई पी सी जी-2/1237]

माया दे. केम, उप मुख्य नियंत्रक

MINISTRY OF COMMERCE
(Office of the Chief Controller of Imports & Exports)

ORDER

New Delhi, the 28th January, 1993

S.O. 581.—M/s. Supreme Apparels Exporters, Tirupur were granted an import licence No. P/CG/2101137 dated 6-11-92 for Rs. 1,57,421 (Rupees one lakh Fifty seven thousand four hundred twenty one) import of C4 as per list enclosed under EPCG Scheme.

The firm has applied for issue of duplicate copies of Customs and Exchange Control purpose of the above mentioned licence on the ground that the original Custom and Exchange Control purpose copies of the licence has been lost or misplaced. It has further been stated that the Custom and Exchange Control purpose copies of the licence were not registered with any Customs Authority and as such the value of customs purpose copy has not been utilised at all.

2. In support of their contention, the licensee has filed an affidavit on stamped paper duly sworn in before a Notary Public, Tirupur. I am accordingly satisfied that the original Customs and Exchange Control purpose copies of import licence No. P/CG/2101137 dt. 6-11-92 has been lost or misplaced by the firm. In exercise of the powers conferred under sub-clause 9(cc) of the Import (Control) Order, 1955 dt. 7-12-1955 as amended the said original Custom and Exchange Control purpose copy No. P/CG/2101137 dt. 6-11-92 issued to M/s. Supreme Apparels Exporters, Tirupur is hereby cancelled.

3. A duplicate Custom and Exchange Control purpose copies of the said licence is being issued to the party separately.

[F. No. 18/AM-93/940/EPCG-II/1237]

MAYA D. KEM, Dy. Chief Controller

आदेश

नई दिल्ली, 17 फ़रवरी, 1993

का.आ. 582.—मैसर्स अविनेश पालिमर्स (प्रा.लि.), बर्वर्ड को ई पी सी जी स्मीम के अन्तर्गत बैकाइट ड्रेट एक्सप्रेसर्सों के आयात के लिये 2,64,706 रुपये (दो लाख और सौ छह रुपये मात्र) का एक आयात लाइसेंस रु. पी/सी जी/1100212 दिनांक 15-7-92 दिया गया था।

फर्म ने उपर्युक्त लाइसेंस की सीमाशुल्क प्रीर विनियम नियंत्रण प्रतियों की अनुलिपि प्रतियों के लिये इस आधार पर आवेदन किया है कि उक्त लाइसेंस की मूल सीमाशुल्क और नियंत्रण प्रतियों द्वारा गई है।

या गुम हो गई है। प्राये यह भी कहा गया है कि लाइसेंस की सीमांशुल्क और विनियम नियंत्रण प्रतियोगी किसी भी सीमांशुल्क प्राविधिकी के पास पंजीकृत नहीं कराई गई थी और इन प्रकार नीतांशुल्क प्रयोगन प्रति के मूल्य का विश्वास भी उपयोग नहीं किया गया है।

2. अपने तर्क के समर्थन में कर्म ने नोटरी पत्रिका, अमर्त्य के समर्थन विधिवत शाखा लोकल स्टाम्प पेपर पर एक हस्तानामा दर्शाया दिया है। तबन्नामा, ८ संतुष्ट है कि कर्म में आयात लाइसेंस स. नी/गीजी/2100212 दिनांक 15-7-1992 की मूल सीमांशुल्क और विनियम नियंत्रण प्रयोगन प्रतियोगी गई है अर्थात् गुम हो गई है। यथा गोपनीय आवाहन (नियंत्रण आदेश, 1955 की उपलब्धाया 9 (गग) के अन्तर्गत प्रदत्त प्रतिकारों का प्रयोग करते हुये भैयसर्व नियंत्रण पालिसर्व (प्रा.) दि., अमर्त्य को जारी की गई उक्त मूल सीमांशुल्क और विनियम नियंत्रण प्रयोगन प्रति सं. नी/गीजी/2100212 दिनांक 15-7-1992 को एतद्वाया निरस्त किया जाता है।

3. पार्टी को उक्त लाइसेंस की सीमांशुल्क और विनियम नियंत्रण प्रयोगन प्रतियोगी की अनुलिपि प्रतियोगी गमन से जारी की जा रही है।

[एक सं. 18/ए एम/93/217/ई वी सी जी-2/1426]
माया दे. केम, उप सहायितेनक,

ORDER

New Delhi, the 17th February, 1993

S.O. 582.—M/s. Rishiroop Polymers (P) Ltd., Bombay
were granted an Import Licence No. P/CG/2100212 dated

नामांक पूर्ति, उपस्थिता वामपाले और सार्वजनिक वितरण मंत्रालय

भारतीय गानक बूरो
नई दिल्ली, 3 फरवरी, 1993

का.आ. 583.—भारतीय गानक बूरो (प्रगाणन) विभिन्न, 1935 के उत्तराय (३) के अनुसार में आयोग गानक बूरो प्राप्त होता। भारतीय गानक को संक्षेप करता है कि जिन लाइसेंसों के विवरण में ग्रन्तीकार में स्वीकृत कर दिये गए हैं, वे स्वीकृत कर दिये गए हैं:

भारतीय

क्रम संख्या	रेकार्ड की अधिकारी	लाइसेंसकारी का नाम और पता	लाइसेंस के अधिकारी का नाम और पता	भारतीय गानक को संक्षेप
-------------	--------------------	---------------------------	----------------------------------	------------------------

1	2	3	4	5	6
1. 2392659	92-08-16	के. बी. ईडस्ट्रोज, 8/203, बांस मंडी, कानपुर।	रोगाणुनानी, काला, श्रेणी ए टाइप-सामान्य	IS 01061: 82	
2. 2392780	92-08-16	आडान हैडस्ट्रोज, 198-191 हैडरेस्ट, सांगली 41641	बहुउद्देशीय शुष्क बैटरिया	IS 08144: 76	
3. 2392861	92-08-16	मध्यांकर रोलिंग मिल्स, 2410 कोड 4, जी. प्राई इंडी गो बटवा, शहरपालाद।	योन्हनीय संस्थाना इस्पात	IS 02062: 84	
4. 2392962	93-08-16	अपर लिमिटेड (लाइटा डिवीजन), घर्स तिल हैडस्ट्रोपल पार्क, निम्बारी, तालुक नालार, जिला कैरा, (गुजरात) पिम-387520।	टंगस्टन तंतु वाले सामान्य सेवा बल्ब	IS 00418: 73	
5. 2393055	92-08-16	चौधोपानिया हैडस्ट्रोज लि., 3-2-बा, साइट 4, साहिवालाद, जिला गांगियावाल (उ.प्र.)	स्टेनर्स इल्यात के फिल्टर	IS 07402: 86	
6. 2393156	92-08-16	नृग एन्ड ब्राइजेश (टी.डी.डी.वी.), 164, प्रकाश हैडरेस्ट, जिला गांगियावाल	बांसोंम चूलड, ना. मार ना चुदवर्त-निकिल-ओम लेपित	IS 08749: 88	

15-7-92 for Rs. 2,64,706 (Rupees Two lakhs Sixty Four thousand seven Hundred & Six only) for import of Graphite Heat Exchangers—2 Nos. under EPCG Scheme.

The firm has applied for issue of Duplicate copy of Custom and Exchange Control purposes copy of the above mentioned licence on the ground that the original Customs and Exchange Control copy of the licence has been lost or misplaced. It has further been stated that the Customs and Exchange Control purposes copy of the licence was not registered with any Customs Authority and as such the value of Customs purpose copy has not been utilized at all.

2. In support of their contention, the licensee has filed an affidavit on stamped paper duly sworn to before a Notary public Bombay. I am accordingly satisfied that the original Custom purposes and Exchange Control purpose copy of Import Licence No. P/CG/2100212 dt. 15-7-92 has been lost or misplaced by the firm. In exercise of the powers conferred under sub-clause 8(cc) of the Import (Control) Order 1955 dt. 7-12-1955 as amended the said original Custom and Exchange Control purpose copy No. P/CG/2100212 dt. 15-7-92 issued to M/s. Rishiroop Polymers (P) Ltd. is hereby cancelled.

3. A duplicate Customs and Exchange Control Purpose copy of the said licence is being issued to the party separately.

[F. No. 18/AM 93/217/EPCG-II/1426]

M. D. KEM, Dy. Chief Controller

1	2	3	4	5	6
7. 2393257	92-08-11	मारत हाईकोर्ट (प्रा.) नि., विपरायापाड़ा, दामोदर, हावड़ा-711411	इस्पात के कठज्जे	IS 01341: 81	
8. 2393358	92-08-16	बालाजी अंगन इंडस्ट्रीज प्रा. ० लि०, प्लाट नं. ३९, हुसरामेन रोड, शिपर्कोट इड काम्पनेक्स, रानीमेट-०३२४०३	बनस्पति	IS : 0633 : 86	
9. 2393459	92-08-16	पार्क साइटिकल इंशॉन, १३ लोगी रोड, गोट II, इड प्रिया, गोहन नगर, गाजियाबाद	कैलिज, देवनाकार और कैलिज ग्राम ८८८, निर्जीव दाम टाइप	IS 03829 : 78 भाग : 01	
10. 2393560	92-08-16	पार्क माइट्रिकल इंशॉन, १३ लोगी रोड, साल II, इड, एरिया, गोहन नगर, गाजियाबाद।	क्लिनिज बेलनाकार उच्चतानि मान निर्भर, दाम टाइप और स्वास्थ्य	IS 03829 : 78 भाग : 02	
11. 2393661	92-08-16	गिर्दल इंडियोन लि., सं.-१६५, बुलवर राड, इड प्रिया, गाजियाबाद।	श्रीमी छिल्कात्र यंत्र, नोजन-कीमाय	IS 12232: 87 भाग : 01	
12. 2393782	92-08-16	दि. मह्य प्रदेश स्टेट एंगो इड ड्यू कार्पो. लि., बायो फिल्म इंजर्नल लाट, एंगो काम्पनेक्स, इंद्रापुर, भोपाल-४६२०२२	मोयार्वान, मूंगफली, अरहर, गुण, उड्ड, जना, मटर, मनुर और मोयार्वान के बल	IS 68268 : 86	
13. 2393863	92-08-16	संस्थी सीमेंट पाल्प इंडस्ट्री, प्राम अनुता, डा. बाबूगङ, नया हापुड़, जिला गाजियाबाद।	पूर्व द्वंद्व कंट्रो ट पाल्प	IS 00453 : 98	
14. 2393964	92-08-16	बैंडिंग स्पेशलिटीज (ईडिया) प्रा. लि., ई. ५० एम आई बी बी इंडस्ट्रियल एरिया, ग्रामद, नासिक-४२२०१०।	संरक्षन इस्पात के धातु आर्क बैंडिंग हेतु आवरित इनेक्ट्रोड	IS 00814 : 74 भाग : 01	
15. 2394057	92-08-16	बैंडिंग स्पेशलिटीज (ईडिया) प्रा. लि., ई. ५० एम आई बी बी इंडस्ट्रियल एरिया, ग्रामद, नासिक ४२२०१०।	संरक्षन इस्पात के धातु आर्क बैंडिंग हेतु आवरित इनेक्ट्रोड	IS 00814 : 74 भाग : 02	
16. 2394158	92-08-16	ईस्टन पर्स, वी/२८ शूहंड एस्टेट, जगतपुरा, कटक ७५४०२१	दरबाजे के मटु इस्पात के खिलाने वाले काब्स (रेनज्यूप) विषय टाइप, मात्र ३०० मिमी	IS 00281 : 75	
17. 2394259	92-08-16	यूनाइटेड सीमेंट प्रा. लि., ई-१७ एवं १८ रिको इड प्रिया, श्रीमध्यपुर, जिला नीकर-३३२७१५	३३ एवं ३४ मास्टरार्ण पीटलैंड सीमेंट	IS 00269 : 89	
18. 2394360	92-08-16	प्रभी ग्राम मी सी पाल्प प्रा. लि., ३४७ मानिया हैड, एस्टेट, २८ एकड़ी का पत्थर काल्पी रोड, कानपुर, बैहून।	पूर्व द्वंद्व कंट्रो ट पाल्प	IS 00458 : 88	
19. 2394461	92-08-16	मैर्जेस्टिक मार्केट प्राइवेट्स (ईडिया), कोवेन्ट विल्डिंग, बेस्ट ब्रिन, कालीकट-६७३००५।	कम गहराई से पानी निकालने वाले हेल्पर्स साइज ९० मिमी	IS 04985 : 88	
20. 2394562	92-08-16	एंटरप्रेनर्स ट्रूफू कॉ., ७४/१, बनारस रोड, हावड़ा-७११०१	कम गहराई से पानी निकालने वाले हेल्पर्स साइज ९० मिमी	IS 08035 : 76	
21. 2394663	92-08-16	एसएस० केमिकल इंडस्ट्रीज, ताईगांव रोड, पुराना फरीदाबाद	फैगेलरेट २ प्रतिशत (इ/प्र) १८ मी फार्मुलेशन केवन	IS 11997 : 87	
22. 2394764	92-08-16	एम.एम. केमिकल इंडस्ट्रीज, ताईगांव रोड, पुराना फरीदाबाद।	साइपरसेथिन १% (इ/प्र), ई सी काम्पूलेशन केवल	IS 12016 : 87	

1	2	3	4	5	6
23.	2394865	92-08-16	दामोदर पेन्ट्स, मो-3/9 लारेम रोड, इंडिया, नई दिल्ली-100036	दिल्लीकांडा के फैब्र प्रार्थी के लिए पुद्दा	IS 09479: 67
24.	2394966	92-08-16	गंगा कैम्पलन, प्लाट नं. ए-4, एम एस एच मी, वोहारी, गुरुग्राम।	गंगा कैम्पलन श. द्वा, काला, टाइप-सामान्य थोरो-ए, श्रीर पेड 3 केवल	IS 01061: 82
25.	2395059	92-08-16	इंडो-जर्मन एंड प्रेसिंग कंपनी, बांद लिनेपा के पास, जोर्ट रोड, गुरुग्राम-141008।	सूखतवालित धूर्धी भूकंप पंथ, पेन पर बांधा जाने वाला	IS 05135: 74
26.	2395160	92-08-16	मुतार कैम्पलन प्रा. लि., डा रामेतालपुर, गिला यालसोड	गोपन मी (पूज सी एस) 65 प.रा. (इ/इ) आइसोपर, इल्लू डी पी मो, केवल	IS 00542: 78
27.	2395261	92-08-16	एविड एंड कॉ. कैम्पलन लि., 6231-6215, जो आई डी मी इंड एंडिया, जिला भूत 398002	कॉर्टेजिम (एम वी सी) 50 प्र. (इ/इ) इल्लू डी पी मो केवल	IS 03446: 91
28.	2395362	92-08-16	ब्राइट पेट्रो एंड कैम्पलन, 18/1-ए. साइट ए, इंड एंडिया, माहिनाबाद, गाजियाबाद।	महाक पर निशान लगाने के लिए तेलारकुड़ा रोगन	IS 00164: 81
29.	2395463	92-08-16	यूनिक फार्माचू प्रा. लि., छठा मोस का पत्थर, जोर्ट रोड, छपरौला, जिला गाजियाबाद।	मिथाडल पैराथियल 50 प्र. (इ/इ) ई नो फार्मूलाशन केवल	IS 02865: 78
30.	2395564	92-08-16	विधि एन्टराक्सेज, 2553, सनवाडा, घोर्मुदा, (इर्द्दा के अन्दर, चारदी लौक), दिल्ली-110061	मिथाई पाण्डी के लिए पार्नी-इमालानी के पाइप लोगों।	IS 10786: 89
31.	2395665	92-08-16	सिद्धार्थ रेड इंडस्ट्री, खसरा नं. 29/34, भास्टर मोहल्ला, गढ़ी नं. 1, लिंगोमपुर, दिल्ली-110042	इ पे गे के लिए लग्न रखने की मर्ली	IS : 10908 84
32.	2395766	92-08-16	श्री आरामधरी कॉ., क.सं. 4/2 सं. 3, कोमारपन्नायम, मुलर, रोज़ेपुरम, तालुक सोनम-636205 (मैसिलनाडु)	ग्राम टेपियो का स्टार्न केवल	IS 01319: 33
33.	2395867	92-08-16	श्रीवारामधरी कॉ., क.सं. 4/2, सं. 3, कोमारपन्नायम, मुलर, रोज़ेपुरम तालुक, मैसम-636203		IS 00899: 51
34.	2395968	92-08-16	महकारी कॉटनाशक दवाई फैक्ट्री (राजस्थान स्टेट कॉर्पोरेटिव मार्केटिंग फैक्ट्रेशन लि. को दवाई) 89 इंड एंडिया ओतशाहा (जयपुर जिल्हा)	एल्फ्रून 30 प्र. (इ/इ) ई म; काल्पनिक केवल	IS 01307: 32
35.	2396061	92-09-01	सहकारी कॉटनाशक दवाई फैक्ट्री, (राजस्थान स्टेट कॉर्पोरेटिव मार्केटिंग फैक्ट्रेशन डी.पी. फार्मूलेशन केवल की इकाई), 89 इंडियन एंडिया, ओतशाहा (जयपुर जिल्हा), जयपुर-302012	एल्फ्रून 50 प्र. (इ/इ)	IS 01308: 34

1	2	3	4	5	6
36. 5398162	92-09-01	महकारी कॉटनामाक दबाई फैब्रिंग, (राजस्वान स्टेट कापरेटिव मार्केटिंग फैब्रिशन लि., की इकाई), 89 इड एरिया, जोलबाड़ा, (जयपुर पश्चिम), जयपुर-302012	मेलापियान 50 प्र. (ब्राइ) ई सी. फाम्बिलान केवल		IS 02567 : 71
37. 2396263	92-09-01	सहकारी कॉटनामाक दबाई फैब्रिंग, (राजस्वान स्टेट कापरेटिव मार्केटिंग फैब्रिशन लि. की इकाई), 89 इड एरिया, जोलबाड़ा, (जयपुर पश्चिम), जयपुर 302012	मेलापियान 5 प्र. (ब्राइ) ई पी. फाम्बिलान केवल		IS 02568 : 78
38. 2396364	92-09-01	मुर्गीम सीमेंट्स एफ-125ए, मेवाड़ इड एरिया, रीडन. ई-9, उत्तरपुर (राजस्वान) पिंक-313001	33 ग्रेड साक्षात्कार पोर्टेंट सीमेंट		
39. 2396465	92-09-01	गोलूल फ्लूस प्रा. लि., माम गुडरीली, बिल्की रोड, जिला फोलहुर (ज.प्र.)	बिल्कुट, किस्म एकोस केवल		IS 01011 : 31
40. 2396566	92-09-01	पुरोहित इड का., न्यू काटन मार्केट रोड, मायपुर-440018	बनस्पति पैकिंग ब्रेक्यू सम्पर्क, 1 किम्बा बारिता		IS 11352 : 85
41. 2396667	92-09-10	राज बैंक फैब्रिंग, गोडावंदर रोड, प्राम सीग, जिला ठाणे-401104	इम, बड़े अद्वित सिरे, पेंड बी, टाइप।		IS 01783 : 88 भाग : 02
42. 5396768	92-09-01	बीर बाल्व इडस्ट्रीज, जी. टी. रोड, मक्सूवन, जिला जालंधर	जलकल के लिए स्लूट बाल्व		IS 00780 : 84
43. 5396869	92-09-01	बेलू इडस्ट्रीज, 254 जी आई बी सी, नारोडा, ग्रहमदाराद-382330	250 मिमी, टाइप 3, खिसकने वाले काबले		IS 02681 : 79
44. 2396970	92-09-01	किसान फीड्स प्रा. लि., प्राम साहा, जिला ग्रम्बाला, (हरियाणा)	पशुधर्मों के लिए मिशन पशुपालार		IS 02052 : 79
45. 2397063	92-09-01	एम. के. एस. इंडस्ट्रीज, 127-128 वारपुर इड एस्टेट, बारी ब्राह्मण, जम्मू	एम सी आई पाइप किटिंग, एक समान एल्को, टी, साकेट और बूनियन, साइज 1/2 से 3 तक		IS 01879 : 87
46. 2397164	92-09-01	एवन लार्वरेज (प्रोडक्शन इड एजेंसी) प्रा. लि., 201 भारत इड एस्टेट, वी. जे. रोड, स्वर्गी, बम्बई-400015	विद्युत उपकरणों के लिए ज्वाला सह खोल		IS 03148 : 81
47. 2397265	92-09-01	दि. फोर्ट बिलियम के.लि., 6 ए.जी.टी. रोड, कलागार, दुगली-712235	सामान्य इंजीनियरी प्रयोजनों हेतु एम.एस. तार		
48. 2397366	92-08-16	सेन्ट्रल कैबिनेट प्रा. लि., जी-11, एम आई बी सी, इड एरिया नायपुर-440022	3... किलो से 33 किलो तक कार्यकारी बोल्ट्स के लिए क्रासबैंधन पालंग्हालोन रोधित केवल		IS 07098 : 85
49. 5397467	92-08-16	भूर्या बायर्स प्रा. लि., 20-23 इड एरिया, डा. बीरभान जयपुर (म.प्र.) 493721	सामान्य इंजीनियरी प्रयोजनों हेतु एम.एस. तार		IS 00280 : 78
50. 2397568	92-09-01	चन्दोरा सीमेंट्स प्रा. लि. जी-31 फें 2, बारौडा इड एरिया, जयपुर	33 ग्रेड साक्षात्कार पोर्टेंट सीमेंट		IS 00269 : 89

1	2	3	4	5	6
51. 2397669	92-09-01	इ. सी एम श्रीराम हैंड लि., (इकाई: हिंदून रिवर मिल्स), 18 भील का पत्तर हायगुड रोड, बातमा, गाजियाबाद (उ.प्र.)	वर्ष के लिए पार्लाइस्टर मिशन सूर्दिंग	IS 11448 : 85	
52. 2397770	91-09-01	हिंदून सोने केमीकल्स हैंडस्ट्रीज, 3-मीन गांव तिलायापुर, जिला बीलालगढ़	भी एवं सी 6, 5 % (इ/इ) शाहसीमर, उल्लू भी सी कार्बनेलेशन केवल मीनीशियम स्लॉट,	IS 00562 : 78	
53. 2397871	92-09-01	मैग्नोड्रॉक्स, 148 सितलपुरकम, मद्रास-60007:	तकनीकी रेड केवल	IS 02730 : 77	
54. 2397972	92-09-01	सोनेपुर सीमेंट प्रा. लि., जोकपुर, तालुक मुंगोला, जिला बीजापुर-587122	11 मीड साधारण पोर्टलैण्ड, सीमेंट-	IS 05113 : 89	
55. 2398065	92-09-01	मैसेंजरीनियस्स प्रा. लि., सी बी/225 अ० शाई डी सी, काथोपिया जिला बड़ौदा	1100 वो तक कार्यकारी बोल्टता के लिए]: भी भी सी रोशित केवल शोलदार और खाल- रहित एल्यूमीनियम भीर ताबा बालकों वाली	IS 00964 : 77	
56. 2398166	92-09-01	हिंदूनसान कंडक्टर्स लि., उमरिंग देसाई हैंड. पार्क, उमरिंग देसाई मार्ग चार्ची रोड, बड़ोदा-390002	प्रति उच्च बोल्टता के लिए (400 किमो और प्रधिक) की पिटोलेटर पावर साइरों के लिए जस्तीहृत इस्पात प्रबलित एल्यूमीनियम खालका	IS 00393 : 82 भाग : 05	
57. 2398267	92-09-01	इलेक्ट्रो इलेक्ट्रिकल्स, प्लाटनं. 48, रोड नं. 10, फेज 1 हैंड, रुद्र एरिया, जोड़ीमीतला हैदराबाद-500855	टंगस्टन तंतु वाली विजली के सामान्य सेवा बल्क, 60 वा. और 100 वा., 230 वो, कुड़सित कुड़सी भी-12 टोपी	IS 00418 : 78	
58. 2398368	92-09-01	साउथ हिंडिया बायर रोड्स लि., घरवाला बा. घरकापे, घरमुकुलम 683581	जस्तीहृत इस्पात की गोल सड़ वाला तार रस्सा, 1450 रेसाकोड	IS 01581 : 77	
59. 2398469	92-09-01	विकास केवल कॉ., 13 हैदरपुर, रिली-110042	1100 वो तक कार्यकारी बोल्टता की एल्यूमीनियम भीर ताबा बालकों वाली जोसवार और शोलरसित भी सी भी रोशित केवल	IS 00694 : 77	
60. 2398570	92-09-01	विकास केवल कॉ., 13 हैदरपुर, रिली-110043	1100 वो तक कार्यकारी बोल्टता की विजली की केवल, प्रकल्पित और कवरित ताबा बालकों वाली	IS 01554 : 88 भाग : 01	
61. 2398671	92-09-01	फैलकन प्रोडक्ट्स, जा-63, सेक्टर 6, मोदिया-201301	भारी दस्तावें के लिए कार्बन मासियां (इवालन हारा नियमित)	IS 06315 : 86	
62. 2398772	92-09-01	नवनीत हैंडस्ट्रीज, ताराबेडी, शिमला	जस्तीहृत इस्पात के काटेदार तार दाइप-बी, शाहज पश्चात 3	IS 00278 : 78	
63. 2398873	92-09-01	शेरे पंजाब स्टील हैंड एंड सुलरीज, जी टी रोड, गोविन्दगढ़ (पंजाब)	एच एस डी सरिए, प्रेड 415 साइज 8 मिमी से 45 मिमी तक	IS 01799 : 85	
64. 2398974	92-09-01	नार्थ हिंडिया प्रीस्ट्रेस प्रा. लि., प्राम मानमाजरा बा. कुरारी, तह-बरार, जिला रोपड, पंजाब	33 प्रेड साधारण पोर्टलैण्ड सीमेंट	IS 00269 : 89	
65. 2399067	92-09-01	प्राइवियापर्स, उल्लू-56, एम शाई डी सी हैंड एरिया, हिंगला रोड, तागपुर 440016	व्यापारिक उच्च विस्कोट्स के लिए पैक, 7 प्लाई सेटर्स्मीटिंग दाइप	IS 10212 : 86 भाग : 01	
66. 2399168	92-09-01	बी. हजारा एवर्क्स, शानपुर, शिवताला, बासमगर, हायगड़ 711105	रिफ-लक्स बाल्क स्पिग चक दाइप 300 मिमी वाहिना स रहित प्रबल्या	IS 05312 : 34 भाग : 01	

1	2	3	4	5	6
67. 2399469	92-09-01	हुगली मिल्स कं. लि., डा-फोर्ट ग्रॉटर, जिला हावड़ा-711310	भारतीय हैसियान टाइप-2 (229 ग्राम/सेमी 2, 38×35) केबल	IS 02815 : 71 भाग : 02	
68. 2399370	92-09-01	प्रवीण प्लास्टिक इंडस्ट्रीज, ५८ जे.एन. भुवर्षी रोड, बंधापाटा, हावड़ा-711106	स्लो संचालित एच बी पीई के घारक 2 किलो		IS 10840 : 86
69. 2399471	92-09-01	वि. नेहाटी जूट मिल्स कं. लि., डा-हार्डनगर, अ-24 परगना (उ) प्र. व.	भारतीय हैसियान, टाइप 2, 229 ग्राम/सेमी 2, 38×35 केबल		IS 02818 : 71 भाग : 02
70. 2399572	92-09-01	आर्गेनिक केमिकल्स लि., ग्राम गौमपुरा, लुधियाना रोड, सर्वे नं. 910, मानापक्कम ग्राम, मद्रास 600116	वनस्पति		IS 10633 : 86
71. 2399673	92-09-01	विजय केर्मी कल्स, सर्वे नं. 910, मानापक्कम ग्राम, मद्रास 600116	सापरेटिन 10 प्र. (इ/ए) ई सी फार्मूलेशन केबल		IS 12016 : 87
72. 2399774	92-09-01	वि. जय केमिकल्स, सर्वे नं. 91, मानापक्कम ग्राम, मद्रास 600116	कार्बोस्यालिम 80 प्र. (इ/ए) (एम बी सी) इस्ट्यू बी पी. सी केबल		IS 08446 : 91
73. 2399875	92-09-01	विजय केमिकल्स, सर्वे नं. 91, मानापक्कम ग्राम, मद्रास 600116	फेनेलेट 20 प्र. (इ/ए), ई सी फार्मूलेशन केबल		IS 11997 : 87
74. 2399976	92-09-01	स्माइल एस्ट्रेसोलेज, २०३ फैब्राइट हॉट एस्टेट, मासरानी मासलानी: सेम तुर्ला (प) बम्बई-400070	सिवाई पार्ले, थेणी 1, साइज : 16 मिल		IS 12786 : 89

[के.प्र.वि. 13/11]

एन. श्रीनिवासन, प्रपर महानियेश

MINISTRY OF CIVIL SUPPLIES CONSUMER AFFAIRS & PUBLIC DISTRIBUTION

New Delhi, the 3rd February, 1993

S.O. 583 :—In pursuance of sub-regulation (5) of the Bureau of Indian Standards (certification) Regulations, 1988, the Bureau of Indian Standards, hereby notifies the grant of licences particulars of which are given in the following schedule.

SCHEDULE

Sl. No.	CM/L—No.	Operative Date	Name & Address of the Party	Article/Process covered by the Licence	IS : No./Part
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
— 1. 2392659	92-08-16	K.B. Industries, 89/208, Bans Mandi, Kanpur.	Disinfectant Fluid, Black Class A Type Normal, Grade 3 and 3A only.		IS : 01061 : 82
2. 2392760	92-08-16	Crown Industries, 188-191, Indl. Estate, Sangli 416416.	Multipurpose dry batteries		IS : 08144 : 76
3. 2392861	92-08-16	Mahavir Rolling Mills, 2410, Phase IV, GIDD, Vatva, Ahmedabad.	Weldable structural steel.		IS 02062 : 84
4. 2392962	92-08-16	Apar Limited (Lighting Division) Dharm singh Indl. Park Limbari, Tal Matar, Distt. Kaira (Gujarat), 387520.	Tungsten Filament general service electrical lamps.		IS 00418 : 78
5. 2393055	92-08-16	Badopalia Industries Ltd., 32-B, Indl. Area, Site 4, Sahibabad, Distt. Ghaziabad (UP).	Stainless steel water filters.		IS 07402 : 86

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
6. 2393156	92-08-16	Bhushan Enterprises (Gas Division) 164, Prakash Ind. Estate, Sahibabad, Distt. Ghaziabad	Bio Gas Stove, with CRCA Sheet Ni-Cr Plated body with double Cast Iron burners		IS 08749 : 88
7. 2393257	92-08-16	Bharat Hardware (P) Ltd., Biprannan Para, Domjur, Howrah-711411	Steel butt Hinges		IS 01341 : 81
8. 2393358	92-08-16	Balaji Oil Industries Pvt. Ltd., Plot No. 39, II Main Road, Sipcot Indl. Complex, Ranipet-632403	Vanaspati		IS 10633 : 86
9. 2393459	92-08-16	Yarco Scientific Udyog, 13, Loni Road, Site II, Indl. Area, Mohan Nagar, Distt. Ghaziabad (UP)	Horizontal cylindrical and horizontal rectangular sterilizers, pressure type	IS 03829 : 78 Part : 01	
10. 2393560	92-08-16	Yarco Scientific Udyog, 13, Loni Road, Site II, Indl. Area, Mohan Nagar, Distt. Ghaziabad (UP)	Horizontal Cylindrical high speed Steam sterilizers, Pressure type, Non-Automatic	IS 03829 : 78 Part : 02	
11. 2393661	92-08-16	Jindal Irrigation Ltd., C-165, Bulandshahr Road, Indl. Area, Ghaziabad	Rotating sprinkler, Nozzle angle	IS 12232 : 87 Part : 01	
12. 2393762	92-08-16	The Madhya Pradesh State Agro Inds. Dev. Corp. Ltd., Bio-Fertilizers Plant, Agro Complex, Indrapuri, Bhopal-462022	Rhizobium Inoculant for Soyabean, Groundnut, Arhar, Moong, Urid, Gram, Pea, Lentile and Barseam only		IS 08268 : 86
13. 2393863	92-08-16	Laxmi Cement Pipe Industry, Village Atuta, PO Babugarh, New Hapur, Distt. Ghaziabad	Precast Concrete Pipes		IS 00458 : 88
14. 2393964	92-08-16	Welding Specialities (India) Pvt. Ltd., D-50, MIDC Indl. Area, Ambad, Nasik-422010	Covered Electrodes for Metal Arc welding of structural steel	IS 00814 : 74 Part : 01	
15. 2394057	92-08-16	Welding Specialities (India) Pvt. Ltd., D-50, MIDC Indl. Area, Ambad, Nasik-422010.	Covered Elect. Tropes for Metal Arc welding of structural steel	IS 00814 : 74 Part : 02	
16. 2394158	92-08-16	Eastern Bird, B/28, New Indl. Estate, Jagatpura, Cuttack-754021	Mild Steel Sliding Door Bolts, (Aldrops) Clip Type, Size 300MM		IS 00281 : 73
17. 2394259	92-08-16	United Cement Pvt. Ltd., E-17 & 18, RICO Indl. Area, Srimadhopur, Distt. Bikaner-332715	Ordinary Portland Cement 33, Grade		IS 00269 : 89
18. 2394360	92-08-16	Ajai R.C.C. Pipe Pvt. Ltd., 342, Ramia Indl. Estate, 28, KM Stone, Kalpi Road, Kanpur Dehat	Precast Concrete Pipes		IS 00458 : 88
19. 2394461	92-08-16	Majestic Marble Products (India) Ltd., Koyence Building, West Hill, Calicut-673005	UPVC Pipes for Potable water supplies	IS 004985 : 88	

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
20.	2394562	92-08-16	International Tube Company, 74/A, Benaras Road, Howrah-711101	Shallow Well Hand Pump, Size 70 MM	IS 00095 : 76
21.	2394663	92-08-16	S.N. Chemical Industries, Tigaon Road, Old Faridabad.	Fenvalerate 20% (m/m). EC Formulation Only	IS 11997 : 87
22.	2394764	92-08-16	S.N. Chemical Industries, Tigaon Road, Old Faridabad	Cypermethrin 10% (m/m), EC Formulation only	IS 12016 : 87
23.	2394865	92-08-16	Diamond Paints, C-35/9, Lawrence Road Ind. Area, New Delhi-110035	Putty for use on window frames	IS 00419 : 67
24.	2394966	92-08-16	Mangesh Chemicals, Plot No. A-4, MIDC, Lohara, Yawatmal	Disinfectant Fluid, Black Type— Normal, Class A and Grade 3 only	IS : 01061 : 82
25.	2395059	92-08-16	Indo German Agri. Sprayer & Pressing Works, Near Chand Cinema, G.T. Road, Ludhiana-141008	Hand Rotary duster, Belly Mounted Type	IS 05135 : 74 Part : 01
26.	2395160	92-08-16	Sutar Chemicals Pvt. Ltd., At/PO Ranital, Distt. Balasore	BHC, (HCH) 6.5% (m/m), Isomer WDPC only.	IS 00562 : 78
27.	2395261	92-08-16	Evid & Co. Chemicals Ltd., 6231-6230 & 6215, GIDC Indl. Estate, Ankleswar, Distt. Bharuch-373002	Carbendazim (MBC) 50% (m/m), WDPC only	IS 08446 : 91
28.	2395362	92-08-16	Brite Paint & Chemicals, 16/2-A, Site 4 Indl. Area, Sahibabad, Ghaziabad	Ready mixed Paint for Road Marking	IS 00164 : 81
29.	2395463	92-08-16	Unique Farmaid Pvt. Ltd., 6th Mile Stone, G.T. Road, Chhaprula, Distt. Ghaziabad.	Methyl Parathion 50% (m/m) EC Formulation only	IS 02865 : 78
30.	2395564	92-09-01	Vidhi Enterprises, 2553, Satghara Dharampura, (Inside Dariba, Chandni Chowk), Delhi-110006	Polyethylene Pipes for Irrigation Laterals, Class I	IS 12786 : 89
31.	2395665	92-09-01	Sidhartha Rubber Industry, Khasra No. 29/34, Master Mohalla, Gali No. 1, Libaspur, Delhi-110042	Flexible Rubber tubing for Liquefied Petroleum Gas	IS 10908 : 84
32.	2395766	92-09-01	Shri Varalakshmi Co., S. No. 4/2, No. 3, Komarapalayam, Mullur, Rosipuram Taluk, Salem (TN), 636203	Edible Tapioca Starch only	IS 01319 : 83
33.	2395867	92-09-01	Shri Varalakshmi Co., S. No. 4/2, No. 3, Komarapalayam, Mallur, Rosipuram Taluk, Salem (TN)-636203	Tapioca Sagd (Sabbodana) only	IS 00899 : 71
34.	2395968	92-09-01	Sahkari Kitnasak Davai Factory, (A Unit of Rajasthan State Corp. Marketing Fed. Ltd.), 89, Indl. Area, Jhotwara (Jaipur West), Jaipur-302012	Aldrin 30% (m/m), EC Formulation only	IS 01307 : 82

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
35.	2396061	92-09-01	Sahkari Kitnasak Davai Factory, 89, Indl. Area, Jhotwara (Jaipur West), Jaipur-302012.	Aldrin 5% (m/m) DP Formulation only.	IS 01308 : 84
36.	2396162	92-09-01	Sahkari Kitnasak Davai Factory, 89, Indl. Area, Jhotwara (Jaipur West), Jaipur-302012.	Malathion 50% (m/m) EC Formulation only.	IS 02567 : 78
37.	2396263	92-09-01	Sahkari Kitnasak Davai Factory, 89, Indl. Area, Jhotwara (Jaipur West), Jaipur-302012.	Malathion 5% (m/m) DP Formulation only.	IS 02568 : 78
38.	2396364	92-09-01	Supreme Cements F-125A, Mewar Indl. Area, Road No. E-9, Udaipur (Raj). 313001.	Ordinary Portland Cement 33 Grade.	IS 00269 : 89
39.	2396465	92-09-01	Gokul Foods Pvt. Ltd., Village Gudhrolli, Bindki Road, Distt. Fatehpur (UP).	Biscuits, Variety Glucose only.	IS 01011 : 81
40.	2396566	92-09-01	Purohit & Co., New Cotton Market Road, Nagpur-440018.	Flexible Pack, 1 KG Capacity for Packing vanaspati.	IS 11352 : 85
41.	2396667	92-09-01	Raj Bucket Factory, Ghodbunder Road, Ghodbunder Village, Village Mira, Distt. Thana-401104.	Drums, Large, Fixed Ends, Grade B, Type One.	IS 01783 : 88 Part : 02
42.	2396768	92-09-01	Bir Valve Industry, G.T. Road, Maqsudan, Distt. Jalandhar.	Sluice Valves for water works purposes.	IS 00780 : 84
43.	2396869	92-09-01	Bellu Industries, 254, GIDC Estate, Naroda, Ahmedabad-382330.	250mm, Type 3, Sliding Bolts.	IS 02681 : 79
44.	2396970	92-09-01	Kisan Feeds Pvt. Ltd., Village Saha, Distt. Ambala (Haryana).	Compounded Feeds for Cattle, type 2 only.	IS 02052 : 79
45.	2397063	92-09-01	S.K.S. Industries, 127-128, Birpur Indl. Estate, Bari Brahmana, Jammu.	MCI Pipe Fittings, 'Equal Elbow, Tee, Socket and Union Size 1/2 upto & including 2.	IS 01879 : 87
46.	2397164	92-09-01	Avon Services (Production & Agencies) Pvt. Ltd., 201, Bharat Indl. Estate, T.J. Road, Sewree (W), Bombay-400015.	Flameproof Enclosures of Electrical Apparatus.	IS 02148 : 81
47.	2397265	92-09-01	The Fort Willaim Co. Ltd., 6A, G.T. Road, Kannagar, Hooghly-712235.	M.S. wire for General Engg. purposes.	IS 00280 : 78
48.	2397366	92-08-16	Central Cables Pvt. Ltd., G-1, MIDC Indl. Area, Nagpur-440022.	Cross Linked Polyethylene Insulated cables for working voltages from 3.3 KV upto & including 33 KV.	IS 07098 : 85 Part : 01

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
49.	2397467	92-08-16	Surya Wires Pvt. Ltd., 20-23, Indl. Area, PO Birgaon, Raipur (MP)-493221.	M.S. Wires for General Engg., purposes.	IS 00280 : 78
50.	2397568	92-09-01	Chandora Cements Pvt. Ltd., G-31, Phase II, Baranada Indl. Area, Jodhpur.	Ordinary Portaland Cement 33 Grade.	IS 00269 : 89
51.	2397669	92-09-01	DCM Shri Ram Inds. Ltd., (Unit Hindon River Mills), 18, Mile Stone, Hapur Road, Dasna, Ghaziabad (UP).	Polyester blend suitings for for uniforms only.	IS 11248 : 85
52.	2397770	92-09-01	Hindustan Agro Chemical Industries., Maingaon, PO Titlagarh, Distt. Bolangir.	BHC (HCH) 6.5% (n/n) Isomer, WDPC Formulation only.	IS 00562 : 78
53.	2397871	92-09-01	MAG Products, 148, Sithalapakkam, Madras-600073.	Mangnesium Sulphate, Technical grade only.	IS 02730 : 77
54.	2397972	92-09-01	Lokapur Cement Pvt. Ltd., Lokapur, Taluq Mudhol, Distt. Bijapur 587122.	Ordinary Portland Cement 43 Grade.	IS 08112 : 89
55.	2398065	92-09-01	Sirs Engineering Pvt. Ltd., C-B/225, GIDC, Vaghodia, Distt. Baroda.	PVC Insulated cables for Working Voltages upto & including 1100 V, sheathed & unsheathed with Aluminium and Copper Conductors.	IS 00694 : 77
56.	2398166	92-09-01	Hindustan Conductors Ltd., Dharmsinh Desai Indl. Park, Dharmsinh Desai Marg, Channi Road, Baroda-390002.	Aluminium conductors, Galvanized steel reinforced for Extra High voltage overhead power lines. (400 KV and above)	IS 00398 : 82 Part : 05
57.	2398267	92-09-01	Electra Electricals, Plot No. 49, Road No. 10, Phase I, Indl. Dev. Area, Jeedimetla, Hyderabad-500855.	Tungsten Filament General Service Electric Lamps, 60W and 100W, 230V, Coiled Coil, B-22 Cap.	IS 00418 : 78
58.	2398368	92-09-01	South India Wire Ropes Ltd., Edathala PO Alwaye, Ernakulam-683561.	Round Strand Galvanized Steel Wire Ropes Tensile Designation 1420 Fibre Cork.	IS 02581 : 77
59.	2398469	92-09-01	Vikas Cable Co., 13, Haiderpur, Delhi-110042.	PVC Insulated cables for working Voltages upto and including 1100V, Sheathed and Unsheathed with Aluminium and Copper Conductors.	IS 00694 : 77
60.	2398570	92-09-01	Vikas Cable Co., 13, Haiderpur, Delhi-110042.	PVC (Insulated (Heavy Duty) Electric cables for working voltages upto and including 1100V Armoured and Unarmoured with Copper conductor.	IS 01554 : 88 Part : 01
61.	2398671	92-09-01	Falcon Products, G-63, Sector VI, NOIDA (UP) 201301.	Floor Springs (Hydraulically Regulated) for Heavy Doors.	IS 06315 : 86
62.	2398772	92-09-01	Navneet Industries, Tara Devi, Shimla.	Galvanized Steel Barbed Wire, Type B, Size Designation 3.	IS 00278 : 78

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
63. 2398873	92-09-01	Sher-E-Punjab Steel & Agro Industries, G. T. Road, Govindgarh (Pb).- 147301.	HSD Steel Bars of Grade Fe 415 Sizes 8 mm to 25 mm.	IS 01786 : 85	
64. 2398974	92-09-01	North India Pre-Stressed Pvt. Ltd., Village Manmaja, PO Kurali, Teh. Kharar, Distt. Ropar (Punjab).	Ordinary Portland Cement 33 Grade.	IS 0269 : 89	
65. 2399067	92-09-01	Ideal Wrappers, W-26, MIDC Indl. Area, Hingna Road, Nagpur-440016.	Packages for Explosives Commercial High Explosives, 7 Ply, Centre meeting type only.	IS 10212 : 86 Part : 01	
66. 2399168	92-09-01	B. Hazra & Co., Shanpur, Sibtala, Das Nagar, Howrah-711105.	Swing Check type Reflux Valves for sizes upto and including 300mm without Bye-pass Arrangement.	IS 05312 : 84 Part : 01	
67. 2399269	92-09-01	Hooghly Mills Co. Ltd., PO Fort Gloster, Distt. Howrah-711310.	Indian Hessian, Type 2 (229 g/m sq. 38×35) only.	IS 02818 : 71 Part : 02	
68. 2399370	92-09-01	Praveen Plastic Industries 28, J.N. Mukherjee Road, Bandhaghat, Howrah-711106.	Blow Moulded HDPE Containers 2 Kg. Capacity only.	IS 10840 : 86	
69. 2399471	92-09-01	The Naihati Jute Mills Co. Ltd., PO Hazinagar, Distt. 24 Parganas (N) (WB).	Indian Hessian, Type 2 (229 g/m sq., 38×35) only.	IS 02818 : 71 Part : 02	
70. 2399572	92-09-01	Organic Chemicals Ltd., Village Gaunspura, Ludhiana Road, Malerkotla, Distt. Sangrur (Pb).	Vanaspati	IS 10633 : 86	
71. 2399673	92-09-01	Vijaya Chemicals, Survey No. 91, Manapakkam Village, Madras-600116.	Cypermethrin 10% (m/m) EC Formulation only.	IS 12016 : 87	
72. 2399774	92-09-01	Vijaya Chemicals, Survey No. 91, Manapakkam Village, Madras-600116.	Carbendazim 50% (m/m) (MBC) WDPC only.	IS 08446 : 92	
73. 2399875	92-09-01	Vijaya Chemicals, Survey No. 91, Manapakkam Village, Madras-600116.	Fenvalerate 20% (m/m) EC Formulation only.	IS 11997 : 87	
74. 2399976	92-09-01	Smile Enterprises, 202, Favourite Indl. Estate, Masrani Lane, Kurla (W), Bombay-400070.	Irrigation Laterals, Class 1 Size 16 mm	IS 12786 : 89	

नई फ़िल्मी, 8 फरवरी, 1993

कानू. 584.—भारतीय मानक व्यूरो (प्रमाणन) नियम, 1988 के उपनियम (5) के अनुमति में भारतीय मानक व्यूरो एवं द्वारा अधिसूचित करता है कि जिन लाइसेंसों के विवरण नीचे अनुसूची में दिए गए हैं वे स्वीकृत कर दिए गए हैं:—

अनुसूची

क्र.सं. लाइसेंस सं.	लागू होने की तारीख	लाइसेंसदारी का नाम और पता	लाइसेंस के अधीन वस्तु/प्रक्रिया और संवंदृ भारतीय मानक	IS : सं.
1. 2400026	92-09-16	मूलसाइट पेन्ट एंड कैमीकल्स (ईंडिया), 43 फोकल प्लाइट, ई.ए.एसी., महाराष्ट्र, अमृतसर	पदनों के बाहर प्रयोग के लिए फिनिशिंग हेतु इन- मल, रंग संरचना संबंधी 28 कैबल	IS : 02932 : 74
2. 2400127	92-09-16	बड़ौदा हिस. काप., प्रोड्यूसर्स ग्रुपियन लि., बड़ौदा 390009	मकाननिया दूध पाउडर	IS : 01165 : 86
3. 2400228	92-09-16	श्रीसीएम श्रीराम इंडस्ट्रीज लि., गूनिट : ड्रिङ्गन रिवर मिल्स, 18 मील का पथर, हायुड रोड, डासना, गांजियाबाद	पॉलीएस्टर मिश्रित कमीज का कपड़ा	IS : 07085 : 86
4. 2400329	92-09-16	श्रीसीएम श्रीराम इंडस्ट्रीज लि., गूनिट : हिंडुन रिवर मिल्स, 18 मील का पथर, हायुड रोड, डासना, गांजियाबाद	पॉलीएस्टर मिश्रित कमीज का कपड़ा	IS : 09517 : 86
5. 2400430	92-09-16	सिस्टमैटिक मिनरल्स प्रा. लि., कर्मनशाट प्रा., जिला आर आर-500963	कुक्कुट आहार के लिए पूरक खनिज मिश्रण	IS : 05872 : 70
6. 2400531	92-09-01	गर्ग इस्पात उद्योग प्रा. लि., जी-451-61 ई.ए.एसी., भिवाडी जिला अलवर-301109	एमएस पाइप	IS : 01239 : 73
7. 2400632	92-09-01	रेणुका मीटेंड लि., ग्रा. पर्सीमात्था सिहु, पाउण्डासाहिब 173025	33 प्रैंट माधारण पोर्टलैंड सीमेंट	IS : 000200 : 80
8. 24000733	92-09-16	तनेजा सेल्स कापरिशन, 83 जी.टी. करनाल रोड, ई.ए.एसी., विल्सी-110083	साइरा अनीलीकृत तांबा चालकों वाली वेरिंडग कैबल	IS : 00857 : 80
9. 2400834	92-09-16	मंगलम टिप्पर प्रोड. लि. ग्रा. कुसुमी तौरंगापुर जि. कोशीपुर-764059	मामान्य प्रयोजनों के लिए मध्यम धनत्र का रेशा	IS : 12406 : 86
10. 2400935	92-09-16	वि. फोर्ट विलिंगम लि., 6ए. जी.टी. रोड, कोकानार हुगारी	प्रिरीपरि प्रेषण हेतु अस्तीकृत इस्पात प्रबलित एल्युमीनियम चालकों के लिए अस्तीकृत इस्पात	IS : 00398 : 70 पार्ट : 02
11. 2401028	92-09-16	फोमटेक्स ईंडिया, लिंगासपुर रोड, लिंगासपुर ब्रह्मग नं. 34, विल्सी-110042	फेटेक्स फोम रबड़ के उत्पाद	IS : 017141 : 60
12. 2401129	92-09-16	एम.ए. रवैश (ईंडिया), 147 बुरारी (गढ़ी), डाकखाना फुरारी, विल्सी-110099	फेटेक्स फोम के रबड़ उत्पादन	IS : 017141 : 60
13. 2401230	92-09-16	जैन साइटिकल ग्लास वर्क्स, 2580 आमन्द निवास, ज्ञानमार्ग, ग्रन्थाला छात्रनी-133001	एक निवास लगा विपेट	IS : 01117 : 75
14. 2401331	92-09-016	एरोसिसटेक ईंड., प्लाट नं. 191, एच.एस.आई.डी.सी., कुड़ली, सोनीपत	एल्युमीनियम चालकों वाली कैबल उम्मा प्रतिरोधी सामान्य प्रयोजी नेल प्रतिरोधी और ज्ञाला मंबक (एचओएफ ग्रार) यौगिक	IS : 09857 : 81

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
15. 2401432	92-09-16	द्वारकास इस्पात उद्योग, टी. 46 हिंगना रोड, नागरपुर-146016	एक्सेसडी इस्पात के सरिए 415	IS : 01786 : 85	
16. 2401533	92-09-16	सुपर पोस्ट्स लि., 14/1, सपुरा रोड, करीबाबाद (हरियाणा)	विजली की इलरियो, ताप स्थानी महिन	IS : 00368 : 85	
17. 2401634	92-09-16	प्रिट इंक्स, बी-17 एमप्राइडीसी स्टेशन रोड, औरगाबाद-431001	एक इम थाली थूर्णी मकान के लिए इंस्ट्रीकेटिंग स्थानी	IS : 01333 : 78	
18. 2401735	92-09-16	रिफ्माला तिथपति सीमेंट प्रोडक्ट्स, प्लाट नं. बी-28 एमप्राइडीसी उत्तराधाबाद	पूर्व ढाने कांचीट पाइप, श्रेणी एनपी 2 माइल-- 450, 600 और 900 मिमी.	IS : 00458 : 88	
19. 2401838	92-09-16	आरमेक्स प्रॉडक्ट्स, यू. न. 26 दूसरा तल, जे. के. इंडस्ट्रियल एस्टेट, लिंकिं रोड एस्टेट, सांताकूज, (पश्चिम) बंबई-400054	बरेली और ऐसे ही प्रयोजनों के लिए स्विच	IS : 03854 : 88	
20. 2401937	92-09-16	सिंहलेल्ड्रो स्टील लि., तारापुर, जि.—ठारों	संरचना इस्पात (मानक किस्म) से बेलान के लिए सतत ढाने बिलेट	IS : 06914 : 78	
21. 2402030	92-09-16	स्टीलएज इंडस्ट्रीज लि., मिनिमेक्स डिवीजन, अम्बातूर इंड एस्टेट, मग्नास-600098	मुख्य अग्निशामक, यांत्रिक यंत्र 9 लिटर भारिता	IS : 10204 : 82	
22. 2402131	92-09-16	नायसर इंडिया लि., बड़ालूर, विक्षिण भरकोट-607303	विद्रियस चाइना, भ्रम्प स्टर, वक साइक्ली टाइप, फ्लश की टंकी 10 लिटर भारिता	IS : 00774 : 84	
23. 2402232	92-09-16	कबीर सीमेंट इंडस्ट्रीज (प्रा.) लि., इंडस्ट्रियल प्रिया, ममतर (जि.—भोजपुर (बिहार))	पोर्टलैज घानु मल सीमेंट	IS : 00485 : 88	
24. 2402333	92-09-16	बिहार फाउण्ड्री एंड कार्पोरेशन लि., जा. —मरार जि.—हजारीबाग (बिहार)	संरचना इस्पात (मानक किस्म) में बेलान के लिए ढाने बिलेट	IS : 06914 : 78	
25. 2402434	92-09-16	के. पी. मंड एंड संस, 69 पंचानन ताला रोड, हावड़ा-711101	इंगट स्विच टाइप रिफ्लैक्स (नारिटैन) बाल्ब	IS : 05312 : 84	
26. 2402535	92-09-16	एस्सोन इंजी कारपोरेशन, पी-82, पनगांव एवेन्य, कलौकी "ए" कलकत्ता-700055	मुख्य अग्निशामकों के लिए लाग टाइप रिफिल भाग : 02	IS : 05490 : 77	
27. 2402636	92-09-16	गिरा पर्किंस ट्रूब्ल एंड इंडस्ट्रीज, सोलारा, डा. —बटकुची, गवाहाटी-781018	सामान्य इंजी. प्रयोजनों के लिए इस्पात पाइप ईमार डब्ल्यू	IS : 03801 : 84	
28. 2402737	92-09-16	श्री बकायाम एंटर्प्राइज, 1202, अविनाशी रोड, पीएम पलायम, कोयम्बतूर-641037	भिमज्जय नपसेट के लिए मोटर	IS : 09283 : 79	
29. 2402838	92-09-16	वि. जनरल इंजीनियरिंग कॉ., 1/42 मेट्टुपलायम रोड, कोयम्बतूर-641030	हवा प्रयोग के लिए अपमेन्ट्री पंप हेतु तीन फेजी स्लिपरिल पिजरी प्रैण मोटर	IS : 07538 : 75	

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
30. 2402939	92-09-16	मोनोट्रक्स, 10 एकरमलायम रोड, के. पार. पुरम, कोयम्बत्तूर-641006	तिमच्चय पम्पसेट के लिए मोटर, तीनफोर्जी बैट टाइप, सतत संर्वेग धी 3. 7 किलो मीटर 5. 5 किलो रेटिंग	IS : 09283 : 79
31. 2403032	92-09-16	विकाराज इंडस्ट्रीज, 1207 विनय हैवी इंड एस्टेट, दोहरवारा वार्ड, निलंबनदर रोड, मलाय (पश्चिम) वैंड-400064	1100 घो तक कार्यकारी बोल्टता के लिए बोलवार और बोलरहित तांबा चालकों बाली पीवीसी रत्नांशुभेदल	IS : 00694 : 77
32. 2403133	92-09-16	मराठावाडा कैमोकल इंडस्ट्रीज (प्रा.) लि., क्र.स. 452, सहारा रोड, उस्मानपुर, वैरांगनावाढ	कृषि ग्रेड जिक सल्फेट	IS : 08249 : 78
33. 2403234	92-09-16	बजरंग एलॉफज लि., उर्ली ईज. एस्टेट, प्लैट नं. 521, सी, रायपुर (भ.प्र.)	बल्बनीय संरचना इस्पात	IS : 02062 : 84
34. 2403335	92-09-16	जन केबल्स एंड कॉबरटर्स लि., चिरतकूल प्रा, पतनमेश, जि.—मेडक (मा. प्र.) 502329	पिरोपरि प्रेषण हेतु अस्तीकृत इस्पात प्रबलित एल्युमीनियम चालक	IS : 00395 : 78
35. 2403436	92-09-16	टिक्कटीकास्ट सेंचरी स्टील्स लि. ची.टी. रोड, मंडी गोविंदगढ़	संचना इस्पात (मालक किल्म) में बेल्कन हेतु ड्ले विलेट इंग्ट	IS : 06914 : 78
36. 2403537	92-09-16	इस्पात उद्योग, चीटी. रोड, काला-141401	बेल्बनीय संरचना इस्पात	IS : 02062 : 84
37. 2403638	92-09-16	इंडस्ट्रियल इंड एपो कैमोकल प्रा. लि., म. 1/5 इंडस्ट्रियल एस्टट, मर्यादामंगलम, क्रिक्षा 620010	मैग्नीशियमसल्फेट तकनीकी ग्रेड	IS : 02730 : 77
38. 2403739	92-09-16	राम एपो कैमोकल इंड. प्रा. लि., 103 चीपाटी रोड, पोजल, मद्रास-600066	कापर सल्फेट तकनीकी ग्रेड	IS : 00261 : 82
39. 2403840	92-09-16	गोपी मठी एप्लाइसेज लि., 33 अष्टलक्ष्मी मंदिर रोड, कर्नाटकगढ़, मद्रास-600090	पिंजरी के परेलू चाल निक्सर	IS : 04250 : 80
40. 2403941	92-09-16	हरियाणा कॉबरटर्स प्रा. लि., 17वा भोल कापत्थर, जी.टी.रोड, पियाबोंगमियारी नरेला रोड, कुंडी (हरियाणा) 131028	पिरोपरि प्रेषण हेतु एल्युमीनियम मिक्सातु के सड़वार चालक	IS : 00398 : 79 पाग : 04
41. 2404034	92-09-16	सहारनपुर सीमेंट वर्स्स लि., प्रा.—माहेश्वरी डा.—माहेश्वरी, सहारनपुर-247120	33 ग्र साधारण पोर्टलैण्ड सीमेंट	IS 00269 : 89
42. 2404135	92-09-16	पूजन सीमेंट प्रा. लि., प्लाट नं. एफ-59 . 61 ए और धी 97-99 रिस्को इंडस्ट्रियल एरिया, बिहुरोड जि.—प्रलवर	33 ग्र साधारण पोर्टलैण्ड सीमेंट	IS : 00269 : 89
43. 2404236	93-09-16	विनको इंजीनियर्स, विनेश मेटल्स के पीढ़, सैजपुर बोधा, मारोडा, रोड, अहमदाबाद-382345	लैंडिंग चाल, टाइप ए	IS : 05290 : 83
44. 2404337	92-09-16	एस. एन. कैमोकल इंड. तर्हीगांव रोड, पुराणा फरीदाबाद-121002	हफल्योएट 50 (क्ष/क्ष) ईसी कम्पकाम्पुलेशन केवल	IS : 08291 : 78

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
45. 2404438	92-09-16	जय कैमीकल्ट,	फैनबेलरेट 20% (इ/क)	IS: 0411987: 87	
		14/1 मधुरा रोड,	फार्मूलेशन कैबिनेट		
		फरीदाबाद 121003			
46. 2404539	92-09-16	जय कैमीकल्ट,	फॉस्फोरिमिडॉन 85% (इ/क)	IS: 06477: 81	
		14/1 मधुरा रोड,	इलमू एस एंड फार्मूलेशन कैबिनेट		
		फरीदाबाद 121003			
47. 2404640	92-09-16	बोलम्पत (इंडिया) प्रा. लि.,	रोगविकास के लिए सूक्ष्मदर्शी माइल एफ्ची और	IS: 04381: 67	
		ए-5 मोहन ना. इड. एस्टेट,	एच और कैबिनेट		
		दिल्ली मधुरा रोड,			
		नई दिल्ली-110044			
48. 2404741	92-09-16	जय और कैमीकल्ट प्रॉडक्ट्स लि.,	सीतल रसी, चिनी तारलैन लग्नी	IS: 01321: 82	
		प्रा.—ग्राममपुर, डा.—नगा बोलारा,		भाग 01	
		लि.—द्वारका (प. द.)			
49. 2404842	92-10-01	निलो नेशनल सेल्प इंडस्ट्रीज प्रा. लि.,	ट्रांस्टन तंतु बाले सामान्य सेक्या विकली कैबिनेट	IS: 00418: 78	
		उल्लीपाहा, नेहमनगाड़			
		डा., लि.—विकेंड्रम			
50. 2404943	92-09-16	मोरी डायर कैम्प्लॉनी,	याकौकार के लिए हवा भरे डायर	IS: 10914: 85	
		मोरी नगर,		भाग 03	
		लि.—गार्जियाबाद 201204			
51. 2405036	92-09-16	मोरी डायर कैम्प्लॉनी,	याकौकार के लिए हवा भरे डायर	IS: 10914: 88	
		मोरी नगर		भाग 02	
		लि.—गार्जियाबाद-201204			
52. 2405137	92-10-01	सॉयन लैम्प,	ट्रांस्टन तंतु बाले सामान्य सेक्या विकली कैबिनेट	IS: 00418: 78	
		मेरठ रोड, पुरिस चौकी के पास			
		हैज़ल नगरी दूर्जकरनगर 251002			
53. 2405238	92-10-10	सिलिकॉन पेस्स,	भाफ्स रंग के गुना डिस्ट्रिब्यू	IS: 00427: 65	
		446 हिन्दन चिह्नर, मेरठ रोड,			
		गार्जियाबाद, द.			
54. 2405339	92-9-16	सीमेंट कारपोरेशन और इंडिया लि.,	पोर्टेंसेंट फोजलाना बोमेंट	IS: 01489: 91	
		दिल्ली सीमेंट प्रॉडिंग पूर्वित ओवला			
		इड. एरिया, फ्रेजर, प्रो.वा.सं. 10,			
		नई दिल्ली 110020			
55. 2405440	92-9-16	गुप्ता एफेक्ट्रोज (फ.उन्नी डिवीजन)	पूर्व क्रो.सोलेट: पाइप	IS: 00458: 88	
		11 महु राजपुर हड. एरिया,			
		वालियर (मुम्प.) 474005			
56. 2405541	92-9-01	हेमा पेस्टोसाइट,	प्राइसो ब्रोद्यूस 65% (इ/क)	IS: 11985: 86	
		विजरोल रोड,	उच्च		
		रेलवे चार्टिंग के पास,			
		बड़ोत; मेरठ (उ.प.) 250611			
57. 2405642	92-10-01	गंगा हंडरट्रोज,	पावर सुवाहा का सुरक्षा प्रयोक्ता, नूसीस शोवारा,	IS: 09020: 79	
		255/3 वे यार हाउस रोड,	सिलिक्वर बाइप, प्रानरेवर, भ्रण, तंड, रेटिन		
		ए. बी. रोड,	37 किला (5 प्रब जिल्हा) कैबिनेट		
		वैदास (म.प.)			
58. 2405743	92-10-01	बोलम्पत (इंडिया) प्रा. लि.,	विद्यार्थी टाइप सूक्ष्मदर्शी	IS: 03666: 66	
		ए-5 मोहन कोजापरेटिव इंडस्ट्रियल एस्टेट,			
		दिल्ली-मधुरा रोड,			
		नई दिल्ली-110044			

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
59. 2405844	92-10-01	एस. बी. शोकिंग्हम, 25/42 गर्हि नं. 16, विश्वास नगर, शाहबद, दिल्ली-110032	मानव सेवा विज्ञान के बाब्त-	IS: 00418 : 78	
60. 2405945	92-10-01	रमेश ईर्वे के., 1040 भरतपुरा रोड, पं. एन. पलायम, फैयव्हाट्टर-641037	जैट अपकेन्द्री-पथ्य	IS: 12225 : 87	
61. 2406038	92-10-01	एस. बी. एल. एटरब्रोडेज, प्रम-87, एसईयाई ई कार्ट्टोंडेम, राजिन्द्र नगर गड्डा, रंगारेड्डी, जिला।।।	एक दूस वाले धूपी-मण्णन हेमु डुलोंकटिंग स्थान।।।	IS: 01333 : 78	
62. 2406139	92-10-01	प्रद्युम्न कैम लेहरेट्ट्ज, इंड. एस्टेट, बा०-ओलाकालोटे, पलाकाड (पालाश्वाद) 678731	केवल गुड गेड एन्डिंग प्रब्ल	IS: 00694 : 86	
63. 2406240	92-10-01	रवि केव (देव्या)- नं. 125, 3 वा भेन रोड, न्यानपाल्ला फैज़ाल सेठ ई. दाड़न, मधुर रोड, वंगलोर-560039	1100 बोल्ट तक कार्यकारी बोल्टता के लिए ओलादार और शोलरहित प्रस्तुतीनियम और मांग चालकों द्वाला पंक्तियों रोधित केवल	IS: 00694 : 77	
64. 2406341	91-10-01	सत फलेम ईंडस्ट्रीज, प्लाट नं. 58., सेक्टर 27 सी, फरीदाबाद 121003	विजली को इस्तरी, ताप स्ताम, हल्की, 750 वा, 230 वा, 50 हट्टज़	IS: 00366 : 85	
65. 2406442	92-10-01	कुम इंडियाकल्स प्रा. लि., प्लाट नं. ३१-८० एम आई बी सी, मिराज, जिला-सांगली 416410	टंगस्टन नं. वाले मानव सेवा विज्ञान के बाब्त	IS: 00418 : 78	
66. 2406543	92-10-01	नोलर के सीकल्स, पूना जिले रोड- नेताबर्ली कल्याण (पश्चिम), ग्रा. ठाणे	गत्तक का भुरकन चूर्ण ८५ (क्र०) केवल	IS: 06444 : 79	
67. 2406644	92-10-01	ए.एस.एस.आई.एम्प्लम ईंडस्ट्रीज, ए-२-३९११ बी.आई.बी.सी., फज 4, चूर्ण निरसा के पांछे, बट्टा। भृगुदङ्कल ३४१४६	निमज्जय-प्रभासेट, छ, ३ III ए. I 32 और ए. I 45	IS: 08034 : 89	
68. 2406745	92-10-01	श्री. पंचियर एन्डरप्राइज़, 137, बेनर ईंड, एस्टेट, सोमा टैक्सटाइल, रुक्स रोड, महाराष्ट्र 4380023	हृषि प्रयोगनी के लिए भोलोमेट पथ्य	IS: 09079 : 89	
69. 240686	92-10-01	प्रालोक पाइप एन्डरप्राइज़, 14 बी.टी. रोड, मोहन नगर, गांधीनगर 201007	जल गैस और मस-जल. इस्पात-पाइप हिमारजल्य	IS: 03589 : 91	
70. 2406947	92-10-01	प्रालोक पाइप एन्डरप्राइज़, 14 बी.टी. रोड, मोहन नगर, गांधीनगर 201007	पट्टा कनवेयर के लिए इस्पात-पाइप हिमार	IS: 09295 : 83	
71. 2407040	9-10-01	एमरेस्ट सीमेट लि., पाटनबोरी, तालुक-बोलापुर, ग्रा.-यवतमाल 445005	33 प्रेड शास्त्रण-पोर्टलैंड-बीमेंट	IS: 00369 : 89	

1	2	3	4	5	6
73. 2407141	92-10-01	नार्व इंस्ट्रिलियर लि., 14/3 मधुरा रोड, करीबाबाद 121003	प्रतिशु वायु विद्युत परिपल विद्युत	IS 03328 : 78	
73. 2407242	92-10-01	नेशनल मैन्युफ्यूरर्स, मैन्युस्प्ल गार्डन, ओ.टी. सेक्शन ओ.टी. सेक्शन बूलिंग-140 उल्हासनगर-421005	निमज्जय मोटर के लिए पी वी सी रोधित बेष्टन तार, रोधन ग्रेड 1, टाइप सो	IS 08739 : 78	
74. 2407343	92-10-01	प्रताप एंकेनिकल वर्से (रजि) 10 वावा कालोनी इंड. एस्टेट, जालंधर 144004	तावा विश्वातु के गेट और उद्धवधर चैक बास्क	IS 03778 : 84	
75. 2407444	92-10-01	रत्नाम वायर्स प्रा.लि., प्लाट नं. 3, इंड. एस्टेट, रत्नाम 487001	कवचल के लिए मूँह इस्पात के तार	SI 03975 : 88	
76. 2407545	92-10-01	स्काइवैक स्पेयर्स (ईंडिया) 2 इंड. एस्टेट, करमाल 132001	इंडिय उत्तरों के लिए प्रक्रियों परा हेतु तो। फेंडी स्क्रिपरिंग पिंजरी मोटर	IS 07313 : 75	
77. 2407646	92-10-01	महादीर स्टील रोबिंग मिल्स, 1-9-8 आई ई ए, अब्दमाबाद, हैदराबाद 500020	एचएस डो सरिए 415, साइज 8 से 16 मिमी	IS 01786 : 83	
78. 2407747	92-10-01	एस.एस. केट्सपर्ट, बी-12, रोड नं. 11, सी.के.आई.इंड. एस्टेट, जयपुर 302013	पिरोपरि प्रैंगण हेतु जस्तोक्त इस्पात म ब्रेकिंग एल्युमीनियम चालक	IS 00398 : 76 भाग : 02	
79. 2407848	92-10-01	श्री मिवास फाउन्ड्री, 30 अमानकुलम रोड, कोयम्बत्तूर 641037	मोलोसेट पम्प साइज: 50×40 मिमी	IS 09079 : 89	
80. 2407949	92-10-01	स्टार्क मोटर, 7-वी सितारा रोड, कालापट्टी, कोयम्बत्तूर-641035	तोम फेंडी लिवरिंग पिंजरी प्रैंगण मोटर	IS 00328 : 78	
81. 2408042	92-10-01	इकारस प्रैंगन्स प्रा.लि., 63 औषध रोड महमदाबाद 382010	प्रक्ष प्रतिरोधी इटे बेंची I और II	IS 04860 : 68	
82. 2408143	92-10-01	जूट फेल (ईंडिया) प्रा. लि., प्रालमपुरप.एम एच-6 आ. कोलाराह हावडा 711302	पार्सी सह बनाने के लिए विकास के नाम से टाइप ग्रेड I	IS 01322 : 82	
83. 2408244	92-10-01	कलसी इंडिनियस, कालापट्टी रोड, मस्ती खेल, जालंधर,	मोलोसेट पम्प 80×80 मिमी 100-100 मिमी और 100×80 मिमी	IS 09079 : 89	
84. 2408345	92-10-01	परफेक्ट स्टोनबेसर नाइप, आ. -परफेक्ट पॉटरी वर्सं, गोरी वाट रोड, कलापुर-482001	लयप से ग्लेज किए स्टोनबेसर वाइप	IS 00651 : 80	
85. 2408446	92-10-01	विराग कंबीकल इंडस्ट्रीज , स. कै-14 इंड. एस्टेट, अम्बाट्टूर, मद्रास-600059	सकनीकी प्रेज कापर सल्पेट	IS 00261 : 82	

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
86. 2408547	92-10-01	यूनाइटेड एम्बिकल प्रा.लि., 94/3 मंगला, भगवी भेन रोड, बंगलोर 560079	रीग युनाइटेड प्रब्र. काला		IS 01061: 82
87. 2408648	92-10-01	दि सदर्म पेस्टीसाइट्स कारपोरेशन लि., भारतीकसीचाला, बेंगलूर के पास, पश्चिम गोदावरी जि-534350	बांडलोरीवॉस 76' (ब्र/ब्र) ईसी.फामूनेशन केबल		IS 05277: 78
88. 2408749	92-10-01	विवर्भ भारतीयी सेवा मंडल, तपीवल, भगवानी ।	हृषकरम की सूर्ति प्रवर्षोषी गांज, गैर निर्जमित		IS 00758: 88
89. 2408850	92-10-01	एसी पेस्टीसाइट्स, 10 इंडस्ट्रीयल स्टेट, इंटारसो (म.प्र.)	कार्बराइल 5% (इ/इ) और 10% (इ/इ) ईपी. IS 07122: 84 कामुकिन केबल		
90. 2408951	92-10-01	सिलिकान ऐस्टर्स, 446 हिन्दूल बिहार, मेरठ रोड, गांगियाल, व	फर्स के लिए पॉलिम		IS 08541: 77
91. 2409044	92-10-01	रवेश रीलिंग मिल्स प्रा.लि., जीर्ण रोड, तालीवड रायपुर 492010	बेंडलीम गंगवन, इस्प.न प्रेस : 410 डब्लू.र		IS 02062: 86
92. 2409145	92-10-01	ज़ानवां इंडस्ट्रीज, 24 बैंडुकोट्टा रोड विलापुरम मधुरे 625012	गंदवाल स्टोर, केपिका पूरित, बहुवर्षी दारप, रोगत की गई स्पात बोडी		IS 02980: 86
93. 2409246	92-10-01	सर्वजीत इलेक्ट्रिक बहर्ते, पो.बा. न. 19, जी.टी. रोड, गोरामा 144409	वायु विदोष्य और पृष्ठ समीक्षण इकाईयां		IS 04064: 78 भाग 01
94. 2409347	92-10-01	दक्षनेशा कोलता, प्लाट नं. 52, इड, एरिया, जी.टी. सेक्टर, खमारी उत्तरासनगर, जिला ठाणे 421002	1100 ओ तक कार्यकारी बोल्टता के लिए भ्रकवित थोर कवचित एल्युमीनियम और तांबा चालकों वाली पीचेसी रोधित (एक्सी) विजली को केबल		IS 01564: 88
95. 2409448	92-10-01	जी.टी. ट्रीम एजेंसीमल्स एड इंजी, प्रोडक्ट्स न. 254 बी, बोमसेन्ट इड, एरिया, बोमसेन्ट, एनोकल तालुक, बंगलोर 562158	1100 ओ तक कार्यकारी बोल्टता के लिए भ्रकवित पीचेसी रोधित केबल		IS 00694: 90
96. 2409549	92-10-01	पार्श्व एजेंसेज, 13/3 मधुरा रोड, प्लाट नं. 12, हमला मगर इड, एस्टेट, करीबाबाद 121003	शिरोपरि प्रेषण हेतु जर्सीकृत इस्पात प्रबलित एल्युमीनियम चालक		IS 00398: 76 भाग : 02
97. 2409650	92-10-01	नीरा इलेक्ट्रिकल्स, 28-बी, छौकापट्टी रोड, कलकत्ता-700010	टंगस्टन हेतु बाले सामान्य बेवा विजली के अस्त		IS 00418: 78
98. 2409751	92-10-01	प्रभित कंपनीसंसे, 20 इड, एरिया, तुलाबुरा जिला-भीलबाड़ा-311021	शिरोपरि प्रेषण हेतु जर्सीकृत इस्पात प्रबलित एल्युमीनियम चालक		IS 00398: 76
99. 2409852	92-10-01	पूरा ए.प्लाइसेज (रजि.), 49 विलापुर (निर्माणी कालीनी), विलापुर-110009	विजली के निम्नज्य हाईटर, 1000 बा, 230 बी.		IS 00369: 83
100. 2409953	92-10-01	नेशनल इलेक्ट्रिकल्स, 8572-ए, बार-बर, रोधनारा रोड, विलापुर-110007	विजली बी. इस्पाती, तापस्यापी, 750 बा, 230 बी, एल्युमीनियम विभागातु को तल लेके सीधित		IS 00366: 85
101. 2410029	92-10-01	कुमार इंडस्ट्रीज, ए-29, जी.टी. करमाल रोड, इड, एरिया, विलापुर-110033	1100 ओ तक कार्यकारी बोल्टता के लिए तांबा चालकों वाली बोलवार पीचेसी रोधित केबल		IS 00694: 90

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
102. 2410130 92-10-01	ओस्टर होटेल्स कंपनी (प्रा.लि.), डॉ.एम.प्राहिंदा, क.स्पेलेस, फैड नं० ३५८८, ब्रिटिश इंड. परिय., जो. टी. रोड, दिल्ली-११००३२		ब्रित्रिया का इस्तरियां, तापस्यावां		IS 00368 : 85
103. 2410231 92-10-01	भगवत, प्लास्टिक उद्योग प्रा.लि., ए-२२, सेक्टर-४, नोएडा, जिला-गाजियाबाद, (उ.प्र.)		११०० वी तक कार्यकारी बीट्टता के लिए शूल्यमोनियम और तांबा चालकी वाला बोलदार पोवारा, रोधित केबल		IS 00694 : 90
104. 2410332 92-10-01	बहार एन्टरप्राइजेज, एन. १५६, लक्ष्मणपुरी, रामनगर, नई दिल्ली ११००५५		पानी गर्म औरने के सर्वत हॉटर		IS 02082 : 85
105. 2410433 92-10-01	प्लास्टो प्लास्टिक्स, ००८/२०८, गला नं. ३, गाली-मार.पा., विल्सों ११००५२		विद्युत मंस्यावाप के लिए रोधन सामग्री द्वारा दृढ़ भारे शूल्य, हल्के और यांत्रिक प्रतिकूल, २५ मियो वाइज		IS 09537 : 83
106. 2410534 92-10-01	पेराणान केबल कार्पोरे, ग्रामरा नं. ४८/७, कमलाधरम काटा के पास, प्रह्लादपुर, बन्दर, विल्सों ११००४२		११०० वी तक कार्यकारी बीट्टता के लिए कवचित और अक्षर्वित एल्युमिनियम चालकों वाली व्यापारी, रोधित केबल		IS 01554 : 88
107. 2410635 92-10-01	मिस्पनि केबल्ज इंडस्ट्रीज, ०४-वाराहल नगर, विल्सों ११००९४		११०० वी तक कार्यकारी बीट्टता के लिए केवचित भार-एनर्जी एल्युमिनियम और तांबा चालकों काला पांचांसा रोधित केबल		IS 00694 : 90
108. 2410736 92-10-01	पी.डी. हाईवेयर प्रा.लि., डॉ-१५ एस्प्रेस्ट कॉप, हैंड एस्टेट, जी.टी.के. रोड, (विल्सों-११००५२)		मृदु इस्तर के कल्जे मध्यम टाइप, लाइज ७.५ और १०० मिमी		IS 01341 : 81
109. 2410837 92-10-01	नायांडे सोय एंड कैमीकल फैब्रिक्स, प्रा.न्टेस्ट, रंगाप्लाक रोड (कु. देसापुर, नगरकोड़)		पेराफिन मोम, टाइप-३		IS 04654 : 74
110. 2410938 92-10-01	सूरी शोपर्स लि., (म.प्र. वाइटिंग क.स्पेलेस), जे-७, ८-९ मासनफूर हैंड. परिया, भावनपुर, जिला-गिर्वा		टायरस्टन लंगु वाले सामान्य-सेवा विजली के लिए, १०० वी, खुर्दिले कुडली, वी-२२, टोपें-स्लिप्ट		IS 00418 : 78
111. 2411031 92-10-01	ईसीएल्प लि., भ्रोगांगा, जिला-सुरेनगर, (गुजरात)-३६३३१५		तकनीकी प्रेष सोला एल-हॉला प्रेष		IS 00261 : 82
112. 2411132 92-10-01	ईसीएल्प लि., भ्रोगांगा, जिला-सुरेनगर, (गुजरात)-३६३३१५		केवल एस्ट्रिक्ट प्रेष सोलिडस वाइकार्बोनेट		IS 02134 : 74
113. 2411233 92-10-01	मिलिकॉन पेस्ट्स, ४४६ हिन्डन विहार, मेरठ रोड, गाजियाबाद		आंकित रंग के संसेट रीमेन		IS 05110 : 69
114. 2411334 92-10-01	इंडोडाम हैंडस्ट्रीज लि., दुड़ाना रोड, गुजरातकरनार-२६१००२		मनवानिया द्रव्य पाउडर, मानक प्रेष		IS 13334 : 92
115. 2411435 92-10-01	नेहा प्रा. इंडस्ट्रीज प्रा.लि., ६२-७ हैंड. परिया, महोदीप, जिला-गावसेन (म.प्र.)-४६२०४८		पावर प्रेषस की मुरक्का अपेक्षाएँ, नुक्के वालीवार सिलिंडर-टाइप, फलेवार भरणमेत्र		IS 09020 : 79
116. 2411536 92-10-01	मंगवा फारेस्ट हैंडस्ट्रीज प्रा.लि., प्रा.-ग्रामपाली, देवानगर मंज, जिला-गावसेन		लफहू के फलण दरवाज़े लाइट, (दोप लॉड टाइप) तीर सलावटी टाइप, (प्र.एन.टाइप) शाद वैष्ट टाइप और कलक परत गौड़ यूलर और गैर मोडपूर साइज		IS : सं. भाग ६ IS 02202 : 83 भाग : ०१

New Delhi, the 8th February, 1993

S.O. 584 :—In pursuance of sub-regulation (5) of the Bureau of Indian Standards (certification) Regulations, 1988, the Bureau of Indian Standards, hereby notifies the grant of licences particulars of which are given in the following schedule.

THE SCHEDULE

Sl. No.	CM/L—No.	Operative Date	Name and Address of the Party	Article/Process covered by the licence	IS : No./Part
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
1. 2400026	92-09-16	Moonlight Paint & Chemicals (India)	43, Focal Point, Indl. Area, Mehta Road, Amritsar.	Enamel, Synthetic, Exterior Finishing, Colour Category No. 28 only.	IS 02932 : 74
2. 2400127	92-09-16	Baroda Distt. Coop. Producers Union	Ltd., Baroda Dairy, Vadodra-390009.	Skim Milk Powder only.	IS 01165 : 86
3. 2400228	92-09-16	DCM Shri Ram Industries Ltd.,	Unit : Hindon River Mills, 18, Mile Stone, Hapur Road, Dasna, Ghaziabad.	Polyester Blend Shirting	IS 07085 : 86
4. 2400329	92-09-16	DCM Shri Ram Industries Ltd.,	Unit : Hindon River Mills, 18 Mile Stone, Hapur Road, Dasna, Ghaziabad.	Polyester Blend Suiting	IS 09517 : 86
5. 2400430	92-09-16	Systemic Minerals Pvt. Ltd.,	Karmanghat Village, R.R. Distt. 500963.	Mineral Mixtures for Supplementing Poultry Feeds.	IS 05672 : 70
6. 2400531	92-09-01	Garg Ispat Udyog Pvt. Ltd.,	G-459-61, Industrial Area, Bhiwadi, Distt. Alwar-301019.	M.S. Tubes	IS 01239 : 79 Part : 01
7. 2400632	92-09-01	Renuka Cement Ltd.,	Village Patti Natha Singh, Paonta Sahib-173025.	Ordinary Portland Cement, 33 Grade.	IS 00269 : 89
Licences Granted During the Month					
8. 2400733	92-09-16	Taneja Sales Corp.,	A-83, G.T. Karnal Road, Industrial Area, Delhi-110033.	Welding Cables with Plain Annealed Copper Conductor.	IS 09857 : 89
9. 2400834	92-09-16	Manglam Timber Products Ltd.,	Village Kusumi Nowrangpur, Distt. Koraput 764059.	Medium density fibre board for general purposes.	IS 12406 : 88
10. 2400935	92-09-16	The Fort William Co. Ltd.,	6 A, G.T. Road, Konnagar, Hooghly.	Galvanized Steel wire for the Core of Aluminium conductors, Galvanized Steel reinforced for overhead transmission purposes.	IS 00398 : 76 Part : 02
11. 2401028	92-09-16	Foamtex India,	Libaspur Road, Libaspur Khasra No. 34. Delhi-110042.	Latex Foam Rubber Products.	IS 01741 : 60
12. 2401129	92-09-16	S.A. Rubbers (India),	147 Burari (Garhi), Post Office Burari, Delhi-110009.	Latex Foam rubber products.	IS 01741 : 60

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(5)6
13.	2401230	92-09-16	Jain Scientific Glass Works, 2580, Anand Niwas, Gyan Marg, Ambala Cantt. 133001.	One-mark pipettes.	IS 01117 : 75
14.	2401331	92-09-16	Associate Industries, Plot No. 191, HSIDC, Kundli, Sonepat.	Welding cables with Aluminium Conductors, Heat Resisting General purpose oil resisting and Flame retardant (HOFR) Compound.	IS 09857 : 81
15.	2401432	92-09-16	Dwarbas Ispat Udyog, T-46, MIDC Hingna Road, Nagpur-440016.	HSD Steel Bars of grade Fe 415.	IS 01786 : 85
16.	2401533	92-10-01	Super Posts Ltd., 14/1, Mathura Road, Faridabad (Haryana).	Electric Irons, Thermostatic	IS 00366 : 85
17.	2401634	92-09-16	Print Inks, B-17, MIDC, Station Road, Aurangabad-431001.	Ink, Duplicating, for single drum Rotary Machine.	IS 01333 : 78
18.	2401735	92-09-16	Tirumala Tirupati Cement Products, Plot No. B-28, MIDC, Osmanabad.	Precast concrete pipes of class NP2, sizes 450, 600 and 900 mm.	IS 00458 : 88
19.	2401836	92-09-16	Charmx Products, Unit No. 26, 2nd Floor, Jay Kay Indl. Estate, Linking Road Extn., Santacruz (W), Bombay-400054.	Switches for Domestic and similar purposes.	IS 03854 : 88
20.	2401937	92-09-16	Singh Electro Steel Ltd., F-2, MIDC Indl. Area, Tarapur, Distt. Thane.	Continuously cast billets for rolling into structural steel (Standard quality).	IS 06914 : 78
21.	2402030	92-09-16	Steelage Industries Ltd., Minimax Division, Ambattu! Indl. Estate, Madras-600098.	Portable fire extinguishers, mechanical Foam type of 9 Litre Capacity.	IS 10204 : 82
22.	2402131	92-09-16	Neyser India Ltd., Vadalur, South Arcot Distt. 607303.	Vitreous China, Low level Curved siphonic type flushing cistern, 10 L capacity.	IS 00774 : 84
23.	2402232	92-09-16	Kabir Cement Industries (P) Ltd., Industrial Area, Buxer, Distt. Bhojpur (Bihar).	Portland Slag Cement.	IS 00455 : 89
24.	2402333	92-09-16	Bihar Foundry & Casting Ltd., Post : Marar, Distt. Hazaribagh (Bihar) 8929117.	Cast billet Ingots for rolling into structural steel (Standard Quality).	IS 06914 : 78
25.	2402434	92-09-16	K.P. Mondal & Sons, 69, Panchanantala Road, Howrah-711101.	Swing Check type reflux (Non- return) Valves.	IS 05312 : 84 Part : 01
26.	2402535	92-09-16	Exon Engg. Corpn., P-82, Pangur Avenue, Block-A, Calcutta-700055.	Refills for foam Type Portable fire extinguisher.	IS 05490 : 77 Part : 02
27.	2402636	92-09-16	Shiv Shakti Tubes & Industries, Lokhra, PO Betkuchi, Guwahati-781018.	Steel Tubes, few for General Engg. Purposes.	IS 03601 : 84

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
28.	2402737	92-09-16	Sri Bakgiam Enterprises, 1202, Avanashi Road, P.N. Palayam, Coimbatore-641037.	Motors for Submersible pumpsets	IS 09283 : 79
29.	2402838	92-09-16	The General Engineering Co., 1/42, Mettupalayam Road, Coimbatore-641030.	Three-phase squirrel Cage INDUCTION motors for centrifugal pumps for Agricultural Application.	IS 0738 : 75
30.	2402939	92-09-16	Monotex Industries, 10, Avarampalayam Road, K.R. Puram, Coimbatore-641006.	Motors for Submersible Pumpset Three-Phase, Wet Type, continuous category B 3.7 KW and 5.5KW Ratings.	IS 09283 : 79
31.	2403032	92-09-16	Vicraj Industries, 207 Vinay Heavy Indl. Estate, Dedrukhar Wadi, Chinch Bunder Road, Malad(W), Bombay-400064.	PVC Insulated cables for Working voltages upto & including 1100V., Sheathed and unsheathed with copper conductor.	IS 00694 : 77
32.	2403133	92-09-16	Marathwada Chemical Industries (P) Ltd., S. No. 43.2, Satara Road, Usmanpur, Orangabad.	Zinc sulphate, Agricultural Grade only. IS 08249 : 76	
33.	2403234	92-09-16	Shri Bajrang Alloys Ltd., Urta Indl. Estate, Plot No. 521 C, Raipur (MP).	Weldable Structural Steel.	IS 02062 : 84
34.	2403335	92-09-16	Gem Cables & Conductors Ltd., Chitkul Village, Patancheru, Distt. Medak (AP)-502329.	Aluminium conductors, Galvanized Steel Reinforced for Overhead Transmission Purposes.	IS 00398 : 76 Part : 02
35.	2403436	92-09-16	Twentyfirst Century Steels Ltd., G.T. Road, Mandi Gobindgarh.	Cast Billet Ingots for Rolling into structural steel (Standard Quality).	IS 06914 : 78
36.	2403537	92-09-16	Ispat Udyog, G.T. Road, Khanna-141401.	Weldable Structural Steel.	IS 02062 : 84
37.	2403638	92-09-16	Industrial & Agro Chemical Pvt. Ltd., No. 1/5 Industrial Estate, Ariyamangalam, Trichy-620010.	Magnesium Sulphate, Tech-grade only.	IS 02730 : 77
38.	2403739	92-09-16	Ram Agro Chemical Inds. (P) Ltd., 103, G.N.T. Road, Pozhal, Madras-600066.	Copper Sulphate, Technical.	IS 00261 : 82
39.	2403840	92-09-16	Gandhimathi Appliances Ltd., 33, Astalakshmi Temple Road, Besant Nagar, Madras-600090.	Domestic Electric Food Mixer.	IS 04250 : 80
40.	2403941	92-09-16	Haryana Conductors Pvt. Ltd., 17th Mile Stone, G.T. Road, Piao Maniyari, Narela Road, Kundli (Haryana) 131028.	Aluminiun Alloy stranded conductors for overhead transmission purposes.	IS 00398 : 79 Part : 04
41.	2404034	92-09-16	Saharanpur Cement Works Ltd., Village Maheshwari, P.O. Maheshwari, Saharanpur-247120.	Ordinary Portland Cement 33 Grade.	IS 00269 : 89

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
42. 2404135	92-09-16	Gunjan Cement Pvt. Ltd., Plot No. F-59 to 61A & G 97-99, BICO Industrial Area, Behror (Distt. Alwar).	Ordinary Portland Cement 33 Grade.		IS 00269 : 89
43. 2404236	92-01-01	Winco Engineers, Behind Minesh Metals Saijpur Bogha, Narooda Road, Ahmedabad-382345.	Landing Valves, Type A.		IS 05290 : 83
44. 2404337	92-09-16	S.N. Chemical Inds., Tigaon Road, Old Faridabad-121002.	Phenthroate 50% (m/m) EC Formulation only.		IS 08291 : 76
45. 2404438	92-09-16	Jai Chemicals 14/1, Mathura Road, Faridabad-121003.	Felvalerate 20% (m/m) Formulation only.		IS 11997 : 87
46. 2404539	92-09-16	Jai Chemicals, 14/1, Mathura Road, Faridabad-121003.	Phosphamidon 85% (m/m) WS Concentrate Formulation only.		IS 06177 : 81
47. 2404640	92-09-16	Olympus (India) Pvt. Ltd., A-5 Mohan Coop. Indl. Estate, 8/2 Delhi Mathura Road, New Delhi-110044.	Pathological Microscope Model HB and HG only.		IS 04381 : 67
48. 2404741	92-09-16	Jayshree Fabric Products Ltd., Village Alampur, PO New Kolara, Distt. Howrah (WB).	Sisal Ropes. Untarred Varieties.		IS 01321 : 82 Part : 01
49. 2404842	92-10-01	NEO National Lamp Industries P., Ulippara, Nedumangao P.O. Trivandrum Distt.	Tungsten Filament General Service electric lamps.		IS 00418 : 78
50. 2404943	92-09-16	Modi Tyre Factory, Modinagar, Distt. Ghaziabad-201204.	Pneumatic Tyres for Passenger cars.		IS 10914 : 85 Part : 03
51. 2405036	92-09-16	Modi Tyre Factory, Modi Nagar, Distt. Ghaziabad-201204.	Pneumatic tyres for Light truck.		IS 10914 : 88 Part : 02
52. 2405137	92-10-01	Lion Lamp, Meerut Road, Near Police Chowki, Hejru Chungi, Muzaffarnagar-251002.	Tungsten Filament General Service Electric Lamps.		IS 00418 : 78
53. 2405238	92-10-01	Silicon Paints, 446, Hindan Vihar, Meerut Road, Ghaziabad.	Distemper Dry, Colour as required.		IS 00427 : 65
54. 2405339	92-09-16	Cement Corps. of India Ltd., Delhi Cement Grinding Unit, Okhla Indl. Area, Phase I, PO Box No. 10, New Delhi-110020.	Portland Pozzolana Cement.		IS 01489 : 71
55. 2405440	92-09-16	Gupta Refractories (Foundry Division) 11, Maharaj Pur Indl. Area, Gwalior (MP)-474005.	Precast Concrete Pipes.		IS 00458 : 88
56. 2405541	92-10-01	Heema Pesticides, Bijrol Road, (Near Railway Crossing) Baraut, Meerut (UP)-250611.	Isoproturon 75% (m/m) WP only.		IS 11995 : 86

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
57. 2405642	92-10-01	Ganga Industries, 255/3, Warehouse Road, A.B. Road, Dewas (MP)	Safety Requirements for Power Thresher; Spike Toothed, Cylinder Type; Feeding System, Chute Rating 3.7 KW (5HP) only.	IS 09020 : 79	
58. 2405743	92-10-01	Olympus (India) Ltd., A-5, Mohan Co-op. Indl. Estate, 8/2, Delhi Mathura Road, New Delhi-110044.	Student Type Microscope.	IS 03686 : 66	
59. 2405844	92-10-01	S.P. Electricals, 25/42, Gali No. 16, Vishwas Nagar Shahdara, Delhi-110032.	Tungsten Filament General Service Electric Lamps.	IS 00418 : 78	
60. 2405945	92-10-01	Ramesh Engg. Co., 1040, Bharathiyar Road, PN. Palayam, Coimbatore-641037.	Jet Centrifugal Pump	IS 12225 : 87	
61. 2406038	92-10-01	S.D.L. Enterprises, M-87, S.E.I.E., Kattedam, Rajendra Nagar Mandal, Ranga Rzddy Distt.	Ink, Duplicating for single Drum Rotary Machine.	IS 01333 : 78	
62. 2406139	92-10-01	Ajay Chem Laboratories, Indl. Estate, PO, Olavakotte, Palakkad (Palghat) 678731.	Acetic Acid, Pure Grade only.	IS 00695 : 86	
63. 2406240	92-10-01	Ravi Cab (India), No. 125, 5th Main Road, Nayandahalli, Azeez Sait Indl. Town, Mysore Road, Bangalore-560039.	PVC Insulated Cables for Working Voltages upto & including 1100V, sheathed & Unsheathed with Aluminium & Copper Conductors.	IS 00694 : 77	
64. 2406341	92-10-01	Sufinflame Industries, lot No. 58, Sector 27 C, Faridabad-121003.	Electric Iron, Thermostatic, Light Weight, 750 W, 230 V, 50 HZ.	IS 00366 : 85	
65. 2406442	92-10-01	Kruess Electricals Pvt. Ltd., Plot No. D-80, MIDC, Miraj, Distt. Sangli-416410.	Tungsten Filament General Service Electric Lamps.	IS 00418 : 78	
66. 2406543	92-10-01	Solar Cemeicals, Poona Link Road, Nelivli, Kalyan (E), Distt. Thane.	Sulphur Dusting Powder 85% (m/m) only.	IS 06444 : 79	
67. 2406644	92-01-01	Asmi Pumps Industries, A-2-3911, GIDC, Phase IV, Behind New Nirma Vatva, Ahmedabad-382445.	Submersible Pumpsets for types- A1 31, A1 32, A1 33 and A1 45.	IS 08034 : 89	
68. 2406745	92-10-01	Shree Premier Enterprises, 137, Batner Indl. Estate, Opp. Soma Textile, Rakhial Road, Ahmedabad-380023.	Monoset Pumps for Agricultural Purposes.	IS 09079 : 89	
69. 2406846	92-10-01	Alok Pipe Enterprises, 14, G.T. Road, Mohan Nagar, Ghaziabad-201007.	Steel Pipes Erw for Water, Gas and Sewage.	IS 03589 : 91	

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
70. 2406947	92-10-01	Alok Pipe Enterprises, 14, G.T. Road, Moham. Nagar, Ghaziabad-201007.	Steel Tubes ERW for Idlers for Belt Conveyors.	IS 2929 : 83	
71. 2407040	92-10-01	Everest Cement Ltd., Pattanbore, Taluka Kelapur, Distt. Yeotmal-445005.	Ordinary Portland Cement 33 Grade.	IS 00269 : 89	
72. 2407141	92-10-01	North West Switchgear Ltd., 14/3, Mathura Road, Pardababad-121003.	Miniature Air-break circuit Breakers.	IS 08828 : 78	
73. 2407242	92-10-01	National Manufacturers, Near Municipal Garden, D.T. Section, Unit No. 140, Ulhasnagar-421003.	PVC Insulated winding wires for submersible Motors insulation Grade I, Type C.	IS 08783 : 78	
74. 2407343	92-10-01	Partap Mechanical Works (Regd.), 10, Deda Colony, Indl. Area, Jalandhar-144004.	Copper alloy Gate valves and vertical check valves.	IS 00778 : 84	
75. 2407444	94-10-01	Ratlam Wires Pvt. Ltd., Plot No. 3, Indl. Estate, Ratlam 457001.	Mild Steel Wires for Armouring of Cables.	IS 03975 : 88	
76. 2407545	92-10-01	Skylak Spares (India), 2, Indl. Area, Karnal-132001.	Three-phase Squirrel cage induction motors for Centrifugal Pumps for Agricultural Applications.	IS 07538 : 75	
77. 2407646	92-10-01	Mahavir Steel Rolling Mills, 1-9-8, IDA, Azambad, Hyderabad-500020.	HSD Steel Bars of Grade Fe 415 Sizes 8 to 16 mm.	IS 01786 : 85	
78. 2407747	92-10-01	S.M. Conductors, B-142, Road No. 11, VKI Indl. Area, Jaipur-302013.	Aluminium Conductors, Galvanized Steel Reinforced for Overhead Transmission Purposes.	IS 00398 : 76 Part : 02	
79. 2407848	92-10-01	Shree Srinivasa Foundry 30, Ammankulum Road, Coimbatore-641037.	Monoset Pumps of Size 50 x 40 mm.	IS 09079 : 89	
80. 2407949	92-10-01	Stark Motors, 7-D, Sitra Road, Kalapatti, Coimbatore-6410035.	Three-Phase Squirrel Cage induction Motors.	IS 00325 : 75	
81. 2408042	92-10-01	Icarus Products Pvt. Ltd., 63, Odhav Road, Odhav, Ahmedabad-382410.	Acid-Resistant Bricks, Class I and II.	IS 04460 : 68	
82. 2408143	92-10-01	Jute Felt (India) Pvt. Ltd., Alampur, NH 6, PO New Koldarh, Howrah-711302.	Bitumen Belts for Water Proofing, Type 3, Grade I.	IS 01332 : 82	
83. 2408244	92-10-01	Kalsi Engineers, Kapurthala Road, Basti Bawa Khel, Jalandhar	Monoset Pumps of Sizes 80 x 80 mm 100 x 100 mm and 100 x 60 mm.	IS 09079 : 89	
84. 2408345	92-10-01	Perfect Stoneware Pipes, PO Perfect Pottery Works Gwarejhat Road, Jabalpur-482002.	Salt Glazed Stoneware Pipes.	IS 00651 : 80	

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
85. 2408446	92-10-01	Chang Chemical Industries, No. K-14, Indl. Estate, Ambattur, Madras-600058.	Copper Sulphate, Technical.	IS 00261 : 82	
86. 2408547	92-10-01	Unitech Chemicals Pvt. Ltd., 94/3, Malagala, Magadi Main Road, Bangalore-560079.	Disinfectant Fluids, Black.	IS 01061 : 82	
87. 2408648	92-10-01	The Southern Pesticides Corp. Ltd., Arikisewala, Near Kovil West Godavari Distt-534350.	Dichlorvos 76% (m/m) EC Formulation only.	IS 05277 : 78	
88. 2408749	92-10-01	Vidarbha Mahargi Seva Mandal, Tapovan, Amravati.	Handloom Cotton Gauge, Absorbent, Non-Sterilized.	IS 00758 : 88	
89. 2408850	92-10-01	Agro Pesticides, 10, Indl. Estate, Itarsi (MP).	Carbaryl 5% (m/m) and 10% (m/m), DP Formulation only.	IS 07122 : 84	
90. 2408951	92-10-01	SHIMON Paints, 406, Hindon Vihar Muzaffar Road, Ghaziabad.	Floor Polish, Paste.	IS 08541 : 77	
91. 2409044	92-10-01	Rairesh Rolling Mills Pvt. Ltd., G.E. Road, Tatibandh, Raipur-492010.	Weldable Structural Steel, Grade F8 410 WA.	IS 02062 : 84	
92. 2409146	92-10-01	Janche Industries, 24, Aruppukkottai Road, Villupuram, Madurai-623012.	Non-Pressure Stoves, Capillary Fed. Multiwick Type, with Painted steel body.	IS 02980 : 86	
93. 2409246	92-10-01	Sarvijit Electric Works, PO Box No. 19, G.T. Road, Goraya-144409.	7 Air Break Switches and Fuse Combination Units.	IS 04084 : 78 Part : 01	
94. 2409347	92-10-01	Dashmesh Cables, Plot No. 52, Indl. Area, O.T. Section, Khensani, Ullasnagar, Distt. Thane-421002.	PVC Insulated (HD) Electric, Cables for Working voltage upto & including 1100V, Armoured and Unarmoured with Aluminium and Copper Conductor.	IS 01554 : 88 Part : 01	
95. 2409448	92-10-01	G. Team Educational & Egg Products, No. 254-B, Bommasandra Indl. Area, Bommasandra, Anekal Taluk, Bangalore-562158.	PVC Insulated Cables for working voltages upto & including 1100V, Unsheathed with Copper Conductor.	IS 00694 : 90	
96. 2409549	92-10-01	Sharma Agencies, 13/3, Mathura Road, Plot No. 12, Hemis Nagar Indl. Estate, Faridabad-121003.	Aluminium Conductors, Galvanized Steel Reinforced for Overhead Transmission purposes.	IS 00398 : 76 Part : 02	
97. 2409650	92-10-01	Nira Electricals, 28-B, Chaulpatty Road, Calcutta-700010.	Tungsten Filament General Service Electric Lamps.	IS 00418 : 78	
98. 2409751	92-10-01	Amit Conductors, 20, Indl. Area, Gulabpura, Distt. Bhiwani-121102.	Aluminium conductors, Galvanized Steel Reinforced for Overhead Transmission purposes.	IS 00398 : 76 Part : 02	

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
99.	2409852	92-10-01	Poora Appliances (Regd.), 49, Dhispur, (Nirankari Colony), Delhi-110009	Electric Immersion Water Heaters, 1000 W, 230 V. Delhi-110009.	IS 00368 : 83
100.	2409953	92-10-01	National Electricals, 8572 A, Bhar-Ghar, Roshanara Road, Delhi-110007.	Electric Irons, Thermostatic, 750 W, 230 V, with Aluminium Alloy Sole Plate.	IS 00366 : 85
101.	2410029	92-10-01	Kumar Industries, A-29, G.T. Karnal Road, Indl. Area, Delhi-110033.	PVC Insulated Cables for Working Voltages upto & including 1100V, Sheathed & Unsheathed with Copper conductor.	IS 00694 : 90
102.	2410130	92-10-01	Oster Electrics (P) Ltd., DSIDC Complex, Shed No. 4, Jhilmil Indl. Area, G.T. Road, Delhi-110032.	Electric Irons, Thermostatic	IS 00366 : 85
103.	2410231	92-10-01	Bhawati Plastics Udyog Pvt. Ltd., A-72, Sector IV, NOIDA, Distt. Ghaziabad (UP).	PVC Insulated Cables for working Voltages upto & including 1100V, Sheathed and Unsheathed with Aluminium and Copper Conductor.	IS 00694 : 90
104.	2410332	92-10-01	Batra Enterprises, L-156 A, Lakshman Puri, Ram Nagar, New Delhi-110055.	Stationary Storage Type Electric water heater.	IS 02082 : 85
105.	2410433	92-10-01	Plasto Plastics, 902/290, Gali No. 3, Shalimar Village, Delhi-110052.	Rigid Plain Conduits of Insulating Material for Electrical Installation 25 mm Size, Light and medium Mechanical Stresses.	IS 09537 : 83 Part : 03
106.	2410534	92-10-01	Paragon Cable Corp., Khasra No. 45/7, Near Kamal Dharam Kanta, Prahlpur, Banger, Delhi-110042.	PVC Insulated (HD) Electric cables for Working Voltages upto & including 1100 V, Armoured and Unarmoured with Aluminium Conductor.	IS 01554 : 88 Part : 01
107.	2410635	92-10-01	Tirupati Cable Industries, 94, Karawal Nagar, Delhi-110094.	PVC insulated Cables for Working Voltages upto & including 1100V, Sheathed and Unsheathed with Aluminium and Copper conductor.	IS 00694 : 90
108.	2410736	92-10-01	Pee Dee Hardwares Pvt. Ltd., D-15, S.M.A. Cop.-op. Indl. Estate, G.T.K. Road, Delhi-110052.	Mild steel Butt hinges, Medium type, Sizes 75 and 100-mm.	IS 01341 : 81
109.	2410837	92-10-01	Nagaland Soap & Chemical Factory, Thahaku Village, Rangapahar Road, Dimapur, Nagaland.	Paraffin Wax, Type 3.	IS 04654 : 74
110.	2410938	92-10-01	Surya Roshni Ltd. (M.P. Lighting Complex), J-7, 8, 9 Malanpur Indl. Area, Malanpur. Distt. Bhind.	Tungsten Filament General Service Electric Lamps, upto and including 100W, 230 V, Coiled Coil, B-22, d Cap.	IS 00418 : 78
111.	2411031	92-10-01	DCW Ltd., Dharangadhra, Distt. Surendra Nagar (Guj.), 363315.	Soda Ash, Technical Light Grade only.	IS 00251 : 82

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
112. 2411132	92-10-01	DCW Ltd., Dharangadhara, Distt. Surendranagar (Guj.) 363315.	Sodium Bicarbonate Refined Grade only.	IS 02124 : 74	
113. 2411233	92-10-01	Silicon Paints, 446, Hindon Vihar, Meerut Road, Ghaziabad.	Cement Paint, Colour as Required.	IS 05410 : 69	
114. 2411334	92-10-01	Indoodan Industries Ltd., Budhana Road, Muzaffarnagar-251002.	Skim Milk Powder, Standard Grade only.	IS 13344 : 92 Part : 01	
115. 2411435	92-10-01	Neha Agro Industries Pvt. Ltd., 62, New Indl. Area, II, Mandideep, Distt. Raisen (MP) 462048.	Safety Requirements for Power Thresher, Spike Tooth, Cylinder Type Feeding system Chute, Rating 3.7 KW (5 HP) only.	IS 09020 : 79	
116. 2411536	92-10-01	Narbada Forest Industries Pvt. Ltd., Village Ambari, Dlwanganj, Distt. Raisen (MP).	Wooden Flush Door Shutters (Solid Core type); Non-Decorative (PN) type with Glass Band & Face veneer (Modular and Non-Modular Sizes).	IS 02202 : 83 Part : 01	

[No. CMD : 13 : 11]
N. SRINIVASAN, Addl. Director General

गई विस्तीर्णी, 8 फरवरी, 1993

का.पा. 585.—भारतीय मानक द्वारा (प्रमाणन) विनियम 1988 के विनियम 5 के उपविनियम (6) के सन्तुष्टरण में एवं द्वारा प्रतिसूचित किया जाता है कि जिन प्रमाणन मुहर कोइसीमें के विकल्प नीचे विए गए हैं, उनकी प्रवधि समाप्त हो गई है:

प्रत्यक्षी

क.सं.	साइरसेस संंक्षय	साइरसेसधारी का नाम और पता	सम्बद्ध भारतीय मानक/टी.सं.सं.प्रा.	दस्तावेज़ की तिथि
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
1. 1588671	सीरम इंडस्ट्रीज़, म! बी-7 और 8, एन बी ई एफ इंड एस्टट, महाइफाल रोड, भारतेश्वर, आ. बंगलौर-560048	IS 9079: 1989	92-07-31	
2. 2014729	प्रिंसिपल ट्यूब कार्पोरेशन, बी/31 के एस एस प्राई बी सी इंड एस्टट, मणिपाल-576119	IS 4985: 1988	92-08-15	
3. 1343338	हैदराबाद इंडस्ट्रीज़ लि. सतनगर, हैदराबाद-500018	IS 1592: 1989	92-09-15	
4. 0313627	मानोराम एंड संस, तुमकर रोड, बंगलौर-5600022	IS 1011: 1981	92-08-31	
5. 0884972	सेप्टो इयरी इंडिया लि. महालक्ष्मी चेम्प्स, 9/1 प्रम जी रोड, बंगलौर।	IS 1165: 1986	92-08-15	
6. 1724249	स्ट्री फोम, छठा बी न का पत्थर बानेश्वरटा रोड, बंगलौर-5600076	IS 1741: 1960	92-08-15	

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
7.	0033227	नरहरि हंजीनियरिंग पर्सन, 480 कालबाबैरी रोड, पोबान 2098, बौद्ध तल, बम्बई-400002	IS 325: 1978	92-07-31
8.	0871055	आम्पटन हीम्ब लि., 1 डा. बी बी गांधी मार्ग, बम्बई	IS 2148: 1981	92-10-15
9.	1196351	काम्पटन हीम्ब लि., 1 डी बी बी गांधी मार्ग, बम्बई	IS 7533: 1975	92-07-31
10.	1959377	भलोका स्टील इंड., गुजरात प्रा. लि., प्लाट नं. 105, शाम रोडवर, कल्याण, गिरोही रोड, कल्याण, जिला ठाणे-421302	IS 1786: 1985	92-08-15
11.	0228939	पेरामार्लेट मीटर्स प्रा. लि., किसान चौक, पो. बा. नं. 159, जामनगर-361005	IS 779: 1978	92-03-15
12.	1837782	पापुलर हंजिम बैम्बु,, सोरांखियाबाबैरी, कोठारिया कालोनी के सामने, राजकोट-360002	IS 11170: 1985	92-10-15
13.	2015326	धंकुर हलेन्डिकल्स, फ-70/फ-47-डी-8, सरवार एस्टट, गजीबा रोड, बड़ोदा-310091	IS 3854: 1988	92-08-31
14.	2018130	धंकुर हलेन्डिकल्स, फ-70/फ-47-डी-9, सरवार एस्टट, गजीबा रोड, बड़ोदा-390019	IS 3854: 1988	92-08-31
15.	2037336	वि हंडिया जूट एंड हंडफ्रीज लि., वांचोही रोड, रातनपुर केलनपुर हंडिय डा. केलनपुर, जिला बड़ोदा	IS 7406 (भाग 2): 1984	92-10-15
16.	2132936	धंबरी फूरस प्रा. लि., कायरगाम, सूरत-395004	IS 8749: 1988	92-07-15
17.	2149347	विजय स्कैल हंडफ्रीज, महाराष्ट्र इंड एस्टट, भाग II, निकेत चूंगी, नाशी के पास, पार के किनारी के पीछे, महमदाबाद-380025	IS 8749: 1988	92-09-15
18.	208234	बोन्डेड ऐकेजिंग प्रा. लि., 117/354 बी टी रोड, रातनपुर, कानपुर	IS 7406 (भाग 1): 1984	91-09-15
19.	2028335	बोन्डेड ऐकेजिंग प्रा. लि., 117/354 बी.टी.रोड, रातनपुर, कानपुर	IS 7406 (भाग 2): 1984	91-09-15
20.	0554144	उच्च एलायन इंड स्टील्स लि., 12/16 नवलगंज, भागरा-286006	IS 226: 1975	91-09-30
21.	0789373	करोना कार्बन इंड रिक्वेन कं., 123/32 सुरेश वाग, कानपुर-208012	IS 4174: 1977	91-08-15
22.	0515538	भारत पम्पस एंड क्रप्सर्स लि., नैनी, इलाहाबाद-211010	IS 7681: 1985	91-09-15
23.	2113528	प्रकोका वायर प्रोडक्ट्स, चोक ग्रीत नगर, टौडा रोड, जालंधर-144004	IS 278: 1978	92-05-15
24.	0730037	गुजरात मिनी स्टील लि., 92 बी एस आई बी सी बिनजील, बटवा, महमदाबाद-382445	IS 6914: 1978	91-11-15
25.	2247347	कोलेनबोरो इंजो. प्रा. लि., बांसवाड़ानियोट्ट, रामसामांगलम दे रमाकुलम (केरल) 686663	IS 814(भाग 2) : 19	92-05-31

1	2	3	4	5	6
26.	2006224	अमारी पाइप्स प्रा.लि., एस पी, 288, 289 इंड एरिया, भिवांडी	IS 1239 (भाग 1) : 1979	92-07-31	
27.	2247246	अमारी पाइप्स प्रा.लि., एस पी-288, 289 इंड एरिया, भिवांडी	IS 814 (भाग 1) : 19	92-05-31	
28.	1814755	राज श. काश्या, सुल्तानगंज, भागरा-282004	IS 1729 : 1979	89-04-15	
29.	0451235	चंडलवाल ट्यूब्स (प्रो चंडलवाल कैरा एलांएच लि.), 20वी रास, निर्वास, नारीमल व्हाईट, रम्भी-400021	IS 1239 (भाग 1) : 1979	90-12-31	
30.	1557054	स्टील स्ट्रिप्स इंड ट्यूब्स लि., ए-16 इंड फोकल व्हाईट, एस ए एस नगर, रोपड़	IS 1239 (भाग 1) : 1979	91-04-30	
31.	1865772	अवानी इंजी वर्क्स, पाइप्स हाउस डा. विक्रम सारा भाई रोड, राजकोट-360004	IS 11170 : 1985	92-08-31	
32.	060353	प्रवीप इंड इंसील कं., किरवाईपुरी, पटना-800001	IS 10001 : 1981	92-06-30	

[स. के.प्र.वि./13 : 14]
ए. श्रीविवासन, अपर महानियेक

New Delhi, the 8th February, 1993

S.O.585 In pursuance of Sub-regulation (6) of Regulation 5 of the Bureau of Indian Standards (Certification) Regulations, 1988 it is, hereby notified that the Certification Marks Licences, details of which are mentioned in the following Schedule, have expired:

THE SCHEDULE

Sl. No.	Licence No. Name of the licensee	No. of the relevant Standard.	Date of expiry
(1)	(2)	(3)	(4)
1.	1588671 Showraba Industries, No. B 7 & 8, NGEF Indl. Estate, Whitefield Road, Mahadevapur P.O. Bangalore 560048	IS : 9097 : 1989	92/07/31
2.	2014728 Precision Tube Corporation, B/31 KSSIDC Industrial Estate, Manipal-576119	IS : 4985 : 1988	92/08/15
3.	1343338 Hyderabad Industries Ltd, Sanatnagar, Hyderabad 500018	IS : 1592 : 1989	92/09/15
4.	0313627 Mangharam & Sons Tumkur Road, Bangalore 560022	IS : 1011 : 1981	92/08/31
5.	0884972 Dempo Dairy Industries Ltd. Mahalaxmi Chambers 9/1, M.G. Road Bangalore	IS 1165 : 1986	92/08/15
6.	1724249 Ruby Foam 6th Mile Bannerghatta Road, Bangalore 560076	IS : 1741 : 1960	92/08/15

(1)	(2)	(3)	(4)
7 0038227	Narhari Engineering Works 480, Kalbadevi Road, Post Box 2098 4th Floor Bombay 400002	IS : 325 : 1978	92/07/31
8 0871055	Cromptone Greaves Ltd, 1, Dr. V.B. Gandhi Marg Bombay	IS : 2148 : 1981	92/10/15
9 1196351	Narhari Engineering Works 480, Kalbadevi Road, Post Box 2098 4th Floor Bombay 400002	IS : 7598 : 1975	92/07/31
10 1959377	Malhotra Steel Inds. Gujarat Pvt. Ltd. Plot No. 105 Village Teliaghār Kalyān Bhiwandi Road, Kalyān Distt. Thane 421302	IS : 1786 : 1985	92/908/15
11 0228939	Paramount Meters Pvt. Ltd. Kishan Chowk P.B. No. 159 Jammagār 361005	IS : 779 : 1978	92/30/15
12 1837782	Popular Engine Mfg. Sofathiawadi Opp. Kotharia Colony Rajkot 360002	IS : 11170 : 1985	92/10/15
13 2015326	Ankur Electricals E-70/E-47—D-9 Sardar Estate Ajwa Road; Baroda 390019	IS : 3854 : 1988	92/08/31
14 2018130	Ankur Electricals E-70/E-47-D-9 Sardar Estate Ajwa Road Baroda 390019	IS : 3854 : 1988	92/08/31
15 2037336	The India Jute And Industries Ltd. Dabhoi Road, Ratanpur Kelan Pur High way P.O. Kelan Pur. Distt. Baroda,	IS : 7406(Part2) : 1984	92/10/15
16 2132936	Bombay Foods Pvt. Ltd. Katargam Surat 395004	IS : 8749 : 1988	92/07/15
17 2149347	Vijal Scale Industries Mahashakti Indl. Estate Part II Near Nikol Tolnaka Behind H.J. Kihari Wala Ahmedabad 380025	IS : 8749 : 1988	92/09/15
18 2028234	Bonded Packaging (P) Ltd. 117/354 G.T. Road, Rawatpur. Kanpur	IS : 7406(Part1) : 1984	91/09/15
19 2028335	Bonded Packing (P) Ltd. 117/354 G.T. Road Rawatpur Kanpur.	IS : 7406(Part2) : 1984	91/09/15
20 0554144	Usha Alloys & Steels Ltd. 12/11, Nawalganj Agra 282006	IS : 226 : 1975	91/09/30
21 0789373	Carona Carbon & Ribbon Co. 123/32, Sarosh Bagh Kanpur 208012	IS : 4174 : 1977	91/08/15

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
22	0515538	Bharat Pumps & Compressors Ltd. Naini, Allahabad 211010		IS : 7681 : 1985	91/09/15
23	2113528	Ashoka Wire Products Chowk Preet Nagar Tada-Road Jalandhar 144004		IS : 278 : 1978	92/05/15
24	0730087	Gujarat Ministeel Ltd. 92, GIDC Estate Vinzot (Vatva) Ahmedabad 382445		IS 6914 : 1978	91/11/15
25	2247347	Kolechchery Engg. Pvt. Ltd. Thammanimattom Rathmannagaram Ernakulam (Kerala) 686663		IS : 814 (Part 2) : 19	92/05/31
26	2008224	Amahi Pipes Pvt. Ltd. SP-288, 289, Indl. Area Bhiwadi.		IS 1239 (Part I) : 1979	92/07/31
27	2247246	Kolenchery Engg. Pvt. Ltd. Thammanimattom Rathmannagaram Ernakulam (Kerala) 686663		IS : 814 (Part 1) : 19	92/05/31
28	1814755	Raj Iron Foundry Sultanganj Agra 282004		IS : 1729 : 1979	89/04/14
29	0451235	Khandelwal Tubes (Prop. Khandelwal Ferro Alloys Ltd.) 20th Floor, Nirnal Nariman Point. Bombay 400021		IS : 1239 (Part I) : 1979	90/12/31
30	1557054	Steel Strips & Tubes Ltd. A-16, Indl. Focal Point SAS Nagar Ropar 160051		IS : 1239 (Part I) : 1979	91/04/30
31	1865772	Navani Engg. Works Pilot House Dr. Vikram Sarabhai Road. Rajkot 360004		IS : 11170 : 1985	92/08/31
32	0603535	Pradip & Dilip Co. Kidwaipur Pathia 800001		IS : 10001 : 1981	92/06/30

[No. CMD/13 : 14]
N. Srinivasan, Addl. Dir. Genl.

कृषि मंत्रालय

(कृषि ग्रन्तिधारा तथा शिक्षा विभाग)

नई दिल्ली, 17 फरवरी, 1993

कानूनां 576:—केन्द्रीय सरकार, कृषि मंत्रालय, कृषि ग्रन्तिधारा तथा शिक्षा विभाग राजभाषा (संघ के शासकीय प्रयोजनों के लिए प्रयोग (नियम, 1976 के नियम 10 के उपनियम (4) के ग्रन्तिधारा में एतेष्वारों भाँतीय कृषि ग्रन्तिधारा परिषद् के नियमित्वा को केन्द्रीय/संस्थानों जिनके 80% से अधिक कर्मचारियों ने हिन्दी का कार्यसाधक ज्ञान प्राप्त कर लिया है को अधिसूचित करती है।

1. राष्ट्रीय पादप ग्रन्तिधारा संसाधन ब्यूरो, पूरा कैम्पस, नई दिल्ली।

2. मौत्सर्की तकनीलोजी केन्द्रीय संस्थान विलिंगड़न प्राइलैड का बेराबल ग्रन्तिधारा केन्द्र।

[संलग्न 13-2/93—हिन्दी]
प्रारंभी सरोज, ग्रन्ति, ग्रन्ति सचिव

MINISTRY OF AGRICULTURE
(Dept. of Agril. Res. & Education)

New Delhi, the 17th February, 1993

S.O. 586.—In pursuance of Sub-Rule 4 of Rule 10 of the Official Language (Use of Official purpose of the Union) Rule 1976, the Central Government, Ministry of Agriculture, Department of Agricultural Research & Education hereby notifies the following centres/Institutes of ICAR, where more than 80 percent of Staff have acquired the working knowledge of Hindi.

1. National Bureau of Plant Genetic Resources, Pusa Campus, New Delhi.

2. Research Centre Veraval of Central Institute of Fisheries Technology Willingdon Island.
(No. 13-2/93-Hindi)
R. P. SAROJ, Under Secy.

भ्रम भ्रातालय
नई दिल्ली 23 फरवरी, 1993

का०ग्रा० 587:—ओशोगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के प्रत्यासरण में, केन्द्रीय सरकार टेलीकाम, करीमनगर के प्रबन्धसंदर्भ के संबंध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट ओशोगिक विवाद में ओशोगिक अधिकरण हैदराबाद के पंचपट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 22-2-93 को प्राप्त हुआ था।

[सं०एल० 40012/139/89-प्राई०ग्रा० (डी०य०) (पाट)]

के०वी०बी० उण्णी, डेस्क अधिकारी

MINISTRY OF LABOUR

New Delhi, the 23rd February, 1993

S.O. 587.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Industrial Tribunal, Hyderabad as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Telecom, Karimnagar and their workmen, which was received by the Central Government 22-2-93.

[No. L-40012/139/89-JR (DU) (Pt.)]

K. V. B. UNNY, Desk Officer

ANNEXURE

BEFORE THE INDUSTRIAL TRIBUNAL AT HYDERABAD

PRESENT :

Sri Y. Venkatachalam, M.A., B.L., Chairman.

Dated the third day of February nineteen hundred ninety three
I.D. No. 42 of 1990

BETWEEN :

The Workman of Telecom., Karimnagar, Karimnagar Distt. (A.P.)

AND

1. The Sub-Divisional Officer, Telecom, P.O.
Karimnagar-505 001. . . . Respondent-1.

2. The Telecom District Engineer, Telecom, P.O.
Karimnagar-505 001. . . . Respondent-2.

APPEARANCES :

Sri C. Suryanarayana, Advocate—for the Petitioner/ workman.

M/s. M. Panduranga Rao & B. G. Ravindra Reddy, Advocates—for the Respondents.

AWARD

This reference is referred by Government of India, Ministry of Labour vide letter No. L-40012/139/89-IR|DU dated 10th July, 1990 for adjudication of the dispute between the Management of M/s. Telecom., Karimnagar and their workman with the following Annexure :

"Whether the action of the management of Telecom., Karimnagar (A.P.) represented by their Sub-Divisional Officer in terminating the services of Sri N. Yelliah, Casual Mazdoor w.e.f. 1-6-87 is

justified ? If not, to what relief the workman concerned is entitled ?"

2. The above reference is registered as I.D. No. 42 of 1990 in this office and notices were sent to the both sides. The workman filed the Claim Statement wherein he stated that he worked continuously for a period of 326 days which was not seriously disputed by the Respondent. He was employed by the respondent management and his card shows that he is working as workman in the respondent-management. The services of the petitioner workman were terminated on 31-5-87. It is further stated that the order of the respondent is not valid under law and it is against the instructions issued by the Director-General, P&T, New Delhi. Even if a Casual labourer is recruited and employed after 30-3-1985, he is entitled to absorption and regularisation in the service of the Telecom Department if he has rendered 240 days of work in any one year period. Therefore in view of the facts and circumstances this case the termination of services of the petitioner is illegal and not contrary to the provisions of the Section 25-F of the I.D. Act. Therefore award may be passed directing the respondent to reinstate him into service with back wages and with all attendant benefits.

3. On the other hand the Respondent-1 filed the Counter and Respondent-2 filed a memo adopting the Counter of the Respondent-1. Respondent-1 stated in his Counter that the petitioner was engaged as Casual Mazdoor under the respondent management depending upon the availability of work. The Casual mazdoor is engaged only for the purpose of work such as laying up cables, erection of overhead lines, maintenance work, etc. They were not appointed on permanent basis. The petitioner worked in one spell 25 days and another spell 12 days and 3rd round 16 days. The workman was informed that his services were temporary and he will be disengaged at any time without notice. The contention of the workman that he worked more than 240 days is not correct. The ingredients of 25-F of the I.D. Act are not attracted in this case. Therefore the award may be passed accordingly in favour of the respondent-management.

4. On behalf of the workman W.W1 is examined and exhibits W1 to W12 are marked. On behalf of the respondent M.W1 is examined. W.W1 is no other than the workman himself who proved the contents of his claims statement. He stated that he joined in the respondent department as Casual Mazdoor on 1-4-86 and worked till May, 1987. He worked in the department on all the days as shown in Ex. W2. His services were terminated. Some of the Mazdoors who are juniors to him are still working as Mazdoor. He was never informed by the respondent at any time about the termination during the time of work in the department. Some other mazdoors were also removed along with him and although they are juniors to him they were reinstated. The department did not issue any notice to him that he is going to be removed from service and no terminal benefits were paid to him. Therefore he is entitled for reinstatement with all back wages together with attendant benefits.

On the other hand on behalf of the respondent M.W1 gave evidence that he is working as Junior Telecom Officer at Karimnagar in the respondent office and he knows the facts of the case. WW-1 is engaged as Casual Mazdoor in the works overhead lines. On the days when he worked he was paid and there was some breaks in his service. The workman was disengaged for non-availability of work and the workman is not entitled to get any relief.

5. The arguments of the both sides are heard. The learned advocate for the workman argued that the workman who raised this dispute and filed claim statement appeared before this Court and examined himself as W.W1. He proved the contents of the Claim statement. In support of his case he filed several documents with regard to his appointment in the respondent management and also wherein his services were terminated. The workman worked more than 240 days with some breaks. But these breaks will not come in the way of appointing the workman as Casual Labour. Subsequently when his juniors were taken back

his services. He further stated that there are some circulars issued by the respondent management under Ex. W-7 to W-9. As seen all these circulars the workman has to be absorbed and Central Administrative Tribunal also gave a finding stating that the respondents to prepare a scheme on a rational basis for absorbing as far as possible the Casual labourers who have been continuously working for more than one year in the Posts and Telegraphs Department. In this case the workmen worked for more than one year and the workman was terminated for want of work but as when the Casual labourers were appointed afresh it is a minimum duty of the management to absorb the workman one among the circulars shows which is marked as Ex. W-9 that a notice should be given to the workman one month before his termination although he is the Casual Mazdoor. But the respondent management did not do so. Therefore the order of the respondent management is not valid under law and therefore the award may be passed accordingly directing the respondent management to absorb the Petitioner—Casual mazdoor.

On the other hand the learned advocate for the respondent argued that the contention of the workman and all the points raised by the workman are not valid under law and there is no point in favour of the workman. In fact the workman did not work for a period of 240 days. There is no question of giving any termination notice or paying terminal benefits as he did not work for more than 240 days. As seen from the record the workman worked about 40 to 50 days and not beyond that. The management examined its official as M.W.1 and he proved the contents of the Counter. Therefore the workman is not having any point in his favour.

6. The point for consideration is whether there are any valid grounds to find that the action of the management of Telecom, Karimnagar (A.P.) represented by their Sub-Divisional Officer in terminating the services of N. Yelliah, Casual Mazdoor w.e.f. 1-6-87 is justified or not?

7. At the very outset I would like to mention that I have gone through the oral and documentary evidence placed before this Tribunal by both sides. The workman who preferred this dispute appeared before this Tribunal and examined himself as W.W.1 and proved the contents of his claim statement. In support of his claim statement he also filed several documents with regard to his services in the department and also the various circulars issued by respondent management. As seen from the circulars issued by the respondent management it is absolutely clear that the workman who complied 240 days should be considered as Casual Mazdoor. But in this case although the workman worked 240 days period with some manual breaks his services were terminated. According to the Ex. W11 which is circular issued by the management it is fundamental duty of the management to maintain combined seniority list. As seen from the material available on record the juniors of the workman in question were absorbed whereas he was denied the opportunity. Therefore having considered entire material available on record I am of the clear opinion that it is a fit case where the management is not justified in terminating the services of the workman Sri N. Yelliah as Casual Mazdoor w.e.f. 1-6-87 and I consider that the ends of the justice will be met if the respondent is directed to absorb the workman to the department as regular mazdoor afresh. Workman is not entitled for any back wages.

8. In the result I find the action of the management of Telecom, Karimnagar, A.P., represented by Sub-Divisional Officer in terminating services of Sri N. Yelliah, Casual Mazdoor w.e.f. 1-6-87 is not justified. The respondent is directed to absorb the workman into department as regular mazdoor afresh. The workman is not entitled for any back wages and any attendant benefits. The Award is passed accordingly.

Dictated to the Stenographer and transcribed by him and corrected by me and given under my hand and Seal of this Tribunal on this the 3rd day of February, 1993.

Y. VENKATACHALAM, Chairman
Appendix of Evidence

Witnesses examined on
behalf of the workman
1. W.W.1 N. Yelliah

Witnesses examined on
behalf of the management
1. M.W.1 M. Rajashekhar

Documents marked for the petitioner/workman

1. Ex. W1 -8-88—Photostat copy of Caste Certificate.
2. Ex. W2—Mazdoor days Book.
3. Ex. W3 17-5-89—Office copy of the Complaint to Regd. Labour Commissioner (C), Hyderabad.
4. Ex. W4 26-5-89—Parawise comments.
5. Ex. W5 31-8-81—Rejoinder to the Ex. W4.
6. Ex. W6 31-10-89—Conciliation Failure Report
7. Ex. W7 10-2-87—Govt. Order on reservation to SC/ST in work charged on daily rated staff.
8. Ex. W8 31-1-81—Orders of D.G., P&T.
9. Ex. W9 1-10-84—Order issued by D.G., P&T, Regarding to give one month Notice of it in lieu of notice.
10. Ex. W10 30-3-85—Order issued by D.G., P&T, prohibiting fresh recruitment of Casual Mazdoor.
11. Ex. W11—D.G., P&T. Order regarding to prepare combined seniority list of Casual Labourers in respect of recruitment Unit.
12. Ex. W12 7-11-89—D.G., P&T, Order regarding confirmation of temporary status without regularisation.

Documents marked for the management

नई दिल्ली, 24 फरवरी, 1993

कांग्रेस 588—ओष्ठोगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के प्रत्यारोपण में, केन्द्रीय सरकार बी.बी.एम.बी. अम्बाला, (बी.एण्ड एम. डिवीजन) के प्रबन्धतौर से संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच, प्रत्यारोपण में निर्दिष्ट ओष्ठोगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार ओष्ठोगिक अधिकरण, चंडीगढ़ के पंचपट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 23-2-93 को प्राप्त हुआ था।

[एन्सू-42012/127/86-डी. 2(बी) (पार्ट)]

कैबी.बी. उण्णी, इंस्प्रेक्स अधिकारी

New Delhi, the 24th February, 1993

S.O. 588.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal, Chandigarh as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of BBMB, Ambala (O & M Division) and their workmen, which was received by the Central Government on 23-2-93.

[No. L-42012/127/86-D.II(B)(Pt.)]

K. V. B. UNNY, Desk Officer

ANNEXURE

BEFORE SHRI ARVIND KUMAR, PRESIDING OFFICER,
CENTRAL GOVT. INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-
LABOUR COURT, CHANDIGARH
Case No. I.D. 20/89

Lal Chand Vs. BBMB

For the workman :—Workman in person.

For the management Shri C. Jal.

AWARD

Central Govt. vide gazette notification No. L-42012/127/86-D.II(B) dated 6th May 1988 issued U/S 10(1)(d) of the

I.D. Act 1947 referred the following dispute to this Tribunal for adjudication;

“Whether the termination of Shri Lal Chand ex-welder with effect from 17-9-1985 by the management of Executive Engineer, O & M Division, BBMB Ambala is justified ? If not, to what relief the workman concerned is entitled ?”

2. In statement of claim it has been alleged that he was employed as work charge. T.mate by the Executive Engineer O & M Division, Dhulkot on 18-10-1984 and posted with S.D.O. construction Sub Division BSMB Chandigarh where he joined on 22-10-1984. It is further alleged that in utter disregard of the condition of service he was employed on daily wage basis w.e.f. 26-7-1985 and continued till 16-9-1985 under S.D.O. 220 KV Sub Station Dhulkot as welder. It is further alleged that services of the petitioner were illegally terminated w.e.f. 17-9-85 in utter violation of Section 25-F of the I.D. Act 1947. It is further alleged that one Manjit Singh who was junior was retained in service in violation of Section 25-G of the I.D. Act and has prayed for reinstatement with full back wages.

3. The management in its written statement has alleged that the petitioner was originally appointed as T.mate for a period of one month against specific job of deposit work on 66 KV sub station at Chandigarh where he joined duty on 23-10-1984 (not on 22-10-1984) with S.D.O. construction sub division, Chandigarh. It is further pleaded that the petitioner was served with 10 days notice on 15-7-1985 for termination of his service on completion of work. It is further pleaded that the petitioner of his own appeared before the S.D.O. T.L. 220 KV Sub Station Dhulkot on 26-7-1985 and offered himself to work on daily wage unskilled mazdoor @ Rs. 15 per day where he worked up to 16-9-1985 and left the job of his own with an intention to seek better job. For that purpose he obtained a experience certificate from the S.D.O. It is further alleged that the petitioner nor worked unskilled mazdoor from 26-7-85 to 16-9-1985 on daily wage basis @ Rs. 15 per day and the wages were received without any protest. It is further alleged that from 23-10-1984 to 23-7-1985 he has worked against specific deposit work at Chandigarh with S.D.O. construction Sub Division Chandigarh. Later on 26-7-1985 to 16-9-1985 he had worked as daily wage unskilled mazdoor with S.D.O. Dhulkot where he left the job of his own. It is further pleaded that Manjit Singh was given employment on 29-11-1984 his employment was too against the deposit work with construction of 66 KV Sub Division and his services were terminated after serving him 10 days notice and he has offered himself the daily wage basis on 18-1-1986 and after trade test he was appointed on 29-1-86 and his appointment was purely on merit. It is further pleaded that the claim of the petitioner for reinstatement with wages is not tenable.

4. Replication also filed reasserting the claim made in the claim statement.

5. The petitioner in support of his case examined himself as WW1 and filed his affidavit Ex. W1 in evidence. Management produced MW1 Mohinder Singh SDO Dhulkot who filed his affidavit Ex. M3 in evidence and also relied on documents Ex. M4 and M5 showing the number of day put in by Lal Chand. Management also produced MW2 Vinod Kumar who filed his affidavit Ex. M6 and also relied on document Ex. M7 and M8. The management also produced MW3 P. P. Bhambri who filed his affidavit Ex. M9 and also relied on Ex. M1—M2 and closed their case.

6. I have heard both the parties and gone through the evidence and record.

7. Rep. appearing on behalf of the workman has argued that the petitioner has continuously worked from 23-10-1984 to 16-9-1985 and thus has completed 240 days and while terminating his services w.e.f. 17-9-1985 provisions of Section 25-F has not been complied with. On the contrary arguments on behalf of the resmt. management is that initially the petitioner was appointed for one month in pursuance of the appointment letter Ex. M2 w.e.f. 22-10-1984 and his services were terminated w.e.f. 25-7-85. vde Ex. M1 and it has also been argued that his services were terminated on the completion of work. It is also pointed out that he himself

offered for job on 26-7-1985 and worked till 16-9-85. Thereafter left the job of his own and thus in the second spell i.e. 26-7-1985 to 16-9-1985 the petitioner has not completed 240 days. Thus the provisions of Section 25-F of the I.D. Act is not attracted. Contention raised on behalf of the management is meritless. The petitioner was initially appointed as apparent from Ex. M2 offer of appointment on 18-10-84 and in pursuance of the said offer of appointment he had joined on 22-10-1984. The said appointment was made by the executive Engineer O & M Division BBMB Dhulkot and the petitioner was posted with S.D.O. construction BBMB, Chandigarh when his services were terminated w.e.f. 25-7-85 vide Ex. M1 by the said Executive Engineer. The petitioner was given employment by the said Engineer w.e.f. 26-8-1985 and again his services were terminated on 16-9-85. Thus situation is apparent that the petitioner had remained in the employment of the same Executive Engineer right from 23-10-84 till 16-9-1985 the date of his termination. There is no break of even single day. The work had existed with the resmt. management. Termination notice Ex. M1 had only been given to the petitioner in order to make break in his services. MW1 Mohinder Singh SDO. Dhulkot has also admitted that the construction sub Division, Chandigarh and his sub division is under the Executive Engineer. Thus the petitioner had remained under one employer throughout no matter if initially he was employed for specific job in the pay scales and subsequently on the basis of daily wage, but the fact remains that he had completed 240 days in preceding 12 months from the date of his termination i.e. 16-9-1985 and there is no break of even single day. Certainly the management has no complied with the provisions of Section 25-F of the I.D. Act 1947. Thus the case of the workman succeeds and he stands reinstated with continuity of service.

Regarding violation of Section 25-G, services of Manjit Singh were also terminated alongwith others but he was given fresh appointment on 18-1-1986 after passing the trade test and this case has no similarity with the case of the present petitioner. Thus there is no violation of Sec. 25-G of the I.D. Act.

So far the claim of back wages is concerned, the petitioner in his statement of claim has no where pleaded that he remained unemployed. No doubt he has denied the suggestion of the resmt. management in cross-examination that he was not gainfully employed but the petitioner has to stand on its own legs. He never claimed to have remained unemployed at any stage. It is also not plausible that the workman had remained unemployed for such number of years. His termination was effected on 16-9-1985. However date of reference is March 1988. In these circumstances the back wages from the date of termination to the date of reference is denied. The petitioner is allowed 50 per cent back wages from the date of reference i.e. March 1988 onward. The reference is returned to the Ministry accordingly.

Chandigarh

3-12-1992.

ARVIND KUMAR, Presiding Officer

नई दिल्ली, 24 फरवरी, 1993

कांग्रेस 589 :—आधोगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अन्तर्गत में, केन्द्रीय सरकार भारतीय ईम, बीबी०एम.बी. के प्रबन्धतत्र में संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के लिए, अमरवधि भै निविष्ट आधोगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार, आधोगिक अधिकारण, कर्मचारी के पंचपट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 23-2-93 को प्राप्त हुआ था।

[सं. एल-42012/50/86-ही० 2(बी) (पार्ट)]

कैबी०बी० उण्णी, ईस्क अधिकारी

New Delhi, the 24th February, 1993

S.O. 589.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal, Chandigarh as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Bhakra Dam, BBMB and their workmen, which was received by the Central Government on 23rd February, 1993.

[No. L-42012/50/86-D.II(B)(Pt.)]
K. V. B. UNNY, Desk Officer

ANNEXURE

BEFORE SHRI ARVIND KUMAR, PRESIDING OFFICER,
CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-
CUM-LABOUR COURT, CHANDIGARH

Case No. I.D. 50/87

Subhash Chand

Vs.

BBMB.

For the workman—Shri R. K. Singh.

For the management—Shri C. Lal.

AWARD

Central Government vide Gazette Notification No. L-42012/50/86-D.II(B) dated 10th July, 1987 issued U.S. 10(1)(d) of the I.D. Act, 1947 referred the following dispute to this Tribunal for adjudication :

"Whether the action of the management of Bhakra Dam Management Board in terminating the services of Shri Subhash Chand s/o Shri Kahan Chand, Ex-Boatman in their reservoir management Division, Nangal Township w.e.f. 8th June, 1985 is just and legal? If not, to what relief is Shri Subhash Chand entitled to and from what date?"

2. Vide this Award connected reference No. 84/87 Raj Kumar Vs. BBMB will also be disposed off.

It has been alleged in the respective claim statements that they were appointed by the respondent management w.e.f. 15th October, 1984 as boatman after having trade test initially for one month. It was further alleged that further extensions were given by the Chief Engineer as detailed below :

15-10-1984 to 14-11-1984 vide CPO BBMB No. 3829-30/34/34/RM dated 23-11-1984.

15-11-1984 to 14-1-85 vide CPO No. BBMB 4438/PSS0 34034/RM dated 23-11-1984.

15-1-85 to 31-3-1985 vide CPO letter No. 5061/PS/34 dated 7-2-1985.

1-4-85 to 31-5-85 vide CPO No. 1999/PS/34 dated 4-6-85 CEBD letter No. 12030/BBMB/512/72 dated 3-5-1985.

1-6-85 to 7-6-85 CEBD letter No. 19019/BBMB/512/72 dated 2-8-1985.

And their services were terminated w.e.f. 7th June, 1985 on the basis of 10 days notice dated 28th May, 1985. It is further alleged that extension was granted on later date and not expiry of each appointment. It is further alleged that their services were terminated below the rank of the appointing authority. It is further alleged that new hands were recruited. Daulat Ram was appointed on 4th July, 1985, Ram Das w.e.f. 4th July, 1985, Madan Lal in June, 1986, Bhola Ram on 28th October, 1986. It has been alleged that they had been recruited from the back door. It is further alleged that their juniors have been retained in service in violation of Section 23-G of the I.D. Act. It is further alleged that they put in 236 days of service. It is further alleged that their terms of extensions were expiring on 31st May, 1987 but

561 GT/93—12

10 days notice was served on 29th May, 1987 expiring on 7th June, 1985. It is thus prayed that their terminations are illegal and they are entitled for reinstatement with full back wages.

3. Respondent management contested the claims. In their written statements it has been claimed that they were initially appointed for the period of one month against temporary post on 25th October, 1984 and later on their terms of employment were extended from time to time till 7th June, 1985 when their services came to an end with the expiry of notice for 10 days. It was denied that the approval of the Chief Engineer was taken on 2nd August, 1985 for further extension. However it was in connection with the regularisation of the case under the administrative procedure. It is further pleaded that all the persons mentioned in the claim statements by the petitioners were recruited temporarily against temporary posts and were discharged from service with the expiry of their term of employment except Bhola Ram who was appointed on 3rd October, 1984 being senior most in the category was allowed to continue. It is further pleaded that the appointments of the petitioners were for the specified period and the case of the petitioners squarely falls in the exclusion clause (bb) of Section 2(oo) of the I.D. Act, 1947. It is further pleaded that there is no violation of Section 25-G and 25H of the I.D. Act and prayed for the dismissal of the references.

4. Replication was also filed reasserting the claim made in the claim statements.

5. In I.D. No. 50/87 Subash Chand Vs. BBMB petitioner examined himself as WW1 and filed his affidavit Ex. W1 in evidence and also relied on the documents Ex. W2 his appointment letter, Ex. W3 to W6 various extensions to the petitioner and Ex. W7 is the termination order, Ex. W8 the offer of appointment of one Bhola Ram and Ex. W9 the seniority list. In cross-examination he has stated that he is not aware of the contents of the documents Ex. W2 to Ex. W9. The management got proved Ex. M1 termination letter of the petitioner dated 28th May, 1985 and Ex. M2 the extension order in respect of Subash Chand and Raj Kumar.

In connected case No. I.D. 84/87 Raj Kumar Vs. BBMB workman has produced one Mr. Kapoor Je in evidence and produced himself as WW2 and filed his affidavit Ex. W1 in evidence and also relied on the documents Ex. W2 and W3 the estimate of survey of Reservoir, Ex. W4 to W6 the various extensions. In cross-examination he has also stated that he cannot say the contents of Ex. W2 to W6. He has also admitted that he was employed by the BBMB from 25th Octo btr. 1984 to 7th June, 1985. He has also admitted that on 7th June, 1985 he was junior most. He has also admitted that Sher Singh joined the BBMB after winning his case after June 1985. The management got proved termination letter dated 28th May, 1985 Ex. M1, Ex. M2 in respect of the petitioner Raj Kumar, and also relied on the document termination order of Subash Chand Ex. 2 (M1) in connected case termination letter of Raj Kumar.

Both these cases were consolidated by the order of the Court and it was ordered that the management's evidence recorded in I.D. No. 50/87 Subash Chand Vs. BBMB will be read in connected case No. 84/87 Raj Kumar Vs. BBMB.

Respondent management produced MW1 Man Mohan Mittal who filed his affidavit Ex. M3 in evidence and close his case.

I have heard both the parties and gone through the evidence and record.

Admitted positions in the present cases are that the petitioners were appointed for one month for the specified period from 15th October, 1984 to 14th November, 1984 in pursuance of their appointment letters. Their contract of employment was extended by way of various extensions given to the respective petitioners as apparent from Ex. W3 to W6 in Subash Chand's case. Their contract of employment was not renewed beyond 7th June, 1985 in pursuance of the order dated 28th May, 1985 Ex. W7 (Ex. M1) in respect of Subash Chand case and Ex. X2 (Ex. M1) in respect of Raj Kumar. Definition of retrenchment was amended w.e.f. 18th August, 1984 with the introduction of clause (bb) and termination on account of non-renewal of contract of employment has been specifically excluded from the definition of 'retrenchment' and it

will apply only to those terminations which will take place after the provision was brought on the statute book i.e. 18th August, 1984. Admittedly contract of employment of the present petitioners was not renewed after the said amendment and thus termination of the services of the present petitioners by non-renewal of their contract of employment certainly does not fall within the ambit of 'retrenchment' with the result that the provisions of Section 25F of the I.D. Act are not applicable.

Next pleas of the petitioners are that the junior Bhola Ram has been retained in service is again meritless. Raj Kumar in his cross-examination has admitted that as on 7th June, 1985 he was the junior most. Further Ex. W8 is the appointment letter of the said Bhola Ram i.e. dated 3rd October, 1984. Present petitioners were employed with the respondent on 15th October, 1984. Therefore, said Bhola Ram cannot be considered junior to the present petitioners. Thus there is no violation of Section 25G of the I.D. Act.

Next plea of the rep. of the workman relating to the violation of Section 25H of the I.D. Act 1947 and has argued that the persons namely Daulat Ram, Ram Dass were appointed on 4th July, 1985 and Madan Lal was appointed in 6/86 after the termination of services of the petitioner and no preferential treatment was given to the workman and thus violates the provisions of Section 25H of I. D. Act, 1947. There is force in this contention. Respondent management has not denied this fact in their written statement nor controvert the said stand in the evidence. Further plea has been taken that all the said persons were recruited but discharged from service on the expiry of their term of employment. Thus the management did recruit the new hands after the termination of the petitioners though their services were also terminated after the expiry of their term of employment. But definitely they have not issued any notice to the present petitioners prior to their employment and thus has violated the provisions of Section 25-H of the I. D. Act, 1947. In view of the observations made in 1983(1) S.L.R. page 38 Rajbir Singh Vs. State of Haryana a retrenched workman does accord preferential treatment but cannot seek reinstatement with full back wages. Thus the management is directed to fill up future vacancies of similar or equal in posts from which the petitioner was retrenched after following the procedure laid down u/s. 25-H of the Act. Since respondent management has given employment to certain persons without following the procedure laid down U/S. 25-H of the Act is certainly liable to pay cost to the present petitioner. Cost is assessed Rs. 1500 each. The ratio of judgement reported in 1991(3) Services Cases Today page 46 Jaswinder Singh Puri Vs. The Registrar, Co-Operative Society Punjab is followed. The references are returned to the Ministry accordingly.

ARVIND KUMAR, Presiding Officer

Chandigarh.

8th December, 1992.

नई दिल्ली, 24 फरवरी, 1993

कानूनों 590:—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947

(1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय भग्नाकार भाखड़ा, डैम, बी.बी.एम.बी., नांगल टाउनशिप के प्रबन्धतात्र के संबंध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, चाण्डीगढ़ के पंचपट को प्रकाशित करनी है, जो केन्द्रीय सरकार को 23-2-93 को प्राप्त हुआ था।

[मं. पत्र-42012/5/86-डी 2 (वी) (पार्ट)]

कैंवी.बी.० उण्णी, डैम अधिकारी

New Delhi, the 24th February, 1993

S.O. 590.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal, Chandigarh as shown in the Annexure, in

the industrial dispute between the employers in relation to the management of Bhakra Dam, BBMB, Nangal Township and their workmen, which was received by the Central Government on 23-2-93.

[No. L-42012/5/86-D II(B)(P.)
K.V.B. UNNY, Desk Officer

ANNEXURE

BEFORE SHRI ARVIND KUMAR, PRESIDING OFFICER, CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT, CHANDIGARH,

Case No. I.D. 41/87

Gulshan Kumar

VERSUS

Bhakra Beas Management Board.

For the Workman—Shri R. K. Singh.

For the management—Shri C. Lal.

AWARD

Central Government vide Gazette Notification No. L-42012/5/86-D.II(B) dated 12th June, 1987 issued U/S 10(1)(d) of the I.D. Act, 1947 referred the following dispute to this Tribunal for adjudication :

"Whether the action of the Chief Engineer, Bhakra Dam, BBMB, Nangal Township (Ropar) in terminating the services of Shri Gulshan Kumar son of Shri Mandir Singh, Gauge Reader in Hydrology Cell, BBMB, Nangal w.e.f. 15-10-1984 and not treating him on ad hoc Regular post w.e.f. 3-10-1984 is legal and justified? If not, to what relief the said workman is entitled?"

2. It has been alleged in the statement of claim that he was appointed on 8-8-1984 as gauge reader in work charge capacity and worked till 14-10-1984 and his services were terminated w.e.f. 15-10-1984 without any reason whatsoever. He also claimed violation of Section 25G and 25H of the I.D. Act, 1947 stating that Chaman Lal and Joginder Singh new hands were appointed on 16-10-1984 and 26-11-1984 respectively. Shiv Kumar was also appointed on 28-1-1985 after his termination. Ravi Kumar and Bhola Ram who were appointed on 5-10-1984 and 3-10-1984 respectively have been retained. It is further alleged that the post against which he was working was of a permanent nature and no charge sheet, enquiry or show cause notice was served upon him. It is also alleged that action of the management ignoring him on regular post w.e.f. 3-10-1984 and terminating his services w.e.f. 15-10-1984 is illegal and claimed reinstatement with continuity of service with all the benefits and interests.

3. Respdt management contested the claim and in their written statement the p'lea has been taken that the petitioner was employed purely on temporary basis for the specified period effective from 8-8-1984 to 20-9-1984 and again from 21-9-1984 to 14-10-1984 on contractual basis and his services came to an end with the culmination of the specified period i.e. 14-10-1984. It is further pleaded that the petitioner was not covered by the definition of 'retrenchment' as defined U/S 2(oo)(bb) of the Act. It is further pleaded that there is no violation of Section 25G and 25-H of the I.D. Act. It is further averred that Lal was appointed for specified period for measuring discharge during monsoon and he was employed from 16-10-1984 to 12-4-1985. Joginder Singh was appointed for the specified period and joined 3-3-1983 and later on made unspecified period appointed Ravi Kumar was appointed in a different cadre i.e. regular w.e.f. 3-10-1984. Bhola Ram was appointed in another category against regular post of boatman and rest of boatman is quite distinct from gauge reader. Ravi Kumar was appointed as a skilled 1-hour (regular/ad hoc) on 5-8-85, whereas the petitioner worked as a gauge reader against an employment

of specified period and thus there is absolutely no violation of any provisions of the I.D. Act 1947. It is further pleaded that Ravi Kumar had already been worked with the Respdt. management in various capacity from 6-7-1982 for a period of 75 days and further for 85 days from 29-6-1984 and ultimately appointed as guage reader on 3-10-1984 and prayed for the dismissal of the reference.

4. Replication was also filed reasserting the claim made in the claim statement.

5. The respdt. management in support of its case produce Shri Jarnail Singh JE BBMB as MW1 who filed his affidavit Ex. M1 in evidence and also relied on the offer of appointment Ex. M2 and M3. The petitioner produced himself as WW1 and filed his affidavit Ex. W2 in evidence and also relied on the documents Ex. W1, W3 and W4.

6. I have heard both the parties and gone through the evidence and record.

7. The petitioner has worked with the respdt. on two occasions for the specified period Ex. M2 is the appointment letter for the first tenure. The said appointment was w.e.f. 8-8-1984 for the specified period of 44 days on temporary basis and he had worked only up to 20-9-1984. Ex. M3 is the subsequent offer of appointment on work charge basis (seasonal). This was given for the specified period w.e.f. 21-9-1984 to 14-10-1984 and thus his services stood terminated w.e.f. 15-10-1984 after the expiry of contractual period. Clause (bb) of Section 2(oo) was inserted w.e.f. 18-8-1984. It is remedial provisions and prospective in nature and will apply to those terminations which take place after the provision was brought on the statute book. Contract of the employment of the petitioner was expired on 14-10-1984 and was not further renewed. By this time Section 2(oo) had been amended whereby termination of service of the workman for non-renewal of contract of employment had been taken out of the ambit of 'retrenchment' with the result that the provision of Section 25-F would not apply and his termination can not be held to be illegal and invalid entitling him for any relief for reinstatement.

8. Rep. appearing on behalf of the workman has also argued that there is violation of Section 25-G of the I.D. Act, 1947 as juniors to the present workman Joginder Kumar, Ravi Kumar and Bhola Ram has been retained and has also pointed out that the petitioner was entitled for adhoc regular post w.e.f. 3-10-1984 in place of Ravi Kumar since the petitioner was senior to said Ravi Kumar who was shown to be work charge guage reader. There is no merit in this argument. In his evidence by the Respdt. management Joginder Singh had been working with the respdt. w.e.f. 3-3-1983 and certainly senior to the petitioner as the petitioner was appointed for the specified period after 3-3-1983 i.e. 21-9-1984. With regard to Bhola Ram it is quite evident from the evidence of the management that he was working against regular post of boatman whereas the post of the petitioner was guage reader which is quite distinct. With regard to said Ravi Kumar it is again evident from the evidence that he had already been working with the respdt. management w.e.f. 6-7-82 and then on 29-6-1984 and again he was appointed on 3-10-1984 as a guage reader in regular cadre. The petitioner had not led any evidence to the contrary that Ravi Kumar has been shown as work charge guage reader. No cross-examination has been done on Jarnail Singh with regard to the above said averment made by him in his evidence qua Joginder Singh and Bhola Ram and Ravi Kumar.

9. Another point has been raised by the rep. of the petitioner that Respdt. has engaged Chaman Lal on 16-10-1984 and then Shiv Kumar on 28-1-1985 after the termination of the petitioner and no preferential treatment has been given to the petitioner and thus the management has violated the provisions of Section 25-H of the I.D. Act, 1947. The management in their evidence has admitted that Chaman Lal employed from 16-10-1984 to 12-4-1985 for the specified period and however silent about the appointment of Shiv Kumar on 28-1-1985/1-4-1985. Appointment of Chaman Lal was certainly after the termination of the petitioner. The management had not led any evidence

whether any notice or opportunity was given to the petitioner prior to the appointment of Chaman Lal and Shiv Kumar. The stress has been laid that the petitioner be given reinstatement with back wages for violation of Section 25-H of the I.D. Act, 1947. I do not agree with this contention. It has been observed in 1983(1) S.L.R. page 38 Rajbir Singh Vs. State of Haryana that a retrenched workman can not seek reinstatement with back wages but Section 25-H of the Act nevertheless does accord a preferential treatment for re-employment if after retrenchment a vacancy similar or comparable post occurs. However in this case a similar or comparable post did occur with the respdt. but these have been filled up without following the procedure given U/S 25-H of the Act. But this action of the management certainly does not entitle the petitioner to have reinstatement with back wages as claimed by the Rep. of the workman. Thus the respdt. management is direct'd to fill up future vacancies of similar or equal in posts from which the petitioner was retrenched after following the procedure laid down U/S 25-H of the Act. Since Respdt. management has given employment to certain persons without following the procedure laid down U/S 25-H of the Act is certainly liable to pay heavy cost to the present petitioner. Cost is assessed Rs. 2,000. The ratio of the judgement reported in 1991(3) Services Cases Today, page 46 Jaswinder Singh Passi Vs. The Registrar, Co-operative Society, Punjab is followed. The reference is returned to the Ministry accordingly.

Chandigarh.

ARVIND KUMAR, Presiding Officer

1-12-1992.

नई दिल्ली, 24 फरवरी, 1993

का०आ० 591:—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार एस०टी०आ० (टेलीप्राइक्स) बेरहमपुर के प्रबन्धालय के संबंध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में औद्योगिक अधिकारण भुवनेश्वर के पंचपट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 23-2-93 को प्राप्त हुआ था।

[स० एल- 40012/77/91-प्राई.आर.(डी.य) (पीटी)]

कै०वी०वी० उण्णी, डै०स्ट्र० अधिकारी

New Delhi, the 24th February, 1993

S.O. 591.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Industrial Tribunal, Bhubaneswar as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of S.D.O. Telegraphs, Berhampur and their workmen, which was received by the Central Government on 23-2-1993.

[No. I-40012/77/91-IR (DU) (P.)]
K. V. B. UNNY, Desk Officer

ANNEXURE

INDUSTRIAL TRIBUNAL, ORISSA, BHUBANESWAR

PRESENT :

Sri R. K. Dash, LL.B., Presiding Officer,
Industrial Tribunal, Orissa, Bhubaneswar,
Industrial Dispute Case No. 36 of 1991 (Central)

Bhubaneswar, the 4th February, 1993

BETWEEN

The management of S.D.O. (Telegraphs), Berhampur,
Dist. Ganjam, Orissa-760004 —First Party
Management.

AND

Their workman Sri Panchanan Patra, C/o Sri B. P. Mohanty, Advocate, P.O. Sakhigopal, Dist. Puri—Second Party-workman.

APPEARANCES :

None—for the first party-management.

Sri P. N. Patra—The workman himself.

AWARD

The Government of India in the Ministry of Labour in exercise of powers conferred upon it under clause (d) of sub-section (1) and sub-section (2-A) of the Section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947, (14 of 1947), (hereinafter referred to as the 'Act') have referred the following dispute for adjudication vide their Order No. L-40012/77/91-IR (DU) dated 19-11-1991 :—

"Whether the action of the management of S.D.O., Telegraphs, Berhampur in terminating the services of Shri Panchanan Patra, Ex-casual Mazdoor w.e.f. 3-7-87 is justified? If not, what relief the workman concerned is entitled to?"

2. Briefly stated the case of the workman is that he joined in the office of the Telecom District Engineer, Berhampur Division on 19-6-85 as a regular mazdoor and continued to work as such till 3-7-87 when without any reason and rhyme his services were terminated. He has emphatically pleaded that the work entrusted to him though is permanent in nature but he was deprived of being given regular employment with wages and other financial benefits. Like him services of other 12 mazdoors had been done away with and subsequently they have been taken back into service but in so far as his case is concerned it was not considered sympathetically by the management as a result the present dispute arose culminating in a reference for adjudication.

3. Notice was sent to the S.D.O. (Telegraphs), Berhampur by registered post but it was returned back unserved with a postal remark "not claimed and hence returned to sender". Subsequently, notice was sent through the Chief Post Master General, Bhubaneswar to cause service. Accordingly he offered the said notice to the S.D.O. who refused to receive it. Having held the service of notice to be sufficient, the S.D.O. was set ex parte and ex parte hearing was taken-up.

4. The workman in his evidence has stated that since 19-6-85 he alongwith 12 others joined the office of the S.D.O. Telegraph, Berhampur as N.M.R. employees and were entrusted duty which was permanent and perennial in nature. But all of a sudden the management without any reason whatsoever retrenched him and his co-workers from service. The notice of retrenchment served on him is Ext. 1. Subsequently his co-workers though have been taken back to service but his case has not yet been considered. He has emphatically stated that he had worked more than 240 days in each year and in support of his such statement he has proved the copy of his attendance sheet marked Ext. 2. In the retrenchment notice dated 3-6-87 (Ext. 1) there is a clear admission of the management that the workman had worked for more than 240 days in each calendar year of 1985-86 and 1986-87.

5. As regards the law relating to retrenchment is concerned, it is provided u/s 25-F of the Act that no workman who is in employment in any industry and has worked for not less than one year shall be retrenched unless he has been given one month's notice in writing indicating the reasons for retrenchment and the period of notice has expired or the workman has been paid wages in lieu of such notice.

The retrenchment notice though is dated 3-6-87 and it is mentioned therein that the notice period would expiry on 3-7-87 but there is no evidence as to when such notice was served on the workman. This apart, no reason as required under law is assigned therein which compelled the management to retrench the workman. In my opinion, therefore, two of the ingredients as provided in clause (a) of Section 25-F of the Act that one month notice has to be served and that the reasons of retrenchment are to be indicated in the notice having not been complied with, the retrenchment has to be held to be illegal.

6. Coming to the question of relief to which the workman is entitled to, this much I can say that when his other colleagues have been taken back in service why should he be treated differently by the management? In my opinion, he should be taken back to employment as Mazdoor and whenever a Class-IV post would fall vacant or a new post is created he should be absorbed in that post.

7. In view of my discussions made above, I hold that termination of service of the workman with effect from 3-6-87 is illegal and unjustified being in contravention of Section 25-F of the Act. So, he be reinstated in the said post with all full back wages and in future when a Class-IV post would fall vacant or is created he has to be absorbed in that post as a regular employee.

Dictated and corrected by me.

R. K. DASH, Presiding Officer

नई दिल्ली, 24 फरवरी, 1993

कांस्ट्रॉ 592 :—अंदियोगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार मेन्ट्रल रेलवे मोलापुर के प्रबन्धतंत्र के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट अंदियोगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार अंदियोगिक अधिकारण नं० 2 बम्बई के पंचपट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 23-2-93 को प्राप्त हुआ था।

[मं० एल-41012/139/89-प्राईंस्ट्रार० (डी०य०) (प००८०)]
केंद्रीय उण्णी, इस्क अधिकारी

New Delhi, the 24th February, 1993

S.O. 592.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal, No. 2, Bombay as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Central Railway, Solapur and their workmen, which was received by the Central Government on 23-2-1993.

[No. L-41012/139/89-IR (DU) (Pt.)]
K. V. B. UNNY, Desk Officer

ANNEXURE

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL NO. 2 BOMBAY

PRESENT :

Shri P. D. Apshankar, Presiding Officer.
Reference No. CGIT-2/21 of 1990

PARTIES :

Employers in relation to the management of Central Railway, Solapur

AND

Their workmen.

APPEARANCES :

For the Employers—Shri P. R. Pai, Advocate.
For the workman—Shri P. G. Kasve, Advocate.

INDUSTRY : Railway

Bombay, the 10th February, 1993

AWARD

The Central Government by their Order No. L-41012/139/89-IR(DU) dated 23-8-1990 have referred the following indust-

trial Dispute to this Tribunal for adjudication under Section 10(1)(a) of the Industrial Disputes Act, 1947.

"Whether the action of the management of the Div. Railway Manager, Solapur Divn. of Central Railway in relation to its establishment of Inspector of Works, Solapur, in terminating the services of Shri David P. Tribhuwan, a casual labour engaged as motor vehicle driver w.e.f. 11-12-1980 is justified ? If not, to what relief the workman is entitled?"

2. The case of the said workman, in short, is thus :

He was working as a casual labour in the capacity of the Motor vehicle Driver, Solapur from 22-4-1977 to 18-10-1978 for 366 days, and again for 40 days from 1-11-1980 to 10-12-1980. He had worked for more than 240 days during the twelve calendar months from the date of his appointment. However the railway manager terminated his services abruptly and orally w.e.f. 10-12-1980. While terminating his services, the railway management did not comply with the provisions of Section 25F of the Industrial Disputes Act. One month's notice, or one month's pay in lieu of notice, and the necessary retrenchment compensation was paid to him before his services were terminated by the management. On the termination of the services of the workman, the management has to maintain the seniority list of the workmen whose services have been terminated as Motor Vehicle Drivers in the division, as per Rule 77 of the Industrial Disputes (Central) Rules, 1957. However the railway management did not comply with that Rule. The Railway management had to intimate the said workman by registered post of their intention to resort to the recruitment of motor vehicle drivers in their division as per Rule 78 of the said Rules. The railway management did not however comply with that Rule also. Even though the railway management was aware of the fact that the services of the said workman were terminated, the railway management filed the vacancies of the motor vehicles drivers from amongst the outsiders who had no previous experience regarding the working of the railways. After the termination of the services, the said workman had requested the management again and again to take him back in services, but his request was not considered by them. After terminating the services of the workman, the railway management recruited the outsiders as the drivers who at present have attained the status of permanent workers. Therefore, the action of the railway management in terminating the services of the workman is illegal, improper, and unjust. The said workman therefore lastly prayed that this Tribunal should direct the railway management to reinstate him in services with full back wages, and the continuity of services w.e.f. 11-12-1980.

3. The railway management by their Written Statement (Ex 3) opposed the said claim of the workman, and in substance, contended thus :

The said workman was engaged as a Casual Labour on 22-4-1977, and he worked upto 18-10-1978 with broken periods under IOW(M) SUR for 333 days. Again he worked as Substitute Ambulance Driver from 2-11-1980 to 10-12-1980 for 39 days on ad-hoc basis vice Shri Mohan Ishwara, an Ambulance Driver, who was sent on deputation to T.A. Camp. After Shri Mohan Ishwara resumed his duty again, the said workman was discharged from his services. The said workman was posted purely on ad-hoc basis on stop-gap arrangement, and he was discharged since the employee in whose vacancy he was posted, resumed his duty. As such the said workman was not entitled to any notice before he was discharged from service, as alleged by him. The said workman was engaged only as a casual labour, and his name was entered in the list of casual labourers. As such there was no question of maintaining a separate seniority list of the motor vehicle drivers. A notification dated 16-4-1987 was issued for filling up the posts of the motor Vehicle Driver, but the said workman did not apply at that time. The persons who had applied and fulfilled the necessary conditions for

the said posts, were considered for the post of the Motor Vehicle Driver. Again one another notification dated 27-9-1988/22-11-1988 was issued, but at this time also, the said workman did not apply for the post. As per the said notification, the Class IV employees who were working on regular basis, and who had put in effectively 750 working days on duty or had worked for 3 years, whichever was more, were found eligible. Casual Labourers/M.R.C.Ls./Substitutes who had completed 600 days of services as on 31-12-1982 were considered eligible for screening. As the said workman had worked only for 372 days he was not considered eligible for screening to the regular absorption by the Assistant Engineer Solapur. The action of the railway management in terminating the services of the said workman, appointed as a casual labour, i.e. as a motor vehicle driver w.e.f. 11-12-1980 is quite just and proper. The Railway management, therefore, lastly prayed for the rejection of the prayer of that workman.

4. The Issues framed at Ex. 4 are :

- (1) Whether the present reference is tenable in law ?
- (2) Whether the termination of service of the workman Shri D. P. Tribhuwan without complying with the provisions of Section 25F of the Industrial Disputes Act, is valid, just, and proper ?
- (3) Whether the management in question was under an obligation to comply with the provisions of Rules 77 and 78 of the Industrial Disputes Rules, and if so, whether the management complied with them ?
- (4) Whether the action of the management of the Divisional Railway Manager, Solapur Divn. of Central Railway in relation to its establishment of Inspector of Works, Solapur, in terminating the services of Shri David P. Tribhuwan, a Casual labour engaged as motor vehicle driver, w.e.f. 11-12-1980 is justified ?
- (5) If not, to what relief the workman is entitled ?
- (6) What Award ?

5. My findings on the said Issues are :

1. Yes
2. No
3. Yes. No
4. No
5. As per Award below.
6. As per Award below.

REASONS

6. The workman concerned Shri D. P. Tribhuwan filed his affidavit (Ex. 17- in support of his case, and he was cross-examined on behalf of the Railway Management. No oral evidence was led on behalf of the Railway management.

7. Issue No. 1 :

According to the management, the present reference is not tenable in law. However, as can be seen from the order of reference (Ex. 1) that the Central Government was of the opinion that an industrial dispute existed between the said workman and the management, the Central Railway, Solapur, and hence the Central Government made the reference as above to this Tribunal under Section 10(1)(d) of the Industrial Disputes Act. I, therefore, find that the present reference is quite tenable in law.

8. Issue No. 2 :

According to the workman, he worked with the management of the Central Railway, Solapur as a motor vehicle driver from 22nd April, 1977 to 18th October, 1978 intermittently for 366 days, and then again he worked with the Railway management at Dound from 1st November, 1980 to 10th December, 1980 for 40 days. According to him, his services were terminated orally by the railway management w.e.f. 11th December, 1980, and that the said termination of

his services is not just, proper and legal, as at the time of the termination of his services, he was not given one month's notice regarding the termination, or one month's pay in lieu of notice, and he was also not paid the necessary retrenchment compensation as contemplated under Section 25F of the Industrial Disputes Act, 1947. As per Section 25F of the Industrial Disputes Act, "no workman employed in any industry who has been in continuous service for not less than one year under an employer shall be retrenched by that employer until the workman has been given one month's notice in writing indicating the reasons for retrenchment or he has been paid the wages of one month in lieu of notice, and has also been paid compensation which should be equivalent to 15 days average pay for every completed year of continuous service". As per Section 25B(2)(a), "a workman shall be deemed to be in continuous service under an employer for a period of 1 year, if the workman during the period of 12 calendar months preceding the date with reference to which calculation is to be made, has actually worked under the employer for not less than 240 days". As per Section 2(oo) of the Industrial Disputes Act, retrenchment means "the termination by the employer of the service of the workman for any reason whatsoever, otherwise than as a punishment inflicted by way of disciplinary action, but does not include voluntary retirement of the workman etc".

9. In the present case services of the workman were lastly terminated w.e.f. 11th December, 1980. Counting the period of 12 months w.e.f. 10th December, 1980, the workman had certainly not completed 240 days of service. The record of services as a casual labour of the said workman is at Ex. 5. It will be seen therefrom that he was in services with the Central Railway from 22nd April, 1977 to 18th July, 1978, i.e. for continuous period of 15 months. It will be seen therefrom that during the continuous period of 15 months without any break in the service, he had actually worked with the Railway management for 430 days. It will be seen from the said card (Ex. 5) that after 18th July, 1978 he was without any work with the railway for one month, i.e. upto 18th August, 1978. As such his services were terminated by the railway management w.e.f. 18th July, 1978, after he had worked with the railway continuously for a period of 15 months in all for 430 days. Now as the services of that workman were terminated after 15 months of service w.e.f. 19th July, 1978, then it will be seen that during a continuous period of 12 months preceding the date of 18th July, 1978, he had in fact worked with the railway for 277 days, during the period of 12 continuous months. As such he had attained the status of a regular workman when his services were terminated by the railway management w.e.f. 19th July, 1978. Admittedly no notice was given by the railway management before the termination of his service w.e.f. 19th July, 1978, nor was he paid one month's wages in lieu of notice, and he was also not paid the necessary retrenchment compensation then. As such, the said termination, i.e. the retrenchment of the workman from services by the railway management w.e.f. 19th July, 1978 is unjust, improper, invalid and illegal. Therefore the said workman is certainly entitled to reinstatement in service w.e.f. 19th July, 1978 with full back wages and the continuity of service. According to the Railway management, he had not applied for the post of a motor driver after his services were terminated, even though the railway management had issued the necessary notifications in that respect from time to time. Even then the workman is entitled to reinstatement in service w.e.f. 19th July, 1978 as the retrenchment of his services from the railway management, as noted above, is invalid and illegal.

10. According to the said workman, the railway management did not comply with the provisions of Rule 77 and 78 of the Industrial Disputes (Central) Rules, 1957. As per Rule 77, "The employer shall prepare a list of all workmen in the particular category from which retrenchment is contemplated arranged according to the seniority of their service in the category and cause a copy thereof to be pasted on a notice board in a conspicuous place in the premises of the industrial establishment at least seven days before the actual date of retrenchment". As per Rule 78, "At least ten days before the date on which vacancies are to be filled, the employer shall arrange for the display on a notice board in a conspicuous place in the premises of the industrial establishment details of those vacancies and shall also give intimation of those vacancies by registered post to every one of all the retrenched workmen eligible to be considered thereof, to the address given by him at the time of retrenchment or at any

time thereafter". There is no documentary evidence on record to show that the Railway management had complied with the said provisions of Rules 77 and 78 of the said rules, even though it was under an obligation to comply with them. Therefore issue No. 3 is found accordingly.

11. In the result, the action of the management i.e. the Divisional Railway management, Solapur division of Central Railway in relation to its establishment of Inspector of Works, Solapur, in terminating the services of the said workman Shri D. P. Tribhuwan, a motor driver w.e.f. 19th July, 1978 is unjust, improper, invalid and illegal. As such the said workman is entitled to reinstatement in services w.e.f. 19th July, 1978 with full back wages and the continuity of services.

Issues Nos. 4 and 5 are found accordingly.

12. The following Award is, therefore, passed :

AWARD

The action of the management of the Divisional Railway Manager, Solapur Division of Central Railway in relation to its establishment of Inspector of Works, Solapur in terminating the services of Shri David P. Tribhuwan, a casual labour engaged as motor vehicle driver w.e.f. 18th July, 1978 is not just, proper, valid and legal.

The Central Railway Management is hereby directed to restate the said workman in services w.e.f. 19-7-1978 with full back wages and the continuity of service.

The parties to bear their own costs of this reference.

P. D. APSHANKAR, Presiding Officer

नई विल्ली, 24 फरवरी, 1993

कांस्ट्रा० 593 :—आधिकारिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के प्रनुसरण में, केन्द्रीय सरकार सलाल हाइड्रोइलेक्ट्रिक प्रोजेक्ट के प्रबन्धतान्त्र के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच, अनुबंध में निर्विष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक, अधिकरण, चण्डीगढ़ के पंचपट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 23-2-93 को प्राप्त हुआ था।

[सं.एल-42012/56/87-डी 2(बी) (पार्ट)]

कौंसी०बी० उण्णी, डैस्क अधिकारी

New Delhi, the 24th February, 1993

S.O. 593.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal, Chandigarh as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Salal Hydro-Electric Project and their workmen, which was received by the Central Government on 23-2-93.

[No. L-42012/56/87-D. 2(B) (Pt.)]

K. V. B. UNNY, Desk Officer

ANNEXURE

BEFORE SHRI ARVIND KUMAR, PRESIDING OFFICER,
CENTRAL GOVT. INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-
LABOUR COURT, CHANDIGARH

Case No. I.D. 51/89

T. Markandan Vs. Salal Hydro Project

For the workman—Workman in person.

For the management—Shri R. L. Gupta with V. K. Gupta.

AWARD

Central Govt. vide gazette notification No. L-42012/56/87-D. 11(B) dated 16th March, 1989 issued U/S(1)(d) of the I. D. Act, 1947 referred the following dispute to this Tribunal for adjudication :

"Whether the action of the General Manager, Salal Hydro Electric Project, Jyotipuram in denying pay scale of Rs. 550-900 w.e.f. 1-3-1982 and post of senior supervisor Grade II is justified to Shri T. Markandan, If not then what other reliefs the workman is entitled and from what date ?"

2. In the claim statement it has been alleged that the petitioner had been serving in defence department since 1-6-48 and entered into regular military service w.e.f. 1-6-1950. The petitioner was sent on deputation with the respdt. w.e.f. 8-12-79. It is further alleged that since he was to retire from the defence department the respdt. management sent him back on 31-1-82 to defence service where he retired on 28-2-1982. It is further alleged that after retirement the petitioner was given appointment by the respdt. management on 20-7-1982 in the scale of 425-700 although he was entitled to the scale of 550-900, which he was given during the deputation period. It is further alleged that equally situated ex-deputationists i.e. Shri R. Ramanujam and Shri K. Purushottaman were given higher pay scales in regular cadre post where as the petitioner was given pay scale of Rs. 425-700 although these employees were juniors to him. It is further pleaded that during the military service the petitioner was in 'B' group whereas Shri R. Ramanujam was allotted 'D' group which was lowest. It is further pleaded that the petitioner is in the military service since June 1950. However said two persons joined military service on or after in the year 1955 and in any kind preference should be given to the petitioner. It is further pleaded that these two persons were given the scale of Rs. 550-900 after four years of service in July 1988, whereas the petitioner got the promotion of 550-900 w.e.f. 1-1-1988 after 5-1/2 years of service. It is further pleaded that he applied for absorption with the respdt. management but the management illegally turned down the request of the petitioner. It is thus prayed that he be given the pay scale of Rs. 550-900 w.e.f. 1-3-1982 in the regular cadre of junior engineer with all benefits.

Respdt. contested the claim and filed written statement. The plea has been taken that the petitioner was to be retired from defence service on 28-2-1982. The project repatriated the petitioner on 30-1-1982. The petitioner retired from the defence services on 28-2-1982. It is further pleaded that one post of chargeman security was vacant in the pay scale of Rs. 425-700. The Secretary Zila Sanik Board sponsored the name of the petitioner and the selection committee recommended the selection of the petitioner and consequently the petitioner was given offer of appointment for which the petitioner accepted and thus appointed as chargeman security in the pay scale of Rs. 425-700 w.e.f. 20-7-1982. No promise was made to the petitioner to provide him alternative appointment after his retirement from the Army. It is further pleaded that R. Ramanujam and K. Purushottaman were also ex-deputation from the Army but however absorbed w.e.f. 1-7-1984 in the cadre of 425-700 and made junior engineer grade II in the pay scale of 425-700 and promoted as junior engineer grade I in the pay scale of 550-900 w.e.f. 1-7-1988. It is further pleaded that no injustice has been done to the petitioner and the case of said two persons is not the same that of the petitioner. The said two persons were absorbed and however the petitioner was repatriated to the army service where he retired on 28-2-1982 and he can not compare himself with any of his existing/continuing JCO's. It is further pleaded that the petitioner joined the service of the respdt. on deputation basis after the said two persons. It is further pleaded that the petitioner was appointed afresh as chargeman security in the scale of Rs. 425-700 and in rationalisation of scales the petitioner was placed in the scale of 425-800 w.e.f. 1-8-1983 and further promoted in the scale of Rs. 550-900 w.e.f. 1-1-1988 although the said two persons were promoted in the scale of 550-900 w.e.f. 1-7-1988 and prayed for the dismissal of the reference.

4. Replication was also filed reasserting the claim made in the statement of claim.

5. The petitioner in support of his case examined himself as WW1 and filed his affidavit Ex. W1 in evidence. Settlement Ex. W2 was also relied upon by the workman. Respdt. management produced MW1 B. S. Paras who filed his affidavit Ex. M1 in evidence. Management also produced MW2 Shri Benarsi Dass Vice President Salal Workers Union.

6. I have heard the parties and gone through the evidence and record. The petitioner has argued that he was drawing pay scale of Rs. 550-900 during the deputation period and it is his right to get facility of pay protection which he was already drawing but however he was given scale of Rs. 425-700 which is arbitrary and unjust and against the principle of natural justice. There is no merit in this argument. No doubt that the petitioner when was on deputation with the respdt. management was drawing scale of Rs. 550-900. He had worked with the respdt. from 8-12-1979 to 30-1-1982 when the respdt. management repatriated the petitioner to his parent department i.e. defence services. The deputation came to an end upon the repatriation of the petitioner to the defence services. The petitioner had retired from defence services on 28-2-1982. At present petitioner is with the respdt. management by virtue of his fresh appointment as chargeman (Security) in the pay scale of Rs. 425-700 for which the petitioner had joined voluntarily. In clause 19 of the said offer there is specific mention that 'no claim for his pay protection will be entertained later on at this is a new appointment and has no link with the previous work'. However the petitioner has not placed any evidence on the record which indicate that the management had promised to provide him same scale after his retirement from the defence service and re-entering into project service. Therefore, claim of the petitioner for protection his scale of pay Rs. 550-900 is meritless.

Another plea has been raised by the workman that he should be better placed as of R. Ramanujam and K. Purushottaman. In support of this plea he has argued that he joined military service in June 1950 and however said two person joined the military service in the year 1955 and thus he is senior in rank than of said two persons in the military service. There is again no merit in this arguments. Service put in by the petitioner and the other two persons in the defence service has nothing to do with the circumstance of the present case. The petitioner and other two persons were on deputation from the Military service to the respdt. management. The said two persons came on deputation w.e.f. 23-10-79 whereas the petitioner came on deputation on 8-12-1979. However case of the said two persons are distinguishable from the present petitioner. Said two persons had continued with the respdt. management and ultimately absorbed. However the petitioner was repatriated to his parent department from where he retired and freshly appointed again with the respdt. management. Case of the present petitioner with regard to the absorption had already been rejected and that is why he was repatriated to his parent dent. However the petitioner even in his fresh appointment has been given in nationalisation of scales of Rs. 425-800 w.e.f. 1-8-83 and again has been promoted in the scale of Rs. 550-900 w.e.f. 1-1-1988 although other two persons were promoted in the scale of Rs. 550-900 w.e.f. July 1988. Therefore, case of the petitioner is entirely distinguishable than of the said two persons.

In view of the discussion made in the earlier paras, the petitioner is not entitled to any relief whatsoever. The reference is dismissed and returned to the Ministry.

14-12-92

ARVIND KUMAR, Presiding Officer

नई दिल्ली, 24 फरवरी, 1993

कानून 594 :—ओद्योगिक विवाद नियन्त्रित विवाद नियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अन्तर्गत में, केन्द्रीय सरकार सलाल हाईकोर्टिक प्रोजेक्ट के प्रबन्धन के संबद्ध

नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण चार्डीगफ़ड के पंचपट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 23-2-93 को प्राप्त हुआ था।

[सं. एल-42012/92/87-डी 2(बी) (पाई)]

केंद्रीय बीउप्पी, डैस्क अधिकारी

New Delhi, the 24th February, 1993

S.O. 594.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal, Chandigarh as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Salal Hydro Electric Project and their workmen, which was received by the Central Government on 23-2-93.

[No. L-42012/92/87-D.II(B)(Pl.)]
K. V. B. UNNY, Desk Officer

ANNEXURE

BEFORE SHRI ARVIND KUMAR, PRESIDING OFFICER
CENTRAL GOVT. INDUSTRIAL TRIBUNAL-COM-
LABOUR COURT, CHANDIGARH

Case No. I.D. 37/89

Smt. Jamuna Devi Vs. Salal Hydro Electric Project,
For the workman—Shri B. K. Raina.
For the management—Shri R. L. Gupta with V. K. Gupta

AWARD

Central Govt, vide gazette notification No. L-42012/92/87-D.II(B) dated 14th February 1989 issued U/S 10(1)(d) of the I.D. Act 1947 referred the following dispute to this Tribunal for adjudication :

“Whether the action of the General Manager, Salal Hydro Electric Project, Jyotipuram, in denying the pay scale of Rs. 260-350 w.e.f. 23-7-1983 to Smt. Jamuna Devi Works Asstt. is justified? If not, what relief the workman is entitled and from what date?”

2. It has been alleged in the statement of claim that she was employed as work asstt w.e.f. 15-5-1981 on daily wage @ 12 per day. It is further alleged that she was converted in work charge cadre from daily wages from 23-3-1983 in the scale of Rs. 210-290. It is further alleged that as per circular of the management the person who are drawing Rs. 12 to Rs. 15 per day are entitled to the scale of Rs. 260-350 which has been denied to her. Therefore, the action of the management for conversion of the petitioner from daily wage to work charge by giving scale of Rs. 210-290 in place of 260-350 is unjustified against the natural justice. It is further alleged that she had completed the apprenticeship of clerk. Thus it is prayed that the direction be given to the management for giving the scale of Rs. 260-350 w.e.f. 23-7-1983.

3. Statement of claim was contested, in the written statement. It was pleaded that petitioner was never converted on the work charge cadre from daily wage. However she was appointed in the scale of Rs. 210-290 in work charge cadre against direct recruitment quota as there is no rules or procedure to convert daily wages into work charge cadre except through direct recruitment in accordance with the recruitment rules of the project. It is further pleaded that the petitioner was offered appointment fresh with clear mention in the appointment letter that she will not be given any protection of any previous work. It is further pleaded that conversion was never made from daily to work charge cadre. Regarding circular referred by the petitioner it is only D.O. letter written by the Chief Engineer SHEP to all the S.E.s of the project for forwarding their proposals for taking daily wage

staff on work charge establishment. Said letter can not be quoted an office order. The said letter has also been superseded in the circular dated 1-12-1983. It is further pleaded that as per recruitment rules of the project Work Asstt. grade I can only be appointed if the candidate is graduate or equivalent from the recognised University, and the qualification for the work Asstt. grade II is Matriculate/higher secondary. The petitioner was appointed as work asstt. grade II since she was only matriculate in the scale of 210-290. It is further pleaded that revised circular dated 1-12-1983 is applicable to the petitioner as she was appointed w.e.f. 1-3-1984. It is further pleaded that the petitioner was offered the lost of work asstt. in the scale of Rs. 210-290 only after her acceptance she was given the formal appointment letter. The petitioner consented the scale of Rs. 210-290 and can not claim the scale of Rs. 260-350 for the additional reasons when she was not graduate and prayed for the dismissal of the reference.

Replication was also filed reasserting the scale stated in the claim statement.

5. In support of his case petitioner examined himself as WWI and filed her affidavit Ex. W1 in evidence and also relied on documents Ex. W2 circulated dated 18-7-1977, Ex. W3 appointment letter dated 23-7-1983, Ex. W4 acceptance, Ex. W5 appointment letter dated 1-3-1984, Ex. W6 office order, Ex. W7 circular dated 20-4-1983, Ex. W8 letter dated 21-4-1983 and Ex. W9 is the list of daily wages eligible for conversion into work charge cadre. Respdt. management produced Shri B. K. Raina General Secretary as MW1 who has been declared hostile. Respdt. management also produced MW2 Vinayak Chohan who filed his affidavit Ex. M2 in evidence. He has also relied on document circular Ex. M1 dated 1-12-1983.

I have heard both the parties and gone through the evidence and record. Rsp. appearing on behalf of the workman has argued that the petitioner is entitled to be fixed in the scale of Rs. 260-350 instead of Rs. 210-290 in work charge cadre in pursuance of the management's circular Ex. W2 which lays down that daily wager worker drawing Rs. 12 to 15 per day be appointed as work charge in the scale of Rs. 260-350. On the contrary rep. appearing on behalf of the management has argued that the petitioner was appointed afresh in work charge cadre as work asstt. without the benefit of any past service in the scale of Rs. 210-290 and thus she is not entitled to the scale of Rs. 260-350. It has further been pointed out by the rep. of the management that the said circular Ex. W2 dated 18-7-1977 has also revised vide Ex. M1 dated 1-12-1983 which lays down that daily wager appointed as work charge cadre should meet the requisite qualifications/experience as laid down in the existing project rules/policy. It has also been pointed out that as her recruitment rules of the project candidate who is matriculate can only be appointed as work Asstt. grade II and the candidate who is graduate can only be appointed as Asstt. Grade I. It has also been pointed that the petitioner was only matriculate and thus was appointed as work Asstt. Grade II in the scale of Rs. 210-290. After perusing all the aspects the contention raised by the rep. of the workman is meritless. Services of the petitioner is governed by virtue of her appointment letter Ex. W3 is the offer of appointment dated 23-7-83 in which she has been offered temporary post of work asstt. grade II in the scale of Rs. 210-290 Ex. W4 is the acceptance of the petitioner of the said post and scale. After acceptance of the post and the scale the petitioner was appointed in the said post and scale vide Ex. W5 dated 1-3-1984. While giving acceptance to the offer it was up to the petitioner to accept or not to accept the offer. Since she accepted the offer she is bound by that. The petitioner cannot raise any dispute regarding terms and conditions and scale after so many years. Stress of the rep. of the petitioner that it was a conversion from daily wager to work charge cadre by virtue of the circular Ex. W2 is again without any merit. Circular Ex. W2 dated 12-7-1977 does not speak of any conversion. However clause 19 of the offer of appointment Ex. W3 for which the petitioner says the reference clearly lays down that "no claim for his pay protection will be entertained later on as this is now appointment and has no link with her previous work". Not only this said circular Ex. W2 has further been amended vide Ex. M1 dated 1-12-1983 which prescribe the criteria

for appointment of daily wager into work charge cadre and prescribe requisite qualifications as per existing project recruitment rules/policy. As per rules candidate who is only matriculate can only be appointed as work Asstt. Grade II. The petitioner since matriculate was thus appointed as work asstt. Grade II in the scale of Rs. 210-290 for which she gave her consent. Thus she cannot have any grievance with regard to her terms and conditions and the scale.

In view of the discussion made in the earlier paras, the petitioner has been rightly denied the pay scale of Rs. 260-350 w.e.f. 23-7-1983 in pursuance of her positive consent to the scale of Rs. 210-290 and thus she is not entitled to any relief. Reference is dismissed and returned to the Ministry.

ARVIND KUMAR, Presiding Officer

नई दिल्ली, 24 फरवरी, 1993

का० आ० 595:—बीदोगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार सेन्ट्रल सॉयल सैलिनिटी इन्स्टीच्यूट, करनाल के प्रबन्धतंत्र के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण चांडीगढ़ के पंचपट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 23-2-93 को प्राप्त हुआ था।

सं. एल-42012/5/88-दी 2 (बी) (पार्ट)]
के०बी०बी० उण्णी, डैस्क अधिकारी

New Delhi, the 24th February, 1993

S.O. 595.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal, Chandigarh as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Central Soil Salinity Instt., Karnal and their workmen, which was received by the Central Government on 23-2-93.

[No. L-42012/5/88-D.II(B)(Pt.)]
K. V. B. UNNY, Desk Officer

ANNEXURE

BEFORE SHRI ARVIND KUMAR, PRESIDING OFFICER,
CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL
CUM-LABOUR COURT, CHANDIGARH

Case No. I.D. 19/89

Prem Singh

Versus

Central Soil Salinity Research Institute, Karnal.

For the workman—P. S. Arora.

For the management—Shri Om Prakash, Advocate.

AWARD

Central Government vide Gazette Notification No. L-12012/5/88-D.II(B) dated 6th February, 1989 issued U/S 10(1)(d) of the I.D. Act, 1947 referred the following dispute to this Tribunal for adjudication :

"Whether the action of the management of Central Soil Salinity Institute, Karnal in terminating the services Shri Prem Singh son of Shri Balu Ram w.e.f. 15-7-1986 is justified and legal? If not, what relief the workman concerned entitled?"

2. In the statement of claim it has been alleged that he joined as daily paid worker on 29-12-1979 through employment exchange. His services were terminated in the month

of July, 1986 though he has worked up to 14-7-1986. It has also been alleged that during the conciliation proceedings the management had admitted that he had completed 1388 days from 1980. It is further pleaded that the management had not followed the provisions of Section 25-G and Section 25-H of the I.D. Act, 1947. It is further alleged that the juniors have been brought on the regular establishment and the post against which the petitioner was working was also existed in the department at the time of dispensing with his services. It is further pleaded that he has not left the job of his own but at the instance of the management. Thus it is prayed that he be reinstated with full backwages.

3. Respdt. in his written statement has claimed that he started working with the respdt. on 22-1-1980 and not prior to that and his name was sponsored by the employment exchange Karnal. It is further pleaded that whenever there is vacancy for daily paid casual worker the names were called from the local employment exchange and whenever any worker on daily paid basis is employed he is neither given any appointment order nor termination order. The management had admitted that the petitioner had worked only up to 12-7-1986. It was denied that they admitted before the conciliation proceedings that the petitioner had worked for 1388 days from 1980 onward. The plea has been taken that the workman of own did not come to work which was assigned to him. Stress has been laid that the workman had worked for 87 days in the year 1986 which shows his intention not to work and so he left of his own and there was no question of terminating his services. In reply to violation of Section 25-G it has been pleaded that these workmen were employed on regular basis after their names were recommended by the selection committee constituted as per rules. It has also been pleaded that when ever regular vacancies become available the management send requisition to the employment exchange and also to the workmen who are working with the management on casual basis and on receiving the names from both ways all selections are made on regular basis by the selection committee. Thus absolutely there was no discrimination against the petitioner and there was no question of juniors and seniors as selections are made purely on merit basis. It was also stated that the workman left the job of his own accord and the same is reflected in the last para of his claim in which he has said that the management did not allow the workman to resume his duties. Although resuming the duties was arisen when any casual worker are not working.

Replication was also filed reasserting the facts stated in the claim petition.

Petitioner in support of his case filed his affidavit Ex. W1 and produced himself as WW1. In cross-examination he has admitted that he was paid wages depending upon the days he was employed in a month.

Respdt. management produced Shri Roshan Lal A.A.O. CSSRI, Karnal who filed his affidavit Ex. M1 in evidence and produced himself as MW1. He has also relied on the certificate Ex. M2 showing number of days put in by the workman.

Both parties have filed written arguments and the same has been perused and gone through the evidence and record.

Stress has been laid with regard to the violation of Section 25-F of the I.D. Act and in this connection reference has been made that the petitioner had worked for 1388 days from 1980 till the date of his termination and has appointed out that to rebut the violation of Section 25-F the respdt. management has not produced the muster roll contrary to their stand. This contention raised by the petitioner is meritless. In order to attract the provisions of Section 25-F of the I.D. Act 1947 it is to be seen that the workman must complete 240 days preceding 12 months from the date of termination. Now the question for determination is whether petitioner had completed 240 days preceding year to the date of his retrenchment i.e. 12-7-1986. As per the record and evidence the petitioner had not completed 240 days in the preceding 12 months to the date 12-7-1986. Ex. M2 has been relied upon by the respdt. management. This is a certificate showing total number of days put in

by the petitioner w.e.f. 29-12-1979 to 12-7-1986. MW1 Roshan Lal while appearing he has verified that the said document has been prepared from the record. After perusing the said document it is apparent that preceding 12 months from July, 1986 the petitioner had not completed 240 days. The non production of muster roll in view of the said oral and documentary evidence is not fatal to the management and no help to the petitioner. Thus there is no violation of Section 25-F of the I.D. Act, 1947.

It has further been stressed that a number of juniors have been retained by the respdt. management and the management has violated the provisions of Section 25-G of the I.D. Act. This plea is again meritless. As apparent from the document Ex. M2 the petitioner has only put in 87 days in the year 1986 which clearly shows the intention of the petitioner was not to work. This shows that the petitioner of his own left the services. Further these workmen were engaged on regular basis not as per their seniority or otherwise selection on the regular basis were made entirely on a different channel. Names have been called from the employment exchange as well as amongst the casual labourers already working with the management and they all are put before the Selection Committee who selects them on merits. The management is right in saying so that there is no question of any discrimination against the petitioner since there is no question of juniors or seniors. Everyone stand on equal footing in this regard as selections were made by the Selection Committee. Thus plea of violation of Section 25-G is also rejected.

In view of the discussion made in the earlier paras the petitioner is not entitled to any relief whatsoever. The reference is dismissed and returned to the Ministry.

Chandigarh.

15-12-1992.

ARVIND KUMAR, Presiding Officer

नई दिल्ली, 24 फरवरी, 1993

का.आ. 596 :—ओद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार सेन्ट्रल सॉयल सेलिनिटी रिसर्च इस्टीब्यूट करनाल के प्रबन्धालय के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच अनुबंध में, निर्दिष्ट ओद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार ओद्योगिक अधिकरण चंडीगढ़ के पंचपट को प्रकाशित करती है जो, केन्द्रीय सरकार को 23-2-93 को प्राप्त हुआ था।

[सं. एल-42012/7/88-डी.-2 (बी) (Pt.)]
के.वी.बी. उण्णी डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 24th February, 1993

S.O. 596.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal, Chandigarh as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Central Soil Salinity Research Instt. Karnal and their workmen, which was received by the Central Government on 23-2-93.

[No. L-42012/7/88-D.II (B)(Pt.)]

K. V. B. UNNY, Desk Officer

ANNEXURE

BEFORE SHRI ARVIND KUMAR, PRESIDING OFFICER,
CENTRAL GOVT. INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-
LABOUR COURT, CHANDIGARH

Case No. I.D. 15/89

Maha Ram Vs. Central Soil Salinity Research Institute.
For the workman.—Shri Maha Ram workman in person.
For the management.—Shri Des Raj.

AWARD

Central Govt. vide gazette notification No. L-42012/7/88-D-2(B) dated 24th January 1989 issued U/S 10(1)(d) of the I.D. Act 1947 referred the following dispute to this Tribunal for adjudication :—

“Whether the action of the management of Central Soil Salinity Research Institute Karnal is justified in terminating the services from the month of August, 1986 of Shri Maha Ram ? If not to what relief is the workman concerned is entitled to ?”

2. In the claim statement it has been alleged that he was appointed as Mali through employment exchange on 21-11-1983 and has been continuously working up to August 1986 with notional breaks when his services were terminated without complying with the provisions of Section 25-F of the I.D. Act 1947. The petitioner has made representation to the authorities but no result. It is further pleaded that order of termination is not proper and liable to be set aside as the same is violative of Section 25-F of the I.D. Act 1947. Therefore, it is prayed that be reinstated with back wages.

3. Respdt. management contested the claim and filed written statement. Plea has been taken that the petitioner actually worked from the period 2-12-1983 to 23-7-1986 with broken period. It is further pleaded that the petitioner had not completed 240 days in one year. It is further pleaded that whenever there is any vacancy for daily paid casual labourer, the names are called from the local employment exchange, then they are selected and they are neither given any appointment letter nor termination order. It is further pleaded that there is no violation of Section 25-F of the I.D. Act 1947. It is further pleaded that the petitioner of his own did not come for work and it was stressed that the claim of the workman be dismissed.

4. Replication was also filed. In the replication the stress has been laid that the work done by the petitioner was of permanent nature and the management had been adopting unfair labour practice in order to give some breaks. It was denied that he had not completed 240 days. It is further stressed that after being relieved in August 1986 he applied for no objection certificate for getting his name for registration but no certificate was issued to him on the ground that he was never employed through employment exchange which was wrong. It was also stressed that there was such difference in actual working and papers.

5. In support of his case petitioner examined himself as WW1 and filed his affidavit Ex. W1 in evidence. Respdt. management produced Mr. Om Parkash as MW1 who filed his affidavit Ex. M1 in evidence. Respdt. management also produced Mr. Roshan Lal as MW2 who filed his affidavit Ex. M2 in evidence and also relied on documents Ex. M3.

6. Both parties have filed written arguments. The same has been perused by me. I have also gone through the evidence and record.

7. Stress has been laid with regard to the violation of the provisions of Section 25-F of the I.D. Act and in this connection it is pointed out that to rebut the violation of Section 25-F the respdt. management has not produced the muster roll contrary to their stand. This contention raised by the petitioner is meritless. In order to attract the provisions of Section 25-F of the I.D. Act 1947 it is to be seen that the workman must complete 240 days preceding 10 months from the date of termination. How the question for determination is whether petitioner had completed 240 days preceding year to the date of his retrenchment i.e. 23-7-1986. As per record and evidence the petitioner had not completed 240 days in the preceding 12 months to the date of his termination i.e. 23-7-1986. Ex. M3 certificate has been relied upon by the respdt. management and this Ex. M3

has not been disputed by the petitioner. This certificate shows total number of days put in by the petitioner w.e.f. 2-12-1983 to 23-7-1986 MW2 Roshan Lal WI while appearing he has verified that the said document has been prepared from the office record. After perusing the said document it is apparent that in preceding 12 months from July 1986 the petitioner had not completed 240 days. The non-production of muster roll in view of the said oral and documentary evidence is not fatal to the management and no help to the petitioner. Thus there is no violation of Section 25-F of the I.D. Act, 1947.

In view of the discussion made in the earlier paras the petitioner is not entitled to any relief whatsoever. The reference is dismissed and returned to the Ministry.

ARVIND KUMAR, Presiding Officer

मई दिल्ली, 24 फरवरी, 1993

का.धा. 597:—आंशोगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार वी वी एम वी के प्रबन्धतंत्र के संबद्ध नियोजकों और उसके कर्मकारों के बीच अनुबंध में निर्विष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण अण्डीगढ़ के पंचपट को प्रकाशित करती है जो केन्द्रीय सरकार को 23-2-93 को प्राप्त हुआ था।

[सं एल-42011/56/89-डी 2(बी) (पी टी)]
के०वी०वी० उण्णी, डैस्क अधिकारी

New Delhi, the 24th February, 1993

S.O. 597.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal, Chandigarh as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of BBMB and their workmen, which was received by the Central Government on 23-2-93.

[No. L-42011/56/89-D.II(B)(Pt.)]
K. V. B. UNNY, Desk Officer

ANNEXURE

BEFORE SHRI ARVIND KUMAR, PRESIDING OFFICER,
CENTRAL GOVT. INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-
LABOUR COURT, CHANDIGARH

Case No. I.D. 95/90

Workmen Vs. BBMB

For the workman.—None.

For the management.—Shri Ram Singh.

AWARD

Central Govt. vide gazette notification No. L-42011/56/89-D-2(B) dated 27th July 1990 issued U/S 10(1)(d) of the I.D. Act, 1947 referred the following dispute to this Tribunal for adjudication :—

“Whether the action of the management of BBMB in not paying the arrears of revised pay scales for Asstt. Engineer Foreman w.e.f. 1-1-1978 is justified ? If not what relief the workmen concerned are entitled to ?”

2. Repeated registered notices were issued to the workmen.. None appeared on behalf of the workmen. In absence of any evidence from either side, reference is dismissed in default, and returned to the Ministry.

Chandigarh.

1-12-92.

ARVIND KUMAR. Presiding Officer

मई दिल्ली, 24 फरवरी, 1993

का.धा. 598:—आंशोगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार फोरेस्ट सर्वे भारत इंडिया के प्रबन्धतंत्र के संबद्ध नियोजकों और उसके कर्मकारों के बीच अनुबंध में निर्विष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण बंगलौर के पंचपट को प्रकाशित करती है जो केन्द्रीय सरकार को 23-2-93 को प्राप्त हुआ था।

[सं एल-42012/101/88-डी 2(बी) (पी टी)]
के०वी०वी० उण्णी, डैस्क अधिकारी

New Delhi, the 24th February, 1993

S.O. 598.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal, Bangalore as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Forest Survey of India and their workmen, which was received by the Central Government on 23rd February, 1993.

[No. L-42012/101/88-D.II(B)(Pt.)]
K. V. B. UNNY, Desk Officer

ANNEXURE

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT, BANGALORE

Dated, this 15th day of February, 1993

PRESENT :

Shri M. B. Vishwanath, B. Sc., B. L., Presiding Officer
Central Reference No. 51/90

I Party :

Sri H. K. Nanjappa,
No. 155, I Main Road,
Swatantra Palya,
Bangalore-21.

v/s.

II Party :

The Joint Director,
Forest Survey of India,
Southern Zone,
Vijayanagar,
Bangalore-40.

AWARD

In this reference made by the Hon'ble Central Government by its order No. L-42012/101/88-D.II(B) dated 12th September, 1990 under Section 10(1)(d) of I.D. Act, 1947, the point for adjudication as per schedule to reference is :

“Whether the action of the management of Forest Survey of India, Bangalore, in terminating the services of Shri H. K. Nanjappa, Chowkidar w.e.f. 23rd May, 1986 is justified ? If not, what relief he is entitled to and from what date ?”

2. As per the claim statement the case of the I party workman is :

The I party workman joined the services of the II party management as a Chowkidar w.e.f. 16th January, 1984. He was on probation for two years. He completed the period of probation w.e.f. 16th January, 1986, though no order has been passed to that effect. Any way the II party has not extended the probation period. The services of the I party workman have been illegally terminated w.e.f. 23rd May, 1986. This order of termination has been passed without holding an enquiry. The order of termination has been passed by way of termination on the ground that he was on unauthorised absence from duty. Unauthorised absence constitutes misconduct and therefore the II party should have held an en-

quiry before terminating his services. The termination of services without holding enquiry is illegal. The II party management is an Industry as defined under the I.D. Act. The I party is a workman as defined under the I.D. Act. The order of termination has to be set aside and the I party workman has to be reinstated.

3. In the counter statement it is contended by the II party. The II party is not an Industry. So this Tribunal has no jurisdiction. The I party was appointed purely on a temporary basis as Chowkidar. The post was sanctioned upto the end of February, 1984 and was likely to continue. The I party was on probation period of 2 years. His services could be terminated at any time without assigning any reason. The I party was absenting himself from duty without prior intimation. The I party was sanctioned leave subsequently after his return to duty. The I party did not show any improvement. In the circumstances the Jt. Director arrived at a decision finally that the official did not show any improvement towards his duties and as such final notice of termination be served on him. Accordingly notice of termination of one month was issued under rule 6 of Central Civil Services (Temporary Service) Rules, 1965 to I party vide Order No. 4-38/83/84/1931 dated 25th April, 1986. The I party remained absent wilfully from 24th January, 1986 to 28th April, 1986. Since the I party created lot of difficulties by his unauthorised absence from 24th January, 1986, a final termination notice was served on him. Since he was on probation no enquiry was required. The termination is legal and the reference has to be rejected.

4. This Tribunal, as could be seen from the order sheet dated 2nd August, 1991 has passed an order that no separate issues were required since the point for adjudication was covered by the schedule to reference. It has also been made clear that all other points will be considered at the time of final arguments.

5. On behalf of the II party M.W. 1 K. S. Shashidhar, Deputy Director has been examined. On behalf of the I party he has got himself examined and closed his case.

6. It is argued by the Learned counsel for the II party that the II party viz., Forest Survey of India is not an Industry. In this regard he relied on Ex. M.21 and M.22. Ex. M.21 is the communication from the Government of India, Ministry of Environment and Forests. It is dated 6th June, 1989. Ex. M.21 has been written by the Ministry of Environment and Forests to the Director, Forest Survey of India in which the Ministry has stated in connection with the present I party that "We have decided not to treat the establishment in dispute as 'industry' under the I.D. Act". Ex. M.22 is copy of letter dated 4th April, 1983 addressed to the Director, South Circle, Hyderabad by the Surveyor General of India. In this the Joint Director of F.S.I. has been informed that the Director may treat the F.S.I. as service department. On the strength of Exs. M.21 and M.22 it is contended that the F.S.I. is not an industry.

7. His Lordship the Hon'ble Mr. Justice Rajendra Babu in W.P. No. 21096/89 dated 20th August, 1990, while directing the Central Government to make a reference in this case on the dispute raised by the I party workman Nanjappa, has directed this Tribunal to adjudicate whether F.S.I. is an industry or not. So this Tribunal is not bound by the opinion or the order expressed in Ex. M.21 and 22. This Tribunal has to independently go into the question whether the II party is an industry or not as defined under Section 2(j) of I.D. Act.

8. The Learned counsel for the II party relied on Ex. M.23 also which is the xerox copy of the extract from Swami's News for the month of September, 1987, page 337. In Ex. M.23 it is stated by the Learned Author that the Geological Survey of India is not an industry and it should be treated as a scientific institution. The decision reported in ATR 1987 (1) CAT 456 (Ravi Shankar Banerjee v/s. Union of India and others) rendered by CAT, Calcutta relates to Geological Survey of India. It has been held by the CAT, Calcutta that Geological Survey of India is not an industry. This authority and Ex. M.23 relate to Geological Survey of India. They do not relate to the Forest Survey of India. So the law laid down by the CAT, Calcutta and the opinion expressed in Ex. M.23 do not help to decide whether the Forest Survey of India is an industry or not.

9. Relying on the decision of the Supreme Court in 1978 (1) L.L.J. 349 (B.W.S.S.B. v/s. A. Rajappa) the Andhra

Pradesh High Court in 1990 (II) L.L.J. Page 577 (Srinivasa-raq v/s. Labour Court, Hyderabad) has been pleased to give the guidelines when an establishment should be treated as industry. At page 581 para 10 it has been laid down :

"the institution will be an 'industry' if it is (i) systemic activity, (ii) organised by co-operation between employer and employee (the direct and substantive element is commercial), (iii) for the production and/or distribution of goods and services calculated to satisfy human wants and wishes".

At page 582 in the same para the Andhra Pradesh High Court has been pleased to observe that "The true focus is functional and the decisive test is the nature of the activity with special emphasis on the employer-employee relations. Under proposition No. 2, it is stated that all organised activity possessing the triple elements although, not trade or business, may still be 'industry' provided the nature of the activity, viz., the employer-employee basis, bears resemblance to what we find in trade or business. This takes into the fold of 'industry' undertakings, callings and services adventures 'analogous to the carrying on trade or business'.

10. It is against the background of the law laid down by the Supreme Court and the Andhra Pradesh High Court we have to see whether the II party F.S.I. is an industry or not. Ex. M.25 is the xerox copy of the order dated 27th June, 1986 passed by the Ministry of Environment and Forests, Government of India. It is stated in this order, while issuing reorganisation of Forest Survey of India that "On the recommendations of National Commission on Agriculture, an organisation called Forest Survey of India (FSI) was created with effect from 1st June, 1981, as a successor to Pre-Investment Survey of Forest Resources (PISFR) Organisation. It was intended that FSI would make survey of forest resources within a period of ten years, present data on critical aspects of national planning which would serve the needs of developmental planning in conservation and management of environmental reserves, national parks and sanctuaries study utilisation of forest resources in cottage, small medium and large scale industries and assist in formulation and implementation of social forestry projects in order to meet the small timber, fodder and fuel wood requirements of local population". From the office order it is clear that in the II party a systematic activity is involved and it is organised by co-operation between employer and employee and implementation of social forestry projects in order to meet the small timber, fodder and fuelwood requirements of local population. I am of opinion that the tests laid down by the Hon'ble Supreme Court, elaborated by the Hon'ble Andhra Pradesh High Court, when an institution should be considered an industry, are satisfied in this case. Accordingly I hold that the II party F.S.I. is an industry.

11. The I party workman was appointed as chowkidar on 11th January, 1984. The I Party reported for duty on 16th January, 1984. Ex. M.24 is the xerox copy of appointment order. The two conditions mentioned in Ex. M.24 are that the appointment was purely temporary and the I party would be on probation for a period of two years. Ex. M.10 is the copy of the order terminating the services of the I party workman. Ex. M.10 is dated 23rd April, 1986 and the order passed is under sub-rule (1) of rule 5 of the Central Civil Services (Temporary Service) Rules 1965. As per Ex. M.10 the services of the I party workman would stand termination w.e.f. expiry of one month from the date on which this notice was served on the I party workman. It is clear from Ex. M.10 that the termination notice has been served on the I party on 3rd May, 1986. So it should be taken that the services of the I party workman were terminated w.e.f. 3rd June, 1986 (wrongly stated as 23rd May, 1986).

12. The case of the II party is that the I party workman was wilfully absent from 24th January, 1986 to 28th April, 1986. But it is curious to note that the absence on I party from 24th January, 1986 to 28th April, 1986 is subsequently treated on 3rd June, 1986 as unauthorised absence without pay and allowances as per Ex. M.13. This means that though there was interruption in service the employee continued in service. The termination order Ex. M.10 is dated 23rd April, 1986. The office order treating the absence from 24th January, 1986 to 28th April, 1986 is dated 2nd June, 1986. The legal effect of Ex. M.13 on Ex. M.10 is that Ex. M.10 has been superseded by Ex. M.13 and the period of absence is treated as dies non.

13. The I party joined the service on 16th January, 1984 and was on probation for a period of two years. The two year period of probation was over on 16th January, 1986. In other words he had completed the probation period and it had not been extended. The I party had become permanent employee. The termination order has been passed on 23rd April, 1986, long after the probation period was completed. Since probation period had been completed, since the I party had become a permanent employee, the II party could not have applied the provisions of Central Civil Services (Temporary Service) Rules 1965 and terminated the service of I party workman. On this score the order of termination cannot be sustained.

14. The case of the II party is that the I party workman being a chowkidar, was wilfully absent i.e., he was on unauthorised absence. It has been laid down by the Hon'ble Supreme Court in 1982(1) SCC 645 (L. Robert D'Souza v/s. Executive Engineer, Southern Railways and another) at para 5, page 648 that absence without leave constitutes misconduct and it is not open to the employer to terminate service without notice and enquiry. In view of the law laid down by the Hon'ble Supreme Court unauthorised absence constitutes the misconduct. So the order of termination as per Ex. M.10 passed without holding an enquiry against the I party workman cannot be sustained.

15. Even according to the II party the I party committed misconduct by remaining wilfully absent from 24th January, 1986 to 28th April, 1986. This amounts to misconduct. The termination amounts to retrenchment. The retrenchment compensation contemplated under Section 25-F(b) of I.D. Act has not been paid to I party. Notice as contemplated under Section 25-F(c) has not been served on the appropriate Government. Since these conditions are not satisfied the termination under Ex. M.10 which amounts to retrenchment has to be set aside.

16. For the aforesaid reasons, in any view of the matter, I am of opinion that the order of termination as per Ex. M.10 is illegal. Ex. M.6 dated 23rd May, 1985 shows that the I party workman was warned by the department. Ex. M.9 dated 12th December, 1985 shows that on an earlier occasion, obviously during probation period, the services of the I party were terminated but the termination order was withdrawn on compassionate grounds in view of the circumstances explained by the I party. There is material on record to show that the I party used to absent himself without prior sanction of leave and the department was good enough to sanction it subsequently. There is material on record to show that the I party was absent from duty without leave from 1st March, 1984 to 7th March, 1984, from 1st October, 1984 to 12th October, 1984, from 9th May, 1985 to 14th May, 1985, from 16th July, 1985 to 23rd July, 1985 and 16th August, 1985 to 5th September, 1985 and this leave was sanctioned subsequently. It is obvious that the I party workman has tried the patience of the II party. Can the leopard change his spots? He again remained absent from 24th January, 1986 to 28th April, 1986 without prior sanction of leave and invited trouble. For these reasons I am of opinion that this is a fit case in which back-wages should not be granted.

17. All other documents and evidence not referred to me above are not relevant. In any case they do not alter my conclusions reached above.

ORDER

The order of termination of the services of the I party workman as per Ex. M.10 is set aside. The II party is directed to reinstate the I party workman forthwith. The I party workman is entitled to continuity of service. The unauthorised absence from 24th January, 1986 to 28th April, 1986 shall have the effect of postponing increment in accordance with Central Civil Rules. Award passed as stated hereinabove the reference submit to Government.

(Dictated to Stenographer, typed by him corrected, signed by me on this 15th day of February, 1993.)

M. B. VISHWANATH, Presiding Officer

नई दिल्ली 24 फरवरी, 1993

का आ 599:—ओर्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार वी वी एम वी के प्रबन्धतंत्र के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट ओर्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार ओर्योगिक अधिकरण, चण्डीगढ़ के पंचाट को प्रकाशित करती है जो केन्द्रीय सरकार को 23-2-93 को प्राप्त हुआ था।

[एस-42012/49/86-डी2 (वी) (पार्ट)]

केंवी०वी० उण्णी, डैस्क प्रधिकारी

New Delhi, the 24th February, 1993

S.O. 599.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal, Chandigarh as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management B.B.M.B. and their workmen, which was received by the Central Government on 23-2-93.

[No. L-42012/49/86-D-II(B)(Pt.)

K. V. B. UNNY, Desk Officer

ANNEXURE

BEFORE SHRI ARVIND KUMAR, PRESIDING OFFICER,
CENTRAL GOVT. INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-
LABOUR COURT, CHANDIGARH

Case No. I.D. 84/87

Raj Kumar Vs. BBMB.

For the workman.—Shri R. K. Singh

For the management.—Shri C. Lal.

AWARD

Central Govt. vide gazette notification No. L-42012/49/86-D.II(B) dated 15th September 1987 issued U/S 10(1)(d) of the I.D. Act 1947 referred the following dispute to this Tribunal for adjudication :—

“Whether the termination of Shri Raj Kumar son of Shri Guabachan Singh, Ex. Boatman by the management of Bhakra Beas Management Board is legally in order/justified? If not, to what relief and from what date, the workman concerned is entitled to?”

2. For Award see connected case of Subash Chand Vs. BBMB I.D. No. 50/87 decided today.

Chandigarh.
1-12-92.

ARVIND KUMAR, Presiding Officer

नई दिल्ली 1 मार्च, 1993..

का आ 600:—ओर्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार वी वी लिमिटेड के प्रबन्धतंत्र के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच अनुबंध में निर्दिष्ट ओर्योगिक विवाद में ओर्योगिक अधिकरण-1 के हैदराबाद के पंचाट प्रकाशित करती है जो केन्द्रीय सरकार को 26-2-93 को प्राप्त हुआ था।

[संख्या पल-12012/32/89-आई आर (बैक-1)]

केंवी०वी० उण्णी, डैस्क प्रधिकारी

New Delhi, the 1st March, 1993

S.O. 600.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Industrial Tribunal-I, Hyderabad as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Vysya Bank Limited and their workmen, which was received by the Central Government on 26-2-1993.

[No. L.12012/32/89-IR (Bank-I)]
K. V. B. UNNY, Desk Officer

ANNEXURE

BEFORE THE INDUSTRIAL TRIBUNAL-I AT
HYDERABAD

PRESENT :

Shri Y. Venkatachalam, M.A., B.L., Chairman.

Dated the Sixth day of February Nineteen Hundred
Ninety Three

I. D. No. 76 of 1989

BETWEEN

The Workman of Vysya Bank Ltd., Bangalore-560001
—Petitioner

AND

The Management of M/s. Vysya Bank Ltd., Bangalore-
560001 —Respondent

APPEARANCES :

M/s. S. Satyam Reddy and G. V. Reddy, Counsel—for
workmen.

Sri M. Narahari, Advocate—for the Management.

AWARD

This reference is referred by Government of India, Ministry of Labour vide letter No. L-12012/32/89-IR (Bank-I) dated 6-10-1989 for adjudication of the dispute between the Management of M/s. Vysya Bank Limited Bangalore and their workmen with the following Annexure :

"Whether the action of the management of the Vysya Bank Limited, Bangalore in terminating the services of Shri K. Ravi Kumar Probationary Clerk, Uppal Branch of Vysya Bank Ltd., District Karimnagar (A.P.) w.e.f. 9-6-88 is justified ? If not, to what relief the workman concerned is entitled ?"

2. The said reference is registered as I. D. No. 76 of 1989 in this Tribunal and notices were sent to both parties. The workman filed Claim Statement wherein he stated that he was selected as Probationary Clerk after conducting a test. He was selected in the permanent vacancy of Probationary Clerk and posted to Uppal Branch and joined service on 9-12-87. The training given by the management to workman was for four weeks duration and it only the theoretical. The workman was performing his duty sincerely and honestly to the satisfaction of all concerned. The appointment order clearly shows that the management can extend the period of probation for three months at their discretion. The workman was discharged from service by order of the management dated 28-5-88 without extending probationary period. No retrenchment benefits were paid to him. No reason was assigned to his termination. He was employed provisionally to fill the permanent vacancy. The workman was a probationary Clerk and therefore he was to fill permanent vacancy on completion of probationary period. As per Shastry Award, during the period of probation, an employee has the same rights as that of permanent employee and therefore his services cannot be terminated except on the ground of proved misconduct or without sufficient reasons connected thereto. The termination is illegal. The workman completed Six months probation period at the time of serving the termination order. Therefore the workman may be reinstated.

3. On the other hand the respondent filed the Counter wherein it is stated that the workman was selected for undergoing training as "Trainee in Clerical Duties", for four weeks. Subsequently he was appointed as Clerk on

probation at Uppal Branch and he was directed to report at the branch on 12-12-1987. The petitioner joined the branch. It is not correct to say that he was appointed in permanent vacancy. The probation was fixed for six months and after expiry of that period it is the discretion of the management to extend the period by 3 months. The petitioner is bound by rules and regulations of Bank governing Award of employees. By order dated 12-3-1988 the petitioner was served as Memo of his insufficiency in work and indifference in attitude call in upon to show improvement in his work. The petitioner did not show any improvement in his work. Therefore after the expiry of the probationary period his services were terminated. The workman is not having interest to continue service in the permanent vacancy. The petitioner workman had not attained the Status of a permanent workman.

4. On behalf of the workman WW-1 is examined and exhibits W-1 to W-4 are marked. On behalf of the respondent nobody is examined and no document is marked. WW-1 is no other than the workman himself and who filed the claim statement appeared before this Tribunal and examined himself as WW-1 and proved the contents of his claim statement. In his evidence he stated that he was appointed as Probationary Clerk and the appointment order is Ex. W-1. He joined in the service on 10-12-1987. He was appointed after conducting a written examination as he passed the test he was appointed and oral interview also conducted before his appointment. He further stated that there was no complaint against him during his service. But the respondent issued a Memo dated 12-3-88 stating indifferent attitude towards customers, officers and the fellow workers and he was not showing any interest in the work. Later the termination order was served on him. The management of the respondent bank did not conduct any domestic enquiry prior to his removal. Therefore he may be reinstated. He went personally and reported to the Branch Manager to the effect that he will improve the performance of his work. Therefore he may be reinstated.

In support of his claim statement the petitioner filed Ex. W-1 which is an appointment order. Ex. W-2 is notice issued to the workman by the management. Ex. W-3 is the draft for one month's pay sent to the workman. Ex. W-4 is the relieving order of the workman.

5. The arguments of the advocates of the both sides are heard. The learned advocate for the workman argued that the workman who issued this dispute appeared before this Court and examined himself as WW-1. He had proved the contents of the claims statement. He clearly stated in his evidence that the test was conducted by respondent bank. He qualified in the test and thereafter oral interview was conducted. On the basis of the oral interview he was selected and given posting orders. There is no point in the allegation that the workman is indifferent to the work, indifferent towards his colleagues and indifferent to the customers. There are no specific instance as to when and with whom and in what respect the workman did not satisfactorily attended to his work. In fact the probationary period was not extended by 3 months. He further argued that if the respondent management did not satisfy with the work of the workman in the natural course the probationary period of the workman should have been extended by another 3 months. The management did not do so. The management did not conduct any enquiry to prove misconduct of the workman. The termination is nothing but unfair labour practice and the workman may be reinstated with full back wages and attendant benefits.

On the other hand the advocate for the respondent argued that it is not correct to contend that the workman was employed in permanent vacancy. It is true that he was selected after passing written examination and also oral interview. He was appointed temporarily and his appointment confirmation would be subject to the satisfaction of the probationary period of the workman to the management. The management issued notice to the effect that the workman is indifferent to the customers and also indifferent to his work and as such Memo was issued to improve his work. The one month pay is also sent to the workman which was received by him. Therefore the workman is not having any point in his favour and the award may be passed accordingly.

6. The Point for consideration is whether there are any valid grounds to reinstate the workman with all back wages or not ? or what relief the workman is entitled to ?

7. At the very outset I would like to mention that the workman who raised this dispute is a person who filed the claim statement in this Tribunal and the same person appeared before this Court and examined himself as WW-1 and proved the contents of his claim statement. In support of his oral evidence he filed four documents. Ex. W-1 is the appointment Order. Ex. W-2 is the Memo served on the workman by the respondent Bank for improving his work. Ex. W-3 is One month pay notice letter. Ex. W-4 is the relieving order. On behalf of the management no oral or documentary evidence is adduced. It is an admitted fact by the both sides that the workman was selected by the respondent-management after conducting a written examination followed by oral interview. The workman passed written and as well as oral interview. Thereafter on the basis of the merit he was selected as Clerk and the appointment order was given to him by the respondent-management which is marked as Ex. W-1. As seen from clause 4 of the appointment order the workman will be on probation for a period of six months from the date of reporting for duty and the same may be extended by 3 months at the discretion of the Bank/respondent. After completion of six months period on the last day a relieving order was served on the workman. But the respondent Bank did not extend the probation period. I would like to further mention that under Ex. W-2 the workman was served with a Memo with four clauses :

01. indifferent in his attitude towards customers, Officers and fellow workers ;
02. Showing no interest in learning the work ;
03. below average in efficiency; and
04. slow and inaccurate in work ;

No doubt the respondent management issued the Memo to the workman under Ex. W-2 and in that Memo specific instances were not mentioned. In the natural course the respondent should have been pointed in each aspect as to why he is indifferent towards customers, towards officers or towards fellow workers and at what time or which aspect should be specifically stated and he is not having interest in learning work. These are all the general points against the workman which are pointed out by the management as per Ex. W-2. But the management should have specifically initiated with regard to each allegation or the respondent should have conducted enquiry. The respondent did not do either of the two I would like to further mention that the management did not extend the probation period by 3 months. So that during which period the workman could improve the defects pointed out against him as per Ex. W-2 the Memo of the respondent. The management did not do that also. The termination without giving any specific instances of misbehaviour or misconduct is nothing but unfair labour practice and the respondent management ought not to have adopted such methods of terminating the services of the workman who was selected after passing the written and oral tests. Therefore in view of the facts and circumstances I am of clear opinion that the workman is entitled to reinstatement with full back wages together with all attendant benefits.

8. In the result I find that the action of the management of Vysya Bank Ltd., Bangalore in terminating the services of Sri K. Ravi Kumar, Probationary Clerk, Uppal Branch of Vysya Bank Ltd., District Karimnagar (A.P.) w.e.f. 9-6-88 is not justified. The respondent-management is directed to reinstate the workman as Clerk. The workman is entitled to full back wages and continuity of service and all attendant benefits. Award passed accordingly.

Dictated to the Stenographer and transcribed by him and corrected by me and given under my hand and Seal of this Tribunal on this the 6th day of February, 1993.

Y. VENKATACHALAM, Chairman

Appendix of Evidence

Witnesses examined on behalf of

the workman :

1. WW-1—K. Ravikumar

Witnesses examined on behalf of

the management :

Nil.

Documents marked for workman

1. Ex. W-1/18-11-1987—Appointment Order of K. Ravikumar issued by the Vysya Bank Ltd., Bangalore dated 18-11-1987.

2. Ex. W-2/12-3-88—Xerox copy of the Memo issued to K. Ravikumar by Asst. General Manager, Vysya Bank Ltd., dated 12-3-88.
3. Ex. W-3/ —Xerox copy one month pay notice dated 28-5-88 issued to K. Ravikumar.
4. Ex. W-4/ —Xerox copy of Relieving order issued to K. Ravikumar by Vysya Bank Ltd., Uppal Branch.

Documents marked for the management

NIL

नई दिल्ली, 26 फरवरी, 1993

का. आ. 601:—औद्योगिक विवाद अधिनियम 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के भनुसरण में केन्द्रीय सरकार मै. ई.सी. बो. अण्ड कम्पनी (पारादीप) प्राइवेट लिमिटेड पो. आफिस पारादीप पोर्ट डिस्ट्रिक्ट कटक के प्रबन्धतान्त्र के संबंध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में औद्योगिक अधिकरण, उडिसा (भुवनेश्वर) के पंचपट को प्रकाशित करती है जो केन्द्रीय सरकार ने 22-2-93 को प्राप्त हुआ था।

[संख्या एल-38012/1/90-माई आर(विविध)]

बी. एम. डेविड, डैस्क अधिकारी

New Delhi, the 26th February, 1993

S.O. 601.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Industrial Tribunal, Orrisa (Bhubaneswar) as shown in the Annexure in the Industrial Dispute between the employers in relation to the management of M/s. E.C. Bose & Co. (Paradip) Pvt. Ltd. At P.O. Paradip Port, Dist. Cuttack and their workmen which was received by the Central Government on 22-2-93.

[No. L-38012/1/90-IR(Misc.)]
B. M. DAVID, Desk Officer

ANNEXURE

INDUSTRIAL TRIBUNAL, ORISSA, BHUBANESWAR

PRESENT :

Sri R. K. Dash, LL.B.,
Presiding Officer,
Industrial Tribunal,
Orissa, Bhubaneswar.

Industrial Dispute case No. 8 of 1990 (Central)

Dated, Bhubaneswar, the 12th February, 1993

BETWEEN :

The management of M/s. E.C. Bose & Co. (Paradip) Pvt. Ltd. At P.O. Paradip Port, Orissa, Cuttack.
... First Party-management.

AND

Their workman Sri S. M. Amin, At : Ramkrishnapur,
P.O. Natkai, P. S. Salopur, Via : Nischintakoli,
Dist. Cuttack. ... Second Party-workman.

APPEARANCES :

None.—For the first Party-management.

Sri S. M. Amin.—The workman himself.

AWARD

The Government of India in the Ministry of Labour in exercise of powers conferred upon it by clause (d) of sub-

section (1) and sub-section (2A) of Section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), have referred the following dispute for adjudication vide their Order No. L-38012/1/90-IR(Misc.) of 1990 :—

“Whether the action of the management of M/s. E.C. Bose & Co. (Paradip) (P) Ltd., At/P.O. Paradip, Dist : Cuttack, Stevedores/Contractors in refusing employment to Shri S. M. Amin, ex-Supervisor w.e.f. 1-2-83 is justified ? If not, to what relief is the workman entitled ?”

2. Shorn of all details the case of the workman is that during course of employment under the first party management he met with an accident as a result he became partially disabled. He approached the Commissioner under the Workmen's Compensation Act and the Hon'ble High Court of Orissa at different times and certain orders were passed in his favour by the Commissioner as well as the Hon'ble Court. He was ordered by the Commissioner to be taken back in service but it was not carried out. Again he filed a complaint in the Hon'ble High Court which was registered as Misc. case No. 2 of 1984 where a direction was given that he should approach the employer within one week from the date of judgment for reinstatement and if he was not reinstated he might seek relief according to law. Thereafter he knocked at the door of the Commissioner under the Workmen's Compensation Act in 1985 alleging that despite of his repeated approach he had been denied of employment. Evidence both oral and documentary were led in the proceeding and the Commissioner without deciding whether his allegation of refusal of employment is true or not ordered for payment of compensation of Rs. 5,000. Being aggrieved by the said order he preferred an appeal to the Hon'ble Court. While dismissing the appeal the Hon'ble Court observed that if the workman is not allowed to render service and is not paid wages it shall be open to him to approach the appropriate authority for redress. In view of such direction he raised a dispute which was admitted to conciliation and the same having failed was referred to this Tribunal for adjudication.

3. The first party-management challenging the maintainability of the reference has urged that the workman though joined service on 11-7-88 but thereafter without any reasonable excuse remained absent which amounts to abandonment of service and in this view of the matter he is not entitled to any relief in the present case.

4. During hearing the management remained absent for which exparte evidence was recorded. The workman in his evidence has deposed that after being denied of job and compensation due to the accident which he met in course of his employment, he approached from post to pillar and having failed in his attempt has taken the last resort by raising the present dispute. In his unchallenged testimony he has emphatically stated that he approached the management to permit him to join his duty but the same was turned down. There having no reason to disbelieve his unchallenged evidence, I hold that denial of employment by the management is illegal and unjustified.

5. In the result, the action of the management under reference being not justified, the workman should be reinstated in service with full back wages with effect from 1-2-83 and the back wages be paid within three months from the date of publication of this Award.

Dictated & corrected by me.

R. K. DASH, Presiding Officer

नई दिल्ली 26 फरवरी, 1993

का.आ. 602 :—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार केरला सिरेपिक्स लिमिटेड पो.ओ. कुन्दरा के प्रबन्धतंत्र के संबंध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में औद्योगिक अधिकारण,

कौलाम के पंचपट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 25-2-93 को प्राप्त हुआ था।

[सं. एल-29011/42/89-आईप्रार (विविध)]

बी.एम० डेविड, डैस्क अधिकारी

New Delhi. the 26th February, 1993

S.O. 602.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Industrial Tribunal, Kollam as shown in the Annexure in the Industrial Dispute between the employers in relation to the management of Kerala Ceramics Limited, Kundara, P.O. and their workmen, which was received by the Central Government on the 25-2-93.

[No. L-29011/42/89-IR(Misc.)]
B. M. DAVID. Desk Officer

ANNEXURE

IN THE COURT OF THE INDUSTRIAL TRIBUNAL— KOLLAM

(Dated, this the 25th day of January, 1993)

Present :

Sri C. N. Sasidharan, Industrial Tribunal.

IN

INDUSTRIAL DISPUTE NO. 118/90

BETWEEN

The Managing Director, Kerala Ceramics Ltd., Kundara P.O., Pin Code-691 501.

(By Sri. V. Sugathan, Advocate Kollam).

AND

(1) The General Secretary, Kerala Ceramics Workers Federation, Nanthencode, Trivandrum-695 003
(Ex parte).

(2) The General Secretary, Kerala Ceramics Workers Union, Kundara P.O., Pin Code-691 501.
(By Sri P. Sudhakaran, Advocate, Kollam).

(3) The General Secretary, Kerala Ceramics Workers Union, Kundara P.O., Pin Code-691 501.
(By S/s. Alfred Sathyadas & V. Rajendra Babu, Advocates, Kollam).

AWARD

This reference has been made by the Government of India as per Order No. L-29011/42/89-IR (Misc.) dated 31-5-1990 to this Tribunal for adjudicating the following issues :

SCHEDULE

“Whether the demand placed by the workmen of M/s. Kerala Ceramics Ltd., Kundara represented by Kerala Ceramic Workers Federation, Kerala Ceramic workers Union and Kerala Ceramic Employees Federation for regularisation of the services of the workmen whose names are listed in the Annexure from the dates of their initial appointment as casual workers is justified. If so, what relief are the workmen concerned entitled to ?”

ANNEXURE

1. Sri G. Edward
2. Sri J. Crispin
3. Sri J. Nesson
4. Sri G. Sunfucious
5. Sri P. Joseph
6. Sri J. Pappachan

7. Sri G. Joseph
8. Sri J. Stellaus
9. Sri S. Marydasan
10. Isadoor
11. T. Neopolean
12. Sri P. Titus
13. Sri C. Philip
14. Sri J. James
15. Sri A. Cyril
16. Sri M. Yesudasan
17. Sri E. James
18. Sri N. Raju
19. Sri G. Joy
20. Sri J. Rancis
21. Sri S. Alocious
22. Sri T. Barnad
23. Sri M. Yesudasan
24. Sri I. Pappachan
25. Sri V. Gopi
26. Sri K. Varghese (Pappachan)
27. Sri P. Madhavan Pillai
28. Sri T. John (Thankachan)
29. Sri N. Sadasivan Pillai
30. Sri C. G. John (Raju)
31. Sri N. Gopinathan Nair
32. Sri G. Parameswaran Pillai
33. Sri S. Wilfred
34. Sri K. Rajan Pillai
35. Sri K. Haridasan
36. Sri K. Ramachandran Pillai
37. Sri G. S. Sasidharan Pillai
38. Sri S. Sudarsanan

2. Union Nos. 2 and 3 and the management alone are contesting the matter. Union No. 1 was set ex-parte as it remained absent though notice was duly served.

3. Union Nos. 2 and 3 have filed separate claim statement. The case of Union No. 2 is briefly as under : This union represents the first 23 workmen in the Annexure to the reference order. The management is a Kerala Government Undertaking. The Kozhikode division of the company is engaged in the mining and manufacture of clay and the workmen concerned in this dispute are working in that division. The loading and unloading of clay in the mines division has been formerly done through agents and from January 1967 the work was got done through Sri G. Edward No. 1 in the Annexure, along with other 21 workmen represented by the union. These 22 workmen have done the work in the place of unloading of the workmen who were absorbed in the regular service of the company. In April 1970 the aforementioned Sri Edward was also absorbed in the company's regular service and No. 15 Sri A. Cyril was appointed as loading and unloading group leader. The workers were wages on piece rate basis which was increased from 1-4-1971 by agreement with the union on 2-9-1971. This system continued upto 1973. These workmen were also absorbed in the regular service of the company by agreement with the union on 6-12-1973. These workers were eligible for DA in addition to piece rate wages and also other benefits applicable to the other workmen of the company. Sri Edward was confirmed in service on 16-11-1971 and others on 1-2-1977. Service weightage and revision of salary were granted to the workmen as per long term agreement between the management and the workmen on 6-12-1973 and 15-10-1979. These workmen were not granted increments due as per the agreements since their dates of joining were taken as 16-11-71 in the case of Sri Edward and 1-2-1977 in the case of others. These workers have been engaged from January 1967 for loading and unloading work which forms part of the manufacturing process of the company. In the case of all piece rated workmen who were subsequently absorbed in regular service till 1984 the management has accepted their previous service even as casual workmen on piece rates and granted them all benefits. But these workmen in the reference were not granted such benefits. There is no justification for such a discrimination. The prayer of this union is to reckon the service of the workmen from first January 1967 for all

purposes with eligibility for gratuity, promotion, seniority service weightage, salary revision and all attendant benefits.

4. The case of the third union as per its statement is briefly as under : This union represents 15 workers shown as numbers 24 to 38 in the Annexure to the reference order. They were initially recruited as canteen workers in the management company and they were offered permanent and continuous service in the canteen. Subsequently they were employed in various other posts in the company. During the period of their appointment the canteen was run by a society of workers and the management. These workers had served for a very long period in the canteen as permanent workers. But the management wilfully neglected the service period of these employees as canteen workers. The union has stated the dates of recruitment of these 15 workers separately from 1961 to 1975. Due to the non consideration of the past service of these employees in the canteen they have to suffer irreparable loss and monetary benefit and also other attendant benefits. The action of the management in not regularising the service of the workmen from the date of their recruitment in canteen is violative of the principles of natural justice. The prayer of this union is for a direction to the management to regularise the service of the employees from the date of their recruitment in the canteen with all attendant benefits.

5. The case of management briefly stated is as under :

The loading and unloading work in units I and III of the company were being carried by giving it on contract basis. There was therefore absolutely no employer employee relationship between the management and the workers appointed by the contractor. This work was executed on contract through various contractors who engaged their own workers. There was absolutely no appointment of anybody as worker by the management in this category. While some of the workers engaged by the contractor were absorbed in the service of the company with effect from 1-2-1977. As a result of series of conferences with the parties a settlement was arrived on 6-12-1973 by which it was agreed that the loading and unloading work given on contract to Sri Raveendran Nair and Sri Cyril in units I and III will be done on the basis of group piece rate system and the respective groups were given the responsibility for handling the work collectively irrespective of the number of persons present on any day subject to maximum number specified. That settlement did not accept the said workers as workers of management. The present claims of the unions are against the said settlement. The management has implemented the terms of that settlement with effect from 1-1-1974 which cannot be reopened now. As per long term agreement dated 15-10-79 the fixation of workers were made and the claim of the loading and unloading workers to approve the service with effect from 16-7-1973 was included as an outstanding issue in the Annexure to the aforementioned settlement. Those workers have not entered into the service of the company in 1967 and they are not eligible for any benefit of regular service from 1967. The management not engaged them for loading and unloading work. They were appointed in the regular service of the company with effect from 1-2-1977 only. The claim of the third union is also unsustainable. The workers represented by that union initially appointed by Kerala Ceramic Employees Consumers Co-operative Store Ltd. 2254 and not by the management. The above society is an independent body. Any appointment made by the society or any act done by it will not be and cannot be treated as acts of management company. The claim put forth by this union cannot be accepted as their services with the society were not the service with the management. According to the management the claim of the unions are absolutely baseless and unsustainable.

6. The second union has filed a replication disputing the case pleaded by the management and reaffirming the contentions of this union.

7. The evidence on the side of the unions consists of the oral testimonies of three witnesses as WW1 to WW3 and Exts. W1 to W2. The management has examined their Asst. Manager (Personnel) as MW1 and Exts. M1 to M18 have also been marked on the side of the management.

8. I shall first deal with the claim of third union which represents 15 workers. According to the union these workers were initially appointed in the canteen of management company by the management itself and subsequently they were absorbed in various other posts in the company. But according to the management the canteen workers were employed by contractor one Sri. Nepolian earlier and thereafter the canteen was run by the society which employed these workers. Therefore according to the management there was no employer employee relationship between these workers and the management before their absorption in the regular service of the company. It has come out in evidence that Sri. Nepolian was the contractor of the canteen for one year and he had surrendered it on 2-6-1975 due to loss which is evident from Ext. M9 later submitted by him to the management. It is stated in Ext. M9 that Sri. Nepolian was not paid any compensation for the loss in conducting the canteen. That makes it clear that the management is responsible to run the canteen. Ext. M2 is the Minutes of the management with representatives of the management and representatives of third union held on 29-3-1976. It is stated in Ext. M2 that the canteen in the kaolin division was brought under the direct control of the canteen advisory committee and the day today affairs of the canteen is managed by the convenor nominated by the committee from time to time under the supervision of the personnel manager. The above statement shows that the management company has direct control over the canteen and its functioning. Further as per Ext. M2 it was agreed that the canteen employees will be paid Rs. 100 each from first July, 1975 till 29-2-1976. It was also agreed to pay salary and the rates are also stated. There is also statement that the canteen employees have received advances and there is a condition for recovering such advance. The working hours and the nature of work were also fixed as per Ext. M2. The other terms of the agreement also shows that the canteen is under the direct supervision of the management company. On the basis of Ext. M2 the management issued an office order Ext. W1 on 5-11-1976 for disbursement of salary to the canteen employees. The subject mentioned in Ext. W1 is "salary of canteen employees". It is stated in Ext. W1 that the employees have received advance and such advance will be recovered from their salary arrears. There is also provision for recovery of advance. Ext. W1 order issued by the General Manager of the management also shows direct control of the management over the canteen employees and also disbursement of salary by the management. It is true that the canteen was subsequently run by a society and also by a canteen advisory committee which is under the direct supervision of the personnel manager of the factory admittedly. In the Director Board of the society, which runs the canteen, there are representatives of the management also and that also shows direct control of the management over the canteen and its employees. The terms and conditions stated in Ext. M2 and W1 clearly establish employer employee relationship between the management and these employees.

9. The management placed reliance on Ext. M1 the byelaw of the society in support of the contention that the affairs of the canteen including the appointment of employees are governed by the society. But in Ext. M1 the appointment of staff in the co-operative store alone are stated. The service conditions of employees in the society are stated from page 18 onwards. The Director Board is the appointing authority. There is no mention of the mode of selection of the employees in the canteen. It is also not known when the society was constituted and when the society started running the canteen. So Ext. M1 will not support the case of management particularly in the light of my finding in the above paragraph mainly on the basis of Ext. M2 and Ext. W1.

10. These canteen employees were subsequently absorbed in the regular service of the company from 1-2-1977. But the management has not regularised their past services in the canteen. There is no satisfactory or reliable evidence regarding the dates of appointment of these employees in the canteen. As per Ext. M9 later one Sri. Nepolian was the contractor of the canteen upto 2-6-1975 and thereafter the canteen and the employees were under the direct supervision and control of management as held by me above.

Further there was employer employee relationship between the management and these employees after 2-6-1975. There is absolutely no concrete evidence to show that there existed any master and servant relationship between these employees and management prior to 2-6-1975. Therefore these employees are entitled to get their services regularised from June 1975 and to get all consequential benefits including arrears. But I make it clear that in order to avoid hardships to other employees and to avoid industrial unrest the service of these canteen employees need be counted for future promotion and other purposes without disturbing the existing seniority of other employees in the company.

11. The management has brought to the notice of this Tribunal one decision of the High Court of Kerala and two decisions of the High Court of Madras in support of the contention that the claim of 3rd union is unsustainable. The first authority cited is the decision of the High Court of Madras in Secretary M.S.G.I.C.E.U. Vs. Presiding Officer I A1 Labour Court [1986(1) LLJ 208]. In that decision the management company started a canteen and entrusted to a re-employment with the management company since managing the canteen incurred huge loss and became defunct. The employees thereafter claimed that they are entitled to get re-employment with the management company since the management is statutorily bound to maintain a canteen. The High Court repelled the contention of the workers holding that the management is not under an obligation to revive the co-operative society and take back the workers and to run the canteen. It is stated in paragraph 2 of the judgement that as soon as the management of the canteen was entrusted to the co-operative society it became a distinct entity by itself and the obligation of management to provide employment for the workmen in the canteen ceased to have effect. There is also no finding to the effect as to whether there was any master and servant relationship between the management and the employees. The second authority cited is the decision of the High Court of Kerala in Cominco Binani Zinc Ltd. Vs. Pappachan [1989 (1) LLJ 452]. In that case the workers in a canteen run by a contractor claimed bonus and gratuity from the management factory. The court held that there was no relationship of master and servant between canteen workers and management and there was no liability on the part of the management to pay bonus and gratuity to such canteen workers. The authority relied on by the management is the decision of High Court of Madras in Workmen of Ashok Leyland Ltd. Vs. Ashok Leyland Ltd. and others [91 (ii) LLJ 12]. That was a case under Factories Act. In that case also a canteen was run by a co-operative society as required by Factories Act. The question arose as to whether employees of such co-operative canteen become employees of the occupier factory. There also the court held that the occupier does not become the employer of the workmen employed in the canteen run by the co-operative society. In that case the court found that as per the byelaws the society which run the canteen has to function as an independent body without reference to the company, the employees were employed by the society and paid by the society, the society was an independent entity etc. The facts of the case before me are entirely different. As I have held in the above paragraphs the management has fixed wages and DA of the employees in the canteen, fixed working hours and nature of work and the management had control over the affairs of the society and there existed employer employee relationship between the management and the canteen employees. Therefore, according to me, the above decisions have no bearing to the facts and circumstances of the instant case.

12. I shall now pass on to the claim of second union. This union represents the first 23 workmen in the Annexure to this reference order out of which No. 16 and 23 are one and the same person according to both sides. Therefore the claim is only on behalf of 22 workers who were former loading and unloading workmen. The claim of the union is that these workers have been employed by the management since January, 1967 for doing loading and unloading work in the mines division through agent Sri. Edward who is shown as No. 1 in the Annexure to the reference order. According to the union these workers were engaged in the place of loading and unloading workmen who were absorbed in the regular service of the company. In the year 1970 Sri. Edward was

also absorbed in the company's regular service and No. 15 Sri. A Cyril was appointed as the group leader. The workers were paid wages on piece rate basis which continued upto 1973 and they were absorbed in the regular service of the company by agreement with the union on 6th December, 1973. But the management confirmed Sri. Edward on 16th November, 1971 and other on 1st February, 1977 only. The claim is opposed by management contending that these workers were not employed by the management before 1977 and they were employed by the contractor Sri. Edward upto 1971 and thereafter by contractors Sri. Cyril and Sri. Raveendran Nair. Reliance was placed mainly on Ext. M3 to prove that Sri. Edward was the contractor and these employees were employed by him for loading and unloading work in the company. The signature of Sri. Edward in Ext. M3 has been admitted by WW3, the joint secretary of this union. But he contends in Ext. M3 are not properly proved. It is true that it is stated in Ext. M3 that 22 employees involved in this case were employed for loading and unloading in units II and III of the management and the work was taken on contract by Sri. Edward. But the contents are not properly proved by examining Sri. Edward who is in the service of the company in spite of the contention of the union that Ext. M3 has been obtained by misrepresenting Sri. Edward. Further in Ext. M10 which is the office order absorbing Sri. Edward in the regular service of the company, there is not even a whisper that Sri. Edward was a contractor in the company. On the other hand it is specifically stated in Ext. M10 that Sri. Edward was employed in the company on temporary basis for a very long period and while others were absorbed as permanent workers he was left out due to no fault of his. Ext. M10 clearly negatives the contention of management that Sri. Edward was a contractor of the management company. Admittedly the other workers involved in this case were working in the company under Sri. Edward and they were doing loading and unloading work in the company. However there is no concrete evidence to the fact that Sri. Edward and other workers of this union were employed in the company from January, 1967 as claimed by the union. The management has not produced any other documents to show that Sri. Edward was a contractor and that he was paid any amount in the capacity of a contractor. In Ext. M3 a circular dated 20th October, 1967 is mentioned by which the work was awarded to Sri. Edward. But such a circular was not produced without any explanation whatsoever. Further Ext. M3 was not properly proved also. It is also pertinent to note that Ext. M3 is dated 22nd July, 1984 and there is no explanation from the management for submitting such a letter to management alleged by Sri. Edward in 1984 for alleged contract work in 1967. These circumstances fully support the case of union that Ext. M3 was obtained by misrepresenting Sri. Edward for the purpose of this case. Ext. M10 and the admission of management regarding the employment of other workers under Sri. Edward clearly establish that Sri. Edward was not an independent contractor and that he was employed by the company for very long time.

13. Ext. M4 is an office order dated 9th January, 1974 on which the management placed reliance in support of the case that Sri. Raveendran Nair and Sri. Cyril were doing loading and unloading work on contract in units I and III of the management company and these workers were employed by them after Sri. Edward was absorbed in the service of the company in 1971. It is true that in sub-clause (1) of clause-A of Ext. M4 there is a statement that loading and unloading work was given on contract to Sri. Raveendran Nair and Sri. Cyril. But majority of the other clauses in Ext. M4 show the employer employee relationship between the management and the employee in question. In sub-clause IV of clause-B it is stated that these workers are regular workers. As per sub-clause V under clause-B the management has fixed the working hours, group piece-rate and also DA to these workers. Sub-clause VIII under clause B shows the authority of management to remove any person from the group if it is satisfied that the person was not attending to such work in the company continuously atleast for a period of one year. If as a matter of fact these workers were employed under independent contractors there was no necessity for the management to fix the working hours, DA etc. and also that the management would not have any authority to remove one person from one group to another group. The sub-clauses mentioned above make it clear that the management had direct administrative control over these workers. That also establish employer employee relationship between the management and these workers. As per Ext. M4 order the contract system was terminated and group piece-rate system was introduced. Fur-

ther the management has not produced any document evidencing award of contract to Sri. Raveendran Nair and Sri. Cyril and also any agreement executed by them for doing the work on contract. There is also nothing on record to show that these persons were paid money for doing the work on contract. These circumstances show that Sri. Raveendran Nair and Sri. Cyril were not independent contractors but they were under the employment of management as group leaders as pleaded by the union.

14. As I have held above Sri. Edward was confirmed in the regular service of the company as per Ext. M10 order of management from 12th November, 1971 only though other workers who worked along with him in units II and III were absorbed as permanent workers earlier as stated in Ext. M10. But the management regularised service of Sri. Edward from 12th November, 1971 onwards only. That is quite unjustified. Sri. Edward is entitled to get absorption in the company from the date on which others who are mentioned in Ext. M10 orders were absorbed in the regular service of the company. Since the other workers in this case were employed under Sri. Edward as admitted by the management they are also entitled to get absorption in the company from the date mentioned above. Since I have found that they are entitled to get absorption from the date on which others mentioned in Ext. M10 order was absorbed, these workers are entitled to get all consequential benefits which was enjoyed by other similarly placed employees including arrears as claimed by the union. However, I make it clear that their past service be counted for future promotion and other purposes without disturbing the existing seniority of other employees in the company.

15. According to the learned counsel for union No. 2 the management regularised the service of other workers employed in the company from the date of their initial appointment and they were paid arrears in lump sum. Therefore the action of management in regularising the service of the workers in question is quite unjustified and discriminatory. Reliance was placed on Exts. M 11 and M 12 in support of the contention. As per Ext. 11 office order of management dated 25th August, 1984 the management has ordered to pay a lump sum of Rs. 3,000 to Smt. A. Suhoorban, Artist, in full settlement of all her demands of DA arrears and fixation. Ext. M 12 is a similar order issued to Sri. G. Padmanabha Pillai another artist. It is true that there is no evidence to show how and when these two persons were employed in the company. The management has not produced the initial appointment orders issued to these persons from the company though the management was called upon to produce the same by the union. Exts. M 11 and M 12 make it clear that the management has reckoned the past service of those two employees for fixation and DA and that they were paid arrears in lump sum. So the claim of the union for reckoning the past service of the employees in question and for arrears is fully justified.

16. The learned counsel has further pointed out that the management has regularised the service of S/Sh. Sankumaran, Krishnankutty, Sasi and Ramachandran as spoken to by WW3, from the date of their appointment in the kaolin division. But there is no evidence in support of this contention except the testimony of WW3 though the management has disputed this. So this contention is without force and cannot be accepted. It was also pointed out that Sri. Sivanandan and Sri. Sreedharan who were appointed as head load workers in the kaolin division subsequent to the appointment of the workers in question, were regularised in service from the initial date of appointment. This is also not supported by any evidence except the oral testimony of WW2. Further Exts. M 14 and M 15 appointment orders issued to these two persons show that they were appointed after interview. The workers in question were not appointed like that. It is true that the management has not produced some documents called upon by the union. But as I have held above there is no concrete evidence to show that these workers were employed by the management from January 1967 and the management was not called upon to produce any document to prove such a claim. In this state of affairs the contention of this union regarding reckoning of the service of other employees mentioned above from the date of their appointment and discrimination towards the workers in question are devoid of merit.

17. The management has a contention that the present claim of these workers for absorption from 1967 was never

raised before the management. According to the learned counsel for the management as per Ext. M 5 long term agreement dated 14th August, 1979 one of the outstanding issues was for correcting the fixation of loading and unloading workers as piece-rate workers from 16th July, 1973 instead of 1st February, 1977. This outstanding issue as stated in page 45 on Ext. M 5 according to the learned counsel shows that there was no claim for the period from 1967 as now claimed by the union. But as I have held above these workers were employed by the management for a very long period along with Sri. Edward whose employment for a long period prior to 12th November, 1971 is admitted by the management in Ext. M 10 order dated 12th November, 1971. So the statement in page 45 of Ext. M 5 agreement cannot and will not support the contention of management.

18. The management has yet another contention that the dispute of the unions was actually seniority of Ex-casual workers, Ex-loading workers and Ex-canteen workers and not regularisation. Reliance was placed on Ext. M-16, M-17, M-17A and M-18 documents in support of this contention. Ext. M-16 is stated to be Minutes of discussion between the management and workers in kaolin division of the company. It is stated in Ext. M-16 that the dispute is between Ex-casual workers, Ex-loading workers and Ex-canteen workers. Ext. M-17 is copy of letter addressed to Sri V. Joseph, Asst. Labour Commissioner (Central) Ernakulam forwarding From C referring the dispute of seniority for arbitration and Ext. M-17A is copy of an agreement between representatives of management and unions agreeing to refer the dispute regarding fixation of combined seniority of Ex-casual workers, Ex-loading workers, and Ex-canteen workers. Ext. M-18 is a postal acknowledgement and according to the management it is obtained from the Asst. Labour Commissioner after accepting Ext. M-17 letter. It is interesting to note that these documents were marked by recalling the management witness after three months of his examination before this Tribunal as MW-1. There is no explanation for not producing these documents earlier and not advancing such a contention. The signature of the representative of the second union in Ext. M-17A is disputed by this union and it is not properly proved by citing or examining that union official Sri Joseph. The management has also placed reliance on Ext. M-7 agreement between management and union where according to the management Sri A. Joseph had put his signature representing this union. This is also not properly proved. Further the signature in Ext. M-7 and Ext. M-17A are not similar also. These circumstances make me doubt the genuineness of these documents and the statement of MW-1 in this regard. Further the issue referred for adjudication by this Tribunal has no connection at all with combined seniority of Ex-casual workers, Ex-loading workers and Ex-canteen workers. This Tribunal has to confine its adjudication to the issue referred to it. The conciliation file or the charter of demand of the employees which resulted this reference are also not before this Tribunal. In these circumstances the present contention of management that the dispute was regarding combined seniority of the workers cannot be accepted.

19. The management has brought to the notice of this Tribunal a decision of the Supreme Court in Workman of Food Corporation of India Vs. Food Corporation of India, J1983 (II) ILJ 4] in support of the contention that the workers in this case were not employees of management before their absorption in the company. In that case it was held that workmen employed by a contractor to accomplish a particular result are not employees of the 3rd party who engaged the contractor. There the court held that the management had nothing to do with the manner of handling work done by the contractor, the labour force employed by him, payments made by him etc. The facts involved in this decision and the facts in the case before me are entirely different. In the instant case I have found that there was employer employee relationship between the management and the workers and there was no reliable evidence to show that the workers were employed by contractors. So this decision will not come to the rescue of management.

20. The learned counsel for the management would contend that the claim of the union if allowed will create heavy financial burden and that will affect even the very existence of the company. It was also pointed out that the company has been running on heavy loss during the past several years and now it is slowly recouping. But according to the union the company has made profit of Rs. 3 crores last year and the

management is in a position to pay the arrears to the employees if their claim are allowed. The profit and loss and balance sheets are the relevant documents to get a clear picture of the financial position of the company. Those documents are not forthcoming. There is also no other documentary evidence to show that the management company is running on loss or that the management is not having the financial capacity to meet the demands of the union. Therefore the contention of the learned counsel for management is only to be rejected.

21. In view of the above discussion I hold that the workmen Nos. 1 to 22 in the Annexure to the reference order are entitled to get regularisation of their service from the date on which the services of other workers mentioned in Ext. M-10 order were regularised and workmen Nos. 24 to 38 are entitled to regularise their services from June 1975 and that the claim of these workmen are justified to that extend. I further hold that they are entitled to get all consequential benefits on such regularisation which was paid to other similarly placed employees in the company including arrears as claimed by the union without in any way disturbing the existing seniority of other employees in the company.

An award is passed accordingly.

C. N. SASIDHARAN, Industrial Tribunal

APPENDIX

Witnesses examined on the side of the Workmen :

WW-1—Sri B. Surendran
WW-2—Sri J. James
WW-3—Sri J. Joseph

Witnesses examined on the side of the Management :

MW-1—Sri S. Y. Alexander

Documents marked on the side of the Workmen
Ext. W-1—Copy of office order of management dated 5-11-1976.

Ext. W-2—Photocopy of memorandum of settlement arrived between the representative of management and workmen on 9-4-1991.

Documents marked on the side of the Management

Ext. M-1—Byelaw of Kerala Ceramics Employees Consumers Store Ltd.

Ext. M-2—Minutes of the agreement between representatives of management and representatives of 3rd union held on 29-3-1976.

Ext. M-3—Statement addressed to the Managing Director of management from Sri G. Edward dated 22-7-1984.

Ext. M-4—Photocopy of office order of management dated 9-1-1974.

Ext. M-5—Agreement between the management and their workers dated 15-10-1979.

Ext. M-6—Points of agreement with regard to the terms and conditions of service applicable to the workers.

Ext. M-7—Settlement between the management and the Kerala Ceramics Workers Union dated 12-5-1977.

Ext. M-8—Representation addressed to the Managing Director of management from the President of Kerala Ceramics Workers Federation dated 2-8-1978.

Ext. M-9—Petition addressed to the General Manager of management from Sri J. Napolian, canteen contractor on 29-5-1975.

Ext. M-10—Office order of management dated 12-11-1971

Ext. M-11—Copy of office order of management issued to Smt. A. Suharban dated 5-8-1984.

Ext. M-12—Copy of office order of management issued to Sri G. Padmanabha Pillai dated 25-8-1984.

Ext. M-13—LTA fixation statement for Kaolin Division Workers Ltd. dated 9-4-1991.

Ext. M-14—Appointment order issued to Sri Sivanandan from the management company on 29-4-1977.

Ext. M-15—Appointment order issued to Sri Sreedharan from the management company on 29-4-1977.

Ext. M-16—Minutes of the discussion between the representative of management and workers in Kaelin division on 23-1-1979.

Ext. M-17—Copy of letter addressed to Sri V. Joseph Asst. Labour Commissioner Central from the management on 16-3-1979.

Ext. M-17-A—Copy of agreement between the management and representatives of union dated 15-3-1979.

Ext. M-18—Postal acknowledgement.

नई दिल्ली, 26 फरवरी, 1993

कांस्या 603 :—ओद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के प्रनुसरण में, केन्द्रीय सरकार सारगीपाली माईन्स आफ हिन्दुस्तान जिन्क लिमिटेड पो. प्राफिस जिन्क नगर, जिला सुन्दरगढ़ के प्रबन्धतंत्र के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच, अनुबंध में निर्धिष्ट ओद्योगिक विवाद में ओद्योगिक अधिकरण उड़ीसा (भुबनेश्वर) के पंचपट को प्रकाशित करती है जो केन्द्रीय सरकार को 25-2-93 को प्राप्त हुआ था।

[संख्या एल-29012/73/90-आई आर (विविध)]
वी. एम. डेविड, ईस्क मधिकारी

New Delhi, the 26th February, 1993

S.O. 603.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Industrial Tribunal, Orissa (Bhubaneswar) as shown in the Annexure in the Industrial Dispute between the employers in relation to the management of Sargipalli Mines of Hindustan Zinc Limited P.O. Zinc Nagar, Dist. Sundergarh and their workmen, which was received by the Central Government on the 25-2-93.

[No. L-29012/73/90-IR(Misc.)]

B. M. DAVID, Desk Officer

ANNEXURE

INDUSTRIAL TRIBUNAL, ORISSA, BHUBANESHWAR
PRESENT :

Sri R. K. Desh, LL. B.,
Presiding Officer,
Industrial Tribunal,
Orissa, Bhubaneswar.

Industrial Dispute case No. 11 of 1992 (Central)

Dated, Bhubaneswar, the 25th January, 1993

BETWEEN :

The management of Sargipalli Mines of Hindustan Zinc Limited, P.O. Zinc Nagar, Dist. Sundergarh.
First Party—management

AND

Their workman Sri Chudamani Patel, At : Mandgaon,
P.O. Nialipali, Via : Ujalpur, Dist : Sundergarh.
Second Party—Workman.

APPEARANCES :

Sri N. Kaul, Manager (Personnel & Administration).
—For the first party—management.

Sri C. M. Patel.—The workman himself.

AWARD

The Government of India in the Ministry of Labour in exercise of powers conferred upon it by clause (d) of sub-section (1) and sub-section (2A) of Section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947) have referred the following dispute for adjudication by this Tribunal vide their Order No. L-29012/73/90-IR(Misc.) dated 10-4-92 :—

“Whether the action of the management of Sargipalli Mines of M/s. Hindustan Zinc Limited in terminating the services of Sri Chudamani Patel w.e.f. 21-2-90 is justified ? If not, to what relief the workman is entitled to ?”

2. In this case both parties by filing a joint petition of compromise prayed to pass an award in terms of the said compromise. The terms of the compromise were read-over and explained to the parties to which they admitted to be true and correct. The compromise being fair is accepted. Hence, I pass this Award in terms of the compromise which do form part of the Award.

Dictated & corrected by me,

R. K. DASH, Presiding Officer.

BEFORE THE PRESIDING OFFICER, INDUSTRIAL TRIBUNAL (CENTRAL) BHUBANESWAR

I.D. Case No. 11/92 (C)

Between:

M/s. Hindustan Zinc Limited,

Sargipalli Mine,

PO: ZINC NAGAR,

Dist : Sundergarh (Orissa) ...1st party, Management

V/S.

Shri Chudamani Patel ..2nd party, workman

Government of India Vide Order No. L-29012/73/90-IR(Misc) dated, 10-4-92 referred the following dispute.

“Whether the action of the management of Sargipalli Mines of M/s. Hindustan Zinc Limited in terminating the services of Sh. Chudamani Patel w.e.f. 21-2-90 justified ? If not, to what relief the workman is entitled to ?”

That, the parties to the dispute had already resolved the dispute amicably between themselves in lieu of that the workman has been given the appointment w.e.f. 24-7-91. The workman has on his part relinquished his claim for back wages etc. w.e.f. 21-2-90 to 23-7-91.

The case may therefore be closed.

Chudamani Patel

WORKMAN.

NARENDRA KAUL, Manager (Pers. & Admin)

Hindustan Zinc Limited
Zinc Nagar-770072
Dist : Sundergarh.

Representing Management

Made part of the Award.

Sd/- R. K. DASH
POY-T.

नई दिल्ली, 26 फरवरी, 1993

का.प्रा. 604.—आधिकारिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के प्रनुसार में केन्द्रीय सरकार सी.आर. बिदोलिया कंट्रैक्टर पूरनापानी लाईस्टोन एण्ड डोलोमाईट कंवरी, राऊरकेला स्टील प्लांट के प्रबन्धतंत्र से संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच अनुबंध में निर्विष्ट आधिकारिक विवाद में आधिकारिक अधिकारण ओडिसा (भुवनेश्वर) के पंचपट को प्रकाशित करती है जो केन्द्रीय सरकार को 20-3-93 को प्राप्त हुआ था।

[संख्या एल-29012/19/91-प्राई आर (विविध)]

बी.एम. डेविड, डैस्क अधिकारी

New Delhi, the 26th February, 1993

S.O. 604.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Industrial Tribunal, Orissa (Bhubaneshwar) as shown in the Annexure in the Industrial Dispute between the employers in relation to the management of C.R. Bidolia, Contractor Purunapani Lime Stone & Dolomite Quarry, Rourkela Steel Plant and their workmen, which was received by the Central Government on the 20-3-93.

[No. L-29012/19/91-IR(Misc)]

B. M. DAVID, Desk Officer

ANNEXURE

INDUSTRIAL TRIBUNAL, ORISSA, BHUBANESWAR

PRESENT :

Shri R. K. Dash, LL. B.,
Presiding Officer,
Industrial Tribunal,
Orissa, Bhubaneswar.

INDUSTRIAL DISPUTE CASE NO. 22 OF 1992
Dated, Bhubaneswar, the 4th February, 1993.

BETWEEN :

The management of C. R. Bidolia, contractor, Purunapani Lime Stone & Dolomite Quarry of Rourkela Steel Plant, Steel Authority of India Ltd., At/P. O. Purunapani, District Sundargarh.

...First Party—management.

(AND)

Their workmen represented through Rourkela Shramik Sangh, Purunapani, At/P. O. Purunapani, District Sundargarh.

...Second Party—workmen.

APPEARANCES :

None—For the first party—management.

Shri A. K. Pandey, Secretary of the Sangha.
—For the Second Party—workmen.

AWARD

The Government of India in the Ministry of Labour in exercise of powers conferred upon them by Clause(d) of sub-section (1) and Sub-section (2A) of Section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947 (1 of 1947) have referred the following

dispute for adjudication by this Tribunal vide their Order No. L-29012/19/91-IR (Misc.) dated 19/20-5-1992 :—

“Whether the action of the management of M/s. C. R. Bidolia, Contractor, Purunapani Lime Stone & Dolomite Quarry of Rourkela Steel Plant, Steel Authority of India Ltd., Purunapani, in refusing employment to Shri Sajan Kangari, Supervisor with effect from 1-8-1990 is lawful and justified? If not, what relief the workman is entitled to?”

2. This case was posted to 15-1-1993 for recording settlement. On that day none appeared on behalf of the management. The representative of the workman who was present submitted that in the meantime the workman has been taken back into service and prayed to pass an award in terms of the settlement arrived at between the parties. The terms of the settlement were read over and explained to him to which he admitted to be true and correct. On a perusal of the terms of the settlement, I am of the opinion that the settlement arrived at between the parties is for the benefit of the workman. Hence, the same is accepted. An award is passed in terms of the settlement which do form part of the Award.

Dictated & corrected by me.

R. K. DASH, Presiding Officer.

FORM—H

FORM FOR MEMORANDUM OF SETTLEMENT :

Name of Parties :—

Representing the Employer

1. Shri S. L. Singhal, Attorney of M/s. C R Bidolia, Contractor

2. Shri K. C. Bidolia, Attorney of M/s. C. R. Bidolia, Contractor.

Representing the Union/workmen :

1. Shri A. K. Pandey, Secretary, Rourkela Shramik Sangh, Purunapani Branch.

2. Shri R. K. Sahoo, Secretary, Rourkela Shramik Sangh, Purunapani Branch.

3. Shri Sajan Kangari, Workmen.

SHORT RECITAL OF THE CASE

The Secretary, Rourkela Shramik Sangh, Purunapani Branch, Purunapani (hereinafter called as union) had raised an industrial dispute against the management of M/s. C. R. Bidolia, contractor, Purunapani Lime Stone & Dolomite Quarry (hereinafter called as Management) over alleged illegal termination of services of Sri Sajan Kangari, Supervisor w.e.f. 1-8-1990 before the Assistant Labour Commissioner (Central) Rourkela. The dispute was ended in failure and the failure of conciliation report sent by the Assistant Labour Commissioner (Central), Rourkela to the Secretary to Government of India, Ministry of Labour, New Delhi vide his letter No. 5(81)90-RKL/A dated 10-1-1991. The Ministry of Labour did not consider the dispute fit for reference and intimation was sent to the parties vide Ministry letter No. L-29012/19/91-IR(Misc), dated 17-5-1991. Challenging the action of the Government, the union filed writ No. OJC No. 772 of 92 before the Honourable High Court, Orissa and on the direction of Hon'ble High Court, Ministry of Labour, Government of India reconsidered the dispute and referred the matter to the Industrial Tribunal for adjudication on the following draft terms of reference :

“THE SCHEDULE”

“Whether the action of the management of M/s. C.R. Bidolia, contractor, Purunapani Lime Stone & Dolomite Quarry of Rourkela Steel Plant, Steel Authority of India Ltd., Purunapani refusing employment to Shri

Sajan Kangari, Supervisor with effect from 1-8-1990 is lawful and justified? If not, what relief the workman is entitled to?"

Subsequently the union has filed the claim statement before the Honourable Industrial Tribunal, Orissa, Bhubaneswar which is still subjudice. In the mean time again both the parties discussed the matter mutually and settled the issue amicably on the following terms.

TERMS OF SETTLEMENT

- (1) It is agreed by the parties that Shri Sajan Kangari, will be taken into roll in his existing capacity (Supervisor) w.e.f. 1-9-1992.
- (2) It is agreed by the parties that the period from 1-8-1990 to 31-8-1992 the workman will not claim any amount of wages, salary or fringe benefits but he will get continuity of service.
- (3) It is agreed by the parties that the workman or the Union will never raise any dispute or any court case before any authority in future and the matter will be treated as settled for ever.
- (4) It is agreed by the parties that both the parties will file the copies of the settlement before the Hon'ble Industrial Tribunal to close the matter and pass no dispute award.
- (5) It is agreed by the parties that both the parties will maintain harmonious industrial relation for the sake of better productivity and industrial peace.

Signature of the Parties.

Representing the management.
(S. L. Singhal)
(M. C. Bidolia)

Representing the union/workman.
(A. K. Pandey)
(R. K. Sahoo)
(Sajan Kangari).

Witness :

1. (Oseb Jojo).
2. (Dubraj Sahoo).

Copy forwarded for information and necessary action to—
 1. The Asstt. Labour Commissioner (Central), Rourkela.
 2. The Regional Labour Commissioner (Central) Bhubaneswar.
 3. The Chief Labour Commissioner (Central) New Delhi.
 4. The Secretary to Government of India, Ministry of Labour, New Delhi.

For Workman :

Sd./- Illigible

For Management.

Sd./- Illigible

मही दिल्ली, 1 मार्च, 1993

का.आ. 605:—आधिकारिक विवाद प्रधिनियम, 194 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार, कलकता डॉक लेवर वोर्ड के प्रबन्धताल से संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट आधिकारिक विवाद में केन्द्रीय सरकार आधिकारिक अधिकरण, कलकता के पंचपट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 26-2-93 को प्राप्त हुआ था।

[सं.एस-32011/8/91-प्राई आर (विविध)]

बी.एम. डेविड, डैस्क प्रधिकारी

New Delhi, the 1st March, 1993

S.O. 605.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal, Calcutta as shown in the Annexure in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Calcutta Dock Labour Board and their workmen, which was received by the Central Government on the 26-2-93.

[No. L-32011/8/91-IR(Misc.)]

B. M. DAVID, Desk Officer

ANNEXURE

CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL AT CALCUTTA

Reference No. 4 of 1992

PARTIES :

Employers in relation to the management of Calcutta Dock Labour Board

AND

Their workmen.

PRESENT :

Mr. Justice Manash Nath Roy, Presiding Officer

APPEARANCE :

On behalf of Management—None.

On behalf of Workmen—Mr. T. P. Das, an office bearer of the Calcutta Port and Dock Industrial Workmen Union.

STATE : West Bengal.

INDUSTRY : Docks.

AWARD

By Order No. L-32011/8/91-IR(Misc.) dated 18-2-92 and subsequent corrigendum of even number dated 9th March, 1992, the Government of India, Ministry of Labour, referred the following dispute to this Tribunal for adjudication :

"Whether the action of the management of Calcutta Dock Labour Board to fill up 50 per cent of the vacancies in the grade of Section Officer/Inspectors/Accountants by departmental candidates and the remaining 50 per cent by outside candidates applying in response to the advertisements as per Resolution No. 35 dated 2-9-89 is justified? If not, to what relief the workman in the feeder grades are entitled?"

2. It appears from the letter of the Union dated 23-1-1993 enclosing copy of the compromise petition, that the dispute between the parties has been settled out of Court.

3. As such, the representative of the Union stated that since no dispute is pending, the matter may be disposed of.

4. Such being the position, after hearing the parties appearing and on the basis of the compromise petition, which do form part of this Award as "Annexure-A", I dispose of the reference.

This is my Award.

MANASH NATH ROY, Presiding Officer

Dated, Calcutta,
The 16th February, 1993.

ANNEXURE-A

COMPROMISE PETITION

BEFORE HON'BLE CENTRAL GOVT. INDUSTRIAL TRIBUNAL, CALCUTTA

In the matter of Government of India, Ministry of Labour, Department Order No. 320/1/8/91-IR (Misc.) dated 18-2-92 and 9-3-92.

AND

In the matter of Ref. No. 4 of 1992.

AND

In the matter of an Industrial Dispute

BETWEEN

Administrative Body, Calcutta Dock Labour Board,
20B, Abdul Hamid Street, Calcutta-700069 (hereinafter referred to as "The Employer")—Opposite Party.

AND

The Workmen represented by :—

- (1) Calcutta Port and Dock Industrial Workmen Union (IND)
- (2) Calcutta Dock Labour Board Employees Association (CITU) (hereinafter referred to as 'The Unions')—Petitioners.

The humble petition on behalf of the parties.

Respectfully sheweth :—

1. That the parties have amicably settled the instant dispute out of the Tribunal on the following terms, namely—

- (a) That candidates belonging to channel/not in channel of promotion and purely from outside who became successful in written test held in the I.I.P.M. and also appeared in viva test on 27-2-90 for the post of Class-III Section Officer/Inspector and Accountant to which they applied and selection process was completed should be given promotion forthwith.
- (b) That 50 per cent vacancies in the post of Section Officer/Inspector and Accountant be filled up from the departmental candidates in the channel of promotion;
- (c) That 20 per cent vacancies in the post of Section Officer/Inspector and Accountant shall be filled up from amongst existing employees/workers of the opposite party though not in the channel of promotion but for having the requisite qualification for the said posts they will be entitled to be promoted.
- (d) That 30 per cent vacancies in the post of Section Officer/Inspector/Accountant should be filled by fresh induction from outsiders (being not the existing employees and workers of the opposite party) having the prescribed qualification for them for the posts, who will apply and on being found suitable through test in response to the Press Advertisement/Employment Exchange notification to be given by the opposite party;
- (e) That henceforward separate arrangements and procedure of test will be followed by the Management to judge the merit and suitability of—
 - (i) Departmental candidates in the Channel of Promotion;
 - (ii) for existing employees and workers not in the channel of promotion; and also
 - (iii) for candidates not covered under the above two groups for appointment/recruitment/promotion in the post of Class-III Section Officer/Inspector and Accountant;
 - (iv) for filling up of further post of Section Officer/Inspector and Accountant—Class-III, test according to above formula will be taken within next 2/3 months along with relaxation in standard to be allowed to the candidates under sl. no. (i) and (ii) above.
- (f) That Recruitment/Promotion rules and procedures applicable to Scheduled Castes and Scheduled Tribes candidates will be strictly followed/adhered to as per codified Brochure published and instructions issued by the Government of India upon 'The Employer' from time to time;

(g) That arising out of fresh induction made by the opposite Party from outside in Class III post of Section Officer/Inspector and Accountant, the process in repatriation of staff under the Opposite Party in Class-III cadre and now working under deputation in Calcutta Port Trust will not hamper in any and means;

(h) That dispute referred under the above order of reference for adjudication by the Learned Tribunal has been fully and finally settled and there is no dispute now in existence between the parties.

2. That the petitioners submit that the terms of settlement, set hereinabove, are free, fair and reasonable.

3. Your petitioners humbly pray that your honour would be graciously pleased to find the terms of settlement fair and reasonable and dispose of the instant reference by an Award, in terms of and incorporating this joint petition of settlement.

And for this act of kindness, as in duty bound, your petitioners shall ever pray.

This settlement shall be effective from the date of signing the Compromise Petition.

Date, Calcutta,

the 25th January, 1993.

For the Workmen:
Sd/- Amitaoha Banerji

1. Calcutta Port & Dock Industrial Workmen Union (IND)
Sd/- Prakash Chowdhury,
2. Calcutta Dock Labour Board
3. Calcutta Dock Labour Board Employees Association (CITU)
Sd/- Ram Baleshwar Ram
Depressed Classes' League.

For the Employers:
Sd/- Illegible

Sd/- Ashish Kr.
4. Calcutta Dock Labour Board
Deputationist Forum.

Administrative Body,
Calcutta Dock Labour Board.

नई दिल्ली, 1 मार्च, 1993

का.आ. 606:—ओद्योगिक विवाद आधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार और एन जी सी मेहसाना (गुजरात) के प्रबन्धतंत्र के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट ओद्योगिक विवाद में ओद्योगिक आधिकरण, अहमदाबाद (गुजरात) के पंचपट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 22-2-93 को प्राप्त हुआ था।

[संख्या एल-30012/43/91-आई आर (विविध)]

बी.एम.डेविड, डैस्ट्रिक्ट अधिकारी

New Delhi, the 1st March, 1993

S.O. 606.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Industrial Tribunal, Ahmedabad (Gujarat) as shown in the Annexure in the Industrial Dispute between the employers in relation to the management of ONGC, Mehsana (Gujarat) and their workmen, which was received by the Central Government on the 22nd February, 1993.

[No. L-30012/43/91-IR (Misc.)]

B. M. DAVID, Desk Officer

ANNEXURE

BEFORE SHRI H. R. KAMODIA, INDUSTRIAL TRIBUNAL, AHMEDABAD

Reference (ITC) No. 24 of 1992

ADJUDICATION

BETWEEN

General Manager, O.N.G.C., Mehsana.

AND

The workmen employed under it.

In the matter of 'Work to Rule' by the ONGC Rigman & Topman Association

APPEARANCES :

Shri R. C. Shukla, representative—for the second party.

AWARD

An industrial dispute between the above-named parties has been referred for adjudication under Clause (d) of sub-section (1) and sub-section 2(A) of Section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947 for adjudication to the Industrial Tribunal, Ahmedabad by the Government of India, Ministry of Labour, under its order No. J0012-43-91-IR (Misc.) dated 25th November, 1992. Under an appropriate order it has been sent to this Tribunal for proper adjudication.

2. The industrial dispute relates to the question whether the concerned workmen of the ONGC Rigman & Topman Association, Mehsana Branch have performed the assigned duties/work at the workers site from 10th July, 1991 to 30th July, 1991 in support of their action "Work to Rule". If not, whether the action of the management for the proposed deduction from wages either in full or proportionately is justified & proper. If not, to what relief the concerned workmen are entitled to and what directions are necessary in the matter?

3. The second party has declared by a purshis Ex. 4 that the concerned workmen have already received their wages for the disputed period and so the claim is satisfied. Hence it has declared to have withdrawn the present reference. The first party has by an endorsement made on Ex. 4 declared that it has got no objection against the prayer of withdrawal of the industrial dispute. There is no legal objection against the grant of the prayer of withdrawal contained in the purshis Ex. 4. Hence I pass the following order.

ORDER

As per the desire of the second party expressed in its purshis Ex. 4 the present reference will stand disposed of as withdrawn by it with no order as to cost.

Sd/-

N. N. PATEL,

Secretary,

Ahmedabad,

22nd January, 1993

H. R. KAMODIA, Industrial Tribunal

नई दिल्ली, 1 मार्च, 1993

का.प्रा. 607:—ओद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार, यन्त्रित बैंक आफ इंडिया के प्रबन्धतंत्र के संबंध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट ओद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार ओद्योगिक अधिकरण, कानपुर के पंचपट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 22-2-93 को प्राप्त हुआ था।

[संख्या एस-12012/13/92-आई आर.बी.-2]

वी. के. वेणुगोपालन, डैस्क अधिकारी

New Delhi, the 1st March, 1993

S.O. 607.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the Award of the Central Government Industrial Tribunal, Kanpur as shown in the Annexure in the Industrial Dispute between the employers in relation to the management of Union Bank of India and their workmen, which was received by the Central Government on 22nd February, 1993.

[No. L-12012/13/92-IR.BII]

V. K. VENUGOPALAN, Desk Officer

ANNEXURE

BEFORE SRI ARJAN DEV, PRESIDING OFFICER, CENTRAL GOVERNMENT, INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT, PANDU NAGAR, KANPUR

Industrial Dispute No 80 of 1992

In the matter of dispute between :

Sri A. K. Nigam,
President,
U.P. Bank Employees Association,
Union Bank of India, Main Branch,
Kanpur.

AND

Regional Manager,
Regional Office,
Pandu Nagar, Kanpur.

AWARD

1. The Central Government, Ministry of Labour, vide its notification No. L-12012/13/92-I.R. B-II dated 24th June, 1992 has referred the following dispute for adjudication to this Tribunal :—

Whether the action of the management of Union Bank of India in denying reimbursement of lunch expenses to such members of the award staff who as part of their duty, are regularly required to be away from their Head Quarters, vide their staff circular No. 3222 dated 8th December, 1987, is justified. If not, what relief the workmen concerned are entitled?

2. In the instant case till 28th January, 1993 no claim statement has been filed by the Union when the reference order had been received from the Ministry on 30th June, 1992 in the office of the Tribunal. In this case dates 28th August, 1992, 2nd November, 1992 and 17th December, 1992 were allowed to the Union for filing of the claim statement but the Union did not avail the opportunity so given to it by the Tribunal.

3. In view of the facts and circumstances stated above it seems that the Union is least interested in prosecuting its case. Therefore, I think it to be a fit case for giving a no claim award.

4. Accordingly a no claim award is given against the Union.

5. Reference is answered accordingly.

ARJAN DEV, Presiding Officer

नई दिल्ली, 1 मार्च, 1993

का.प्रा. 608:—ओद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार, पंजाब एण्ड सिन्ध बैंक के प्रबन्धतंत्र के संबंध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट ओद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार ओद्योगिक अधिकरण, चार्डीगढ़ के पंचपट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 23-2-93 को प्राप्त हुआ था।

[संख्या एस-12012/169/91-आई आर.बी.-2]

वी.के. वेणुगोपालन, डैस्क अधिकारी

New Delhi, the 1st March, 1993

S.O. 608.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the Award of the Central Government Industrial Tribunal, Chandigarh as shown in the Annexure in the Industrial Dispute between the employers in relation to the management of Punjab and Sind Bank and their workmen, which was received by the Central Government on 23rd February, 1993.

[No. L-12012/169/91-IR.B.II]

V. K. VENUGOPALAN, Desk Officer

ANNEXURE

BEFORE SHRI ARVIND KUMAR, PRESIDING OFFICER, CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT, CHANDIGARH

Case No. I.D. 152/91

Ashok Kumar

Vs.

Punjab & Sind Bank

For the workmen—None.

For the management—Shri Kanwaljit Singh.

AWARD

Central Government vide Gazette notification No. L-12012/169/91-I.R. B.II, dated 21st October, 1991 issued U/S 10(1) (d) of the I.D. Act, 1947 referred the following dispute to this Tribunal for adjudication :

“Whether the action of the management of Punjab & Sind Bank in terminating the services of Shri Ashok Kumar, Peon is justified? If not, to what relief is the workman entitled?”

2. In the present reference repeated registered notices were issued to the petitioner but he has not put up any appearance. Even statement of claim has not been filed. In view of the absence of the pleadings of workman, the present reference can not be adjudicated upon and the same is dismissed in default and returned to the Ministry.

Chandigarh,

2nd February, 1993.

ARVIND KUMAR, Presiding Officer

नई दिल्ली, 1 मार्च, 1993

का.पा. 609.—प्रौद्योगिक विवाद प्रधिनियम, 1947 (1947 का 14) की आरा 17 के प्रत्युत्तर में, केन्द्रीय सरकार, पंजाब एंड सिन्ध बैंक के प्रबन्धताल के संबंध नियोजकों

पारंपरिक पूर्ति, उपभोक्ता मामले और सार्वजनिक वितरण मुकालय

(जाप और नागरिक पूर्ति विभाग)

पारंपरिक मानक व्यूरो

नई दिल्ली, 5 फरवरी, 1993

का.पा. 610.—भारतीय मनक व्यूरो, नियम 1987 के नियम 7 के उपनियम (1) के लिए (ब) के प्रत्युत्तर में भारतीय मानक व्यूरो एलड्यारा प्रत्यक्षित करता है, कि जिवाजित भारतीय मनक/मानकों का/के विवरण निवे प्रत्युत्तरी में दिया गया है/हो रहा है, वह/वे स्थापित हो जाया है/हो रहे हैं :

प्रत्युत्तरी

कम स्वाक्षित भारतीय मनक (कों) की संख्या वर्ष और शीर्षक सं.

और उनके कर्मकारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकारण, चण्डीगढ़ के पंचपट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 23-2-93 को प्राप्त हुआ था।

[संख्या एल-12011/9/91-प्राई आर बी-2]

वी के बेण्गोपालन, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 1st March, 1993

S.O. 609.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the Award of the Central Government Industrial Tribunal, Chandigarh as shown in the Annexure in the Industrial Dispute between the employers in relation to the management of Punjab and Sind Bank and their workmen, which was received by the Central Government on 23rd February, 1993.

[No. L-12011/9/91-IR.B.II]

V. K. VENUGOPALAN, Desk Officer

ANNEXURE

BEFORE SHRI ARVIND KUMAR, PRESIDING OFFICER, CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT, CHANDIGARH

Case No. I.D. 102/91

Workmen

Vs.

Punjab & Sind Bank

For the workmen—None.

For the management—Shri Kanwaljit Singh.

AWARD

Central Government vide Gazette Notification No. L-12011/9/91-IR.B.II, dated Nil issued U.S. 10(1)(d) of the I.D. Act, 1947 referred the following dispute to this Tribunal for adjudication :

“Whether the action of the management of Punjab & Sind Bank in ordering of withdrawal of overtime wage from their employees of Panipat, Yamunanagar and Jagadri branches who had worked on closed working day of 24th December, 1987 is justified? If not, to what relief are the workmen entitled?”

2. In the present reference repeated registered notices were issued to the petitioner but he has not put up any appearance. Even statement of claim has not been filed. In view of the absence of the pleadings of workman, the present reference can not be adjudicated upon and the same is dismissed in default and returned to the Ministry.

Chandigarh,
2nd February, 1993.

ARVIND KUMAR, Presiding Officer

वर्तमान भारतीय मनक व्यूरो द्वारा प्रतिक्रियित भारतीय स्थापित नियम

मनक व्यूरो कोई हो, वह कोई हो, कोई स्थापित हो जाया है/हो रहे हैं :

(1) (2) (3) (4)

1. प्राई एस : 138 : 1992 मेंेज और पेटोल धातक वर चिन्ह लगाने के लिए प्राई एस : 138 : 1981

तथा गुडा रोपान को विवरित

(संसार-पुर्क लक्ष्य)

1992-09-31

(1)	(2)	(3)	(5)
2. आई एस : 211 : 1992 एन्टीमनी के इंटर्व्हिव्यू—विशिष्ट (तीसरा पुनरीक्षण)	आई एस : 211 : 1977		1992-07-31
3. आई एस : 514 : 1992 वस्त्रादिन्हवाई जहाज और ग्लाइडर कवरिंग के लिए आई एस : 514 : 1978 मरसराइज सूती कपड़ा (तीसरा पुनरीक्षण)			1992-08-31
4. आई एस : 714 : 1992 वस्त्रादिवाय वायु आकाशीय प्रयोजनों के लिए सूत प्रबलित टेप—विशिष्ट (तीसरा पुनरीक्षण)	आई एस : 714 : 1979		1992-07-31
5. आई एस : 1163 : 1992 चाक्सेट—5 विशिष्ट (तीसरा पुनरीक्षण)	आई एस : 1163 : 1971		1992-07-31
6. आई एस : 1447 (भाग 3)---1992 ड्रेसिंगम और उसके उत्पाद नमूने लेने की विधि भाग 3 ग्रंथ ठोस और ठोस पेट्रोलियम उत्पादों के नमूने लेने की विधियाँ	आई एस : 1447 : 1968		1992-07-31
7. आई एस : 1542 : 1992 प्लस्टर के लिए बालू—विशिष्ट (दूसरा पुनरीक्षण)	आई एस : 1542 : 1977		1992-07-31
8. आई एस : 1597 (भाग 2) : 1992 पत्थर चिनाई की संख्या—रेति संहिता भाग 2 अश्लार चिनाई (पहला पुनरीक्षण)	आई एस : 1597 (भाग 2) : 1967		1992-07-31
9. आई एस : 2141 : 1992 तप्त मधित जस्तीकृत स्टेल्स—विशिष्ट (तीसरा पुनरीक्षण)	आई एस : 2141 : 1979		1992-08-31
10. आई एस : 2505 : 1992 कंकट कंपक—मज्ज टाइप—सामान्य अपेक्षाएं (तीसरा पुनरीक्षण)	आई एस : 2505 : 1980		1992-09-31
11. आई एस : 3036 : 1992 जलसह छल फिल्श के लिए चूमा कंकट विधान रेति संहिता (दूसरा पुनरीक्षण)	आई एस : 3036 : 1980		1992-08-31
12. आई एस : 3038 : 1992 उच्चताप सेवाओं उपयुक्त वायर वाले धारों हेतु मार्टिनेस्टिक स्टेनलेस इस्पात और निम्न इस्पात की उत्पादी—विशिष्ट (तीसरा पुनरीक्षण)	आई एस : 3038 : 1981		1992-07-31
13. आई एस : 3645 : 1992 गल्य डिप्पा हेतु यंत्र-धनी ए. चिमटे, सपेसर पीटने—साइज, आकार और ग्राह्यता (पहला पुनरीक्षण)	आई एस : 3645 : 1966		1992-08-31
14. आई एस : 3764 : 1992 उत्कृष्ट कार्य—रेति संहिता (पहला पुनरीक्षण)	आई एस : 3765 : 1966		1992-07-31
15. आई एस : 3885 (भाग 2)---1992 नेमेनेटिव उत्पादन के लिए इस्पात (रेलगाइडिंग के लिए) भाग 2 रिव और खाला सेक्षन (दूसरा पुनरीक्षण)	आई एस : 3885 (भाग 2) : 1982		1992-07-31
16. आई एस : 3910 : 1992 यूरो, चेन्नै में जल प्रवाह मापन की अपेक्षाएं— शूर्ण तंतु घारा मीटर (पहला पुनरीक्षण)	आई एस : 3910 : 1968		1992-07-31
17. आई एस : 1439 (भाग 1)---1992 नहरों का रखरखाव—रेति संहिता भाग 1 चिना अस्तर बाली महरें (दूसरा पुनरीक्षण)	आई एस : 4839 (भाग 1) : 1979		1992-08-31
18. आई एस : 3256 : 1992 नहरों के कंकट प्रस्तरण में सीरिंग प्रसार जोड़— रेति संहिता (पहला पुनरीक्षण)	आई एस : 5256 : 1968		1992-07-31
19. आई एस : 5935 : 1992 अनलोडेड विष्य रोलर बेयरिंग से विष्य प्लान्टिक मुक्कांतर (दूसरा पुनरीक्षण)	आई एस : 5935 : 1970		1992-09-31

(1)

(2)

(3)

(4)

20. आई एस : 6171 : 1992 स्कूलिंग ट्रैप-तकनीकी आपूर्ति अवस्थाएं (हृसरा पुनरीक्षण)	आई एस : 6171 : 1979	1992-07-31
21. आई एस : 6212 : 1992 प्रक्रमित फ़िल्म प्लेट और पेपर में यांचीसल्फेट का सिद्धार्थण —विशिष्ट (पहला पुनरीक्षण)	आई एस : 6212 : 1991	1992-05-31
22. आई एस : 6792 : 1992 रोधन तेल की विद्युत सामर्थ्य की निष्पार्थण विधि (पहला पुनरीक्षण)	आई एस : 6792 : 1972	1992-08-31
23. आई एस : 6892 (भाग II)—1992 मरीन औजार हेतु क्षय विशिष्टिका प्रोफार्मा भाग II कैपस्टन और टरेट खराद मरीन	आई एस :	1992-08-31
24. आई एस : 7360 : 1992 1, 3 डाइक्लोरो इथाक्विनोन तकनीकी ग्रेड— विशिष्टिका (पहला पुनरीक्षण)	आई एस : 7360—1974	1992-07-31
25. आई एस : 7964 : 1992 स्त्री रोग के यंत्र, चिमटी, शल्य विकिस्ता सेक्षन, ग्रीन-आर्मेंटेज पैटर्न—आकार और ग्रायाम (पहला पुनरीक्षण)	आई एस : 7964—1976	1992-08-31
26. आई एस : 8096—1992 घरिनशामक बीटर—विशिष्टिका (पहला पुनरीक्षण)	आई एस : 8096 : 1978	1992-08-31
27. आई एस : 8967 (भाग 1) : 1992 फार्म जल निकास उपस्कर-जल निकास टाइल—विशिष्टिका भाग चुले जोड़ सहित टाइल्स (पहला पुनरीक्षण)	आई एस : 8967 (भाग 1) : 1978	1992-08-31
28. आई एस : 9165 (भाग 1) : 1992 शल्यक्रिया के यंत्र—सुई, घागे भाग 1 विशिष्टिका (पहला पुनरीक्षण)	आई एस : 9165 : 1979	1992-08-31
29. आई एस : 9936 : 1992 मधुरो उपयोग के लिए पार्सीएस्टर और पार्सी- प्रापिस्ल म के रस्ते—मूल्यांकन हेतु मार्ग निर्देश (पहला पुनरीक्षण)	आई एस : 9936 : 1981	1992-08-31
30. आई एस : 10906 : 1992 कोटोग्राफी—कैमरा 35 मिमी और 16 मिमी फ़िल्म को प्रयुक्त करते हुए—पिक्चर साइज (पहला पुनरीक्षण)	आई एस : 10906—1984	1992-06-30
31. आई एस : 10914 : 1992 मोटर बाहन हवा भरे टायर—विशिष्टिका भाग 4 स्कूटर और स्कूटर व्यत्पन्न विकर्ण प्लाई (हृसरा पुनरीक्षण)	आई एस : 10914 (भाग 1) : 1983	1992-07-31
32. आई एस : 11164 : 1992 कोटोग्राफी—127 मिमी तक ग्रामो बैरल— सहायकांगों से कनेक्शन के लिए महत्वपूर्ण ग्रायाम (पहला पुनरीक्षण)	आई एस : 11164 : 1985	1992-03-31
33. आई एस : 13246 : 1992 बेवगाइड घटकों हेतु माइक्रोसर ग्रायाम ज्ञान के दिशा निर्देश	--	1992-04-30
34. आई एस : 13292 : 1992 पालीविनाइल के रसायन प्रतिरोधी बूट—विशिष्टिका --	--	1992-04-30
35. आई एस : 13298 : 1992 मार्कर, कपड़े की नोंक से नियंत्रित फीड— विशिष्टिका	--	1992-04-30
36. आई एस : 13301 : 1992 मरीन की नीब के लिए कंतन विनान—मार्ट निर्वेशिका	--	1992-07-31
37. आई एस : 13345 : 1992 बढ़ई की बीबेल —विशिष्टिका	--	1992-08-31
38. आई एस : 13365 (भाग 2) : 1992 चट्टान सामरी की मात्रात्मक वर्गीकरण प्रणाली—दिशा-निर्देश भाग 2 भूमिगत छेदों में सहायक दायर के अनुमान में चट्टान सामरी की गुणता	--	1992-08-31

(1)	(2)	(3)	(4)
39. आई एस : 13374 : 1992 वानिकी औजार हस्त्यसीपी, भर्ती (कुट्टा)--विशिष्टि	--		1992-08-31
40. आई एस : 13375 : 1992 वानिकी औजार--होशंग और थीडिंग चिमटा, भर्ती-विशिष्टि	--		1992-08-31
41. आई एस : 13376 : 1992 वानिकी औजार छाल उतारने वाले स्पष्ट--विशिष्टि	--		1992-07-31
42. आई एस : 13377 : 1992 वानिकी औजार--झाड़ी काटने वाले चाकू--विशिष्टि	--		1992-08-31
43. आई एस : 13379 : 1992 वानिकी औजार लकड़ी संटिंग कैट, भूमि आरी के ब्लेड--विशिष्टि	--		1992-08-31
44. आई एस : 13383 (भाग 1) : 1992 बतोउपकरण की प्रकाश समिति--भाग 1 प्राक्तिक प्रकाश में प्रयोग के लिए भर्ती उपकरण	प्राई एस : 7878 : 1975		1992-08-31
45. आई एस : 13389 : 1992 सड़क के बाह्य-यात्रीकार बलबाधा दोषों से टक्कर परीक्षण विधि	--		
46. आई एस : 13392 : 1992 सूचना प्रकरण हेतु रिकार्ड ग्रुप के संदर्भ में कम-बढ़ा काइलों के प्रकरण का प्रोग्राम फलों	--		1992-04-30
47. आई एस : 13418 : 1992 नवी घाटी में प्रयुक्त आउटिंग की इकाई वर के विश्लेषण का प्रोफार्मा	--		1992-07-31
48. आई एस : 13425 : 1992 नाइट्रम भावसाइट के उत्पादन के लिए भ्रमोनियम भाइट्रेट--विशिष्टि	--		1992-07-31
49. आई एस : 13430 : 1992 वर्तमान भवनों प्रतिरिक्त निर्माण और परिवर्तन के द्वारा सुरक्षा सामग्री	--		1992-07-31
50. आई एस : 13435 (भाग 1)---1992 एकाइलिक आधारित पालीमर आधारित पालीमर आधारित सामग्री--परीक्षण विधियाँ भाग 1 ठोस अंश निर्धारण	--		1992-07-31
51. आई एस : 13435 (भाग 2)---1992 एकाइलिक आधारित पालीमर आधारित सामग्री-5 परीक्षण विधियाँ भाग 2 मोटे कणों का निर्धारण	--		1992-07-31
52. आई एस : 13435 (भाग 3) : 1992 एकाइलिक आधारित पालीमर आधारित सामग्री--परीक्षण विधियाँ भाग 3 पानी टेक्नप्रॉ कोणिका का निर्धारण	--		1992-07-31
53. आई एस : 13437 : 1992 मोटर बाह्य-विषुत तंत्रों के लिए बोल्टा की सिफारिशें	--		1992-08-31
54. आई एस : 13445 (भाग 1)---1992 औद्योगिक पाइप बायलर--प्रापूति प्राकृति पद्धति भाग 1 प्रस्तावित भवस्ता	--		1992-08-31
55. 3डी एस : 13451 : 1992 जुगाली करने वाले पशुओं के लिए पशुधार धूरक के रूप में यूरिया शीरा--विशिष्टि	--		1992-07-31
56. आई एस : 13452 (भाग 1)---1992 फैरोकोमियम की रासायनिक विश्लेषण विधियाँ भाग 1 भारातमक विधि से उच्च कार्बन फैरोकोमियम में सिलिकान का निर्धारण	--		1992-07-31
57. आई एस : 13452 (भाग 2)---1992 फैरोकोमियम की रासायनिक विश्लेषण विधियाँ भाग 2 भारातमक विधि से ग्रन्थ कार्बन फैरोकोमियम का निर्धारण	--		1992-07-31
58. आई एस : 13452 (भाग 3)---1992 फैरोकोमियम का रासायनिक विश्लेषण भाग 5 आग्नेयी विधि द्वारा उच्च कार्बन फैरोकोमियम में क्रोमियम का निर्धारण	--		1992-07-31
59. आई एस : 13453 : 1992 मोटर बाह्य--तुपहिंण डायमोमोटर पर ब्रेकिंग परीक्षण की विधि	--		1992-07-31

(1)	(2)	(3)	(4)
60. प्राई एस : 13467 : 1992 रोगन के लिए ब्लोरीनीहूत—विशिष्ट	--		1992-08-31
61. प्राई एस : 13480 : 1992 लैन और बनीवा राइड औन (राइडिंग) ट्रैक्टर ड्रॉवर	--		1992-07-31
62. प्राई एस : 13493 : 1992 मोटर वाहन—तुपहिए बकलीवर सामर्थ्य प्रयोक्ताओं की मूल्यांकन विधि	--		1992-08-31
63. प्राई एस : 13494 : 1992 मोटर वाहन—तुपहिए वायु ब्रेक प्रणाली—कार्यकारिता, प्रयोक्ता, प्रयोग वाल्य हेतु	--		1992-08-31

इन मानकों की प्रति भारतीय मानक व्यूरो, मानक भवन, १० बहातुर शाह जफर मार्ग, नई दिल्ली-११०००२ और भेदभाव कार्यालयों वाल्मीकी, कलकत्ता वन्देगढ़ तथा मद्रास और माल्वा कार्यालयों भृगुवालाल, बंगलौर, भोपाल, भुवनेश्वर, गुवाहाटी, हैदराबाद, जयपुर, कानपुर, पटना और खिल्डम, गारियाबाद तथा फरीदाबाद में विकी हेतु उपलब्ध हैं।

[सं. के. प्र. वी./ १३ : २]

एन. श्रीतिवासन, प्रम. महानियेतक

MINISTRY OF CIVIL SUPPLIES, CONSUMER AFFAIRS AND PUBLIC DISTRIBUTION

(Department of Civil Supplies)

BUREAU OF INDIAN STANDARDS

New Delhi, the 5th February, 1993

S. O. 610.—In pursuance of clause (b) of sub-rule (1) of Rule 7 of the Bureau of Indian Standards Rules, 1987, the Bureau of Indian Standards hereby notifies that the Indian Standard(s), Particulars of which is/are given in the Schedule hereto annexed, has/have been established on the date indicated against each:

SCHEDULE

Sl No.	Year and Title of the Indian Standard(s) Established	No. and year of the Indian Standard or Standards, if any, superseded by the new Indian Standard	Date of Establishment
1	2	3	4
1.	IS : 138 : 1992 Ready mixed paint, marking, for packages and petrol containers—Specification (Third Revision)	IS : 138 : 1981	1992-08-31
2.	IS : 211 - 1992 Antimony ingot—Specification (Fourth Revision)	IS : 211 : 1977	1992-07-31
3.	IS : 514 : 1992 Textiles—mercerized cotton fabrics for covering aircrafts and gliders—specification (Third Revision)	IS : 514 : 1978	1992-08-31
4.	IS : 714 : 1992 Textiles—cotton reinforcing tapes for aerospace purposes—Specification (Third Revision)	IS : 714 : 1979	1992-07-31
5.	IS : 1163 : 1992 Chocolates—Specification (Second Revision)	IS : 1163 : 1071	1992-07-31

1	2	3	4
6.	IS : 1447 (Part 3) : 1992 Petroleum and its products—Methods of sampling Part 3 Method of sampling of semi-solid and solid petroleum products (First Revision)	IS : 1447 : 1966	1992-07-31
7.	IS : 1542 : 1992 Sand for plaster—Specification (Second Revision)	IS : 1542 : 1977	1992-07-31
8.	IS : 1597 (Part 2) : 1992 Construction of stone masonry—Code of practice Part 2 Ashlar masonry (First Revision)	IS : 1597 (Part 2) : 1967	1992-07-31
9.	IS : 2141 : 1992 Hot dipped galvanized stay strand—Specification (Third Revision)	IS : 2141 : 1979	1992-08-31
10.	IS : 2505 : 1992 Concrete vibrators—immersion type—General requirements (Third Revision)	IS : 2505 : 1980	1992-08-31
11.	IS : 3036 : 1992 Laying lime concrete for a waterproofed roof finish—Code of practice (Second Revision)	IS : 3036 : 1980	1992-08-31
12.	IS : 3038 : 1992 Martensitic stainless steel and alloy steel castings for pressure containing parts suitable for high temperature service—Specification (Third Revision)	IS : 3038 : 1983	1992-07-31
13.	IS : 3645 : 1992 Surgical instruments—Artery forceps, spenco well's pattern—sizes, shape and dimensions (First Revision)	IS : 3645 : 1966	1992-08-31
14.	IS : 3764 : 1992 Excavation work—Code of Safety (First Revision)	IS : 3764 : 1966	1992-07-31
15.	IS : 885 (Part 2) : 1992 Steel for the manufacture of laminated springs (Railway rolling stock) Part 2 Rib and groove sections (Second Revision)	IS : 885 (Part 2) : 1982	1992-07-31
16.	IS : 3910 : 1992 Requirements for water flow measurement in open channels—rotating element current meters (First Revision)	IS : 3910 : 1966	1992-07-31
17.	IS : 4839 (Part I) : 1992 Maintenance of canals—Code of practice Part 1 Unlined canals (Second Revision)	IS : 4839 (Part I) : 1979	1992-08-31
18.	IS : 5256 : 1992 Sealing expansion joints in concrete lining of Canals Code of practice (First Revision)	IS : 5256 : 1968	1992-08-31
19.	IS : 5935 : 1992 Radial internal clearances in unloaded radial rolling bearing (First Revision)	IS : 5935 : 1970	1992-08-31
20.	IS : 6171 : 1992 Screwing taps—Technical supply conditions (Second Revision)	IS : 6171 : 1979	1992-07-31
21.	IS : 6212 : 1992 Determination of thiosulphate and other residual chemicals in processed photographic films, plates and Papers Method of test (First Revision)	IS : 6212 : 1971	1992-05-31

1	2	3	4
22.	IS : 6792 : 1992 Method for determination of electric strength of insulating oils (First Revision)	IS : 6792 : 1972	1992-08-31
23.	IS : 6893 (Part 11) : 1992 Proforma for purchase specification for machine tools Part 11 Capstan and turret lathes	—	1992-08-31
24.	IS : 7360 : 1992 1, 5 Dichloroanthraquinone, technical— Specification (First Revision)	IS : 7360 : 1974	1992-07-31
25.	IS : 7964 : 1992 Obstetric instruments forceps, caesarean section haemostasis, green Armytage pattern—shape and dimensions (First Revision)	IS : 7964 : 1976	1992-08-31
26.	IS : 8096 : 1992 Fire beaters—Specification (First Revision)	IS : 8096 : 1976	1992-08-31
27.	IS : 8967 (Part 1) : 1992 Farm drainage equipment—drainage clay tiles—Specification Part 1 Tiles with open joints (First Revision)	IS : 8967 (Part 1) : 1978	1992-08-31
28.	IS : 9165 (Part 1) : 1992 Surgical instruments—needles, suture Part 1 Specification (First Revision)	IS : 9165 : 1979	1992-08-31
29.	IS : 9936 : 1992 Manila, nylon, polyester and poly propylene ropes for marine purpose—Guide on equivalence (First Revision)	IS : 9936 : 1981	1992-08-31
30.	IS : 10906 : 1992 Photography—cameras using 35 mm and 16 mm film—Picture sizes (First Revision)	IS : 10906 : 1984	1992-06-30
31.	IS : 10914 (Part 4) : 1992 Automotive vehicles—Pneumatic tyres— Specification Part 4 Scooter and Scooter derivatives—Diagonal Ply (Second Revision)	IS : 10914 (Part 4) : 1988	1992-07-31
32.	IS : 11164 : 1992 Photography—front lens barrels up to 127 mm— Dimensions important to the connection of auxiliaries (First Revision)	IS : 11164 : 1985	1992-03-31
33.	IS : 13246 : 1992 Guide for choosing modular dimensions for waveguide components	—	1992-04-30
34.	IS : 13292 : 1992 Polyvinyl chloride boots, resistant to chemicals— Specification	—	1992-04-30
35.	IS : 13298 : 1992 Markers, fibre-tip regulated feed—Specification	—	1992-04-30
36.	IS : 13301 : 1992 Vibration isolation for machine foundations— Guidelines	—	1992-07-31
37.	IS : 13345 : 1992 Carpenter's levels—Specification	—	1992-08-31
38.	IS : 13365 (Part 2) : 1992 Quantitative classification systems of rock mass—Guidelines Part 2 Rock mass quality for Prediction of support pressure in underground openings.	—	1992-08-31
39.	IS : 13374 : 1992 Forestry tools-Hand sappie, nursery (Kutla)— Specification	—	1992-08-31

1	2	3	4
40.	IS : 13375 : 1992 Forestry tools—Hoeing and weeding fork, nursery—Specification	—	1992-08-31
41.	IS : 13376 : 1992 Forestry Tools—debarking spud—Specification	—	1992-07-31
42.	IS : 13377 : 1992 Forestry tools—Shrub cutting knife—Specification.	—	1992-08-31
43.	IS : 13379 : 1992 Forestry tools—wooden setting cat, bow saw blades—Specification	—	1992-08-31
44.	IS : 13383 (Part 1) : 1992 Photometry of luminaires—Method of measurement Part 1 Luminaires for use in interior lighting	JS—7678 : 1975	1992-08-31
45.	JS : 13389 : 1992 Road vehicles—passenger cars—moving barrier rear collision test method.	—	1992-06-30
46.	IS : 13392 : 1992 Programme flow for processing sequential files in terms of record groups of information processing.	—	1992-04-30
47.	IS : 13418 : 1992 Proforma for analysis of unit rate of grouting used in river valley projects.	—	1992-07-31
48.	IS : 13425 : 1992 Ammonium nitrate for nitrous oxide production—Specification.	—	1992-07-31
49.	IS : 13430 : 1992 Safety during additional construction and alteration to existing buildings—Code of practice	—	1992-07-31
50.	IS : 13435 (Part 1) : 1992 Acrylic based polymer waterproofing materials—Methods of test Part 1 Determination of solid content	—	1992-07-31
51.	IS : 13435 (Part 2) : 1992 Acrylic based polymer waterproofing materials—Methods of test Part 2 Determination of coarse particles.	—	1991-07-31
52.	IS : 13435 (Part 3) : 1992 Acrylic based polymer waterproofing materials—Methods of test Part 3 Determination of capillary water take-up	—	1992-07-31
53.	IS : 13437 : 1992 Automotive vehicles—recommendation for voltages for electrical systems	—	1992-08-31
54.	IS : 13445 (Part 1) : 1992 Industrial water tube boilers—supplier's data sheet Part 1 Proposal stage.	—	1992-08-31
55.	IS : 13451 : 1992 Urea molasses block as Ruminant feed supplement—Specification	—	1992-07-31
56.	IS : 13452 (Part 1) : 1992 Chemical analysis of ferrochromium Part 1 Determination of silicon in high carbon ferrochromium by Gravimetric Method.	—	1992-07-31
57.	IS : 13452 (Part 2) : 1992 Chemical analysis of ferrochromium Part 2 Determination of silicon in low carbon ferrochromium by Gravimetric Method.	—	1992-07-31
58.	IS : 13452 (Part 5) : Chemical analysis of ferrochromium Part 5 Determination of chromium in high carbon ferrochromium by Volumetric Method.	—	1992-07-31
59.	IS : 13453 : 1992 Automotive vehicles—two wheelers—Method of braking test on dynamometer	—	1992-07-31

1	2	3	4
60.	IS : 13467 : 1992 Chlorinated rubber for paints—Specification	—	1992-08-31
61.	IS: 13480 : 1992 Lawn and garden ride-on (Riding) Tractors-Drawbar.	—	1992-07-31
62.	IS : 13493 : 1992 Automotive vehicles—two wheelers—method of evaluation of brake lever strength requirements.	—	1992-08-31
63.	IS : 13494 : 1992 Automotive vehicles—air brake systems—performance requirements for unloader valves.	—	1992-08-31

Copies of these Indian Standards are available or sale with the Bureau of Indian Standards, Manak Bhavan, 9 Bahadur Shah Jafar Marg, New Delhi-110002 and Regional Offices : Bombay, Calcutta, Chandigarh and Madras and also Branch Offices : Ahmedabad, Bangalore, Bhopal, Bhubaneshwar, Guwahati, Hyderabad, Jaipur, Patna and Trivandrum.

[No. CMD/ 13 : 2]

N. SRINIVASAN, Addl. Director General

नई दिल्ली, 12 फरवरी, 1993

का. आ. 611.—भारतीय मानक व्यूरो (प्रमाणन) विनियम, 1958 के विनियम 5 के अपविनियम (6) के प्रत्युत्तर में प्राक्षवारा अधिसूचित किया जाता है कि जिन प्रमाणन मुकुर लाइसेंसों के विवरण नीचे दिए नहीं हैं उनकी अवधि समाप्त हो गई है:—

प्रत्युत्तर

क्र सं. लाइसेंस संख्या	प्राइमेरी वाइसेप्राइमियरियों का नाम और पता	मंबद्ध भारतीय मानक की रद्द किए जाने की तिथि मेलगा
------------------------	--	--

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
1. 1105524	प्रकाश इंडस्ट्रियल कारपोरेशन, वॉ-73, प. मायापुरी इंड. परिया, फेज 1, नई दिल्ली-110064	IS : 1703 : 1977	9-07-31	
2. 1915357	इंडस्ट्रियल फास्टनर्स ऑफ गुजरात प्रा. नि., हॉ.—मानेजा सकरपुरा के सामने, रेस्टो-स्टेशन, गडीवा-390013	IS 6003 : 1984	9-07-31	
3. 1846061	चिराग सेंट्री प्राइडक्ट्स, वॉ-1 1/5, मिसिसिपी हॉ. एरिया, शहदरा	IS 8911 : 1978	9-06-30	
4. 1856361	चिराग सेंट्री प्राइडक्ट्स, वॉ-1 1/5, मिसिसिपी हॉ. एरिया, शहदरा	IS 8053 : 1989	9-06-16	
5. 1687269	अनुपमा इंड., प्लाट नं. 738, ग्लूलगड, भुवनेश्वर 751010	IS : 781 : 1984	9-05-16	
6. 1843645	दि. इंडियन एम. प्राइवेट क. नि. कोर्टेज, शोमो 184005	IS 458 : 1978	9-08-31	
7. 1573860	पी. एम. एम निट्स, 6 कॉल्युनपार, नीमरी स्ट्रीट, एक्सटोन, निलपुर 638607	IS 4964 : 1940	9-08-10	
8. 1018134	श्रीडेव पैकेजिंग प्रा. नि., 117/354 जी. टी. रोड, रावतपुर, कानपुर	IS 7406 (भाग 1) : 1984	9-09-15	

(1)	(2)	(3)	(4)
9. 4120545	बजरंगबद्दी, आयरन एंड स्टील कं., 100-ए, बेमिन रोड, निल्बोट्रियर, मद्रास-600019	IS 1786 : 1985	92/06/30
10. 2017733	सुदर्शन एंटरप्राइजेज, ३, चिंगरीघाट लेन, कलकत्ता-700015	IS 3755 : 1984	92/04/31
11. 1587871	श्रीबाबी पैकेजिंग इंडस्ट्रीज, पट्ट-३, लिलकोह इंडस्ट्रीज एस्टेट, कोल्कत्ता-635126	IS 10412 (भाग 1) : 1986	92/07/31
12. 1724249	स्टीफोम, छालमाल का पत्थर, बेनरघाट रोड, बंगलोर-560076	IS : 1741 : 1960	92/08/15
13. 1573860	नहुएसाम निटर्स, ६ कोलम्पुतर, नीमरी रोड, एक्सटेण्ट, निल्पुरा-638607	IS 4964 : 1980	92/06/30
14. 1130419	किमान एंड्री कैर्मिक्स, पा. बा. न. १४८ कोटे रोड, मुम्बईतगर-५१००१	IS 561 : 1978	92/10/15
15. 0390544	रेलिस इंडिया लि., २० हावड़ा रोड, सामरिया, हावड़ा	IS 5281 : 1979	92/03/15
16. 2017219	मार्डन पार्सी इंडस्ट्रीज, ६२/२१/२/एन, जे. एन. मुखर्जी रोड, धूमूरी—हावड़ा	IS 7406 (भाग 2) : 1984	92/08/31
17. 2017128	मार्डन पॉन्टि इंडस्ट्रीज, ६२/२१/१/एनजेएन सुधर्जी रोड, धूमूरी—हावड़ा	IS 7406 (भाग 1) : 1984	92/08/31
18. 0169343	प्रकाश पुलबराइजिंग मिल्स, १ पुराना इंडस्ट्रियल एरिया, (रेलवे गुड्स गेड के सामने) पा. बा. न. २०, भल्कर २०१००१	IS 1307 : 1988	92/06/30
19. 1118634	हिदुस्तान पुलबराइजिंग मिल्स, ५७८ कट्टरपीलन, निलक बाड़ा, फिल्डों	IS 1307 : 1988	92/09/30
20. 1860459	ब्रिनान एंड्री कैर्मिक्स, पा. बा. न. १४८, कोटे रोड, मुम्बईतगर-५१००१	IS 1307 : 1988	92/08/15
21. 0884972	इंडियो एंड्री इंडस्ट्रीज लि., महालधर्म चैम्बर्स, ५/१ एमजी रोड, बंगलोर।	IS 1165 : 1986	92/03/15
22. 2037336	वि इंडिया जट एंड इंडस्ट्रीज लि., धामोद रोड, रत्नपुर केलतपुर हाथ्ये, झौ—बेलतपुर, झि.—बड़ोदा	IS 7406 (भाग 2) : 1984	92/10/15
23. 1196250	पेन्टो कैम इंडिया ९६६—६७ गर्फी तेलियान नाबर्टी मिनेमो के पोले, दिल्ली।	IS 1307 : 1988	92/07/31
24. 0638150	एंटोरेशन फारपोरेशन आफ केरल लि., रजि.—आफिस पा. बा. न. १२, कोट्टायम-६८६००५	IS 4588 : 1986	92/03/31
25. 2276455	मार्डन टिन प्राइवेटसम १५-१३-७८ मंगामगिरी रोड, गुडग ५२२००२	IS 10325 : 1989	92/03/31

1	2	3	4
26. 5276556	मॉर्टनटिन प्रॉडक्ट्स, 15-13-78 मयपुरी रोड, गुट्टू-524002	IS 916 : 1978	92/08/31
27. 0104113	दि इंडियन शायर्स एंड रेल क. लि. इस्पो हाउस, 50 चौरसी रोड, कलकत्ता-700074	IS 1885 : 1978	92/09/30
28. 2037639	मेटेलेक्स पाइप्स प्रा. लि., बी-23, मायपुरी इंड. एरिया, फेज 1, नई विल्ली-110064	IS 1939 (भाग 1) : 1979	92/10/15
29. 2119641	पीटर हॉजोनियरिंग क. (रजि.) ए-133 वर्जिस्पुर इंड. एरिया, दिल्ली-110052	IS 1610 : 1981	92/10/15
30. 2037740	मेटेलेक्स पाइप्स प्रा. लि., बी-23, मायपुरी इंड. एरिया, फेज 1, नई विल्ली-110064	IS 1161 : 1979	92/10/15
31. 2433435	दुग्ध स्टोल इंडोनेशिया एंड फ्रिजिवेशन प्रॉ. ई-4/173, एरिया कॉलोर्टा, भोपाल-462015	IS 1796 : 1985	92/09/31

[म. क. प्र. फि./13 : 14]

एन. श्रीनिवासन, अपर महानिवेशक

New Delhi, the 12th February, 1993

S.O. 611.—In pursuance of Sub-regulation (6) of Regulation 5 of the Bureau of Indian Standards (Certification) Regulations, 1988, it is, hereby notified that the Certification Marks Licences, details of which are mentioned in the following Schedule, have expired:

SCHEDULE

Sl. No	Licence No.	Name of the licensee	Number of the relevant Indian Standard	Date of expiry
1	2	3	4	
1.	1105524	Prakash Industrial Corporation B-73A, Mayapuri Indl. Area Pase 1, New Delhi-110 064	IS 17003 : 1977	92-07-31
2.	1915357	Industrial Fasteners of Gujarat Pvt. Ltd. P.O. Maneja Opp. Makarpura Railway Station, Baroda-390013	IS 6003 : 1983	92-07-31
3.	1846061	Chirag Sanitary Products, B 12/5, Jhilmil Indl. Area, Shahdara	IS 8931 : 1978	92-06-30
4.	1836361	Chirag Sanitary Products, B 12/5, Jhilmil Indl. Area, Shahdara.	IS 8034 : 1989	92-06-16
5.	1687269	Anupama Industries, Plot No 738 Rasulgarh, Bhubneshwar-751010	IS 781 : 1984	92-05-16
6.	1448645	The Indian Hume Pipe Co. Ltd., Korari, Jhansi-284003.	IS 458 : 1988	92-08-31

1	2	3	4
7. 1573860	P.S.M. Knitters 6, Kongunagar 3rd Street, Extension Tirupur-638607	IS 4964 : 1980	92-06-30
8. 2028234	Bonded Packaging (P) Ltd., 117/354 G.T. Road Rawatpur, Kanpur.	IS 7406 (Part I) : 1984	92-09-15
9. 2120525	Bajrangbali Iron & Steel Co. 100-A, Basin Road Tiruvottiyur -Madras-600019	IS 1786 : 1985	92-06-30
10. 2017734	Sudershan Enterprises Calcutta, 2 Chingrighata Lane Calcutta-700015	IS 3735 : 1984	92-08-31
11. 1587871	Srivari Packing Industries, N-2, Sidco Industrial Estate, Hosur-635126	IS 10212 (Part 1): 1986	92-07-31
12. 1724249	Ruby Foam 6th Mile Bannerghatta Road, Bangalore-560076	IS 1741 : 1960	92-08-15
13. 1573860	P.S.M. Knitters, 6, Kongunagar, 3rd Street, Extension Tirupur-638607	IS 4964 : 1980	92-06-30
14. 1120419	Kissan Agro Chemicals P.B. No. 248, Court Road Muzaffarnagar-251001	IS 561 : 1978	92-10-15
15. 0390544	Rallis India Ltd. 20, Howrah Road Salkia, Howrah-711016	IS 5281 : 1979	92-08-15
16. 2017229	Modern Poly Industries 62/B/1/A Jn Mukerji Road Ghusuri Howrah-711017	IS 7406 (Part 2): 1984	92-08-31
17. 2017128	Modern Poly Industries 62/B/1/A Jn Mukerji Road Ghusuri Howrah-711017	IS 7406 (Part I) : 1984	92-08-31
18. 0169343	Prakash Pulversing Mills 1, Old Industrial Area (Opp. Railway Goods Shed) P.B. No. 20 Alwar-301001	IS 1307 : 1988	92-06-30
19. 1118634	Hindustan Pulverising Mills, 278, Katra Peran Tilak Bazar, Delhi	IS 1307 : 1988	92-09-30
20. 1860459	Kissan Agro Chemicals, P.B. No. 248, Court Road, Muzaffarnagar-251001	IS 1307 : 1988	92-08-15
21. 0884872	Dempo Dairy Industries Ltd., Mahalaxmi Chambers 9/1, M.G. Road, Bangalore-1	IS 1165 : 1986	92-08-15
22. 2037336	The India Jute and Industries Ltd., Dabhoi Road, Ratan Pur Kelan pur highway P.O. Kelan pur Distt. Baroda.	IS 7406 (Part 2): 1984	92-10-15
23. 1196250	Pesto Chem India, 966-67, Gali Telian Behind Novelty Cinema, Delhi.	IS 1307 : 1988	92-07-31
24. 0638150	The Plantation Corp. of Kerala Ltd., Regd. Office, P.B. No. 12 Kottayam-686004	IS 4588 : 1986	92-08-31
25. 2276455	Modern Tin Products, 15-13-78 Mangalagiri Road, Suntur-522002	IS 10325 : 1989	92-08-31
26. 2276556	Modern Tin Products 15-13-78 Mangalagiri Road, Guntur-522002	IS 916 : 1975	92-08-31
27. 0104113	The Indian Iron & Steel Co. Ltd., IISCO House, 50, Chowringhee Road, Calcutta- 700071	IS 1875 : 1978	92-09-30

(1)	(2)	(3)	(4)
28. 2037639	Metalex Pipes Pvt. Ltd., B-23, Mayapuri Indl. Area Phase I New Delhi-110064	IS 1239 (Part I): 1979	92-10-15
29. 2119641	Peter Engineering Co. (Regd.) A-133 Wazirpur Indl. Area Delhi-110052	IS 1610 : 1981	92-10-15
30. 2037740	Metalex Pipes Pvt. Ltd., B-23, Mayapuri Indl. Area Phase I New Delhi-110064	IS 1161 : 1979	92-10-15
31. 2233235	Durga Steels Re-Rolling & Fabrication Inds., E-4/173 Arera Colony Bhopal 462016	IS 1786 : 1985	92-03-31

[No. CMD/13 : 14]

N. SRINIVASAN, Addl. Director General

नई विल्सी, 16 फरवरी, 1993

का.आ. 612. .—भारतीय मानक व्यूरो नियम, 1987 के नियम 7 के उपनियम (1) की खंड (ब) के अनुसरण में भारतीय मानक व्यूरो एतद्वारा अधिसूचित करता है कि जिस/जिन भारतीय मानक/मानकों, का/के विवरण नीचे अनुसूची में दिया गया है/दिए गए है, वह/वे स्थापित हो गया है/हो गए हैं।

अनुसूची

क्रम सं.	स्थापित भारतीय मानक (कों) की संख्या वर्ष और गोर्जक सं.	नए भारतीय मानक द्वारा अतिक्रमित भारतीय मानक अवधारणा मानकों, यदि कोई हों, की सं. और वर्ष	स्थापित तिथि
(1)	(2)	(3)	(4)

1. आईएस : 302-2-30 (1992) : घरेलू और ऐसे ही बिजली के सांघिकों से सुरक्षा भाग 2 विशिष्ट अपेक्षाएं खंड 30 बिजली के विकिरक	—	1992-03-31
2. आईएस : 302-2-202 (1992) : घरेलू और ऐसे ही बिजली के सांघिकों से सुरक्षा भाग 2 विशिष्ट अपेक्षाएं खंड 202 बिजली के चूल्हे	—	1992-03-31
3. आईएस : 1200 (भाग 27) : 1992 भवन निर्माण एवं इंजी. - नियरिंग कार्यों की मापन विधियां भाग 27 यांत्रिक सांघिकों द्वारा किया गया भूकार्य	—	1992-03-31
4. आईएस : 1222 : 1992 दो सिलिंडर वाली धूर्णी मशीन के लिए इुल्लीकेटिंग स्थाही	IS : 1222-1973	1992-03-31
5. आईएम : 1265 : 1991 हथकरघे से बनी ऊनी ट्वीड (पहला पुनरीक्षण)	IS : 1265 : 1958	1991-05-31
6. आईएस : 1266 : 1991 हथकरघे में बनी मज़ (पहला पुनरीक्षण)	IS : 1266 : 1958	1991-05-31
7. आईएस : 1346 : 1991 बिटूसेन नमदे से छत जल सह बनाने की रीति संहिता (तीसरा पुनरीक्षण)	IS : 1346 : 1976	1991-05-31

(1)

(2)

(3)

(4)

8.	आईएस : 1448 (भाग 59) 1991 पेट्रोलियम और उसके उत्पादों की परीक्षण विधियां भाग 59 ग्रीज में खनिज तेल का निर्धारण (दूसरा पुनरीक्षण)	IS : 1448 (भाग :59) : 1984	1991-12-31
9.	आईएस : 1448 (भाग 116) : 1992 पेट्रोलियम और उसके उत्पादों की परीक्षण विधियां भाग 116 एक चीथाई और आधा मापक शंकु का प्रयोग करके स्नेहक ग्रीज में शंकु अन्तर्वेधन का निर्धारण (पहला पुनरीक्षण)	IS : 1448 (भाग :116) : 1984	1992-03-31
10.	आईएस : 1448 (भाग 138) : 1992 पेट्रोलियम और उसके उत्पादों की परीक्षण विधियां भाग 138 सावन अंश का निर्धारण (पहला पुनरीक्षण)	—	1992-03-31
11.	आईएस : 1448 (भाग 139) : 1992 पेट्रोलियम और उसके उत्पादों की परीक्षण विधियां भाग 139 ब्यटेनॉल या टांसूइन का प्रयोग करके कैल्सीक्लूट पेट्रो-लियम को का वास्तविक घनत्व निर्धारण	—	1992-03-31
12.	आईएस : 1917 (भाग 3) : 1992 ब्रार्टजाइट और उच्च सिलिका बालू का रासायनिक विश्लेषण भाग 3 सिलिका का निर्धारण (पहला पुनरीक्षण)	IS : 1917 : 1962	1992-03-31
13.	आईएस : 1917 (भाग 6) - 1992 ब्रार्टजाइट और मिनिका का रासायनिक विश्लेषण भाग 6 परमाणु अवशोषण स्पेक्ट्रो-मीट्रिक विधि द्वारा कैलिंग्यम और मैग्नीशियम का निर्धारण (पहला पुनरीक्षण)	IS : 1917 : 1962	1992-03-31
14.	आईएस : 2893 : 1992 बमूले के लिए ऊन हृथे—विशिष्टि (दूसरा पुनरीक्षण)	IS : 2893 : 1980	1992-03-31
15.	आईएस : 2949 : 1992 इंजीनियरी मापन—निरीक्षण प्रयोजनों के लिए सादे वी ब्लाक—विशिष्टि	IS : 2949 : 1974	1992-02-29
16.	आईएस : 4130 1991 भवन गिराने डेन्यु—रीनि संहिता (दूसरा पुनरीक्षण)	IS : 4130 : 1976	1991-01-31
17.	आईएस : 4839 (भाग 2) - 1992 नहरों का रखरखाव—रीति संहिता भाग 2 अस्तर वाली नहरों (दूसरा पुनरीक्षण)	IS : 4839 (भाग 2) : 1979	1992-02-29
18.	आईएस : 5500 (भाग 2) - 1992 कंपक गोलर सामान्य अपेक्षाएं भाग 2 स्वं-प्रणोदित हैर्बी इयूटी एकल फ्रूम (दूसरा पुनरीक्षण)	IS : 5500 : 1977	1992-02-29
19.	आईएस : 6175 (भाग 1) - 1992 कमी जाने वाली टॉटियां भाग 1 आईएसओ मीट्रिक कटी चूड़ी साइज एम 1 से एम 2.5 के लिए हाथ और शार्ट मशीन से कसी जाने वाली टॉटियां (दूसरा पुनरीक्षण)	IS : 6175 (भाग 1) : 1977	1992-03-31

(1)	(2)	(3)	(4)
20.	आईएस : 6175 (भाग 2) 1992 कसी जाने वाली टोटियां भाग 2 आईएसओ मीट्रिक कटी चूड़ी साइज एम 3 से एम 10 के हाथ और आंदे मणीन से कसी जानेवाली टोटियां (दूसरा पुनरीक्षण)	IS : 6175 (भाग 2) : 1977	1992-03-31
21.	आईएस : 6175 (भाग 3) - 1992 कसी जाने वाली टोटियां भाग 3 आईएसओ मीट्रिक पेंच चूड़ियां साइज एम 3 से एम 68 मोटे अन्तराल और एम 3 से एम 100 पत्तने अन्तराल महित के लिए हाथ और चूड़ी के कमे जाने वाली टोटियां (दूसरा पुनरीक्षण)	IS : 6175 (भाग 2) : 1977	1992-03-31
22.	आईएस : 6198 : 1992 लेज्ड, ब्रेसड और बने जड़े इमारती लकड़ी के धरवाजा शटर—विशिष्टि (दूसरा पुनरीक्षण)	IS : 6198 : 3984	1992-01-31
23.	आईएस : 6304 : 1992 अचल ब्रेटरियां सीसा-अमल टाइप लेपी अंडी धनात्मक प्लेट—विशिष्टि (दूसरा पुनरीक्षण)	IS : 6304 : 1980	1992-03-31
24.	आईएस : 8505 : 1992 पर्वतारोहण पारिभाषिक शब्दावली (पहला पुनरीक्षण)	IS : 8505 : 1977	1992-03-31
25.	आईएस : 9401 (भाग 12) -- 1992 नदी घाटी परियोजना (वांध और संलग्न संरचनाओं) में कार्य मापन की विधि भाग 12 टोपोग्राफीय मर्केशन	--	1992-03-31
26.	आईएस : 9605 : 1992 खाच ग्रेड एल्फा एमाइलेज—विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण)	IS : 9605 : 1960	1992-02-29
27.	आईएस : 9780 : 1992 टमाटो कैचग्रप हेतु कांच की बोतल—विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण)	IS : 9780 : 1981	1992-01-31
28.	आईएस : 10033 : 1992 जिरकॉन और ग्रेफाइट आधारित कोड और सांचा धावन—विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण)	IS : 10033 : 1981	1992-02-29
29.	आईएस : 10138 (भाग 1-1992 पिटबां इस्पात में अधात्विक अन्तविष्ट अंश का निर्धारण हेतु सुझमदर्शीय विधियां भाग 1 ब्लू फैक्चर परीक्षण विधि	IS : 10138 (भाग 1) : 1982	1992-01-31
30.	आईएस : 10242 (भाग 3 खंड 13) : 1992 जनयोतों में विद्युत संस्थापन भाग 3 उपस्कर खंड 13 रेटित बोलटता 0.6 1 किवोहेतु एक एक्सट्रॉडिट ठोस रोधन महिने एक और क्रोडीय केवल—विशिष्टि	—	1992-03-21
31.	आईएस : 10386 (भाग 3) - 1992 नदी घाटी परियोजनाओं के निर्माण प्रचालन और राव्राक्षाव की सुरक्षा संहिता भाग 3 संयंक्र और मणीनर्गि	--	1992-02-29
32.	आईएस : 10812 : 1992 इस्पात बनाने के लिए संज लोहा-प्रत्यक्ष अपचलित लोहा (डीआईआई) सूधमकण/गुठलियों का बर्गीकरण (पहला पुनरीक्षण)	IS : 10812 : 1984	1992-03-31

(1)	(2)	(3)	(4)
33.	आईएस : 11924 : 1992 कोका लेप—विशिष्ट (पहला पुनरीक्षण)	IS : 11924 : 1986	1942-02-20
34.	आईएस : 12257 (भाग 2)—1992 हड्डा चालित माध्यन भाग 2 उच्च दाब रेज में कार्य करने वाले यंत्र की डिजाइन अभि- लक्षण।	—	1992-02-29
35.	आईएस : 13162 (भाग 3)—1992 भू-वस्त्रादि—परीक्षण विधि भाग 3 निर्दिष्ट दाब पर भोटाई का निर्धारण	—	1992-02-29
36.	आईएस : 13162 (भाग 4) —1992 भू-वस्त्रादि—परीक्षण विधि भाग 4 शंकु गिराने की विधि द्वारा छेद प्रतिरोधन का निर्धारण	—	1992-02-29
37.	आईएस : 13162 (भाग 5)—1992 भू-वस्त्रादि-परीक्षण विधि भाग 5 चौड़ी पट्टी का प्रयोग करते हुए तनन गुणधर्मों का निर्धारण	—	1992-02-29
38.	आईएस : 13166 : 1992 यांत्रिक सतह एग्रिटर—मूल्यांकन एवं परीक्षण हेतु मार्गदर्शी मिडिल	—	1992-01-31
39.	आईएस : 13218 (भाग 3)—1992 नदी धाटी परियोजना के निर्माण के दौरान प्रगति की रिपोर्टिंग हेतु प्रोफार्मा भाग 3 बाढ़ नियन्त्रण	—	1992-03-29
40.	आईएस : 13225 : 1992 मोटर वाहन-द्रवचालित ब्रेकिंग तंत्र— —रबड़ के कप—विशिष्टि	—	1992-01-31
41.	आईएस : 13254 : 1992 माचिस उद्योग के लिए पशु सरेस— —विशिष्टि	—	1992-01-31
42.	आईएस : 13256 : 1992 वायु मंपीडक स्नेहक-टाइप ड्रोग और हीएबी—विशिष्टि	—	1992-01-31
43.	आईएस : 13257 : 1992 पाइप फ्लैज हेतु छल्ला टाइप जोड़ गेस्टर और खांचे—विशिष्टि	—	1992-02-29
44.	आईएस : 13262 : 1992 दाब संवेदी आसंजक टेप—प्लास्टिक आधार सहित—विशिष्टि	1880—1986 और 3876 : 1985	1992-01-21
45.	आईएस : 13263 1992 विद्युत उष्मा उपयोग हेतु प्लाज्मा उपस्कर की परीक्षण-विधियां	—	1992-02-29
46.	आईएस : 13286—1992 तापगोष्ठी सामग्री के लिए सतह पर ज्वाला प्रसार-परीक्षण	—	1992-02-29
47.	आईएस : 13291 : 1992 कंक्रीट के छाँक बनाने वाली मशीन—माभान्य अपेक्षाएं	—	1992-02-29
48.	आईएस : 13294 : 1992 गैर बफनीय फर्ण की द्रव पाँचिण— विशिष्टि	—	1992-02-29
49.	आईएस : 12291 : 1992 वायुयान उत्तोलक चालित मैनुअल स्लिप की कार्यकारिता अपेक्षाएं श्रेणी (2 3)—विशिष्टि	—	1992-02-29
50.	आईएस : 13307 : 1992 बकरी और भेड़ की खाल के रेजिन फिनिश किए जूते के उपल्ले—विशिष्टि	—	1992-03-31
51.	आईएस : 13311 (भाग 1)—1982 कंक्रीट का अविनाशी परीक्षण-परीक्षण विधियां भाग 1 पराश्रव्य स्पन्दन गति	—	1992-01-31

(1)	(2)	(3)	(4)
52.	आईएस : 13321 (भाग 1) — 1992 भूमि पर प्रयोग के लिए मंजिलाट सामग्री से मंबंधित पारिभाषिक शब्दावली भाग 1 सामग्री और गृण श्रम में प्रयुक्त पद	—	1992-02-29
53.	आईएस : 13322 : 1992 पर्याल नक्तीयी ग्रेड—विशिष्टि	—	1992-02-29
54.	आईएस : 13326 (भाग 1) — 1992 भूमि पर प्रयोग के लिए मंजिलाट सामग्री और सिट्टी में अन्तरफलक धर्वण का मूल्यांकन—परीक्षण विधि	—	1992-02-29
55.	आईएस : 13334 (भाग 2) — 1992 मकब्तिया पाउडर—विशिष्टि भाग 2—प्रतिग्रिह्यता ग्रेड	—	1992-03-31
56.	आईएस : 13338 : 1992 शोल्डर और नमालग पेंच त्रूटियों सहित प्लॉकोपीय पेंच लग—विशिष्टि	—	1992-03-31
57.	आईएस : 13348 : 1992 हत्थे सहित रखड़ के स्क्रीनर ग्रुण—विशिष्टि	—	1992-03-31
58.	आईएस : 13350 : 1992 मालिक्कनम छड़—विशिष्टि	—	1992-02-29
59.	आईएस : 13351 : 1992 थोग्यम चढ़ा टंगस्टन नार और छड़—विशिष्टि	—	1992-02-29
60.	आईएस : 13355 : 1992 साइड्यां, क्लिंग थाये और उसको मिश्यन में बनी—विशिष्टि	IS : 1425 : 1959, IS : 1426 : 1959, IS : 1427 : 1959, IS : 1429 : 1959 और IS : 2423 : 1963	1992-02-29 1992-02-20
61.	आईएस : 13360 (भाग 1) : 1992 प्लास्टिक—परीक्षण विधियां भाग 1 परीक्षण	—	1992-02-29
62.	आईएस : 13362 : 1992 वस्त्रादि—प्लास्टम थागा—विशिष्टि	—	1992-02-29

[म. के. प्र.वि. 13 : 2]
पत्. थीनिवासन, प्रारंभ महानिदेशक

New Delhi, the 16th February, 1993

S.O. 612.—In pursuance of clause (b) of Sub-rule (1) of Rule 7 of the Bureau of Indian Standards Rules 1987, The Bureau of Indian Standards hereby notifies that the Indian Standard(s), particulars of which is/are given in the Schedule hereto annexed, has/have been established on the date indicated against each :

SCHEDULE

Sl. No.	Year and Title of the Indian Standard(s) Established	No. and year of the Indian Standard or Standards, if any, superseded by the new Indian Standard	Date of Establish - ment.
(1)	(2)	(3)	(4)
1.	IS : 302-2-30 (1992) : Safety of household and similar electrical appliances Part 2 Particular Requirement Section 30 Electric Radiator.		1992-03-31

(1)	(2)	(3)	(4)
2.	IS : 302-2-202 (1992) : Safety of household and similar electrical appliances Part 2 Particular Requirements Section 202 Electric Stoves.	—	1992-03-31
3.	IS : 1200 (Part 27) : 1992 Method of measurement of building and civil engineering works Part 27 Earth work done by mechanical appliances.	—	1992-03-31
4.	IS : 1222 : 1992—Ink, duplicating, for twin cylinder rotary machines—Specification (Third Revision).	IS : 1222 : 1973	1992-03-31
5.	IS : 1265 : 1991 Handloom woollen tweed. (First Revision).	IS : 1265 : 1958	1991-05-31
6.	IS : 1266 : 1991 Handloom Serge. (First Revision).	IS : 1266 : 1958	1991-05-31
7.	IS : 1346 : 1991 Code of practice for water proofing of roofs with bitumen felts. (Third Revision).	IS : 1346 : 1976	1991-05-31
8.	IS : 1448 (P : 59) : 1991 Methods of test for petroleum and its products (P : 59) Determination of mineral oil content in greases. (Second Revision).	IS : 1448 (P : 59) : 1984	1991-12-31
9.	IS : 1448 (P : 116) : 1992 Methods of test for petroleum and its products (P : 116) Determination of cone penetration of lubricating grease using one quarter and one half scale-cone. (First Revision)	IS : 1448 (P : 116) : 1984	1992-03-31
10.	IS : 1448 (P : 138) : 1992 Methods of test for petroleum and its products (P : 138) Determination of soap content.	—	1992-03-31
11.	IS : 1448 (P : 139) : 1992 Methods of test for petroleum and its products (P : 139) Determination of real density of calcined petroleum coke using butanol or toluene.	—	1992-03-31
12.	IS : 1917 (Part 3) : 1992 Chemical analysis of quartzite and high silica sand Part 3 Determination of silica (First Revision)	IS : 1917 : 1962	1992-03-31
13.	IS : 1917 (Part 6) : 1992 Chemical analysis of quartzite and high silica sand Part 6 Determination of calcium and magnesium by atomic absorption spectrometric method (First Revision)	IS : 1917 : 1962	1992-03-31
14.	IS : 2893 : 1992 Wooden handles for adzes—Specification (Second Revision)	IS : 2893 : 1980	1992-03-31
15.	IS : 2949 : 1992 Engineering metrology—Plain V-Block for inspection purposes—Specification. (Second Revision).	IS : 2949 : 1974	1992-02-20
16.	IS : 4130 : 1991 Demolition of buildings—Code of safety (Second Revision)	IS : 4130 : 1975	1991-03-31

(1)	(2)	(3)	(4)
17.	IS : 4839 (Part 2) : 1992 Maintenance of canals—Code of practice Part 2 Lined canals (Second Revision).	IS : 4839 (Part 2) : 1979	1992-02-29
18.	IS : 5500 (Part 2) : 1992 Vibratory roller—General requirements Part 2 Self-propelled heavy duty single drum. (Second Revision).	IS : 5500 : 1977	1992-02-29
19.	IS : 6175 (Part 1) : 1992 Screwing Taps. Part 1 Hand and short machine screwing taps for ISO Metric screw threads sizes M1 M 2.5—Specification. (Second Revision)	IS : 6175 (Part 1) : 1977	1992-03-31
20.	IS : 6175 (Part 1) : 1992 Screwing Taps. Part 2 Hand and short machine screwing taps for ISO Metric screw threads sizes M3 to M10. Specification. (Second Revision).	IS : 6175 (Part 2) : 1977	1992-03-31
21.	IS : 6175 (Part 3) : 1992 Screwing Taps. Part 3 Hand and short machine screwing taps for ISO Metric screw threads sizes M3 to M68 with coarse pitches and M3 to M100 with fine pitches—Specification. (Second Revision).	IS : 6175 (Part 3) : 1977	1992-03-31
22.	IS : 6198 : 1992 Ledged, braced and battened timber door shutters—Specification. (Second Revision).	IS : 6198 : 1933	1992-01-31
23.	IS : 6304 : 1992 Stationary batteries—lead-acid type with pasted positive plates—Specification. (Second Revision).	IS : 6304 : 1980	1992-03-31
24.	IS : 8505 : 1992 Mountaineering—Glossary of terms (First Revision).	IS : 8505 : 1977	1992-03-31
25.	IS : 9401 (Part 12) : 1992 Method of measurement of works in river valley projects (Dams and appurtenant structures) Part 12 Topographical Surveys.	—	1992-01-31
26.	IS : 9605 : 1992 Alpha-amylase, food grade—Specification (First Revision).	IS : 9605 : 1980	1992-02-29
27.	IS : 9780 : 1992 Glass bottles for tomato ketchup—Specification. (First Revision).	IS : 9780 : 1981	1992-01-31
28.	IS : 10033 : 1992 Zircon and graphite based core and mould washes—Specification. (First Revision).	IS : 10033 : 1981	1992-02-29
29.	IS : 10138 (Part 1) : 1972 Macroscopic methods for determination of non-metallic inclusion content in wrought steels Part 1 Blue fracture test method. (First Revision).	IS : 10138 (Part 1) : 1932	1992-01-31
30.	IS : 10242 (Part 3/Sec 13) : 1992 Electrical installations in ships Part 3 Equipment Section 13 Single and multicore cable with extruded solid insulation for rated voltages 0.6/1 kV—Specification	—	1992-03-31
31.	IS : 10386 (Part 3) : 1992 Safety code for construction, operation and maintenance of river valley projects Part 3 Plant and machinery.	—	1992-02-29

(1)	(2)	(3)	(4)
32. IS : 10812 : 1992 Classification of sponge iron/direct reduced iron (DRI) fines/briquettes for steel making—Specification (First Revision).	IS : 10812 : 1984		1992-03-31
33. IS : 11924 : 1992 Cocoa coatings—Specification. (First Revision).	IS : 11924 : 1986		1992-02-29
34. IS : 12257 (Part 2) : 1972 Pneumatic measurement Part 2 Design features of instruments working in high pressure range.	—		1992-02-29
35. IS : 13162 (Part 3) : 1992 Geotextiles—Methods of test Part 3 Determination of thickness at specified pressures.	—		1992-02-29
36. IS : 13162 (Part 4) : 1992 Geotextiles—Methods of test Part 4 Determination of puncture resistance by falling cone method.	—		1992-02-29
37. IS : 13162 (Part 5) : 1992 Geotextiles—Methods of test Part 5 Determination of tensile properties using a wide width strip.	—		1992-02-29
38. IS : 13166 : 1992 Mechanical surface aerators—Guidelines for evaluation and testing.	—		1992-01-31
39. IS : 13218 (Part 3) : 1992 Proforma for reporting progress during construction for river valley projects Part 3 Flood control.	—		1992-02-29
40. IS : 13225 : 1992 Automotive vehicles—hydraulic braking systems—rubber cups—Specification.	—		1992-01-31
41. IS : 13254 : 1992 Animal glue for match industry—Specification.	—		1992-01-31
42. IS : 13256 : 1992 Air compressor lubricants—Types DAA and DAB—Specification.	—		1992-01-31
43. IS : 13257 : 1992 Ring type joint gaskets and grooves for pipe flanges—Specification.	—		1992-02-29
44. IS : 13262 : 1992 Pressure sensitive adhesive tapes with Plastic Base—Specification.	IS : 2880—1986 and IS : 3876 : 1985		1992-01-31
45. IS : 13263 : 1992 Test methods of plasma equipment for electroheat applications.	—		1992-02-29
46. IS : 13286 : 1992 Surface spread of flame for thermal insulation materials—Methods of test.	—		1992-02-29
47. IS : 13291 : 1992 Concrete block making machines—General requirements.	—		1992-02-29
48. IS : 13294 : 1992 Non-buffable floor polish liquid—Specification.	—		1992-02-29
49. IS : 13296 : 1992 Aircraft-performance requirements for lever operated manual switches (Class 3)—Specification.	—		1992-02-29
50. IS : 13307 : 1992 Resin finished shoe uppers from goat and sheep skins—Specification.	—		1992-03-31
51. IS : 13311 (Part 1) : 1992 Non-Destructive—testing of concrete—Methods of test Part 1 Ultrasonic pulse velocity.	—		1992-01-31

(1)	(2)	(3)	(4)
52. IS : 13321 (Part 1) : 1992 Glossary of terms—for geosynthetics Part 1 Terms used in materials and properties.	—	—	1992-02-29
53. IS : 13322 : 1992 Furfural, technical—Specification	—	—	1992-02-29
54. IS : 13326 (Part 1) : 1992 Evaluation of interface friction between geosynthetics and soil—Method of test Part 1 Modified direct shear technique.	—	—	1992-02-29
55. IS : 13334 (Part 2) : 1992 Skim milk powder—Specification Part 2 Extra grade.	—	—	1992-03-31
56. IS : 13338 : 1992 Hexagonal head screw plugs with shoulder and parallel screw threads—Specification	—	—	1992-03-31
57. IS : 13348 : 1992 Brush, rubber squeezer, with handle—Specification	—	—	1992-03-31
58. IS : 13350 : 1992 Molybdenum rods—Specification	—	—	1992-02-29
59. IS : 13351 : 1992 Thoriated tungsten wires and rods—Specification	—	—	1992-02-29
60. IS : 13355 : 1992 SARIS made of man-made fibres and their blends—Specification.	IS : 1425 : 1959, IS : 1426 : 1959, IS : 1427 : 1959, IS : 1429 : 1959 and IS : 2423 : 1963	—	1992-02-29
61. IS : 13360 (Part 1) : 1992 Plastics—Methods of testing Part 1 Introduction.	—	—	1992-02-29
62. IS : 13362 : 1992 Textiles—asbestos yarn—Specification	—	—	1992-02-29

Copies of these Standards are available for sale with the Bureau of Indian Standards, Manak Bhavan, 9 Bahadur Shah Zafar Marg, New Delhi-110002 and Regional Offices : Bombay, Calcutta, Chandigarh and Madras and also Branch Offices : Ahmedabad, Bangalore, Bhopal, Bhubaneshwar, Guwahati, Hyderabad, Jaipur, Patna and Trivandrum.

[No. CMD/13 : 2]

N. SRINIVASAN, Addl. Director General

नई रिक्ती, 16 फरवरी, 1993

का. वा. 613—भारतीय मानक व्यूर्ग (प्रमाणन) विभाग, 1988 के उत्तराधिकार (3) के अनुसरण में भारतीय मानक व्यूर्ग प्रतिक्रिया नामे अनुसूची में निम्न ग्रन्थादा की मुद्रणकर्ता फॉर्म शाखासुचित घोषित करता है।

अनुसूची

क्र.सं.	उत्तराधिकार व्यूर्गी	भारत मानक व्यूर्ग ग्रन्था व्यूर्ग	इकाई	प्रति इकाई मुद्रणकर्ता फॉर्म	वालू होने की तिथि
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
1	मोटर वाक्रनों के विषय विज्ञप्ति के फॉर्म	आई.एस. : 1884—1981	प्रति हार्ड	रु. 0.20	1992-11-16
2	भारतीय व्यूर्ग	भारतीय व्यूर्ग 4360—1986	100 इकाई	रु. 1.00	1992-10-01

(१)	(२)	(३)	(४)	(५)
३. भोटर वार्सो के लिए इन्डियान ब्रेक्स आईएस ७०७९-१९७९	०८ तथा	रु. ०.०५		१९९२-११-१६
हेन ट्रॉन				
४. चूर्णन संवर्कित पालीक्याइटीन की पानी की टंकी	आईएस १२७०१-१९८९	१०० लिटर प्रारिता	रु. ०.६०	१९९२-१०-०१
५. अम्बर्ग्राहा दृष्टि पात्रिका	आईएस १३३३४ (पार्ट १) - १९९२	१०८ टन १२५०० लिटर	१. रु. १५.०० २. रु. १०.०० जग. रु. १००० इकाइया ३. रु. ५.०० शेष	१९९२-१०-०१

[मेरे प्रधि./१३१०]

मेरा शीनिवासन, शपर महानिदेशक

New Delhi, the, 16th February, 1993

S.O. 613. In pursuance of sub-regulation (3) of regulation 6 of the Bureau of Indian Standards (Certification) Regulation 1988, the Bureau of Indian Standards hereby, notifies the marking fee(s) for the products given in the Schedule:

SCHEDULE

Sl. No.	Product/Class of Product	No. and Years of Indian Standard	Unit	Marking fee per unit	Date of Effect
1	2	3	4	5	6
1.	Electric horns for automobiles	IS : 1884-1981	One Horn	Rs. 0.20	1992-11-16
2.	Acid resistant bricks.	IS : 4860-1968	100 Bricks	Rs. 1.00	1992-10-01
3.	Automotive hydraulic brake houses.	IS : 7079-1979	One Piece	Rs. 0.05	1992-11-16
4.	Rotational moulded polyethylene water storage tank.	IS : 12701-1989	10.3 Litre capacity	Rs. 0.60	1992-10-01
5.	Skim Milk Powder	IS : 13334 (Part 1) - 1992	One Tonne	(i) Rs. 15.00 First 1000 units; (ii) Rs. 10.00 Next 1000 units and (iii) Rs. 5.00 Remaining	1992-10-01

[No. CMD/13 : 10]

N. SRINIVASAN, Addl. Director General

नं. 1 ; दी. 18 फरवरी, 1993

का. ग्रा. 614—भारतीय मानक ब्यूरो नियम, 1987 के नियम 9 के उपनियम (1) के अनुसर में भारतीय मानक ब्यूरो एनडारा अधिसूचित करता है कि नीचे अनुसूची में दिये गए भारतीय मानकों सम्बन्धी मानक मुद्रर के डिजाइन निर्धारित कर दिए गए हैं:—

क्रम सं.	मानक मुद्रर का डिजाइन	उत्पाद/उत्पाद की श्रेणी	भारतीय मानक की सं. और वर्ष	नाम होने की तिथि
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)



1. मोटर बाहनों के लिए बिजली के लाईं प्राई एस : 1884—1981 1992-11-16



2. ग्राम प्रतिरोधी ईंटें प्राई एस : 4860—1968 1992-10-01

2. मोटरबाहनों के लिए प्रत्रकालिन ब्रेक प्राई एस : 7079—1979 1992-11-16
हेतु होश

4. दूरीन संचकित पॉर्टेलियाइलीन की पानी की टंकी है प्राई एस : 12701—1989 1992-10-01



5. मकानिया दूध पाउडर प्राई एस : 13—339 (पार्ट I)—1992 1992-10-01

[म. क. प्र.वि. / 13 : 9]
एन. श्रीनिवासन, अपर मन्त्रीप्रिदेशक

New Delhi, the 16th February, 1993

S.O 614 In pursuance of Sub-rule (1) of the rule 9 of Bureau of the Indian Standards Rules, 1907 the Bureau of Indian Standards, hereby notifies the standard Mark(s), for the Indian Standards given in the Schedule:

SCHEDULE

Sl. No.	Design of the Standard Mark	Product /Class of Product	No. and Year of the Indian Standard	Date of Effect
1	2	3	4	5
1.		Electric horns for automobiles.	IS : 1884-1981	1992-11-16
2.		Acid resistant bricks.	IS : 4860-1968	1992-10-01
3.		Automotive hydraulic brake hoses.	IS : 7079-1979	1992-11-16
4.		Rotational moulded polyethylene water storage tank.	IS : 12701-1989	1992-10-01
5.		Skim milk powder.	IS : 13334 (Part I)-1992	1992-10-01

[No. CMD/13 : 9]

N. SRINIVASAN, Addl. Director General

नई दिल्ली, 17 फरवरी, 1993

का.प्रा. 615—भारतीय मानक धूरो नियम, 1987 के नियम 7 के उत्तिवास (1) की खंड (ख) के अनुमति में भारतीय मानक धूरो एतद्वार अधिसूचित करता है कि जिस/जिन भारतीय मानक/मानकों, का/के विवरण नीचे अनुसूची में दिया गया है/हैं, वह/वे को स्थापित हो गया है/हैं गए हैं।

अनुसूची

क्रम सं.	स्थापित भारतीय मानक (कों) की संख्या वर्ण और शीर्षक	नए भारतीय मानक द्वारा अतिक्रमित भारतीय मानक विवरण मानकों, यदि कोई हों, की सं. और वर्ण	स्थापित तिथि
(1)	(2)	(3)	(4)
1.	प्राई एस: 455-1989—पोर्टलैण्ड धातु माल सीमेंट —विशिष्ट (चौथा पुनरीक्षण)	IS: 455: 1976	1990-05-31
2.	प्राई एस: 1239 (भाग 1)---1990—मृदु इस्पात के पाइप, नलिकाकार तथा अन्य विवरों इस्पात फिटिंग— विशिष्ट भाग 1 मृदु इस्पात के पाइप (पांचवा पुनरीक्षण)	IS: 1239 (भाग 1)—1979	1991-01-31
3.	प्राई एस: 1339: 1992—केबल पर खोल बढ़ाने के लिए सीसा और सीमी मिश्रधातु—विशिष्ट (तीसरा पुनरीक्षण)	IS 1339—1977	1992-02-29
4.	प्राई एस: 1489 (भाग 1)---1991—पोर्टलैण्ड पोजलाना सीमेंट—विशिष्ट भाग 1 उड़नशील राष्ट्र प्राधारित (तीसरा पुनरीक्षण)	IS: 1489—1976	1991-05-31
5.	प्राई एस: 1489 (भाग 2)---1991—पोर्टलैण्ड पोजलाना IS: 1489—1976 सीमेंट—विशिष्ट भाग 2 ईल्मीकृत मिट्टी प्राधारित (तीसरा पुनरीक्षण)	IS: 1489—1976	1991-05-31
6.	प्राई एस: 3495 (भाग 1 से 4)---भजन निर्माण हेतु मिट्टी को पकी हड्डी की परीक्षण विधियां भाग 1 संपीड़न सामग्र्य का निर्धारण भाग 2 अवशोषण का निर्धारण भाग 3 लोनल लगने का निर्धारण भाग 3 संचलन का निर्धारण (तीसरा पुनरीक्षण)	IS: 3495 (भाग 1 से 4) ---1976	1991-05-31
7.	प्राई एस: 3847-1992—सोर्टिंग नाइट नैचेम—विशिष्ट । IS 3847—1966 (पहला पुनरीक्षण)	IS 3847—1966	1992-03-31
8.	प्राई एस: 4031 (भाग 15)---1992—जनीय सीमेंट वी परीक्षण की भौगोलिक विधियां भाग 15 गोली छताई डारा वारीकपत का निर्धारण	—	1991-06-30
9.	प्राई एस: 4410 (भाग 8)---1992—नवी धारी पर्स- योजनाओं से संबद्ध पारिमाणिक शब्दावली भाग 8 बौध और बौद्ध संबन्ध (पहला पुनरीक्षण)	IS: 4410 (भाग 8)—1968	1992-04-30

(1)	(2)	(3)	(4)
10. भाई एस : 5481-1992—फर्म के लिए द्रव पॉलिश नंबर IS : 5481-1969 (पहला पुनरीक्षण)			1992-04-30
11. भाई एस : 7207: 1992—जल विद्युतगृह के लिए IS : 7207-1974 अनियंत्रित फाइलेशन की डिजाइन की कसोटी (पहला पुनरीक्षण)			1992-05-31
12. भाई एस : 7279: 1992—वुड बॉकिंग एक्स टर्क की वेधन समीक्षन का परीक्षण चार्ट (पहला पुनरीक्षण)	IS : 7279: 1974		1992-03-31
13. भाई एस : 7226 (भाग 2) : 1992—जल विद्युत गृह के नियंत्रण और भवित्वों हेतु पेनस्टाक और टरबाइन मल्टीगेम के बाटरेल्साई वाल्व भाग 2 नियंत्रण उपस्कर के डिजाइन और चुमाव के मार्गनिर्देश (पहला पुनरीक्षण)	IS : 7326 (भाग 2)—1974		1992-05-31
14. भाई एस: 9009-1992—फार्मी क्रोड के लिए तेल—विशिष्ट (पहला पुनरीक्षण)	IS : 3666 --1966 और IS : 9009--1979		1992-05-31
15. भाई एस : 10130:1992—रबड़ उत्पोग हेतु बल्कनीहूत बनासरति तेल (फैटिस)—विशिष्ट (पहला पुनरीक्षण)	IS : 10131--1982		1992-03-31
16. भाई एस : 10331:1992—झोल उत्पादक के लिए निक IS : 10131--1982 जंजीर सिरे और जंजीर बोस—विशिष्ट (पहला पुनरीक्षण)			1992-03-31
17. भाई एस : 10242 (भाग 3 बंड 10)-1992—जलपोत में विद्युत संस्थापन भाग 3 उपस्कर बंड 10 अल्प बोर्टेटा पोलबोर्ड के लिए सामान्य सरचना और परीक्षण भवेश्वर पावर-कैबल—विशिष्ट	--		1992-03-31
18. भाई एस : 11239 (भाग 14)-1992—दृढ़ कोशिकीय ताप गोष्ठन सामग्री की परीक्षण विधियों भाग 14 आजीवन द्वारा अवलम्बनीयता का निर्धारण			1992-02-29
19. भाई एस : 11673: 1992—सोडियम हाइड्रोक्लोराइड विलयन—विशिष्ट (पहला पुनरीक्षण)	IS : 11673--1986		1992-04-30
20. भाई एस : 12257 (भाग 3)---1992—हवा पाया भाग 3 उच्च वाव पर कार्य करने वाले यंत्रों के प्रैरामीटर	--		1992-05-31
21. भाई एस : 12257 (भाग 4) : 1992—हवा द्वारा भाग 4 सामान्य सूखनाएं और उपयोग के उदाहरण	--		1992-04-30
22. भाई एस: 13139: 1992:1992—सिरा-धूषण घटकेन्डी पम्प—बेसप्लेट और संस्थापन आयाम	--		1992-03-31
23. भाई एस : 13218 (भाग 1)---1992—नवी धारी पर्स-योजना के नियमण के द्वारा प्रयत्नि रिपोर्ट के प्रोफार्स भाग 1 सिवाई कार्ये	--		1992-04-30

(1)	(2)	(3)	(4)
24.	आईएस : 13247 (भाग 1) — 1992 रडियो व्यक्तिकरण दमन के लिए समूर्ण (फिल्टर इकाइयों भाग 1 जेनेरिक विशिष्टि	--	1992-02-29
25.	आईएस : 13250 : 1992 औद्योगिक वास्तविक समय फोट्रॉन-औद्योगिक प्रक्रमों के नियंत्रण के उपयोग।	--	1992-02-29
26.	आईएस : 13253 : 1992 प्रथम सूचिग मशीनरी-नीतिगति पोर्ट।	--	1992-04-30
27.	आईएस : 13285 : 1992 भारत में आवश्यक पोषण तत्वों को मिलाने के विश्वानिर्देश।	--	1992-03-31
28.	आईएस : 13302 : 1992 चुरखरे टैरियन फॉकलिपट ट्रक—स्थिरता परीक्षण।	--	1992-04-30
29.	आईएस : 13305 : 1992 विद्युत परिपथ हेतु रोबन पोर्टलोन हेतु विद्युत देने वाले दोषों की धनुणत सीमाएं।	--	1992-04-30
30.	आईएस : 13308 : 1992 उत्था पक उपस्कर बेलचे— तकनीकी आवृति अवस्थाएं।	--	1992-05-31
31.	आईएस : 13311 (भाग 2) — 1992 कंकीट के अविनाशी परीक्षण—परीक्षण विधियां भाग 2 रिकाउन्ड हथौड़ा।	--	1992-04-30
32.	आईएस : 13320 : 1992 परमाणु भवशोष डेवेलरों फोटो- मीट्री द्वारा लोह का निर्धारण—परीक्षण विधि।	--	1992-02-29
33.	आईएस : 13336 : 1992 तेल प्रवालन तंत्र के लिए रिस्यूसर कपलिंग बॉडी—विशिष्टि।	--	1992-05-31
34.	आईएस : 13337 : 1992 तेल प्रवालन तंत्र के लिए सीढ़ी रिस्यूसर कपलिंग बॉडी—विशिष्टि।	--	1992-03-31
35.	आईएस : 13343 : 1992 हेनेमल जूँ की और वानिक बद्द कंपनी से प्राप्तित प्रायत्ताकार तादा चालक।	--	1992-04-30
36.	आईएस : 13344 : 1992 प्रयस्क के नमूने लेने के बायस जॉक की विधियां	--	1992-05-31
37.	आईएस : 13363 : 1992 मोटर वाहन गैराज उपस्कर— तकनीकी पैरामीटर	--	1992-03-31
38.	आईएस : 13359 : 1992 पॉलीइथाइलीन ग्लाइकोल 200- विशिष्टि	--	1992-04-30
39.	आईएस : 13360 (भाग 2/खंड 7) — 1992 प्लास्टिक परीक्षण की विधियां भाग 2 परीक्षण के लिए नमूने लेने और नमूने बनाने।	--	1992-05-31
	खंड 7 विशिष्टि रिवर्ट-प्रक्रिस्टलीय अर्पेल्प्लास्टिक के साथ परीक्षण नमूना बनाना : लेटें।		
40.	आईएस : 13361 : 1992 वस्त्रादि रंजक सामग्री-सामग्री में रंजक सामग्री की उपयोग श्रेणियों की पहचान	--	1992-04-30

(1)	(2)	(3)	(4)
41. प्राईएस: 13364 (भाग 1) : 1992 अप्रत्क्रमणीय प्रान्तरिक	—		1992-04-30
दहन हैंडन द्वारा आमित एसी जेनेरेटर—विशिष्टि			
भाग 1, 20 किमोए तक रेटिंग एल्टरनेटर			
42. प्राईएस: 13364 (भाग 2) : 1992 अप्रत्क्रमणीय प्रान्तरिक	--		1992-03-31
दहन हैंडन द्वारा आमित एसी जेनेरेटर—विशिष्टि			
भाग 2, 20 से 1250 किमोए तक के रेटिंग एल्टरनेटर।			
43. प्राईएस: 13366 : 1992-मानव के साथ प्रयुक्ति	--		1992-04-30
रिस्किटेटर बातवार—विशिष्टि			
44. प्राईएस: 13370 : 1992 सांख्यिकीय कैट्टु रेखिक वर्सेय	--		1992-04-31
एल्कोहल-प्रविशिष्टि			
45. प्राईएस: 13377 (भाग 1) : 1992 चट्टान सामग्री का	--		1992-04-30
मूर्ख परालग—राति संहिता भाग 1 एक बोरहोल में			
46. प्राईएस: 13372 (भाग 2) : 1992 चट्टान सामग्री का	--		1992-04-30
मूर्ख परालग—राति संहिता भाग 2 बोरहोल के बोर में			
47. प्राईएस: 13388 (भाग 2) : 1992 टी बी के फराइट	--		1992-04-30
घटक का पार्याकारिता अप्रकार और परीक्षण तिथियाँ			
भाग 2 लाइन ड्राइवर ट्रांसफार्मर पूर्ण क्रोड			
48. प्राईएस: 13431 : 1992-सिनेमटोग्राफी 70 मिनी	--		1992-04-30
पट्टों रिस्चोज पर ला: ट्रक चुम्बकीय उत्तरिति			
49. प्राईएस: 13438 : 1992 अस्थि अंत्यरोपियों के उत्पादन	--		1992-05-31
का अचल रेतियाँ—गाइड			
50. प्राईएस: 13432 (भाग 1) : 1992 अल्पदाव द्रव्यों दहन	--		1992-04-30
उपस्करों के साथ प्रयुक्ति गैसरिसाव पहचना यंत्र			
भाग 1 यांत्रिक टाइप			
51. प्राईएस: 13438 : 1992-भृत्याल्योन-मण्डर नारों	--		1992-05-31
कुंडलों—विशिष्टि			

इन मानकों की प्रतियोगी भारतीय मानक ड्यूरो, मानक भवन, 9 बहादुरशाह जफर मार्ग, नई विल्ले-110002 और क्षेत्रीय कार्यालयों वस्ती, कलकत्ता, पश्चिम तथा मद्रास और शाखा कार्यालयों अहमदाबाद, बंगलौर, भोपाल, मुमनेश्वर, गुवाहाटी, हैदराबाद, जयपुर, कानपुर, पटना और त्रिवेदी, गाजियाबाद तथा फरीदाबाद में विकी हेतु उपलब्ध हैं।

[सं. के.प्र.वि. 13: 2]

ना. श्रीनिवास, अपर महानिदेशक

New Delhi, the 17th February, 1993

S.O. 615 In pursuance of clause (b) of Sub-rule (1) of Rule 7 of the Bureau of Indian Standards Rules, 1987 The Bureau of Indian Standards hereby notifies that the Indian Standard(s) particulars of which is/are given in the Schedule hereto annexed has/have been established on the date indicated against each:

THE SCHEDULE

Sl. No.	Year and Title of the Indian Standard(s) Established	No. and year of the Standard or Standards if any, superseded by the new Indian Standard	Date of Establishment
(1)	(2)	(3)	(4)
1.	IS : 455 : 1989 Portland slag cement—Specification (Fourth Revision)	IS: 455 : 1976	1990-05-31
2.	IS: 1239 (Part 1) : 1990 Mild steel tubes tubulars and other wrought steel fittings—Specification Part 1 Mild steel tubes (Fifth Revision)	IS: 1239 (Part 1)—1979	1991-01-31
3.	IS: 1339: 1992 Lead and lead alloys for sheathing of electric cables—Specification (Third Revision)	IS: 1339: 1977	1992-02-29
4.	IS: 1489 (Part 1) : 1991 Portland-pozzolana Cement—Specification Part 1 Fly ash based (Third Revision)	IS: 1489: 1976	1991-05-31
5.	IS: 1489 (Part 2): 1991 Portland—Pozzolana Cement—Specification Part 2 Calcined clay based (Third Revision)	IS: 1489 : 1976	1991-05-31
6.	IS: 3495 (Parts 1 to 4) Methods of tests of burnt clay building bricks Part 1 Determination of compressive strength Part 2 Determination of water absorption Part 3 Determination of Efflorescence Part 4 Determination of warpage (Third Revision)	IS: 3495 (Part 1 to 4): 1976	1991-05-31
7.	IS: 3847 : 1992 Mortice night latches—Specification (First Revision)	IS: 3847 : 1966	1992-03-31
8.	IS: 4031 (Part 15) : 1991 Methods of physical tests for hydraulic cement Part 15 Determination of fineness by wet sieving	—	1991-06-30
9.	IS: 4410 (Part 8): 1992 Glossary of relating to river valley projects Part 8 Dams and Dam Sections (First Revision)	IS: 4410 (Part 8): 1968	1992-04-30
10.	IS: 5481: 1992 Floor polish liquid—Specification (First Revision)	IS: 5481 : 1969	1992-04-30
11.	IS: 7207 : 1992 Criteria for design of generator foundation for hydroelectric power stations (First Revision)	IS: 7207 : 1974	1992-05-31

1	2	3	4
12.	IS : 7279 : 1992 Test chart for woodworking single spindle boring machines (First Revision)	IS : 7279 : 1974	1992-03-31
13.	IS : 7326 (Part 2) : 1990 Penstock and turbine inlet butterfly valves for hydro-power stations and systems Part 2 Guidelines for design and selection of control equipment (First Revision)	IS : 73-26 (Part 2) : 1974	1992-05-31
14.	IS : 9009 : 1992 Foundry core oils—Specification (First Revision)	IS : 3666 : 1966 and IS : 9003—1979	1992-05-31
15.	IS : 10130 : 1992 Vulcanized vegetable oils (Factice) for rubber industry—Specification (First Revision)	IS : 10130 : 1982	1992-03-31
16.	IS : 10131 : 1992 Link chain ends and chain bows for bucket elevators—Specification (First Revision)	IS : 10131 : 1983	1992-03-31
17.	IS : 10242 (Part 3/Sec 10) : 1992 Electrical installations in ships Part 3 Equipment Section 10 General construction and test requirements for Low Voltage Shipboard Power Cables—Specification	—	1992-03-31
18.	IS : 11239 (Part 14) : 1992 Methods of test for rigid cellular thermal insulation materials Part 14 Determination of flammability by Oxygen Index	—	1992-02-29
19.	IS : 1,673 : 1992 Sodium hypochlorite solution—Specification (First Revision)	IS : 11673 : 1986	1992-04-30
20.	IS : 12257 (Part 3) : 1992 Pneumatic measurement Part 3 Parameters of instruments workings on high pressure	—	1992-05-31
21.	IS : 12257 (Part 4) : 1992 Pneumatic meaurement—Specification Part 4 General information and Examples of application	—	1992-04-30
22.	IS : 13139 : 1992 Endsuction centrifugal pumps—baseplate and installation dimensions	—	1992-03-31
23.	IS : 13218 (Part 1) : 1992 Proforma for reporting progress during construction for river valley projects Part 1 Irrigation works	—	1992-04-30
24.	IS : 13247 (Part 1) : 1992 Complete filter units for radio interference suppression Part 1 Generic specification	—	1992-02-29
25.	IS : 13250 : 1992 Industrial real-time fortran—Application for the control of industrial processes	—	1992-02-29
26.	IS : 13253 : 1992 Earth-moving machinery—Diagnosticports	—	1992-04-30
27.	IS : 13285 : 1992 Guidelines for addition of essential nutrients to food	—	1992-03-31
28.	IS : 13302 : 1992 Rough terrain fork-lift trucks—Stability test	—	1992-04-30
29.	IS : 13305 : 1992 Permissible limits of visual defects for insulating porcelains for electrical circuits.	—	1992-04-30
30.	IS : 13308 : 1992 Lifting appliances—Sheaves—Technical supply condition	—	1992-05-31

1	2	3	4
31.	IS : 13311 (Part 2) : 1992 Non-destructive testing of concrete Methods of test Part 2 Rebound Hammer	—	1992-04-30
32.	IS : 13320 : 1992 Determination of iron by atomic absorption spectrophotometry—Test method	—	1992-02-29
33.	IS : 13336 : 1992 Reducer coupling assemblies for oil hydraulic system—Specification	—	1992-05-31
34.	IS : 13337 : 1992 Straight reducer coupling body for oil hydraulic system—Specification IS : 13343 : 1992	—	1992-03-31
35.	Guide for thermal endurance of enamelled and varnish bonded glass covered rectangular copper conductor	—	1992-04-30
36.	IS : 13344 : 1992 Methods for checking the bias of sampling of ores	—	1992-05-31
37.	IS : 13353 : 1992 Automotive vehicles—Garage Equipments—Technical parameters	—	1992-03-31
38.	IS : 13359 : 1992 Polyethylene glycol 200—Specification	—	1992-04-30
39.	IS : 13360 (Part 2/Sec 7) : 1992 Methods of testing plastics Part 2 Sampling and preparation of test specimens Section 7 Preparation of Test Specimens with a Specified Reversion—Amorphous Thermoplastics : Plates	—	1992-05-31
40.	IS : 13361 : 1992 Textile dyestuffs—Identification of application classes of dyestuffs in substance	—	1992-04-30
41.	IS : 13364 (Part 1) : 1992 AC Generators driven by reciprocating internal combustion engines—Specification Part 1 Alternators rated upto 20 KVA	—	1992-04-30
42.	IS : 13364 (Part 2) : 1992 AC Generators driven by reciprocating internal combustion engines—Specification Part 2 Alternators rated above 20 KVA and Up to 1250 KVA	—	1992-03-31
43.	IS : 13366 : 1992 Resuscitators intended for use with humans Specification	—	1992-04-30
44.	IS : 13370 : 1992 Linear fatty alcohols for surface active agents—Specification	—	1992-03-31
45.	IS : 13372 (Part 1) : 1992 Seismic testing of rock mass—Code of practice Part 1 within a borehole	—	1992-04-30
46.	IS : 13372 (Part 2) : 1992 Seismic Testing of rock mass—Code of practice Part 2 Between the boreholes	—	1992-04-30
47.	IS : 13388 (Part 2) : 1992 Performance requirements and methods of test, of TV ferrite components Part 2 U core for line driver transformers	—	1992-04-30
48.	IS : 13421 : 1992 Cinematography-six-track magnetic sound records on 70 mm striped release prints—Locations and Dimensions	—	1992-04-30
49.	IS : 13423 : 1992 Good manufacturing practices for orthopaedic implants—Guide	—	1992-05-31

1	2	3	4
50. IS : 13432 (Part 1) : 1992 Gas leak detector for use with low pressure liquefied petroleum gas burning appliances—	—	1992-04-30	
Specification Part 1 Mechanical type			
51. IS : 13438 : 1992 Allethrin-Mosquito coils—Specification	—	1992-05-31	

Copies of these Indian Standards are available for sale with the Bureau of Indian Standards, Manak Bhavan, 9 Bahadur Shah Zafar Marg, New Delhi-110002 and Regional Offices : Bombay, Calcutta, Chandigarh and Madras and also Branch Offices: Ahmedabad, Bangalore, Bhopal, Bhubaneshwar, Guwahati, Hyderabad, Jaipur, Patna and Trivandrum

[No. CHD/13 : 2]

N. SRINIVASAN, Addl. Director General

ताई विल्सो, 18 फरवरी, 1993

का. न्या. 616 भारतीय मानक भूरो नियम, 1987 के नियम 7 के उपनियम (1) की अंड (ष) के प्रत्युत्रण में भारतीय मानक भूरो एतदारा मध्यमिति करता है कि जिस/जिन भारतीय मानक/मानकों का/कि विवरण नीचे अनुसूची में विया गया है/दिए गए हैं, वह/वे स्थापित हो गया है/हो गए हैं।
‘अनुसूची’

क्रम सं.	स्थापित भारतीय मानक (कों) की संख्या वर्ष और शीर्षक	नए भारतीय मानक द्वारा स्थापित तिथि
		प्रतिक्रिया भारतीय मानक प्रयोग मानकों, यदि कोई हो, की सं. और वर्ष

(1)	(2)	(3)	(4)
1. भाई एस : 206 - 1992 दी और स्ट्रैप कम्जे - विशिष्टि (चीया पुनरीक्षण)	IS : 206 - 1981	1992-06-30	
2. भाई एस : 629 - 1988 बाइसिकिल के हृष-प्रार टाइप (दूसरा पुनरीक्षण)	IS : 629 - 1963	1989-06-30	
3. भाई एस : 650 - 1991 सीमेंट परीक्षण के लिए मानक रेत विशिष्टि (दूसरा पुनरीक्षण)	IS : 650 - 1966	1991-05-31	
4. भाई एस : 1170 - 1991 फैरोकोमियम - विशिष्टि (दूसरा पुनरीक्षण)	IS : 1170 - 1967	1992-01-31	
5. भाई एस : 1297 - 1991 घरेलू सिलाई मशीन का वाल छड़ - विशिष्टि (तीसरा पुनरीक्षण)	IS : 1297 - 1974	1991-06-30	
6. भाई एस : 1341 - 1992 इस्पात के कम्जे - विशिष्टि (पांचवा पुनरीक्षण)	IS : 1341 - 1981	1992-04-30	
7. भाई एस : 1448 (भाग - 140) - 1992 पेट्रोलियम और उसके उत्पाद की परीक्षण विशिष्या (भाग - 140) परा पिकोमोटर द्वारा पेट्रोलियम कोक के प्रत्यक्ष धनत्व का निर्धारण	---	1992-06-30	
8. भाई एस : 1448 (भाग - 141) - 1992 पेट्रोलियम और उसके उत्पाद की परीक्षण विशिष्या (भाग 141) हीलियम विधि द्वारा प्रत्यक्ष धनत्व का निर्धारण	---	1992-07-31	
9. भाई एस : 6635 - 1992 घरनों हेतु चूने की फील्ड स्लैकिंग और पुटटी निर्माण- रीति संहिता (दूसरा पुनरीक्षण)	IS : 1635 - 1975	1992-07-31	

(1)	(2)	(3)	(4)
10. भाई एस- 1659- 1990 ब्लाक बोर्ड - विशिष्ट (तीसरा पुनरीक्षण)		IS : 1659- 1979	1991-02-28
11. भाई एस: 1703- 1989 पानी के लिए फिल्टर तांबा मिश्रधातु के उत्कर्ष वाल्व (क्लिंज प्लंबरटाइप) - विशिष्ट (तीसरा पुनरीक्षण)		IS : 1703- 1977	1990-03-31
12. भाई एस: 2002- 1992 बायलरों मध्यम तथा उच्च ताप सेवाओं हेतु दाढ़ पानी के लिए स्टील लेट - विशिष्ट (दूसरा पुनरीक्षण)		IS : 2002- 1982	1992-04-30
13. भाई एस: 52266- 1989 सामान्य इंजीनियरी प्रयोजनों के लिए इस्पात तार रस्से- विशिष्ट (तीसरा पुनरीक्षण)		IS : 2266- 1977	1990-06-30
14. भाई एस: 2720 (भाग 9) - 1992 भूवा परीक्षण की विधियाँ (भाग 9) शुष्क धनत्व का निर्धारण भूवा विधि की स्थिर इक्ष्यमात्र द्वारा नमी अंश का प्रनुपात (तीसरा पुनरीक्षण)		IS : 2720 - 1971	1992-07-31
15. भाई एस: 3156 (भाग 3) - 1992 बोल्टता ट्रांसफार्मर - विशिष्ट भाग 3 बोल्टता रक्षी बोल्टता (दूसरा पुनरीक्षण)		IS : 3156 (भाग 3) - 1978	1992-05-31
16. भाई एस: 3195- 1992 बोल्ट और हैलीकल कमानियों के उत्पादन के लिए इस्पात (रेल इंड्यों के लिए) - विशिष्ट (पहला पुनरीक्षण)		IS : 3195- 1982	1992-06-30
17. भाई एस: 3445- 1992 फोर्जित इस्पात - विशिष्ट (पहला पुनरीक्षण)		IS : 3445- 1966	1992-06-30
18. भाई एस - 3614 (भाग 2) - 1992 धात्विक और अधात्विक भाग नियन्त्रण वर्खान -प्रतिरोधी परीक्षण और कार्यकारिता कसोटी		---	1992-06-30
19. भाई एस: 5681- 1992 मोसम विद्युत के लिए सामान्य तापमापी, काल्प में द्रव्य - विशिष्ट (दूसरा पुनरीक्षण)		IS : 5681- 1983	1992-07-31
20. भाई एस: 6175 (भाग 6) - 1992 चूड़ी के जाने वाली टॉटियाँ भाग 6 समान्तर जी श्रेणियों की पाइप चूड़ियों के कमें जाने वाली टॉटियाँ		IS : 6172- 1979	1992-03-31
21. भाई एस: 6871- 1992 वायु उपस्कर द्वारा से दिक्षार्थ देने वाले - विशिष्ट (पहला पुनरीक्षण)		IS : 6871- 1973	1992-07-31
22. भाई एस: 7155 (भाग 6) - 1990 कनवरर मुक्का के अनश्वरित रीति संहिता IS : 7155- 1974 संहिता भाग 6 प्रवालकों के चूनाव, प्रशिक्षण और पर्यवेक्षण (पहला पुनरीक्षण)			1990-12-31
23. भाई एस: 7735- 1992 विसटी, संज एकड़ने वाली - शाकार और मायाम (पहला पुनरीक्षण)		IS : 7735- 1973	1992-04-30
24. भाई एस: 7982- 1992 मोटर वाहन लेपी पालिम - विशिष्ट (पहला पुनरीक्षण)		IS : 7982- 1976	1992-07-31
25. भाई एस: 8871- 1991 ध्रात्विक पाउडर - टेप धनत्व का निर्धारण (पहला पुनरीक्षण)		IS : 8871- 1978	1991-12-31
26. भाई एस: 9299 (भाग 2) - 1992 बिल्ट ध्रप भ्रम्भक और उपचारिज भ्रम्भक कागज IS : 9299 (भाग 2) - 1979 पर ध्रात्वात रोधन सामग्री - विशिष्ट भाग 2 परीक्षण विधियाँ (पहला पुनरीक्षण)			1992-04-30
27. भाई एस: 10008- 1992 बीटर एडीपन जोड़ - विशिष्ट (पहला पुनरीक्षण)		IS : 10008- 1984	1992-07-31

(1)	(2)	(3)	(4)
28.	प्राई एस : 10242 (भाग 2) – 1992 जनपोत में विशुल संस्थापन भाग 4 पूर्ण किए संस्थापन का संस्थापन और परीक्षण – विशिष्ट	---	1992-03-31
29.	प्राई एस : 13247 (भाग 2) – रेडियो अवृत्तिकरण दमन के लिए पूर्ण किन्टर इकाई इकाई भाग 2 अंडीय विशिष्टि – परीक्षण विधि का चुनाव और सामान्य अपेक्षाएं	---	1992-02-21
30.	प्राई एस : 3248 – 1992 नम्बर बैंक गाइड एसेम्बली कार्यकारिता	---	1992-03-31
31.	प्राई एस : 3251 – 1992 द्रवचालन द्रवचालित एक छड़ि सिलिंडर, 160 बार (16 मैपारक) भव्यम और 250 बार (25 मैपारक) श्रेणी – सहायकांगो के मार्जिंग प्रायाम	---	1992-02-29
32.	प्राई एस : 13280 – 1992 नम्बर रेटर का यांत्रिक संतुलन	---	1992-05-31
33.	प्राई एस : 13315 – 1992 विजली के हंडनों के लिए निकिल कैडमियम बैटरी – विशिष्टि	---	1992-04-30
34.	प्राई एस : 13318 – 1992 निकिल का स्पेक्ट्रो फोसे मितीय निर्वाचन – परीक्षण	--	1992-06-30
35.	प्राई एस : 13346 – 1992 विस्कोटक गैस बातावरण के लिए विशुल उपकरणों सामान्य अपेक्षाएं	---	1992-05-31
36.	प्राई एस : 13349 – 1992 ढलवा लोहे के एक कलक बाले विशुल माउंटेड स्लूस बाल्व – विशिष्टि	---	1992-04-30
37.	प्राई एस : 13373 – 1992 उद्यान संबंधी उपकरण – प्राप्त काटने वाली मशीन – विशिष्टि	---	1992-07-31
38.	प्राई एस : 13382 – 1992 जल गैस और मसगल के लिए वाब पाइप लाइन के यांत्रिक और पुण चान नम्ब जोड़ों के लिए विशेष ढलवा लोहे – विशिष्टि	---	1992-05-31
39.	प्राई एस : 13387 – 1992 घातु कामिंग हेतु औंगार इस्तात फोजिंग – विशिष्टि	---	1992-07-31

[स. के. प्र. वि./13 : 2]

एन. श्रीनिवासन, प्रारंभ महानियंत्रक

New Delhi the, 18th February, 1993

S.O. 616.—In pursuance of clause (b) of Sub-rule (1) of Rule 7 of the Bureau of Indian Standards Rules 1987, Bureau of Indian Standards hereby notifies that the Indian Standard(s), Particulars of which is/are given in the Schedule hereto annexed, has/have been established on the date indicated against each:

THE SCHEDULE

Sl. No.	No. Year and Title of the Indian Standard(s) Established	No. and year of the Indian Standard or Standards, if any, superseded by the new Indian Standard	Date of Establishment
1	2	3	4
1.	IS : 206-1992 Tee and strap hinges—Specification (Fourth Revision)	IS : 206-1931	1992-06-30
2.	IS : 629-1988 Bicycle hub assembly—R type (Second Revision)	IS : 629-1963	1989-06-30
3.	IS : 650-1991 Standard sand for testing cement—Specification (Second Revision)	IS : 650-1966	1991-05-31

(1)

(2)

(3)

(4)

4. IS : 1170-1991 Ferrochromium—Specification (Second Revision)	IS : 1170-1967	1992-01-31
5. IS : 1297-1991 House hold sewing machines presser bar— Specification (Third Revision)	IS : 1297-1974	1991-06-630
6. IS : 1341-1992 Steel butt hinges—Specification (Fifth Revision)	IS : 1341-1981	1992-04-30
7. IS : 1448 (P : 140) : 1992 Methods of test for petroleum and its products (P : 140) Determination of apparent density of petroleum coke by mercury pyknometer method	—	1992-06-30
8. IS : 1448 : (P : 141) : 1992 Methods of test for petroleum and its products (P : 141) Determination of apparent density of petroleum coke by helium method	—	1992-07-31
9. IS : 1635 : 1992 Field slaking of building lime and preparation of putty—Code of practice (Second Revision)	IS : 1635-1975	1992-07-31
10. IS : 1659:1990 Blockboards—Specification (Third Revision)	IS : 1659 : 1979	1991-02-28
11. IS : 1703 : 1989 Water fittings—copper alloy float valves (Horizontal plunger type)—Specification (Third Revision)	IS : 1793 : 1977	1990-03-31
12. IS : 2002 : 1992 Steel plates for pressure vessels for intermediate and high temperature service including boilers—Specification (Second Revision)	IS : 2002 : 1982	1992-04-30
13. IS : 2266 : 1989 Steel wire ropes for general engineering purpose—Specification (Third Revision)	IS : 2266 : 1977	1990-06-30
14. IS : 2720 (Part 9) : 1992 Methods of test for soils Part 9 Determination of dry density-moisture content relation by constant mass of soil method (First Revision)	IS : 2720 (Part 9)-1971	1992-07-31
15. IS : 3156 (Part 3) : 1992 Voltage transformers—Specification Part 3 Protective voltage transformers (Second Revision)	IS : 3156 (Part 3) : 1978	1992-05-31
16. IS : 3195 : 1992 Steel for the manufacture of volute and helical springs (for railway rolling stock)—Specification (Third Revision)	IS : 3195 : 1982	1992-06-30
17. IS : 3445 : 1992 Forged steel rolls—Specification (First Revision)	IS : 3445 : 1956	1992-06-30
18. IS : 3614 (Part 2) : 1992 Metallic and non-metallic fire check doors—Resistance test and performance criteria	—	1992-06-30
19. IS : 5681 : 1992 General meteorological thermometers, liquid- in-glass—Specification (Second Revision)	IS : 5681 : 1983	1992-07-31

1	2	3	4
20.	IS : 6175 (Part 6) : 1992 Screwing taps Part 6 Screwing taps for pipe threads parallel G series— Specification	IS : 6172 : 1979	1992-03-31
21.	IS : 6871 : 1992 Wind equipment distant indicating— Specification (First Revision)	IS : 6871 : 1973	1992-07-31
22.	IS : 7155 (Part 6) : 1990 Code of recommended practice for conveyor safety Part 6 Selection, training and supervision of operators (First Revision)	IS : 7155 : 1974	1990-12-31
23.	IS : 1735 : 1992 Forceps, sponge holding—shape and dimensions (First Revision)	IS : 7735 : 1975	1992-04-30
24.	IS : 7982 : 1992 Automobile polish, liquid—Specification (First Revision)	IS : 7982 : 1976	1992-07-31
25.	IS : 8871 : 1991 Metallic powders—Determination of tap density (First Revision)	IS : 8871 : 1978	1991-12-31
26.	IS : 9299 (Part 2) : 1992 Insulating materials based on built-up mica or treated mica paper—Specification Part 2 Methods of test First Revision)	IS : 9299 (Part 2) : 1979	1992-04-30
27.	IS : 10008 - 1992 Beater addition jointings—Specification (First Revision)	IS : 10008 : 1984	1992-07-31
28.	IS : 10242 (Part 4) : 1992 Electrical installations in ships Part 4 Installation and test of completed installation— Specification	—	1992-03-31
29.	IS : 13247 (Part 2) Complete filter units for radio interference suppression Part 2 Sectional specification—selection of methods of test and general requirements	—	1992-02-29
30.	IS : 13248 : 1992 Flexible waveguide assembly performance	—	1992-03-31
31.	IS : 13251 : 1992 Hydraulic fluid power—single rod cylinders 160 bar (16 MPa) medium and 250 bar (25 MPa) series— mounting dimensions of accessories	—	1992-02-29
32.	IS : 13280 : 1992 The mechanical balancing of flexible rotors	—	1992-05-31
33.	IS : 13315 : 1992 Nickel cadmium batteries for electric locomotives—Specification	—	1992-04-30
34.	IS : 13318 : 1992 Spectrophotometric determination of nickel Test	—	1992-06-30
35.	IS : 13346 : 1992 General requirements for electrical apparatus for explosive gas atmospheres	—	1992-05-31
36.	IS : 13349 : 1992 Cast iron single faced thimble mounted sluice gates—Specification	—	1992-04-30
37.	IS : 13373 : 1992 Horticultural equipment—Grass shear— Specification	—	1992-07-31

1	2	3	4
38.	IS : 13382 : 1992 Cast iron specials for mechanical and push-on flexible joints for pressure pipelines for water, gas and sewage—Specification	—	1992-05-31
39.	IS : 13387 : 1992 Tool steel forgings for metal forming—Specification	—	1992-07-31

Copies of these Indian Standards are available for sale with the Bureau of Indian Standards, Manak Bhavan, 9 Bahadur Shah Zafar Marg, New Delhi-110002 and Regional Offices : Bombay, Calcutta, Chandigarh and Madras and also Branch Offices : Ahmedabad, Bangalore, Bhopal, Bhubaneshwar, Guwahati, Hyderabad, Jaipur, Patna and Trivandrum.

[No. CMD/13 : 2]

N. SRINIVASAN, Adl. Director General

नई दिल्ली, 19 फरवरी, 1993

का. घा. 617.—भारतीय मानक अंग्रेजी नियम, 1987 के नियम 7 के उपनियम (1) को खंड (ख) के प्रत्युपरण में भारतीय मानक अंग्रेजी एतत्वद्वारा अधिसूचित करता है कि जिस/जिन भारतीय मानक/मानकों, का/के विवरण नीचे अनुसूची में दिया गया है/हो गए हैं, वह/वे स्थापित हो गया है/हो गए हैं।

अनुसूची

क्रम सं.	स्थापित भारतीय मानक(कों) की संक्षया वर्ष और शीर्षक	नए भारतीय मानक द्वारा अतिक्रमित स्थापित तिथि भारतीय मानक अथवा मानकों, यदि कोई हो, की सं० और वर्ष
----------	--	--

(1)	(2)	(3)	(4)
1.	आई एस : 2190 : 1992 प्राथमिक सहायता के लिए अभिनशास्त्रों का चुनाव, संस्थापन और रक्षणाद (पहला पुनरीक्षण)	IS : 2190 : 1979	1992-07-31
2.	आई एस : 2720 (भाग 20) – 1992 मूदा परीक्षण की विधियाँ भाग 20 ऐंट्रिक संकुचन का निर्धारण (पहला पुनरीक्षण)	IS : 2720 (भाग 20) – 1966	1992-07-31
3.	आई एस : 6548 – 1992 रोलिंग बेयरिंग – यंत्र यथाविता बेयरिंग (पहला पुनरीक्षण)	IS : 6548 – 1972	1992-06-30
4.	आई एस : 8745 – 1992 बिजली के एनीमोग्राफ – विग्रहित (पहला पुनरीक्षण)	IS : 8754 – 1978	1992-07-31
5.	आई एस : 13383 (भाग 2) – 1992 बत्ती उपकरण की प्रकाशमिति-मापन विधि भाग 2 मध्यक पर लगने वाले बत्ती उपकरण	IS : 7678 – 1975	1992-07-31
6.	आई एस : 13383 (भाग 3) – 1992 बत्ती उपकरण की प्रकाशमिति-मापन विधि भाग 3 पलट लाइट के लिए बत्ती उपकरण	IS : 7678 – 1975	1992-07-31
7.	आई एस : 13393 – 1992 श्रीगोलिक बिन्दु के संस्थापन हेतु अधारांस इंजानियर, उम्मतांश का मानक प्रतिनिधित्व	---	1992-05-31
8.	आई एस : 13401 – 1992 मांस और मांस उत्पाद—मांस में थायोबारब्यूट्यरिक अम्ल का निर्धारण—परीक्षण विधि	---	1992-07-31
9.	आई एस : 13404 – 1992 पावर ट्रैक्स – सामान्य अपेक्षाएं	---	1992-07-31
10.	आई एस : 13414 – 1992 बहुविन्दु ब्रोरहोल एक्सटेंसोमीटर का प्रयोग करते हुए चट्टान गतियों का भीनोपरिग—दिशा निर्देश	---	1992-07-31
11.	आई एस : 13416 (भाग 1) – 1992 कार्पेस्टल पर छतरों की रोकथाम के उपाय भाग 1 गिरने वाली सामग्री के खतरों से रोकथाम	---	1992-06-30

(1)	(2)	(3)	(4)
12. आईएस : 13435 (भाग 5) - 1992 एकाइलिक आधारित पालीमर की जलसह सामग्री - परीक्षण विधि भाग 5 फ़िल्म बनाने के न्यूनसम ताप और श्वेत बिन्दु का निर्धारण	---	---	1992-07-31
13. आईएस : 13440 - 1992 मिथाइल क्लोराइड - सुरक्षा संहिता	---	---	1992-06-30
14. आईएस : 13441 - 1992 ईथाइलाइथर - 5 सुरक्षा संहिता	---	---	1992-07-31
15. आईएस : 13442 : 1992 द्राइक्लोरोइथाइलीन - सुरक्षा संहिता	---	---	1992-07-31
16. आईएस : 13443 - 1992 विद्युत लेपन से पहले ग्रीज रहित करने के लिए मिथाइल क्लोराइड - विशिष्टि	---	---	1992-06-30
17. आईएस : 13444 - 1992 पशु चालित वाहन हवा भरे टायर - विशिष्टि	---	---	1992-06-30
18. आईएस : 13447 - 1992 पी-नाइट्रो एनिनीन - सुरक्षा संहिता	---	---	1992-06-30
19. आईएस : 13465 (भाग 3/अनुभाग 1) - 1992 विद्युत रोधन के लिए प्रयुक्त विलायक रहित पालीमरीय रेजिन यौगिक - विशिष्टि भाग 3 एकल सामग्री की विशिष्टि अनुभाग 1 भ्रमरित इपोक्सी रेजिन यौगिक	---	---	1992-06-30
20. आईएस : 13465 (भाग 3/अंड 2) - 1992 विद्युत रोधन के लिए प्रयुक्त विलायक रहित पालीमरीय रेजिन यौगिक - विशिष्टि भाग 3 एकल सामग्री की विशिष्टि अंड 2 क्षार्टेज भारित इपोक्सी रेजिन यौगिक	---	---	1992-07-31
21. आईएस : 13465 (भाग 3/अंड 3) : 1992 विद्युत रोधन के लिए प्रयुक्त विलायक रहित पालीमरीय रेजिन यौगिक - विशिष्टि भाग 3 एकल सामग्री की विशिष्टि अंड 3 भ्रमरित पालीयूरेन यौगिक	---	---	1992-07-31
22. आईएस : 13485 (भाग 3/अंड 4) - 1992 विद्युत रोधन के लिए प्रयुक्त विलायक रहित पालीमरीय रेजिन यौगिक - 5 विशिष्टि भाग 3 एकल सामग्री की विशिष्टि अंड 4 भारित पालीयूरेन यौगिक	---	---	1992-07-31
23. आईएस : 13467 : 1992 क्रोड कटर विधि से भूवा का शुक्र अमत्व के निर्धारण का उपकरण - विधि	---	---	1992-07-31
24. आईएस : 13470 - 1992 धातिक विधि द्वारा रूई के रेशों से सैल्युलोज उत्पाद का निर्धारण	---	---	1992-06-30
25. आईएस : 13472 - 1992 वस्त्रादि-टैक्सिप के टैरी कपड़े और कृतिम और मिश्रित धारों से बने तौलिए - विशिष्टि	---	---	1992-07-31
26. आईएस : 13479 - 1992 फिटिंग और पालीईथालीन (पीई) दाढ़ पाइप के बीच में एसेम्बली जोड़	---	---	1992-07-31
27. आईएस : 13484 - 1992 तांबा और तांबा मिश्रधातु के लिए मैक्रोएक परीक्षण की विधियाँ	---	---	1992-07-31
28. आईएस : 13485 (भाग 1) - 1992 जानिकी के लिए औजार पौध गोपण के लिए -विशिष्टि भाग 1 एक छंड	---	---	1992-07-31
29. आईएस : 13486 (भाग 1) - 1992	---	---	1992-07-31
30. आईएस : 13490 - 1992 विशिष्टि गैस के प्रहस्तन की रीति संहिता	---	---	1992-07-31
31. आईएस : 13491 - 1992 मोटर वाहन-बोर्ड वाहन और टो किंग जाने वाले वाहन के बीच विद्युत कनेक्शन 24 बो. विद्युत उपस्कर संहिता	---	---	1992-07-31
32. आईएस : 13492 - 1992 मोटर वाहन-बुपहिंग वाहन - बैंक पैडल सामर्थ्य उपेक्षाओं की भूल्योक्त विधि	---	---	1992-07-31

New Delhi, the 19th February, 1993

S.O. 617.—In pursuance of clause (b) of Sub-rule (1) of Rule 7 of the Bureau of Indian Standard Rules 1987, The Bureau of Indian Standards hereby notifies that the Indian Standard(s), Particulars of which is/are given in the Schedule hereto annexed, has/have been established on the date indicated against each:

SCHEDULE

Sl. No.	Year and Title of the Indian Standard(s) Established	No. and year of the Indian Standard or Standards, if any, superseded by the new Indian Standard	Date of Establishment
(1)	(2)	(3)	(4)
1.	IS:2190:1992 Selection, installation and maintenance of first-aid fire extinguishers—Code of practice. (Third Revision)	IS:2190:1979	1992-07-31
2.	IS:2720 (Part 20) 1992 Method of test for soils Part 20 Determination of linear shrinkage (First Revision)	IS:2720 (Part 20)—1966	1992-07-31
3.	IS:6548:1992 Rolling bearings—instrument precision bearings (First Revision)	IS:6548:1972	1992-06-30
4.	IS:8754:1992 Electrical anemograph—Specification (First Revision)	IS:8754:1978	1992-07-31
5.	IS:13383 (Part 2) : 1992 Photometry of luminaires—Method of measurement Part 2 Luminaires for road and street lighting.	IS:7678:1975	1992-07-31
6.	IS:13383 (Part 3):1992 Photometry of luminaires—Methods of measurement Part 3 Luminaires for flood lighting.	IS:7678:1975	1992-07-31
7.	IS:13393:1992 Standard representation of latitude, longitude and altitude for geographic point location.	—	1992-05-31
8.	IS:13401:1992 Meat and meat products--Determination of thiobarbituric acid value in meat—Test method.	—	1992-07-31
9.	IS:13404:1992 Power trowel—General requirements.	—	1992-07-31
10.	IS:13414:1992 Monitoring of rock movements using multi-point borehole extensometers—Guide lines.	—	1992-07-31
11.	IS:13416 (Part 1):1992 Preventive measures against hazards at workplaces—Recommendations Part 1 Falling material hazards prevention.	—	1992-06-30
12.	IS:13435 (Part 5):1992 Acrylic based polymer waterproofing materials—Methods of test Part 5 Determination of minimum film forming temperature and white points.	—	1992-07-31
13.	IS:13440:1992 Methyl chloride—Code of safety.	—	1992-06-30
14.	IS:13441:1992 Ethyl ether—Code of safety.	—	1992-07-31
15.	IS:13442:1992 Trichlorethylene—Code of safety.	—	1992-07-31
16.	IS:13443:1992 Methylene chloride for degreasing prior to electroplating-- Specification.	—	1992-06-30
17.	IS:13444:1992 Animal drawn vehicles-pneumatic tyres— Specification.	—	1992-06-30
18.	IS:13447:1992 p—Nitroaniline—Code of safety	—	1992-06-30
19.	IS:13465 (Part 3/Sec 1):1992 Solventless polymerisable resinous compounds used for electrical insulation—Specification Part 3 Specifications for individual materials Section 1 Unfilled Epoxy Resinous compounds.	—	1992-06-30
20.	IS:13465 (Part 3/Sec 2):1992 Solventless polymerisable resinous compounds used in electrical insulation—Specification Part 3 Specifications for individual materials section 2 Quartz filled epoxy resinous compounds.	—	1992-07-31
21.	IS:13465 (Part 3/Sec 3):1992 Solventless polymerisable resinous compounds used for electrical insulation—Specification Part 3 Specifications for individual materials Section 3 Unfilled Polyurethane Compounds.	—	1992-07-31

22. IS:13465 (Part 3/Sec 4):1992 Solventless polymerisable resinous compounds used for electrical insulation—Specification Part 3 Specification for individual materials Section 4 Filled polyurethane compounds.	—	1992-07-31
23. IS:13468:1992 Apparatus for determination of dry density of soil by core cutter method—Specification.	—	1992-07-31
24. IS:13470:1992 Determination of cellulose yield of cotton linters by mechanical method.	—	1992-06-30
25. IS:13472:1992 Textiles—woven, terry towelling fabrics and towels made of man-made fibres and their blends—Specification.	—	1992-07-31
26. IS:13479:1992 Assembled joints between fittings and polyethylene (PE) pressure pipes—test of resistance to pull out.	—	1992-07-31
27. IS:13484:1992 Method for macroetch test for copper and copper alloys.	—	1992-07-31
28. IS:13485 (Part 1):1992 Forestry tools—stalk puller—Specification Part 1 Light duty.	—	1992-07-31
29. IS:13486 (Part 1):1992 Forestry tools—planting hoe—Specification Part 1 Single blade.	—	1992-07-31
30. IS:13490:1992 Code of practice for handling of speciality gases.	—	1992-07-31
31. IS:13491:1992 Automotive vehicles—electrical connections between towing vehicles and towed vehicles with 24 V electrical equipment—Type 24 N (Normal).	—	1992-07-31
32. IS:13492:1992 Automotive vehicles—two wheelers—method of evaluation of brake pedal strength requirements.	—	1992-07-31

Copies of these Indian Standards are available for sale with the Bureau of Indian Standard, Manak Bhavan, 9 Bahadur Shah Zafar Marg, New Delhi-110002 and Regional Offices: Bombay, Calcutta, Chandigarh and Madras and also Branch Offices: Ahmedabad, Bangalore, Bhopal, Bhubaneshwar, Guwahati, Hyderabad, Jaipur, Patna and Trivandrum.

[No. CMD/13:2]

N. SRINIVASAN, Addl. Director General